TABLE OF CONTENTS

1. विशेष्य और विशेषण....3
2. वाक्य एवं वर्तनी शुद्धि 23
3. पर्यायवाची शब्द.... 41
4. तत्सम एवं तद्भव शब्द 67
5. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द.... 83
6. विलोम 123

Nitin-Gupta.com

Download All Subject Free PDF

- PDF General Knowledge
- PDF Child Development and Pedagogy
- PDF Current Affairs
- PDF History
- PDF Maths
- PDF Geography
- PDF Reasoning
- PDF Economics
- PDF Science
- PDF Polity
- PDF Computer
- PDF Environment
- PDF General Hindi
- PDF MP GK
- PDF General English
- PDF UP GK

Join Our Best Course

- GK Trick By Nitin Gupta
- Current Affairs

Daily Current Affairs PDF, Best Test Series, Best GK PDF के लिए हमें Follow करें

हमें FOLLOW करें

- Telegram
- Whatsapp
- Instagram
- Apps
- Youtube

GK Trick By Nitin Gupta
The Ultimate Key to Success.

Welcome To

GK TRICK BY NITIN GUPTA APP

यहाँ पर आपको मिलेगा

- Best PDF Notes For All Exams
- Best Test Series For All Exams
- Daily Current Affairs PDF
- सभी Course बहुत ही कम Price पर
- सभी Test Detail Discription के साथ व Analysis करने को सुविधा

1. विशेष्य और विशेषण

विशेषण की परिभाषा:

विशेषण शब्द से तात्पर्य एक ऐसे शब्द से होता है जो किसी पदार्थ, वस्तु, व्यक्ति, काल, रूप संख्या, स्थान विचार, या अवस्था इत्यादि के विषय में उसकी विशेषता को बतलाता है अर्थात जो पद किसी की विशेषता बतलाए उसे "**विशेषण**" कहते हैं तथा जिसकी विशेषता बतलाई जाए उसे "**विशेष्य**" कहते हैं। **इस प्रकार विशेषण शब्द से किसी "संज्ञा" या "सर्वनाम" की विशेषता का बोध होता है,** यह विशेषता संज्ञा के आकार, रूप, गुण, स्वभाव, अवस्था, स्थिति इत्यादि से संबंधित हो सकता है, जैसे-

आकार - शिक्षक के हाथ में **लम्बी** छड़ी है।
स्थिति - सीता उनकी **लाडली** बेटी है।
अवस्था - श्याम **बीस** वर्ष का है।
संख्या - वहां: **दस** लड़के बैठे थे।
रूप - शीला **सुंदर** लड़की है।
गुण - श्याम का कोट **पुराना** था।
स्वभाव - मोहन **मिलनसार** व्यक्ति है।

नोट: उपर्युक्त वाक्य में विशेषण शब्द को मोटे अक्षरों में दर्शाया गया है।

विशेष्य: विशेष्य: शब्द से तात्पर्य उस शब्द से है, जिसकी विशेषता बताई जाती है अर्थात जिसकी विशेषता विशेषण से प्रकट होती है, उदाहरण के लिए-

'श्याम सुंदर बालक है'

उपर्युक्त वाक्य में 'बालक' शब्द विशेष्य है, क्योंकि 'सुंदर' शब्द उसकी विशेषता को बतलाता है।यहां पर यह गौरतलब है कि विशेष्य पद सदैव संज्ञा का बोध कराते हैं।

प्रविशेषण:

हिंदी भाषा में कुछ विशेषणों के भी विशेषण होते हैं, इन्हें "प्रविशेषण" कहते हैं। हिंदी भाषा के क्षेत्र मे इसकी आवश्यकता इसलिए पड़ती है, क्योंकि कभी-कभी विशेषण की भी विशेषता बतानी पड़ती है। इस कार्य को प्रविशेषण संपन्न करता है। इस प्रकार से प्रविशेषण विशेषण की विशेषता बताता है, उदाहरण के लिए-

'राम **बहुत** सुंदर है'

ऊपर्युक्त वाक्य में 'सुंदर' विशेषण की विशेषता 'बहुत' से व्यक्त हुई है। अतः यहाँ पर 'बहुत' शब्द का प्रयोग प्रविशेषण के तौर पर किया गया है।यहाँ यह गौरतलब है कि प्रत्येक विशेषण के साथ प्रविशेषण का होना आवश्यक नहीं है।

विशेषण के कार्य:

विशेषण किसी वस्तु या व्यक्ति के बारे में निम्नलिखित सूचना प्रदान करता है-

1. विशेषता बतलाना, उदाहरण के लिए-
   'काला घोड़ा दौड़ रहा है' (यहाँ विशेषण 'काला' घोड़ा की विशेषता बतलाता है)
2. अर्थ सीमित करना, उदाहरण के लिए-
   'पढ़ते छात्र ' (यहां केवल पढ़ते छात्रों तक सीमित अर्थ का प्रयोग)
3. हीनता बतलाना, उदाहरण के लिए-
   'बीमार वृद्धि' (यहां पर विशेषण 'बीमार' हीनता को सूचित करता है)
4. संख्या का बोध कराना, उदाहरण के लिए-
   'दस मजदूर' (यहां पर विशेषण 'दस' संख्या का बोध कराता है)
5. मात्रा बतलाना, उदाहरण के लिए-
   'पाँच किलो गेहूं' (यहां पर विशेषण 'पाँच किलो' मात्रा का बोध कराता है)

Nitin-Gupta.com

विशेषण की बेहतर समझ हेतु संज्ञा व सर्वनाम का ज्ञान आवश्यक

संज्ञा: किसी व्यक्ति वस्तु स्थान जाति या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं।संज्ञा के पांच भेद होते हैं जिन्हें आसान भाषा में समझने के लिए चार वर्गों में विभाजित किया जा सकता है:

प्राणी वाचक: राम, श्याम वृद्ध, स्त्री

अप्राणीवाचक: कुर्सी, पर्वत, पठार, सागर,

गणनीय: बच्चे, पशु, पक्षी, जानवर

अगणनीय: हवा, पानी, भीड़, दूध

सर्वनाम: जो शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होते हैं, उन्हें सर्वनाम कहते हैं।अर्थात सभी नामों के स्थान पर जिन शब्दों का प्रयोग होता है, वे सर्वनाम होते हैं।उदाहरण के लिए-

मैं, तुम, यह, वह, आप, कोई, कौन, इसका, उसका, हमारा, आपका और तुम्हारा

विशेषण के भेद

विशेषण मुख्यतःनिम्नलिखित चार प्रकार का होता है: सार्वनामिक विशेषण, संख्यावाचक विशेषण:, गुणवाचक विशेषण, परिमाणवाचक विशेषण

सार्वनामिक विशेषण:

पुरुषवाचक और निजवाचक सर्वनाम (मैं, तू, वह) के अतिरिक्त अन्य सर्वनाम जब किसी संज्ञा के पहले आते हैं तब वे 'सार्वनामिक विशेषण' कहलाते हैं अर्थात जब सर्वनाम किसी संज्ञा की विशेषताएं बतलाए तो उन्हे सार्वनामिक विशेषण कहते हैं, उदाहरण के लिए

- मेरा घर प्रयागराज में है।
- ऐसा आदमी कभी नहीं देखा।
- ये लड़के कहां जा रहे हैं।
- यह आदमी विश्वास करने लायक नहीं है।
- आपका पत्र मिला।

उपर्युक्त वाक्य में मेरा, ऐसा, ये, यह और आपका सर्वनाम क्रमशः घर, आदमी, लड़के, आदमी और पत्र की विशेषता बतलाते हैं।

व्युत्पत्ति के अनुसार सार्वनामिक विशेषणके भी दो भेद हैं: मौलिक सार्वनामिक विशेषणऔर यौगिक सार्वनामिक विशेषण

1. **मौलिक सार्वनामिक विशेषण:** जो सर्वनाम अपने मूल रूप में किसी संज्ञा की विशेषता बतलाते हैं, उन्हें मौलिक सार्वनामिक विशेषण कहते हैं।इस प्रकार के विशेषण बिना रूपांतर के संज्ञा के पहले आते हैं, उदाहरण के लिए-
   - ये लोग बुरे हैं।
   - यह आदमी सिपाही है।
   - कोई व्यक्ति आया था।

   उपर्युक्त वाक्य में ये, यह, कोई सर्वनाम के मूल रूप हैं और क्रमशः लोग, आदमी और व्यक्ति की विशेषता बतलाते हैं।
2. **यौगिक सार्वनामिक विशेषण:** जो सार्वनामिक विशेषण मूल सर्वनामों में प्रत्यय लगाने से बनते हैं तथा जो किसी संज्ञा की विशेषता बतलाते हैं, उन्हें यौगिक सार्वनामिक विशेषण कहते हैं, उदाहरण के लिए-
   - कैसा सामान लाए हो?
   - ऐसी लड़की मिलना कठिन है।
   - तुम्हारे जैसा लड़का मैंने देखा नहीं।

   उपर्युक्त वाक्यों में कैसा, ऐसी, जैसा यौगिक सर्वनाम क्रमशः सामान, लड़की, लड़का की विशेषता बतलाते हैं।

   नोट: उपर्युक्त विशेषण के अतिरिक्त मेरा, आपका, तुम्हारा, अपना, कितना, उतना, इतना आदि भी यौगिक सार्वनामिक विशेषण के अंतर्गत शामिल किए जाते हैं।

Nitin-Gupta.com

गुणवाचक विशेषण:

जिस विशेषण से किसी संज्ञा या सर्वनाम के गुण-दोष, आकार-प्रकार, रूप-रंग, सम्बन्ध, दशा इत्यादि के बारे में सूचना मिलती हो, उसे 'गुणवाचक विशेषण' कहते हैं, उदाहरण के लिए-

- रूप: सीता बहुत ही **सुंदर** लड़की है।
- रंग-: राम **हरी** कमीज पहना है।रीता **हरी** फ्रॉक पहनी है।
- गुण: वे **विद्वान** व्यक्ति हैं।शीला **शान्त स्वभाव** की लड़की है।
- दोष: मोहन **दुष्ट** लड़का है। अंकिता **बुरी** लड़की है।
- आकार: वह **मोटा** आदमी हमारी ओर आ रहा है।
- दशा: मीनू **दुर्बल** लड़की है।श्याम **स्वस्थ** लड़का है।

उपर्युक्त वाक्यों में मोटे अक्षरों में दिए गए शब्द गुणवाचक विशेषण है तथा वे वाक्य में प्रयुक्त संज्ञाओं और सर्वनामों के रूप, रंग, गुण, दोष, आकार, दशा इत्यादि के बारे में सूचना प्रदान करते हैं।

परिमाण वाचक विशेषण:

जिस विशेषण से संज्ञा के परिमाण का बोध होता हो उसे परिमाण वाचक विशेषण कहते हैं।यह विशेषण किसी वस्तु की नाप या तौल का बोध कराता है, उदाहरण के लिए-

- **सेर** भर दूध।
- **थोड़ा** पानी।
- **कुछ** पानी।
- **तोला** भर सोना।
- **सब** धन।
- **और** घी लाओ

उपर्युक्त वाक्यों में मोटे अक्षरों में दिए गए शब्द परिमाणवाचक विशेषण है।

यहां पर निश्चय और अनिश्चय के आधार पर परिमाणवाचक विशेषण को दो भागों में विभाजित किया जा सकता है: निश्चित परिमाणवाचक विशेषण और अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण।

1. **निश्चित परिमाण वाचक:** वह विशेषण जिससे किसी संज्ञा के निश्चित माप तौल की सूचना प्राप्त होती हो, उसे निश्चित परिमाणवाचक विशेषण कहते हैं, उदाहरण के लिए-
   - श्याम बाजार से **4 किलो** चावल लाया है।
   - **तीन मीटर** कपड़े से मेरी पैंट बन जाएगी।
   - बाजार जा रहे हो तो **दो सेर** घी लेते आना।

   उपर्युक्त वाक्यों में 4 किलो, तीन मीटर, दो सेर एक निश्चित माप-तौल की सूचना प्रदान करते हैं।
2. **अनिश्चित परिमाण वाचक विशेषण:** वह विशेषण जिससे किसी संज्ञा का कोई निश्चित परिमाण ज्ञात न होता हो, उसे अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण कहते हैं, उदाहरण के लिए-
   - बी.एच.यू. विश्वविद्यालय के **कुछ** छात्र हड़ताल पर हैं।
   - ताजमहल परिसर में **बहुत** आदमी थे।
   - माघ मेले में **अनेक** पशु-पक्षी थे।

   उपर्युक्त वाक्यों में कुछ, बहुत, अनेक, एक निश्चित परिमाण की सूचना प्रदान करते हैं।

संख्यावाचक विशेषण:

जिस विशेषण से किसी संज्ञा की संख्या के बारे में सूचना प्राप्त होती हो, उसे 'संख्यावाचक विशेषण' कहते हैं, उदाहरण के लिए तीस दिन, कुछ लोग, चार घोड़े, सब लड़के इत्यादि।यहां पर चार, तीस, कुछ और सब संख्यावाचक विशेषण है।

संख्यावाचक विशेषण के मुख्यतः तीन भेद हैं: **निश्चित संख्यावाचक, अनिश्चित संख्यावाचक** तथा **परिमाणवाचक।**

- **निश्चित संख्यावाचक** विशेषण से वस्तु की निश्चित संख्या का बोध होता है, यथा- तीस रूपये, दो लड़के इत्यादि।
- **अनिश्चित संख्यावाचक** विशेषण में वस्तु की संख्या अनिश्चित रहती है, यथा- सब लोग, कुछ लोग इत्यादि।

Nitin-Gupta.com

प्रयोग के आधार पर निश्चित संख्यावाचक विशेषण के निम्नलिखित प्रकार हैं:

1. **गणनावाचक विशेषण:** ऐसे संख्यावाचक विशेषण जिन्हें पूर्णांक बोधक और अपूर्णांक बोधक के रूप में गिना जा सके उन्हें गणना वाचक विशेषण कहते हैं, उदाहरण के लिए-
   - पूर्णांक बोधक: चार लड़के जा रहे हैं।
   - अपूर्णांक बोधक: आधा किलो चीनी मिली है

   उपर्युक्त वाक्यों में चार संख्या पूर्णांक बोधक के रूप में लड़के संज्ञा की विशेषता बतलाता है जबकि आधा अपूर्णांक बोधक संख्या के बारे में सूचना देता है।
2. **आवृत्ति वाचक विशेषण:** ऐसे संख्यावाचक विशेषण जो किसी संख्या की आवृत्ति को सूचित करते हों उन्हें आवृत्ति वाचक विशेषण कहते हैं, उदाहरण के लिए- दूना, तिगुना, पांच गुना, दोबारा, तिबारा इत्यादि।
3. **क्रमवाचक विशेषण:** ऐसे संख्यावाचक विशेषण जो किसी संख्या के क्रमांक को सूचित करते हों उन्हें क्रमवाचक विशेषण कहते हैं, उदाहरण के लिए-पहला, दूसरा, तीसरा, चौथा, दसवां, बीसवाँ।
4. **समुदायवाचक विशेषण:** ऐसे संख्यावाचक विशेषण जिनसे किसी समूह या समुदाय का बोध होता हो उसे समुदायवाचक विशेषण कहते हैं, उदाहरण के लिए-दोनों, तीनों, चारों, पांचो, दसों
5. **प्रत्येक बोधक विशेषण:** ऐसी संख्या जो किसी एक का बोध कराए उसे प्रत्येक बोधक विशेषण कहते हैं, उदाहरण के लिए एक-एक, हरेक, प्रत्येक, सवा-सवा, दो-दो

विशेष्य और विशेषण में संबंध

विशेषण जिस संज्ञा या सर्वनाम शब्द की विशेषता बतलाता है, उस संज्ञा या सर्वनाम को "**विशेष्य**" कहते हैं, उदाहरण के लिए-

सफेद गाय दौड़ी।

उपर्युक्त वाक्य में **सफेद** विशेषण और उसकी संज्ञा **गाय** विशेष्य है।

हिंदी भाषा में 'विशेष्य' के साथ विशेषण का प्रयोग दो तरह से किया जाता है:

(1) जब विशेषण विशेष्य (संज्ञा अथवा सर्वनाम) के पूर्व प्रयुक्त होता है, तब उसे "**विशेष्य- विशेषण**" या "**उद्देश्य-विशेषण**" कहते हैं, उदाहरण के लिए-

- वह **सुशील** कन्या है।
- वह **चंचल** बालक है।

उपर्युक्त वाक्यों में सुशील और चंचल क्रमशः कन्या और बालक के विशेषण है, अतः ये दोनों "विशेष्य-विशेषण" हैं।

(2) जब विशेषण विशेष्य के पश्चात आता है अर्थात वह विशेष्य और क्रिया के बीच में आता है, तब उसे "**विधेय-विशेषण**" कहते हैं, उदाहरण के लिए-

-मेरी लड़की **आलसी** है।

-मेरा कुत्ता **सफेद** है।

उपर्युक्त वाक्यों में आलसी और सफेद विशेषण हैं, जो क्रमशः लड़की और कुत्ता के बाद प्रयोग किए गए हैं, अतः ये दोनों विधेय-विशेषण हैं।

विशेषणों की रचना

विशेषण के रूप में परिवर्तन निम्नलिखित स्थितियों पर निर्भर करता है:

(1) रूप-रचना की दृष्टि से विशेषण विकारी या अविकारी दोनों ही होते हैं। अविकारी विशेषणों के रूपों में परिवर्तन नहीं होते हैं अर्थात वे अपने मूल रूप में ही बने रहते हैं, उदाहरण के लिए- सुंदर, गोरा, पीला, सुडौल, भारी, चंचल आदि।

(2) कुछ विशेषणों का निर्माण संज्ञाओ में **प्रत्यय** लगाने से भी होता है, उदाहरण के लिए-

प्रत्यय	संज्ञा	विशेषण
इक	धर्म	धार्मिक
ईय	जाति	जातीय
मान	श्री	श्रीमान
वान	धन	धनवान

Nitin-Gupta.com

(3) कुछ विशेषणों का निर्माण **दो या दो से अधिक शब्दों के मेल** से भी होता है, उदाहरण के लिए- टेढ़ा-मेढ़ा, चलता-फिरता, दुबला-पतला, छोटा-बड़ा इत्यादि।

(4) सार्वनामिक विशेषण सर्वनाम की तरह ही वचन और कारक के अनुसार रूपांतरित हो जाते हैं, उदाहरण के लिए-

एकवचन	**बहुवचन**
वह बालक	वे बालक
उस लड़के का	उन लड़कों का

(5) आकारांत विशेषण वचन, कारक और लिंग के अनुसार बदलकर 'ए' या 'इ' रुप ग्रहण कर लेते हैं, उदाहरण के लिए-

पुलिंग	**स्त्रीलिंग**
एकवचन -बड़ा, काला, ऐसा	बड़ी, काली, ऐसी
बहुवचन- बड़े, काले, ऐसे	बड़ी, काली, ऐसी

(6) कुछ विशेषणों का निर्माण **क्रियाओ में प्रत्यय लगाकर** भी होता है, उदाहरण के लिए

पूज्+ अनीय (प्रत्यय) =	पूजनीय (विशेषण)
पठ+ नीय (प्रत्यय) =	पठनीय (विशेषण)

तुलनात्मक विशेषण

दो या दो से अधिक वस्तुओं की विशेषताओं के मिलान को तुलना कहते हैं तथा इस कार्य को दर्शाने वाले विशेषण को 'तुलनात्मक विशेषण' कहते हैं। हिंदी व्याकरण के क्षेत्र में तुलनात्मक विशेषण के संदर्भ में बहुत कम ही विचार किया गया है, क्योंकि हिंदी में विशेषणों की तुलना उस ढंग से नहीं की जाती जिस तरह से अंग्रेजी में होती है। अंग्रेजी व्याकरण में विशेषणों की तुलना हेतु तीन स्थितियों है: (positive) पॉजिटिव comparative (कम्पैरटिव) और superlative (सुपरलेटिव), जिसे निम्नलिखित संदर्भ में देखा जासकता है:

Positive	**comparative**	**superlative**
big	bigger	biggest
Good	better	best

उपर्युक्त उदाहरणों से यह स्पष्ट होता है कि अंग्रेजी भाषा में विशेषण की तुलना करते समय शब्दों के रूप बदल जाते हैं। इस संदर्भ में हिंदी की स्थिति अंग्रेजी से भिन्न है। हिंदी में तुलना करने पर विशेषणों के रूप ज्यों-के-त्यों रहते हैं अर्थात उनमें विकार या परिवर्तन नहीं होता है। हिंदी भाषा में विशेर्षणों की तुलना करने के लिए निम्नलिखित तरीके अपनाए जाते हैं:

(1) हिंदी भाषा में जब दो संज्ञाओं के गुण या अवस्था की तुलना की जाती है तब विशेषण से पूर्व निम्नलिखित शब्दों का प्रयोग किया जाता है: **की अपेक्षा, की तुलना में, अपेक्षाकृत मुकाबले में, से कहीं बढ़कर, से बढ़-चढ़कर** इत्यादि। उदाहरण के लिए-

- शीला तुम्हारी लड़की **से छोटी** है।
- रमेश का घर तुम्हारे घर **से बड़ा** है।
- श्याम **की अपेक्षा** मोहन सुंदर है।
- सभी लड़कों में **अपेक्षाकृत** रमेश तेज है।
- मोहन **के मुकाबले** सोहन मोटा है।

उपर्युक्त वाक्यों में मोटे अक्षरों में दिए गए शब्द दो संख्याओं के गुण एवं अवस्था की तुलनात्मक स्थिति को प्रदर्शित करते हैं।

(2) जब दो से अधिक संज्ञाओं के बीच तुलना करना हो तो निम्नलिखित शब्दों का प्रयोग करते हैं: **सबसे**, **सर्वाधिक**, उदाहरण के लिए-

- पांच भाइयों में रमेश **सबसे** बुद्धिमान है।
- सोहन अपनी कक्षा का **सर्वाधिक** योग्य छात्र है।

संस्कृत भाषा में विशेषणों की तुलना "**तर**" और "**तम**" प्रत्यय लगाकर भी की जाती है। संस्कृत भाषा में अंग्रेजी भाषा की ही तरह विशेषण के रूप बदलते हैं, उदाहरण के लिए- **श्रेष्ठ श्रेष्ठतर** और **श्रेष्ठतम।** हिंदी भाषा में शब्दों के इन तीन रूपों को तीन अवस्थाओं में रखा गया है:, जो निम्नलिखित है:

Nitin-Gupta.com

(1) मूलावस्था: इस अवस्था के अंतर्गत विशेषण की तुलना किसी अन्य विशेषण से न करके उन्हें सीधे-सीधे व्यक्त किया जाता है अर्थात इस अवस्था में किसी विशेषण के गुण या दोष की तुलना दूसरी वस्तु से नहीं की जाती है, उदाहरण के लिए- सुंदर, मधुर, वीर, महत

(2) उत्तरावस्था: जब दो संज्ञाओं के बीच तुलना होती है तो विशेषण की उस अवस्था को उत्तरावस्था कहते हैं।इस अवस्था में किसी एक वस्तु के गुण या दोष अधिक बताए जाते हैं, उदाहरण के लिए- रामबाबू श्यामबाबू से **अधिक** समझदार है।

(3) उत्तमावस्था: इस अवस्था में विशेषण द्वारा किसी वस्तु को सबसे अधिक गुणवान या दोषी बताया जाता है, उदाहरण के लिए- कॉलेज में महेंद्र **सबसे अच्छा** खिलाड़ी है।

नोट: उपर्युक्त तरीकों के अतिरिक्त विशेषण की मूलावस्था में **'तर'** और **'तम'** लगाकर उसकी अवस्था में बदलाव करके उत्तरावस्था एवं उत्तमावस्था को तुलनात्मक दृष्टि से प्रदर्शित किया जा सकता है।इस प्रकार के कतिपय उदाहरण निम्नलिखित हैं:

मूलावस्था	उत्तरावस्था	उत्तमावस्था
उच्च	उच्चतर	उच्चतम
गुरु	गुरुतर	गुरुतम
अधिक	अधिकतर	अधिकतम
सुंदर	सुंदरतर	सुंदरतम
निम्न	निम्नतर	निम्नतम
प्रिय	प्रियतर	प्रियतम
महत	महतर	महतम
कोमल	कोमलतर	कोमलतम
लघु	लघुत्तर	लघुत्तम

क्रियाविशेषण (ADVERB)

जिस शब्द से क्रिया, विशेषण या किसी दूसरे क्रिया विशेषण की विशेषता प्रकट होती हो, उसे क्रियाविशेषण कहते हैं। उदाहरण के लिए-

- श्याम **धीरे-धीरे** टहलता है।
- श्याम **वहां** टहलता है।
- श्याम **अभी** टहलता है।

उपर्युक्त वाक्यों में **धीरे-धीरे, वहां** और **अभी** श्याम के 'टहलने' (क्रिया) की विशेषता को बतलाते हैं।

क्रिया विशेषण के बारे में निम्नलिखित दो बातें महत्वपूर्ण हैं:

- ये क्रियाविशेषण अविकारी विशेषण भी कहलाते हैं।
- क्रियाविशेषण दूसरे क्रिया विशेषण की भी विशेषता बतलाते हैं, यथा-
  'वह बहुत धीरे चलता है।'

उपर्युक्त वाक्य में बहुत क्रियाविशेषण है, क्योंकि यह दूसरे क्रियाविशेषण धीरे की विशेषता बतलाता है।

क्रिया विशेषण के कार्य:

क्रिया विशेषण के कार्य निम्नलिखित हैं:

- यह क्रिया के होने का ढंग बतलाता है।
- यह क्रिया की विशेषता को बतलाता है।
- यह क्रिया के होने की निश्चितता तथा अनिश्चित के बारे में सूचना प्रदान करता है।
- यह क्रिया के होने में स्वीकृति तथा निषेध का बोध कराता है।
- यह क्रिया के घटित होने की स्थिति इत्यादि को दर्शाता है।

क्रिया विशेषण के भेद:

क्रिया विशेषण के भेद निम्नलिखित तीन आधारों पर होते हैं:

Nitin-Gupta.com

- प्रयोग के अनुसार क्रियाविशेषण के भेद
- रूप के अनुसार क्रियाविशेषण के भेद
- अर्थ के अनुसार क्रियाविशेषण के भेद

प्रयोग की दृष्टि से क्रिया विशेषण के भेद:

प्रयोग के अनुसार क्रिया विशेषण के निम्नलिखित तीन भेद होते हैं:

(1) साधारण क्रियाविशेषण: किसी वाक्य में स्वतंत्र रूप से प्रयुक्त होने वाले क्रियाविशेषण को साधारण क्रिया विशेषण कहते हैं, उदाहरण के लिए-
- बेटा, जल्दी आओ। (जल्दी)
- हाय! अब मैं क्या करूं? (अब)
- अरे! सांप कहां गया? (कहाँ)

(2) संयोजक क्रिया विशेषण: जिन क्रियाविशेषणों का संबंध किसी उपवाक्य से रहता है, उन्हें संयोजक क्रियाविशेषण कहते हैं, उदाहरण के लिए-
- जहां आप पढ़ेंगे, वहां मैं भी पढ़ूंगा। (जहां, वहां)
- जब आप कहेंगे तब मैं जाऊंगा। (जब, तब)

(3) अनुबद्ध क्रियाविशेषण: जिन क्रियाविशेषणों का प्रयोग अवधारणा (निश्चय) के लिए किसी शब्द के साथ होता है, उन्हें अनुबद्ध क्रियाविशेषण कहा जाता है, उदाहरण के लिए-
- यह तो किसी ने धोखा ही दिया है। (तो)
- मैंने उसे देखा तक नहीं। (तक)

अर्थ की दृष्टि से क्रिया विशेषण के भेद:

अर्थ की दृष्टि से क्रियाविशेषण के निम्नलिखित चार भेद हैं:

(1) स्थानवाचक क्रियाविशेषण: जिस क्रियाविशेषण से स्थान और दिशा का बोध होता हो उसे स्थानवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं। उदाहरण के लिए-

वहां, यहां, नीचे, ऊपर

(2) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण: जिस क्रियाविशेषण से परिमाण की सूचना मिलती हो, उसे परिमाणवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं। परिमाणवाचक क्रियाविशेषण निम्नलिखित पांच प्रकार का होता है:
- अधिकताबोधक: अधिक, बहुत, खूब, अतिशय
- न्यूनता बोधक: कुछ, थोड़ा, किंचित, जरा
- तुलनाबोधक: जितना, उतना, कितना, इतना, बढ़कर
- पर्याप्तबोधक: काफी, बस, यथेष्ट, केवल
- श्रेणीबोधक: एक-एक, क्रमशः, बारी-बारी

(3) कालवाचक क्रियाविशेषण: जिस क्रियाविशेषण से काल या समय का बोध होता हो, उसे कालवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं, उदाहरण के लिए-

आज, अब, कब, अभी, निरंतर

(4) रीतिवाचक क्रियाविशेषण: जिस क्रियाविशेषण से निश्चय, अनिश्चय, निषेध कारण इत्यादि के बारे में सूचना मिलती हो, उसे रीतिवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं, उदाहरण के लिए-

अवश्य, कदाचित, ऐसे, वैसे, ठीक, क्यों

रूप की दृष्टि से क्रियाविशेषण के भेद

रूप की दृष्टि से क्रियाविशेषण के निम्नलिखित तीन भेद हैं:

(1) मूल क्रियाविशेषण: जो क्रिया विशेषण किसी अन्य शब्द के योग या मेल से नहीं बनते हैं, उन्हें मूल क्रियाविशेषण कहते हैं, उदाहरण के लिए-

अचानक, फिर, ठीक, दूर, नहीं

Nitin-Gupta.com
UPPSC WALLAH

(2) **यौगिक क्रियाविशेषण**: ऐसे क्रियाविशेषण जो प्रत्यय या अन्य शब्दों के योग से मिलकर बनते हैं, उन्हें यौगिक क्रियाविशेषण कहते हैं। यौगिक क्रियाविशेषण संज्ञा, सर्वनाम, धातु, अव्यय और विशेषण के मेल से बनते हैं। यौगिक क्रियाविशेषण के उदाहरण निम्नलिखित हैं: प्रतिदिन, बाहर-भीतर, घर-बाहर, हरेक, जहां-तहां, यथाक्रम, इधर-उधर इत्यादि

(3) **स्थानीय क्रिया विशेषण:** ऐसे क्रियाविशेषण जो बिना रूपांतर के किसी विशेष स्थान में आते हैं, उन्हें स्थानीय क्रियाविशेषण कहते हैं, उदाहरण के लिए-

-लड़का **उठकर** भागा।

-चोर **पकड़ा** हुआ आया।

विशेषण और विशेष्य से संबंधित विविध परीक्षाओं में पूछे गए प्रश्नोत्तर

'लाखों लोगों ने इसे महसूस किया है' वाक्य में विशेषण है **- लाखों**

'एक प्रतिभा संपन्न छात्र' का विशेषण है **-मेधावी**

विशेष्य-विशेषण युग्म सुमेलित हैं **- भाव-विह्वल, कर्म-निष्ठ**

'ऋषि' संज्ञा शब्द से विशेषण शब्द क्या बनेगा? **- आर्ष**

विशेषण शब्द है **- पाँचवाँ, क्रोधी**

'दुश्चरित्र व्यक्ति से संबंध नहीं रखना चाहिए' इस वाक्य में प्रयुक्त 'दुश्चरित्र' शब्द व्याकरण की दृष्टि से किस संवर्ग के अंतर्गत आता है **- विशेषण**

विशेषण का प्रयोग हुआ है **- गुलाब के फूल मुझे पसंद है**

व्याकरण की दृष्टि से विशेषण शब्द है - निर्भीक, भयभीत, भीरू (यहाँ 'भय' विशेष्य शब्द है) निम्नलिखित वाक्यों में विशेषण प्रयुक्त हुआ है? **- कविता परिश्रमी युवति है।**
- वह अच्छा आदमी था लेकिन काम न आया।
- प्रबुद्धजनों से हमारी अपेक्षा है।

विशेषण शब्द है **-बनारसी**

विशेषण का प्रयोग हुआ है **- राम ने रोटी खाकर और रोटी माँगी**

विशेषण शब्द है **- निर्भीक, भयभीत, भीरू**

विशेषण शब्द है **- घरेलू (विशेष्य शब्द हैं- उपार्जन, उपनिवेश, चक्षु)**

'चतुर विद्यार्थी से प्रश्न पूछो' इस वाक्य में विशेषण है **- चतुर**

'वह आदमी जो कल आपके घर आया था, बहुत बड़ा ठग है' उपर्युक्त वाक्य में कितने विशेषण हैं? **- चार**

विशेषण शब्द है - **उत्कृष्ट, धृष्ट, निकृष्ट**

विशेषण युग्म शब्द है **- हरा-पीला (गुणवाचक विशेषण), छोटा-बड़ा (गुणवाचक विशेषण)**
दो-तीन (गणनवाचक विशेषण)

विशेषण पद है **- आयतलोचना**

'यह गाय अधिक दूध देती है' इस वाक्य में 'अधिक' विशेषण किसकी विशेषता बता रहा है **- दूध की**

निम्नलिखित वाक्यों में विशेषण का प्रयोग हुआ है **- वह प्रबुद्ध विद्यार्थी है।**
- वह परिश्रमी भी है।
- वह लड़का विद्यार्थी है।

विशेषण शब्द है **- वरदायक, वरद, वरणीय, ('वरदान' विशेष्य है)**

विशेषण शब्द है **- आंतरिक, अधिकारी, आग्नेय ('अंतर' विशेष्य है)**

विशेषण शब्द है **- अजीत, कौटिल्य, महत् (विशेष्य है - अजय, अनुशंसा, अकर्म)**

अनुमान का विशेषण होगा **- अनुमित, अनुमानित**

Nitin-Gupta.com

विशेषण शब्द है - निर्भीक, भीरू, भयभीत, नैतिक, लजिला, लापता, सज्जन, दुर्जन,
- लाड़ला, सुकुमार, आगामी, काला, शान्त, सर्व, भव्य, ('गर्व' विशेष्य है)
इंद्रिय का विशेषण शब्द है **- एन्द्रिय**
विशेषण शब्द है **-कुछ,, चमकीला, विद्वान**
विशेषण शब्द बताइए **- क्षम्य (विशेष्य है- क्षमा)**
विशेषण शब्द है **- सुंदर**
'जिस विकारी शब्द से संज्ञा की व्याप्ति मर्यादित होती है, उसे कहते हैं **-विशेषण**
जो शब्द संज्ञा की विशेषता बताते हैं, उन्हें क्या कहते हैं? **- विशेषण**
नीली साड़ी में विशेषण है? **- गुणवाचक विशेषण**
'विद्वान व्यक्ति पूज्य होते हैं' इस वाक्य में प्रयुक्त विशेषण है? **- गुणवाचक विशेषण**
सारिका शब्द में विशेषण है? **- गुणवाचक विशेषण**
धुंधला शब्द में विशेषण है? **- गुणवाचकविशेषण**
'यह चांदी खोटी-सी दिखती है' इस वाक्य में खोटी-सी विशेषण का कौन सा प्रकार है? - **-गुणवाचक विशेषण**
विशेषण शब्द है? **- उचित**
'दृश्य बहुत ही मनोरम था'इस वाक्य में 'मनोरम' शब्द का विशेषण भेद है? **-गुणवाचक विशेषण**
'स्त्री' शब्द का विशेषण है? **- स्त्रैण**
'राधा बहुत ही सुंदर लड़की है' इस वाक्य में कौन सा विशेषण है? **-गुणवाचक विशेषण**
'वे अच्छी लड़कियाँ हैं' इस वाक्य में विकारी विशेषण है? **- वे**
प्रयोग के आधार पर 'पाण्डु' शब्द है? **- विशेषण और विशेष्य दोनों**
'आठ बड़े चोर पकड़े गए थे, पुलिस की लापरवाही से आधे चोर भाग गये' इस वाक्य में किन शब्दों में विशेषण - **विशेष्य संबंध नहीं है?**
-पुलिस की लापरवाही
'हजारों लोगों ने उसे देखा है' इस वाक्य में विशेषण है? **- हजारों**
परिमाणवाचक क्रियाविशेषण अव्यय क्या है? **- अत्यन्त**
'वह नौकर नहीं आया' इस वाक्य में 'वह' कौन सा विशेषण है? **- सार्वनामिक विशेषण**
(मौलिक सार्वनामिक विशेषण **- यह, वह, कोई)**
(यौगिक सार्वनामिक विशेषण **- ऐसा, जैसा, कैसा)**
निम्नलिखित वाक्य में परिमाणवाचक क्रियाविशेषण है? इस बार बारिश में बहुत ओले पड़े
'गिलास में थोड़ा दूध है' इस वाक्य में 'थोड़ा' शब्द विशेषण के किस भेद के अंतर्गत आएगा? **- परिमाण वाचक विशेषण**
'आज मैंने अधिक केले खा लिए हैं' इस वाक्य में कौन सा विशेषण है? **- परिमाणवाचक विशेषण**
परिमाणवाचक क्रियाविशेषण का वाक्य है? **- वह बहुत थक गया है।**
'ऋषि की गाय बहुत दूध देती है' इस वाक्य में 'ऋषि' शब्द किस विशेषण का उदाहरण है- **- परिमाणबोधक विशेषण**
'गीला' है **- गुणवाचक विशेषण**
'मीठा अमरूद' में मीठा विशेषण किस कोटि का है? **- गुणवाचक विशेषण**
गुणवाचक विशेषण के कितने भेद हैं? **- सात**
क्रिया विशेषण है? **- धीरे-धीरे**
प्रतिदिन में किस प्रकार का क्रिया विशेषण है? **- कालवाचक**
क्रियाविशेषण का प्रयोग किया गया है? **- तुम जी जान लगाकर पढ़ रहे हो**
'तुम कहां पढ़ते हो' इस वाक्य में किस कोटि का विशेषण प्रयुक्त हुआ है? **- प्रश्न वाचक**
'उस ग्रंथ में 500 पृष्ठ हैं' इस वाक्य में 'उस' शब्द किस प्रकार का शब्द है? **- संकेतवाचक विशेषण**

Nitin-Gupta.com

'यह मकान मेरे भाई का है' इस वाक्य में 'यह' पद है? - **संकेतवाचक सर्वनाम विशेषण**
'कला का अंतिम और सर्वोच्च धेयय सौंदर्य है' इस वाक्य में कितने विशेषण है? **- तीन**
'दोनों' शब्द किस प्रकार का संख्यावाचक विशेषण है? **- समुदायबोधक विशेषण**
संख्यावाचक विशेषण हैं? **- सात**
'चौथाई' शब्द में विशेषण है? **- अपूर्णांकबोधक़ विशेषण**
'तीसरा' शब्द में विशेषण है? **- क्रमवाचक विशेषण**
विशेष्य शब्द है? **- सीता-राम**
विशेष्य शब्द है? **- आकाश**
(विशेषण हैं **- आराध्य, आकाशीय और आश्रित)**
'बड़ा घर', 'छोटा आदमी' और 'नीला वस्त्र' में विशेष्य कौन-कौन से पद हैं? **- घर, आदमी, वस्त्र**
'कश्मीरी सेब सिंदूरी लाल होता है' इस वाक्य में 'सिंदूरी' शब्द विशेषण के किस भेद के अंतर्गत आएगा? **- प्रविशेषण**
विशेषणों में से संज्ञा की पहचान कीजिए **- अनुशासन (विशेष्य)**
(विशेषण है -आसमानी, नियमित, पाश्चात्य)
'वह कृशकाय व्यक्ति दौड़ने लगा' इस वाक्य में विशेष्य है **- व्यक्ति**
'काला घोड़ा तेज दौड़ता है' इस वाक्य में क्रियाविशेषण है? **- तेज**
'वह एक सप्ताह बाद आया' इस वाक्य में कौन सा शब्द क्रियाविशेषण है **- बाद**
'वह धीरे-धीरे चल रहा है' इस वाक्य में 'धीरे-धीरे' क्या है? **- क्रियाविशेषण**
क्रियाविशेषण अव्यय है? **- अधिक मत बोलो**
'पुस्तकें 'धड़ा-धड़' बिक रही हैं' इसमें 'धड़ा-धड़' में शब्द का कौन सा रूप है? **- क्रियाविशेषण**
'उसे धीरे-धीरे लिखने की आदत है' इसमें 'धीरे-धीरे' शब्द क्या है? **- क्रियाविशेषण**
'वह एक अच्छा विद्यार्थी है' इस वाक्य में विशेष्य है? **विद्यार्थी**
'मोहन एक अच्छा विद्यार्थी है' इस वाक्य में विशेष्य है? **- विद्यार्थी**
'वह श्रेष्ठ उपासक है' इस वाक्य में विशेष्य है? **-उपासक**
'मोहन सुंदर बालक है' इस वाक्य में विशेष्य है? **- बालक**
'भक्त की करूण पुकार सुनकर भक्त-वत्सल भगवान दयार्द्र हो उठे' इस वाक्य में प्रयुक्त विशेष्यो की दृष्टि से युग्म शुद्ध है **- पुकार और भगवान**
'रमेश की पुस्तक पुरानी है' इस वाक्य में 'पुस्तक' शब्द क्या है? **- विशेष्य**
'सुधामयी वात्सल्यमयी तू प्रेममयी है' इस वाक्य में विशेष्य नहीं है, बल्कि विशेषण है - **-सुधामयी, वात्सल्यमयी, प्रेममयी**
विशेष्य पद है **- अग्नि, ललिता, उमा**
भोले बालक ने क्रूर डाकू के कठोर हृदय में कोमल भावना जगा दी' इस वाक्य में कितने विशेष्य पद है? **-चार (डाकू, बालक, हृदय और भावना)**
'युद्ध देखकर अशोक का कठोर हृदय मोम जैसा पिघल गया' इस वाक्य में विशेष्य है? **- हृदय**
'सुगंधित कस्तूरी के लोभी शिकारी राजस्थानी हिरणों का अवैध शिकार करते हैं' इस वाक्य में है **-चार विशेषण और चार विशेष्य**
'लोभी' किस विधि से निर्मित विशेषण है **- प्रत्यय-विधि**
'समुद्री सांप में घातक परंतु बहुत कीमती जहर पाया जाता है' इस वाक्य में है? **- तीन विशेषण और दो विशेष्य**
'भले और महान लोग उचित और संयमित व्यवहार करते हैं' उपर्युक्त वाक्य में कितने विशेषण और विशेष्य हैं? **- चार विशेषण और दो विशेष्य**
वह कृशकाय व्यक्ति दौड़ने लगा' इस वाक्य में विशेष्य है? **- व्यक्ति**

Nitin-Gupta.com

विशेष्य शब्द है? **- किताब**
विशेष्य शब्द है? **- विषाद**
'दशरथ के प्राण राम के लिए आकुल थे' इस वाक्य में मुख्य विशेष्य है **- प्राण**
विशेष्य शब्द है **- आनासक्ति**
'ठंडा पानी ठंड पैदा करता है' इस वाक्य में कौन सा शब्द विशेष्य है? **- पानी**
विशेष्य वह शब्द होता है **- जिस शब्द की विशेषता बतायी जाती है**
विशेष्य शब्द है **- अग्नि**
विशेषण शब्द है **-पांचवां**
सही युग्म सुमेलित है **- दुबला पतला लड़का**
'राम की गाय बहुत काली है' इस वाक्य में काली शब्द है? **- विशेषण**
विशेषण शब्द है? **- अकूत, अकर्ण, अचंड**
खेलने शब्द से बना विशेषण है? **- खिलाड़ी**
'प्रयागराज में दसवां व्यक्ति कोरोना से पीड़ित है' इसमें दसवां शब्द है? **- क्रम वाचक विशेषण**
'प्रताप सिंह का घोड़ा काला है' इसमें 'काला' शब्द विशेषण की दृष्टि से है? **-विधेय विशेषण**
'सौ गुना लंबा' में विशेषण का कौन सा भेद है? **-आवृत्तिवाचक विशेषण**
विशेष्य शब्द है? **- मानस**
'कोई आदमी आया है' इस वाक्य में प्रयुक्त विशेषण है? **-अनिश्चयवाचक विशेषण 'पाण्डु' शब्द विशेषण की दृष्टि से है?**
-विशेषण और विशेष्य दोनों
जिसकी विशेषता बतायी जाए, उसे कहते हैं? **- विशेष्य**
विशेष्य एवं विशेषण की दृष्टि से सही युग्म है **– क्रोध**
- क्रुद्ध
आसक्ति - आसक्त
आकर्षण - आकृष्ट
ईर्ष्या - ईर्ष्यालु
'जहां न पहुंचे रवि, वहां पहुंचे कवि' में उपवाक्य है **- क्रियाविशेषण उपवाक्य**
'पहले से बहुत धीरे (बोलने वाला) ' में कौन सा पदबंध है? **- क्रिया विशेषण पदबंध**
क्रियाविशेषण युक्त वाक्य है? **- लड़का रोते-रोते घर पहुंचा**
विशेषण शब्द है **- आर्थिक**
परिमाण बोधक विशेषण है? **- कम आमदनी**
संज्ञा-विशेषण की सही जोड़ी है? **- पिता-पैतृक**
विष-विषैला
आदि-आदिम
विशेषण का प्रयोग हुआ है **- मां ने कहा और रोटी लो।**
दोनों बच्चे बहुत भूखे थे।
मां ने गरमागरम खाना बनाया।
उत्साह शब्द का विशेषण है? **- उत्साहित**
'सब पेड़' में सब किस प्रकार का विशेषण है? **- अनिश्चित संख्यावाचक**
'दूसरा लड़का कहां गया' वाक्य में दूसरा किस प्रकार का विशेषण है? **- क्रमवाचक विशेषण**
समुदायवाचक विशेषण शब्द है? **- चारों**

Nitin-Gupta.com

'पापी' शब्द में विशेषण है? **- गुणवाचक विशेषण**
'प्रखर' शब्द है? **- विशेषण**
'बुद्धिहीन' शब्द व्याकरण की दृष्टि से किस संवर्ग में है? **- विशेषण**
'कबीर कल बहुत सुंदर दिख रहा था' उपर्युक्त वाक्य में 'सुंदर' शब्द व्याकरण की दृष्टि से क्या है? **- विशेषण**
परिमाणबोधक विशेषण है? **- कम आमदनी**
विशेषण शब्द है? **- सौतेला**
'सीता की खोज के लिए हनुमान को अगाध सागर को पार करने के लिए पूल से नहीं आकाश मार्ग से जाना पड़ा था' उपर्युक्त वाक्य में विशेष्य शब्द का चयन कीजिए **- सागर**
मिश्र वाक्यों में विशेषण उपवाक्य है **- लखनऊ, जो उत्तर प्रदेश की राजधानी है,**
- एक ऐतिहासिक नगर है।
विधान करने वाले शब्दों की विशेषता बतलाने वाला शब्द किसे कहते हैं? **- क्रियाविशेषण**
'किसी-न-किसी तरह' में कौन सा पदबंध है? **- क्रियाविशेषण पदबंध**
'बारिश बहुत ज्यादा हो रही है' इस वाक्य में 'ज्यादा' शब्द क्या है? **- क्रियाविशेषण**
विशेषणों में तुलना के आधार पर कितनी अवस्थाएं होती हैं? **- तीन**
विशेषण के मुख्यतः कितने भेद होते हैं? **- चार**
'मौसम आज कुछ सुहावना सा है' इस वाक्य में 'सुहावना' शब्द किसका परिचायक शब्द है? **- विशेषण**
'मोह' शब्द में विशेषण है? **- गुणवाचक विशेषण**
'योग्य व्यक्ति ही पहचाना जाता है' इस वाक्य में योग्य शब्द क्या है? **- गुणवाचक विशेषण**
'उन्नत' शब्द क्या दर्शाता है? **- विशेषण**
विशेषण की विशेषता बताने वाला शब्द क्या कहलाता है? **- प्रविशेषण**
जो शब्द संज्ञा की विशेषता बताते हैं, उन्हें क्या कहते हैं? **- विशेषण**
सही ढंग से सुमेलित है **– दूसरा**
- क्रमवाचक
ढाई **- अपूर्णांक बोधक**
छब्बीस **- पूर्णांक बोधक**
विशेषण का प्रयोग हुआ है **- मेरी गाय काली है।**
'परिमाणवाचक' क्रियाविशेषण अव्यय है? **- इतना**
जो शब्द क्रिया की विशेषता बताए, उसे......... कहते हैं? **- क्रियाविशेषण**
'सालों बाद उसका प्रवासी पति लौटा है' इस वाक्य में कौन सा शब्द विशेषण है? **- प्रवासी**
'एक लड़का स्कूल जा रहा है' इस वाक्य में विशेषण है? **- गणनावाचक विशेषण**
'बेताल पच्चीसी' किस विशेषण का उदाहरण है? **- समुदाय वाचक**
'पच्चीस रुपए दीजिए' इस वाक्य में विशेषण है? **- निश्चित संख्यावाचक विशेषण**
निश्चित संख्यावाचक विशेषण का उदाहरण है **- कुर्ते के लिए दो मीटर कपड़ा चाहिए।**
- एक किलो आम से ज्यादा मत लाना।
- चाय में पचास ग्राम चीनी डालना।
परिमाणवाचक क्रियाविशेषण वाक्य को चिन्हित कीजिए **- रात को कम खाना चाहिए**
'न्यूनतम' विशेषण की कौन सी अवस्था है? **- उत्तमावस्था**
'विशेषण की विशेषता बताने वाला शब्द' क्या कहलाता है? **- प्रविशेषण**
'धावक तेज गति से दौड़ते हैं' इस वाक्य में 'तेज गति' क्रियाविशेषण का कौन सा भेद है? **- रीतिवाचक क्रियाविशेषण**

Nitin-Gupta.com

क्रियाविशेषण के कितने भेद होते हैं? - **रूप के आधार पर तीन प्रकार के होते हैं: (मूल, यौगिक, स्थानीय)**
'रात को अचानक वर्षा होने लगी' इस वाक्य में क्रियाविशेषण का कौन सा भेद है? **- रीतिवाचक क्रियाविशेषण**
'मोहिनी तेज दौड़ती है' इस वाक्य में 'तेज' क्या है? **- रीतिवाचक क्रियाविशेषण**
'मां सुबह नाश्ता बनाती है' इस वाक्य में कौन सा क्रिया विशेषण है? **- कालवाचक क्रियाविशेषण**
क्रियाविशेषण से संबंधित शुद्ध वाक्य है **- लता बहुत मधुर गाती है।**
प्रदीप तेज लड़का है।
कृष्ण ने पापी कंस का वध किया।
'सब कुछ समाप्त हो गया' इस वाक्य में प्रयुक्त विशेषण का प्रकार है **- संख्या वाचक विशेषण**
'जलेबी में मिठास अधिक है' इस वाक्य में 'मिठास' शब्द का विशेषण है **- मीठापन**
'वहां भयंकर दुर्घटना हुई है' इसमें 'भयंकर' पद है **- विशेषण**
'आसमान का रंग नीला है' इसमें विशेष्य पद है **- आसमान**
निम्नलिखित वाक्यों में प्रविशेषण है **- अरे बहुत ही सुंदर फूल है (प्र. - बहुत)**
मुझे तो थोड़ी ही भूख है (प्र. - थोड़ी)
आजकल संतरे कुछ ज्यादा खट्टे हैं (प्र. कुछ ज्यादा)
विशेषण शब्द है **- पथरीला, बर्फीला, नमकीन**

महत्वपूर्ण विशेष्य-विशेषण की सूची

'अ'

विशेष्य	विशेषण	विशेष्य	विशेषण	विशेष्य	विशेषण
अतिरंजन	अतिरंजित	अणु	आणविक	अरण्य	आरण्यक
अंकुरण	अंकुरणीय	अंकुश	अंकुशित	अवरोध	अवरुद्ध
अंश	आंशिक	अपेक्षा	अपेक्षित	अपमान	अपमानित
अनुराग	अनुरागी	अनुवाद	अनूदित	अनुमान	अनुमानित
अधिकार	अधिकारी	अग्नि	आग्नेय	अध्यात्म	आध्यात्मिक
अनुक्रम	अनुक्रमिक	अध्ययन	अधीत	अंकन	अंकित
अंग	आंगिक	अभ्यास	अभ्यासी	अभिषेक	अभिषिक्त
अभिनय	अभिनेय	अपराध	अपराधी	अनुशासन	अनुशासित
अनुशंसा	अनुशंसित	अनुमोदन	अनुमोदित	अनुभूति	अनुभूत
अनुभव	अनुभवी	अकर्म	अकर्मण्य	अक्ल	अक्लमंद
अधिक्रमण	अधिक्रांत	अर्थ	आर्थिक	अतृप्ति	अतृप्त
अंतर	आंतरिक	अनुपात	आनुपातिक	अंत	अंतिम
अंकुर	अंकुरित	अज्ञान	अज्ञानी	अपकार	अपकारी
अन्यायी	अन्यायी	अनीति	अनैतिक	अनुष्ठान	अनुष्ठित
अनुश्रुति	अनुश्रुत	अवयव	आवयविक	अवतार	अवतीर्ण
अवश्य	आवश्यक	अलंकार	अलंकृत	अनादर	अनादृत
अजय	अजित	अध्यापन	अध्यापित	अनासक्ति	अनासक्त
अंचल	आंचलिक	अंक	अंकित		

Nitin-Gupta.com

'आ'

विशेष्य	विशेषण	विशेष्य	विशेषण	विशेष्य	विशेषण
आदर	आदरणीय	आत्मा	आत्मीय	आकलन	आकलित
आसन	आसीन	आवेश	आवेशित	आशा	आशान्वित
आरोहण	आरूढ़	आरोप	आरोपित	आश्चर्य	आश्चर्यित
आडंबर	आडंबरी	आसक्ति	आसक्त	आश्रय	आश्रित
आराधना	आराध्य	आरंभ	आरंभिक	आधार	आधारित
आसमान	आसमानी	आदि	आदिम	आयु	आयुष्मान
आभूषण	आभूषित	आचरण	आचरित	आकाश	आकाशीय
आकर्षण	आकृष्ट				

'इ'/'ई'

विशेष्य	विशेषण	विशेष्य	विशेषण	विशेष्य	विशेषण
ईर्ष्या	इर्ष्यालु	ईश्वर	ईश्वरीय	इमान	ईमानदार
ईप्सा	ईप्सित	इहलोक	इहलौकिक	इतिहास	ऐतिहासिक
इज्जत	इज्जतदार	इंद्रिय	एंद्रिक	इच्छा	एच्छिक

'उ'

उल्लास	उल्लसित	उपवन	औपवनिक	उदीचि	औदीच्य
उदय	उदित	उच्चारण	उच्चरित	उत्तर	उत्तरी
उपनिवेश	औपनिवेशिक	उपयोग	उपयोगी	उपज	उपजाऊ
उपकार	उपकृत	उद्धरण	उद्धृत	उत्पीड़न	उत्पीड़न
उपेक्षा	उपेक्षित	उपासना	उपास्य	उपन्यास	औपन्यासिक
उत्साह	उत्साहित	उत्तेजना	उत्तेजित	उन्मुक्ति	उन्मुक्त
उन्नति	उन्नत	उत्पात	उत्पाती	उपहार	उपहारी
उपार्जन	उपार्जित	उक्ति	उक्त	उत्पत्ति	उत्पन्न
उपद्रव	उपद्रवी	उपचार	उपचारक	उपस्थिति	उपस्थित
उपलब्धि	उपलब्ध	उपमा	उपमित	उपनयन	उपनीत
उत्कर्ष	उत्कृष्ट	उद्वेग	उद्विग्न	उद्बोधन	उद्बोधक
उतावल	उतावला	उद्योग	औद्योगिक	उपनिषद	औपनिषदिक
उपदेश	उपदेशक				

'ऊ'

विशेष्य	विशेषण	विशेष्य	विशेषण	विशेष्य	विशेषण
उर्मि	उर्मिल	ऊपर	ऊपरी	ऊंचाई	ऊंचा

'ऋ'

ऋतु	आर्तव	ऋषि	आर्ष	ऋण	ऋणी

Nitin-Gupta.com

'ए'/'ऐ'

ऐश	ऐयाश	एहसान	एहसानमंद	एषण	इष्ट
एशिया	एशियाई	एक	ऐकिक	एकीकरण	एकीकृत
एकांत	एकांतिक				

ओ/औ

औचित्य	उचित	ओछापन	ओछा	ओहदा	ओहदेदार
ओष्ठ	ओष्ठ्य	ओज	ओजस्वी		

'क'

कथा	कथित	कत्था	कत्थई	कमाई	कमाउ
कपूर	कपूरी	क्रम	क्रमिक	कल्पना	काल्पनिक
करुणा	कारुणिक	कंठ	कंठ्य	कलम	कलमी
कुटुंब	कौटुंबिक	कंकड़	कंकड़ीला	कांटा	कंटीला
काया	कायिक	कागज	कागजी	कपट	कपटी
कथन	कथित	कसरत	कसरती	किताब	किताबी
कैवल्य	केवल	कौम	कौमी	कौटिल्य	कुटिल
केसर	केसरिया	कुंडल	कुंडली	क्रय	कृत
क्रोध	क्रुद्ध	काल	कालिक	कृषि	कृषक
कुल	कुलीन	कलुष	कलुषित	कंगूरा	कंगूरेदार
कत्ल	कातिल	कड़वापन	कड़वा	कठिनता	कठिन
कलयुग	कलयुगी	कर्म	कर्मठ	काम	कामी
क्लेश	क्लिष्ट	कलंक	कलंकित	कंप	कंपित
कर्ज	कर्जदार	किस्मत	किस्मतवर	कुत्सा	कुत्सित
केंद्र	केंद्रीय	कल्पना	कल्पित	कुकर्म	कुकर्मी

'ख'

खार	खारा	खंड	खंडित	खान	खनिज
खपड़ा	खपड़ैल	खतरा	खतरनाक	खर्च	खर्चीला
ख्याति	ख्यात	खानदान	खानदानी	खाना	खाऊ
खजूर	खजूरी	खेल	खिलाड़ी	खून	खूनी
खेद	खिन्न				

'ग'

गंधक	गंधकी	गंभीरता	गंभीर	गेरू	गेरुआ
गंगा	गांगेय	गवाही	गवाह	गोत्र	गोत्रीय
गौरव	गौरवित	ग्रहण	ग्राह्य	गर्मी	गर्म
गांव	गँवार	गर्व	गर्वीला	ग्रास	ग्रस्त
गायन	गेय	गरीबी	गरीब	गुलाब	गुलाबी
गुण	गुणी	ग्राम	ग्रामीण	गलती	गलत
गमन	गत	गाना	गवैया	गणना	गण्य

Nitin-Gupta.com

गुस्सा	गुस्सैल	गुंडई	गुंडा	गंदगी	गंदा
गम	गमगीन	गफलत	गाफिल	गंधर्व	गांधर्व

'घ'

घूमना	घुमंतू	घृणा	घृणित	घर	घरेलू
घमंड	घमंडी	घात	घातक	घाव	घायल
घटना (कम होना)	घटिया	घटना	घटित	घनिष्ठता	घनिष्ठ

'च'

विशेष्य	**विशेषण**	**विशेष्य**	**विशेषण**	**विशेष्य**	**विशेषण**
चंद्र	चाँद्र	चुस्ती	चुस्त	चुंबन	चुंबित
चाटना	चटोर	चलना	चालू	चरित्र	चारित्रिक
चंपा	चंपई	चौमास	चौमासा	चाचा	चचेरा
चक्षु	चाक्षुष	चरित्र	चारित्रिक	चर्चा	चर्चित
चाह	चहेता	चालाकी	चालाक	चेष्टा	चेष्टित
चंचल	चंचलता	चौमुख	चौमुखा	चपल	चपलता
चश्म	चश्मदीद	चुनाव	चुनिंदा	चिरजीवन	चिरंजीवी
चूड़ी	चूड़ीदार	चुंबक	चुंबकीय	चीन	चीनी
चेतना	चेतन	चंद्रिका	चंद्रिकामय	चंगापन	चंगा
चक्र	चक्रित	चित्र	चितेरा	चिंता	चिंतित
चैत	चैती	चुगली	चुगलखोर		

'छ'

छाया	छायादार	छिछोरापन	छिछोरा	छूत	छुतहा
छिद्र	छिद्रित	छेद	छेदक	छल	छली
छवि	छबीला	छांह	छांहदार		

'ज'

जाति	जातीय	जोश	जोशीला	जुदाई	जुदा
	जिस्म	जिस्मानी	जाल	जाली	जादू
जादूगर					
जय	जयी	जल्दी	जल्द	जूठन	जूठा
ज्वाला	ज्वलित	ज्योतिष	ज्योतिषी	जोगी	जोगिया
जेब	जेबी	जुआ	जुआड़ी	जीव	जैविक
जीवन	जीवित	जुझार	जुझारू	जरूर	जरूरी
जवान	जवानी	जड़ता	जड़	जागरण	जाग्रत
जंगल	जंगली	जवाब	जवाबी	जल	जलीय
जटा	जटिल	जांचना	जांचकर्ता	जड़ना	जड़ाउ
जनपद	जनपदीय	जहर	जहरीला		

Nitin-Gupta.com

'झ'

झगड़ा	झगड़ालू	झालर	झालरदार	झाँसा	झांसू
झंकार	झंकृत	झिलमिलाना	झिलमिल	झकना	झक्की
झंझट	झंझटिया				

'ट'/'ड'/'ढ़'

टिकना	टिकाऊ	टूटना	टूटा	टकसाल	टकसाली
डरना	डरावना	डाह	डाही	डंक	डंकदार
डर	डरपोक	ढाल	ढलवाँ	ढंग	ढंगी

'त'

तंगी	तंग	तत्व	तात्विक	तर्क	तार्किक
तैरना	तैराक	तपस्या	तपस्वी	तंत्र	तांत्रिक
तट	तटीय	तेल	तेलिया	तुंद	तुंदिल
तंबूल	तंबोली	तुष्टि	तुष्ट	तेज	तेजस्वी
तंदूर	तंदूरी	तुलना	तुलनीय	त्याग	त्यागी
तरंग	तरंगित	तप	तप्त	ताप	तापित
तिरस्कार	तिरस्कृत	तृप्ति	तृप्त	त्वरा	त्वरित
तालु	तालव्य	तंद्रा	तंद्रिल	तुतलाहट	तोतला
तीखापन तीखा	तल्खी	तल्ख	तृष	तृषित तलब	तलबगार
	तृष्णा	तृष्णावान	तरुणाई	तरुण ताकत	ताकतवर
	तमाशा	तमाशबीन	तरलता	तरल तरण	तरणीय
	तम	तामसिक	तबाही	तबाह तटस्थता	तटस्थ
	तत्परता	तत्पर	तुक	तुक्कड़ तुनक	तुनकमिजाज
	तुला	तुल्य	तिलस्म	तिलस्मी ताजगी	ताजा
	तिरोधान	तिरोहित			

'थ' / 'द'

दर्द	दर्दनाक	दुनिया	दुनियावी	दिन	दैनिक
दाह	दग्ध	दशरथ	दाशरथ	दया	दयालु
दंपति	दांपत्य	दगा	दगाबाज	थकान	थकित
दान	दानी	दर्शन	दर्शनीय	दनु	दानव
दलन	दलित	दोष	दोषी	दृढ़ता	दृढ़
दंभ	दंभी	दंड	दंडनीय	दक्षता	दक्ष
देश	देशीय	दौलत	दौलतमंद	दंश	दंशित
देखना	देखवैया	दंत	दंत्य	दस्त	दस्तावर
दूत	दौत	दाग	दागी	दिमाग	दिमागी
दल	दलीय	दर्प	दर्पित	द्रव	द्रवित
दरिया	दरियाई	दूषण	दूषित	दुर्गति	दुर्गत
दुबलापन	दुबला	दुर्विनय	दुर्विनीत	दुम	दुमदार
दुःख	दुःखी	दीवानी	दीवान	दीप्ति	दीप्त

Nitin-Gupta.com

दृढ़ता	दृढ़	दारिद्र्य	दरिद्र	दीनता	दीन
दीवाला	दिवालिया	दमन	दमनकारी	दबाव	दब्बू
देव	दैवी	दासता	दास	दाखिला	दाखिल
दफा	दफादार	दाम	दामी	दाना	दानेदार

'ध'

धन	धनी	ध्वंस	ध्वंसक	धृष्टता	धृष्ट
धैर्य	धीर	धूम	धूमिल	धुंध	धुंधला
धर्म	धार्मिक				

'न'

निष्कासन	निष्कासित	नाटक	नाटकीय	निशा	नैश
निंदा	निंदनीय	नियम	नियमित	निराकरण	निराकृत
नजदीक	नजदीकी	नकल	नकलची	नाश	नाशवान
नाम	नामी	निषेध	निषिद्ध	नोक	नुकीला
निसर्ग	नैसर्गिक	निर्वासन	निर्वासित	निज	निजी
निवेदन	निवेदित	निश्चय	निश्चित	न्याय	न्यायी
नगर	नागरिक	नमक	नमकीन	निष्ठा	नैष्ठिक
नियोजन	नियोजित	निर्माण	निर्मित	नियुक्ति	नियुक्त
निपुणता	निपुण	निद्रा	निद्रालु	न्यूनता	न्यून
न्यास	न्यासी	नुमाइश	नुमाइशी	नीति	नैतिक
नरक	नारकीय	नाव	नाविक		

'प'

विशेष्य	**विशेषण**	**विशेष्य**	**विशेषण**	**विशेष्य**	**विशेषण**
पत्थर	पथरीला	पर्वत	पर्वतीय	पहाड़	पहाड़ी
पृथ्वी	पार्थिव	पालना	पालतू	पुस्तक	पुस्तकीय
पिता	पैतृक	पानी	पेय	पाठ	पाठ्य
प्रार्थना	प्रार्थित	प्राची	प्राच्य	प्रथम	प्राथमिक
प्रतिबिंब	प्रतिबिंबित	प्रतिष्ठा	प्रतिष्ठित	प्रकृति	प्राकृतिक
पंक	पंकिल	पक्ष	पाक्षिक	पशु	पाशविक
परिवार	पारिवारिक	परीक्षा	परीक्षित	पराजय	पराजित
पतन	पतित	पठन	पठनीय	प्रातःकाल	प्रातःकालीन
प्रवचना	प्रवंचित	पृथु	पृथुल	प्रस्ताव	प्रस्तावित
पंथ	पंथी	पश्चिम	पाश्चात्य	पूर्व	पूर्वी
पूजा	पूज्य	पुरुष	पौरुषेय	पीड़ा	पीड़ित
पुष्टि	पौष्टिक	पुलक	पुलकित	पिशाच	पैशाचिक
प्रसंग	प्रासंगिक	परलोक	पारलौकिक	परिभाषा	पारिभाषिक
प्रशंसा	प्रशंसनीय	प्रतीक्षा	प्रतीक्षित	परिचय	परिचित
परस्पर	पारस्परिक	प्रदेश	प्रादेशिक	प्रांत	प्रांतीय

Nitin-Gupta.com

पुरातत्व पुरातात्विक	प्यास	प्यासा	पाठक	पाठकीय	
प्रवेश	प्रविष्ट	प्रवास	प्रवासी	प्रौढ़ता	प्रौढ़
प्रेषण	प्रेषित	प्रसव	प्रसूता	प्राप्ति	प्राप्त
प्राचीनता	प्राचीन	पुश्त	पुश्तैनी	परतंत्रता	परतंत्र
प्यार	प्यारा	पल्लव	पल्लवित	प्रणाम	प्रणम्य
पाप	पापी	प्रमाण	प्रामाणिक	प्रेम	प्रेमी
पुराण	पौराणिक	पुष्प	पुष्पित	पाचन	पाचक
पहरा	पहरेदार	पुच्छ	पुच्छल	पीछा	पिछला
पहुनाई	पाहुन	पंगुता	पंगु	पंक्ति	पांक्तेय
परितोष	पारितोषिक	परख	पारखी	पय	पयस्वी
पड़ोस	पड़ोसी	प्रदान	प्रदत	पेट	पेटू
पुरा	पुरातन	पथ	पाथेय	परिवर्तन	परिवर्तित

'फ'

फल	फलित	फेन	फेनिल	फुर्ती	फुर्तीला
फिक्र	फिक्रमंद	फसाद	फसादी	फसल	फसली
फौज	फौजी				

'ब'

बन	बनैला	बाजार	बाजारु	बर्फ	बर्फीला
बुद्ध	बौद्ध	बुद्धि	बौद्धिक	बिहार	बिहारी
बिलगाव	बिलग	बुजुर्ग	बुजुर्गाना	बाधा	बाधित
बिकना	बिकाऊ	ब्याह	ब्याहता	बोझ	बोझिल
बेवफाई	बेवफा	बुलंदी	बुलंद	बल	बलिष्ठ
बखेड़ा	बखेड़िया	बेवकूफी	बेवकूफ		

'भ'

भूगोल	भौगोलिक	भार	भारी	भवन	भव्य
भलाई	भला	भक्षण	भक्षित	भड़क	भड़कीला
भक्ति	भक्त	भंजन	भंगुर	भूख	भूखा
भाग्य	भाग्यवान	भगवत	भागवत	भाषा	भाषिक
भाव	भावुक	भारत	भारतीय	भय	भयानक
भ्रंश	भ्रष्ट	भूमि	भौमिक	भूलना	भुलक्कड़
भूषण	भूषित	भ्रम	भ्रामक	विवाद	विवादास्पद
वाद	वादी	विपत्ति	विपन्न	विकल्प	वैकल्पिक
विशेष	विशिष्ट	वेद	वैदिक	विष्णु	वैष्णव
विवाह	वैवाहिक	विधान	वैधानिक	विकास	विकसित
विकार	विकृत	वास्तव	वास्तविक	व्यक्ति	वैयक्तिक
व्यापार	व्यापारी	व्याख्या	व्याख्येय	व्याकरण	वैयाकरण
व्यवस्था	व्यवस्थित	व्याख्यान	व्याख्याता	विज्ञान	वैज्ञानिक

Nitin-Gupta.com

वेतन	वैतनिक	विभक्ति	विभक्त	विपर्यय	विपरीत
विराम	विरत	विलायत	विलायती	विधुत	वैधुत
विगलन	विगलित				

'श'

शंका	शंकालु	शहर	शहरी	शक्ति	शाक्त
शरद	शारदीय	श्याम	श्यामल	शिकार	शिकारी
शौक	शौकीन	शोक	शोकाकुल	शिक्षा	शिक्षित
शास्त्र	शास्त्रीय	शासन	शासित	शोषण	शोषित
शिव	शैव	शोभा	शोभित	शर्त	शर्तिया
शरण	शरणागत	शान	शानदार	शहादत	शहीद
शक	शक्की	शील	शिष्ट	शांति	शांत
शरीर	शारीरिक	शाप	शापित		

'स'

सोना	सुनहला	समुद्र	समुद्री	साहित्य	साहित्यिक
समाज	सामाजिक	सप्ताह	साप्ताहिक	संकेत	सांकेतिक
संबंध	संबद्ध	साहस	साहसिक	समास	सामासिक
सम्मान	सम्मानित	समर	सामरिक	सभा	सभ्य
संक्षेप	संक्षिप्त	संदेह	संदिग्ध	संपादक	संपादकीय
सागर	सागरीय	सहकार	सहकारी	समय	सामयिक
संभाषण	संभाष्य	संकल्प	संकल्पित	संस्कृति	सांस्कृतिक
संश्लेषण	संश्लेषित	सूचना	सूचित	सूर्य	सौर
सुरभि	सुरभित	संभावना	संभावित	संचय	संचित
संघात	सांघातिक	संख्या	संख्यिक	संपत्ति	सांपत्तिक
संध्या	सांध्य	स्वभाव	स्वाभाविक	स्वप्न	स्वप्निल
स्तुति	स्तुत्य	स्वास्थ्य	स्वस्थ	स्वर्ग	स्वर्गीय
स्मृति	स्मृत	स्मरण	अस्मरणीय	स्नायु	स्नायविक
स्थान	स्थानीय	संसार	सांसारिक	सुर	सुरीला
सुगंध	सुगंधित	सिद्धांत	सैद्धांतिक	सुख	सुखी
सीमा	सीमित	सिंधु	सैंधव	सरकार	सरकारी
संताप	संतृप्त	संकोच	संकुचित	स्वदेश	स्वदेशी
समुदाय	सामुदायिक	स्वर्ण	स्वर्णिम	संप्रदाय	सांप्रदायिक
स्वाद	स्वादिष्ट				

'ह'

हँसी	हँसोड़	हल	हलन्त	हठ	हठी
हृदय	हार्दिक	हिंसा	हिंसक	हवा	हवाई
हिंद	हिंदी	हर्ष	हर्षित	हित	हितैषी
हराम	हरामी	हेमंत	हेमंती		

Nitin-Gupta.com

2. वाक्य एवं वर्तनी शुद्धि

वाक्य शुद्धि

वाक्य:

मनुष्य के विचारों को संपूर्णता से प्रकट करने वाले शब्दों के समूह को "**वाक्य**" कहते हैं। वाक्य सार्थक शब्दों का व्यवस्थित रूप है, जिसमें कर्ता और क्रिया दोनों शामिल होते हैं। शब्द, जहां किसी भी भाषा की प्रारंभिक इकाई होते हैं, वही वाक्य उसका विकसित रूप है। वाक्य ही वह सार्थक ध्वनि है, जिसके जरिए लेखक लिखकर तथा वक्ता बोलकर अपने विचार या भाव को अपने पाठक या श्रोता के समक्ष प्रकट करता है।

हिंदी वर्णमाला में व्यंजन वर्ण स्वरों के साथ मिलकर 'अक्षर' तथा अक्षर, अक्षरों और वर्णों के साथ संयुक्त होकर शब्दों का निर्माण करते हैं। ये शब्द भाषा की सार्थक इकाई कहलाते हैं, क्योंकि इनमें अर्थबोध को प्रकट करने की क्षमता पायी है। विभिन्न शब्द एक निश्चित क्रम-व्यवस्था के आधार पर विभक्तियों और विराम चिन्हो के साथ संयोजित होकर वाक्य का निर्माण करते हैं। किसी भी वाक्य को वाक्य कहलाने के लिए यह आवश्यक है कि उसमें उद्देश्य व विधेय दोनों ही पद मौजूद हों, अर्थात वाक्य उसी शब्द समूह को कहा जा सकता है, जिसमें **'कर्ता' (उद्देश्य)** और **'क्रिया' (विधेय)** दोनों हीं पद मौजूद हों, उदाहरण के लिए-

'सोहन खेलता है।'

उपर्युक्त वाक्य में 'सोहन' कर्ता के रूप में है और 'खेलना' एक क्रिया है। इसलिए इस वाक्य से स्पष्ट रूप से पूर्ण अर्थबोध होता है। अतः यह एक वाक्य है।

किसी भी वाक्य के दो खंड होते हैं:

उद्देश्य (Subject): जिसके विषय में कहा जाए।

विधेय (Predicate): जो कुछ कहा जाए।

उदाहरण के लिए- 'भारत के राष्ट्रपति ने हाल ही में ब्रिटेन यात्रा संपन्न की।'

उपर्युक्त वाक्य में 'राष्ट्रपति' उद्देश्य है, जबकि 'ब्रिटेन यात्रा' विधेय है।

वाक्य-संरचना की विशेषताएं:

1) स्पष्टता वाक्य संरचना की एक महत्वपूर्ण विशेषता है।
2) वाक्य पाठक या श्रोता के सोए हुए भावों या विचारों को जागरित करने की समर्थ रखने वाला होना चाहिए।
3) वाक्य में पदों या शब्दों के बीच तारतम्यता होनी चाहिए।
4) वाक्य मेँ संक्षिप्तता के गुण होने चाहिए अर्थात इसमें व्यर्थ पदों या शब्दों का समावेश नहीं होना चाहिए।
5) हिन्दी भाषाविदों के अनुसार साहित्यिक दृष्टि से माधुर्य भी वाक्य संरचना की एक महत्वपूर्ण विशेषता है।
6) एक अच्छे वाक्य के अंदर यह गुण होना चाहिए कि वह कानों को अधिकाधिक सुख प्रदान करने वाला, हृदय को आनंदित करने वाला और मस्तिष्क को संतुलित करने वाला हो।

इस प्रकार यह स्पष्ट है कि वाक्य की संरचना जितनी ही स्पष्ट, संयत, निर्दोष और संतुलित होगी वह उतनी ही अधिक मन को मुग्ध करने में समर्थ होगी।

वाक्य का वर्गीकरण:

वाक्यों का वर्गीकरण मुख्यतः दो दृष्टिकोणों से किया जा सकता है: रचना के आधार पर, अर्थ के आधार पर।

रचना के आधार पर:

रचना के आधार पर वाक्य तीन प्रकार के होते हैं:

1) **सरल वाक्य:** जिस वाक्य में एक कर्ता तथा एक क्रिया होती है, उसे सरल वाक्य कहते हैं। इस तरह के वाक्य में एक उद्देश्य और एक विधेय होते हैं, उदाहरण के लिए-

   'बादल गरजते हैं'

उपर्युक्त वाक्य में 'बादल' कर्ता है और 'गर्जना' क्रिया है।

Nitin-Gupta.com

2) **मिश्र वाक्य:** जिस वाक्य में एक सरल वाक्य के अतिरिक्त उसके अधीन कोई दूसरा उपवाक्य हो, उसे 'मिश्र वाक्य' कहते हैं, अर्थात जिस वाक्य में मुख्य उद्देश्य और मुख्य विधेय के अलावा भी एक या अधिक समापिका क्रियाएं हों, उन्हें मिश्र वाक्य कहते हैं, उदाहरण के लिए-

'वह कौन सा व्यक्ति है, जिसने महाप्रतापी महाराणा प्रताप का नाम ना सुना हो'

मिश्र वाक्य में मुख्य उद्देश्य और मुख्य विधेय से बनने वाले वाक्य को 'मुख्य उपवाक्य' कहते हैं और दूसरे वाक्य को 'आश्रित उपवाक्य' कहते हैं। उपर्युक्त उदाहरण में वह 'कौन सा व्यक्ति है' मुख्य वाक्य है, जबकि शेष सहायक उपवाक्य है।

3) **संयुक्त वाक्य:** ऐसे वाक्य जिनमें सरल वाक्य और मिश्र वाक्य का मेल संयोजक अवयव (और, एवं, तथा) के द्वारा होता है, उन्हें 'संयुक्त वाक्य' कहते हैं, उदाहरण के लिए-

'मैं खाना खाकर लेटा कि पेट में दर्द होने लगा और दर्द इतना बढ़ गया कि तुरंत डॉक्टर को बुलाना पड़ा।'

उपर्युक्त लंबे वाक्य में 'और' संयोजक के रूप में आया है, जिसके द्वारा दो मिश्र वाक्यों को मिलाकर संयुक्त वाक्य बनाया गया है।

अर्थ के आधार पर:

अर्थ के दृष्टिकोण से: वाक्य के आठ भेद होते हैं, जिसका संक्षिप्त विवरण निम्नलिखित है:

1) **विधिवाचक:** ऐसे वाक्य जिसमेँ किसी बात के होने का बोध होता हो, उदाहरण के लिए- प्रधानमंत्री आवास योजना प्रारंभ की गई।
2) **निषेधवाचक:** ऐसे वाक्य जिसमें किसी बात के नकार/न होने का बोध होता हो, उदाहरण के लिए- रमेश ने खाना नहीं खाया।
3) **आज्ञावाचक:** ऐसे वाक्य जिसमेँ किसी तरह के आदेशात्मक भाव का बोध होता हो, उदाहरण के लिए- कार्यालय के सभी कर्मचारी कल अवश्य आएं।
4) **प्रश्नवाचक:** ऐसे वाक्य जिसमें किसी प्रश्न के किए जाने का बोध होता हो, उदाहरण के लिए- लोकसभा का चुनाव कब होगा?
5) **विस्मयवाचक:** ऐसे वाक्य जिसमें सुख-दुख, आश्चर्य इत्यादि भावों का बोध होता हो, उदाहरण के लिए- अरे! आज समीक्षा अधिकारी का परिणाम आ गया।
6) **संदेहवाचक:** ऐसे वाक्य जिसमेँ किसी बात का संदेह प्रकट होता हो, उदाहरण के लिए- वह स्कूल से आ गया होगा।
7) **इच्छावाचक:** ऐसे वाक्य जिससे किसी प्रकार की इच्छा या शुभकामना का बोध होता हो, उदाहरण के लिए- ईश्वर तुम्हारा भला करें।
8) **संकेतवाचक:** ऐसे वाक्य जिसमें किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान इत्यादि के प्रति सांकेतिक भाव प्रदर्शित होता हो, उदाहरण के लिए- इंडिया गठबंधन सत्ता में आने पर अच्छा कार्य करेगी।

वाक्य-दोष: प्रमुख प्रकार

वाक्य अपना अर्थ समुचित ढंग से प्रकट करे तथा अपने भाव-विचार प्रवाह को बनाए रखे, इस दृष्टि से उन्हें पदानुक्रम, शब्दों के उचित प्रयोग, परसर्ग, विराम-चिन्ह, वर्तनी-शुद्धि इत्यादि दृष्टियों से अनुकूलित होना चाहिए। ऐसा न होने की स्थिति में अर्थ-प्रकटन और वाक्य-संरचना में विकार उत्पन्न हो जाते हैं। इन्हीं विकारों को "वाक्य दोष" कहा जाता है। वाक्य-दोषों के कुछ प्रमुख प्रकार उदाहरण सहित निम्नलिखित हैं-

1) **संज्ञा के प्रयोग की दृष्टि से वाक्य-दोष:** हिंदी भाषा में एक संज्ञा की बहुत सी समानार्थक संज्ञाएं होती हैं। यद्यपि, अर्थ की दृष्टि से उनमें समानता होने के बावजूद भी भाव की दृष्टि से उनमें भिन्नता होती है। अतः प्रयोग करते समय प्रसंग के अनुकूल भाव वाली संज्ञाओं का ही प्रयोग किया जाना चाहिए। प्रसंग के विपरीत भाव वाली संज्ञाओं का प्रयोग करने से भी वाक्य-दोष उत्पन्न हो जाता है, उदाहरण के लिए-

अशुद्ध वाक्य- मैं **मंगलवार के दिन** तुम्हारे घर आऊंगा।
शुद्ध वाक्य- मैं **मंगलवार को** तुम्हारे घर आऊंगा।
अशुद्ध वाक्य- उनकी **महिला** भी उनके साथ आई थी।
शुद्ध वाक्य- उनकी **पत्नी** भी उनके साथ आई थी
अशुद्ध वाक्य- यह **पौधशाला** सुंदर है।
शुद्ध वाक्य- यह **बगीचा** सुंदर है।

Nitin-Gupta.com

2) **वर्ण प्रयोग की दृष्टि से वाक्य-दोष:** किसी वाक्य में वर्ण एक-दूसरे के साथ संधि के नियमानुसार जुड़े होते हैं। इन नियमों का उल्लंघन किए जाने कि स्थिति में या अनुचित वर्णों का प्रयोग किए जाने से वर्ण विकार उत्पन्न होता है, जिससे वर्ण प्रयोग संबंधी दोष उत्पन्न होते हैं, उदाहरण के लिए-
अशुद्ध वाक्य- एलपीजी की नीति अपनाकर सरकार ने **बुद्धिमानता** का कार्य किया है।
शुद्ध वाक्य- एलपीजी की नीति अपनाकर सरकार ने **बुद्धिमत्ता** का कार्य किया है।
अशुद्ध वाक्य- सरकारी कार्यालय में **सप्ताहिक** अवकाश रहता है।
शुद्ध वाक्य- सरकारी कार्यालय में **साप्ताहिक** अवकाश रहता है।

3) **वचन प्रयोग की दृष्टि से वाक्य-दोष:** किसी वाक्य में बहुवचन के स्थान पर एकवचन तथा एकवचन के स्थान पर बहुवचन का प्रयोग करने से वचन संबंधी दोष उत्पन्न होते हैं, उदाहरण के लिए-
अशुद्ध वाक्य: राम के **अनेकों** नाम हैं।
शुद्ध वाक्य: राम के **अनेक** नाम हैं।
अशुद्ध वाक्य: आँखों से आँसू निकल **पड़ा।**
शुद्ध वाक्य: आँख से आँसू निकल **पड़े।**
नोट: संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया के जिस रूप से संख्या का बोध होता है, उसे वचन कहते हैं।

4) **सर्वनाम प्रयोग की दृष्टि से वाक्य-दोष**: सर्वनाम का प्रयोग ऐसी संज्ञा के स्थान पर करना अनुचित होता है, जिसका प्रयोग सर्वनाम से पहले न किया गया हो। ठीक इसी तरह से सर्वनाम के स्थान पर संज्ञा का प्रयोग करने से भी वाक्य-दोष उत्पन्न होता है, उदाहरण के लिए-
अशुद्ध वाक्य- राम ने उसे पकड़कर श्याम की पीठ पर घूँसे जमाए।
शुद्ध वाक्य- राम ने श्याम को पड़कर उसकी पीठ पर घूँसे जमाए।
अशुद्ध वाक्य- रीता ने अंजू को इधर-उधर टहलते हुए देख कर अंजू को बुरी तरह से डाँटा।
शुद्ध वाक्य- रीता ने अंजू को इधर-उधर टहलते हुए देखकर उसे बुरी तरह से डाँटा।

5) **क्रिया के प्रयोग की दृष्टि से वाक्य-दोष:** क्रिया का उचित प्रयोग न किए जाने के कारण वाक्य में क्रिया-दोष उत्पन्न होता है, उदाहरण के लिए-
अशुद्ध वाक्य- रमेश कार्य **ढ़ोता** है।
शुद्ध वाक्य- रमेश कार्य **करता** है।
अशुद्ध वाक्य- आप हस्ताक्षर **बना** दें।.
शुद्ध वाक्य- आप हस्ताक्षर **कर** दें।

6) **अव्यय के प्रयोग की दृष्टि से वाक्य-दोष:** प्रमुख अव्ययों, यथा - केवल, मात्र, भर, ही इत्यादि का उचित प्रयोग न किए जाने के कारण भी वाक्य-दोष उत्पन्न होता है, उदाहरण के लिए-
अशुद्ध वाक्य- उसने केवल बीस रुपये ही पाकर संतोष कर लिया।
शुद्ध वाक्य- उसने बीस रुपये ही पाकर संतोष कर लिया।
अशुद्ध वाक्य- केवल वचन-मात्र में क्या दरिद्रता है?
शुद्ध वाक्य- वचन-मात्र में क्या दरिद्रता है।
नोट: ऐसे शब्द जिनके रूप में लिंग, वचन, पुरुष, कारक इत्यादि के कारण कोई भी विकार उत्पन्न नहीं होता उन्हें अव्यय कहते हैं, उदाहरण के लिए- जब, तब, अभी, इधर-उधर, कब क्यों, तथा, किंतु, परंतु इत्यादि।

Nitin-Gupta.com

7) **लिंग प्रयोग की दृष्टि से वाक्य-दोष:** लिंग प्रयोग संबंधी त्रुटियां भी लिंग संबंधी विकार उत्पन्न करती हैं तथा वाक्य-दोष का कारण बनती हैं, उदाहरण के लिए-
अशुद्ध वाक्य- लड़का जा **रही** है।
शुद्ध वाक्य- लड़का जा **रहा** है।
अशुद्ध वाक्य- लड़के और लड़की जा **रही** है।
शुद्ध वाक्य- लड़की और लड़के जा **रहे** हैं।
अशुद्ध वाक्य- छात्र और छात्राएं खेल **रही** हैं।
शुद्ध वाक्य - छात्राएं और छात्र खेल **रहे** हैं।

8) **क्रिया विशेषण के प्रयोग की दृष्टि से वाक्य-दोष:** क्रियाविशेषण के अनुचित प्रयोग से भी वाक्य-दोष उत्पन्न होता है, उदाहरण के लिए-
अशुद्ध वाक्य- राम **लगभग दौड़** रहा था।
शुद्ध वाक्य- राम **दौड़** रहा था।
अशुद्ध वाक्य - मोहन **सारी रात भर** जागता रहा।
शुद्ध वाक्य - मोहन **रात भर** जागता रहा।
अशुद्ध वाक्य - गीता **मंद-मंद** गा रही है।
शुद्ध वाक्य - गीता **धीरे-धीरे** गा रही है।
नोट: क्रिया की विशेषता बताने वाले पदों को क्रियाविशेषण कहते हैं।

9) **विशेषण के प्रयोग की दृष्टि से वाक्य-दोष:** वाक्य में विशेष्य पदों के अनुकूल उचित विशेषण का प्रयोग न करने से भी वाक्य-दोष उत्पन्न होता है, उदाहरण के लिए-
अशुद्ध वाक्य- सोहन **मीठे** गुणों से युक्त है।
शुद्ध वाक्य- सोहन **अच्छे** गुणों से युक्त है।
अशुद्ध वाक्य - वह मुझसे **सभीत** है।
शुद्ध वाक्य- वह मुझसे **भयभीत** है।
अशुद्ध वाक्य- वह आदमी बहुत **चौड़ा** है।
शुद्ध वाक्य- वह आदमी बहुत **मोटा** है।

10) **विभक्ति प्रयोग की दृष्टि से वाक्य-दोष:** किसी वाक्य में विभक्ति/कारक/परसर्ग/ चिन्ह का उचित प्रयोग न किए जाने की दशा में भी वाक्य-दोष उत्पन्न होता है, उदाहरण के लिए-
अशुद्ध वाक्य: उसके ऊपर उचित न्याय किया जाएगा।
शुद्ध वाक्य: उस पर उचित न्याय किया जाएगा।
अशुद्ध वाक्य: आप वाली किताब छत में पड़ी है।
शुद्ध वाक्य: आपकी किताब छत पर पड़ी है।
अशुद्ध वाक्य: हमने यह काम करना है।
शुद्ध वाक्य: हमें यह काम करना है।

11) **अनुपयुक्त पद प्रयोग की दृष्टि से वाक्य-दोष:** किसी वाक्य में उचित स्थान पर अनुचित शब्दों का प्रयोग किए जाने की वजह से भी वाक्य-दोष उत्पन्न होता है, उदाहरण के लिए-
अशुद्ध वाक्य: आपकी **सौभाग्यवती** कन्या का विवाह होने जा रहा है।
शुद्ध वाक्य: आपकी **आयुष्मति** कन्या का विवाह होने जा रहा है।
अशुद्ध वाक्य: इस समय आपकी **आयु** 50 वर्ष है।

Nitin-Gupta.com

शुद्ध वाक्य: इस समय आपकी **अवस्था** 50 वर्ष है।
अशुद्ध वाक्य: आपके विवाह समारोह में सम्मिलित न होने पर मैं बहुत **शोकाकुल** हूँ।
शुद्ध वाक्य: आपके विवाह समारोह में सम्मिलित न होने पर मैं बहुत **दुखी** हूँ।

12) **मुहावरा/ कहावत प्रयोग की दृष्टि से वाक्य दोष:** किसी वाक्य में मुहावरों का सही ढंग से प्रयोग न करने या उचित मुहावरों का प्रयोग न करने से भी वाक्य-दोष उत्पन्न होता है, उदाहरण के लिए-
अशुद्ध वाक्य: भारत का विकास देखकर चीन की **छाती पर साँप चलता** है।
शुद्ध वाक्य: भारत का विकास देखकर चीन की **छाती पर साँप लोटता** है।
अशुद्ध वाक्य: भगत सिंह **कथरी** के लाल थे।
शुद्ध वाक्य: भगत सिंह **गुदड़ी** के लाल थे।
अशुद्ध वाक्य: साँप देखकर वह **दो नौ ग्यारह** हो गया।
शुद्ध वाक्य: साँप देखकर वह **नौ दो ग्यारह** हो गया।

13) **पदानुक्रम प्रयोग की दृष्टि से वाक्य दोष:** किसी वाक्य रचना में शब्दों का उचित स्थान पर प्रयोग न किए जाने की दशा में भी वाक्य-दोष उत्पन्न होता है, उदाहरण के लिए-
अशुद्ध वाक्य: मेरे घर के पास **एक** मिठाई की दुकान है।
शुद्ध वाक्य: मेरे घर के पास मिठाई की **एक** दुकान है।
अशुद्ध वाक्य: **एक** पानी का गिलास दीजिए।
शुद्ध वाक्य: पानी का **एक** गिलास दीजिए।
अशुद्ध वाक्य: यह गाय का **काली** दूध है।
शुद्ध वाक्य: यह **काली** गाय का दूध है।

14) **विराम-चिह्नों के प्रयोग की दृष्टि से वाक्य-दोष:** हिंदी भाषा में लगभग 20 से अधिक विराम चिह्नों का प्रयोग किया जाता है। वाक्य में आवश्यकतानुसार इनका प्रयोग न किए जाने अथवा अनुचित प्रयोग करने से भी वाक्य-दोष उत्पन्न होता है, उदाहरण के लिए-
अशुद्ध वाक्य: वाह तुम आ गये?
शुद्ध वाक्य: वाह! तुम आ गये। (!)
अशुद्ध वाक्य: पकड़ो मत जाने दो।
शुद्ध वाक्य: पकड़ो, मत जाने दो। (,)
अशुद्ध वाक्य: बच्चा रोते-रोते सो गया!
शुद्ध वाक्य: बच्चा रोते-रोते सो गया। (।)

वाक्य-प्रयोग हेतु आवश्यक निर्देश

किसी भी भाषा के क्षेत्र में वाक्य का सारा सौंदर्य पदों अथवा शब्दों के समुचित प्रयोग पर निर्भर करता है। पदों के स्वरूप तथा औचित्य पर ध्यान दिए बिना शालिन एवं सुंदर वाक्यों की रचना नहीं की जा सकती। अतः इस संबंध में वाक्य-प्रयोग संबंधी कुछ आवश्यक निर्देशों का पालन करना आवश्यक हो जाता है, ये निर्देश निम्नलिखित हैं-

1) शब्दों का प्रयोग करते समय व्याकरण के नियमों का पालन किया जाना चाहिए।
2) वाक्य-रचना में अधूरे वाक्यों को नहीं रखा जाना चाहिए।
3) एक वाक्य से एक ही भाव प्रकट हो।
4) वाक्य में व्यर्थ शब्दों का प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए।
5) वाक्य में ध्वनि और अर्थ की संगति पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

Nitin-Gupta.com

6) वाक्य में प्रयुक्त शब्दों का परस्पर घनिष्ठ संबंध हो, अर्थात शब्दों का प्रयोग एक ही काल में, एक ही स्थान में, व एक ही साथ किया जाना चाहिए।
7) वाक्य संरचना में स्पष्टता तथा प्रयुक्त शब्दों में शैली संबंधित शिष्टता होनी चाहिए।
8) वाक्य-प्रयोग में आवश्यकतानुसार मुहावरों/ कहावतों का भी प्रयोग किया जाना चाहिए।
9) वाक्य में अप्रचलित शब्दों का प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए।
10) वाक्य में पुनरुक्ति दोष नहीं होना चाहिए तथा शब्दों के प्रयोग में औचित्य पर ध्यान दिया जाना चाहिए।
11) वाक्य में एक ही व्यक्ति या वस्तु के लिए कहीं 'आप' और कहीं 'तुम' कहीं 'यह' और कहीं 'वह' कहीं 'इसे' और कहीं 'इन्हें' कहीं 'उसका' और कहीं 'उनका' कहीं इनका' और कहीं 'इसका' का प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए

वाक्य-प्रयोग संबंधी अन्य महत्वपूर्ण ध्यातव्य बातें:

1) द्वारा का प्रयोग: जब कोई कार्य किसी व्यक्ति के माध्यम से होता है, तब संज्ञा के बाद 'द्वारा' का प्रयोग किया जाता है, वही वस्तु (संज्ञा) के बाद 'से' का प्रयोग किया जाता है, उदाहरण के लिए-
   'रमेश द्वारा यह कार्य संपन्न हुआ।'
   ' प्राकृतिक आपदा से नेपाल को काफी क्षति होती है।'
2) 'पर' और' ऊपर' का प्रयोग: यद्दपि 'पर' और 'ऊपर' का प्रयोग व्यक्ति और वस्तु दोनों के संदर्भ में किया जाता है, किंतु प्रयोग के संदर्भ में दोनों में अंतर है, जहां 'पर' सामान्य ऊंचाई का बोधक है, वही 'ऊपर' विशेष ऊंचाई का बोध कराता है, उदाहरण के लिए-
   'पहाड़ के ऊपर एक मंदिर है।'
   'छत पर लोग बैठे हैं।'
3) 'सब' और 'लोग' का प्रयोग: ये दोनों शब्द सामान्यतः बहुवचन में प्रयोग किए जाते हैं। परंतु कभी-कभी 'सब' का प्रयोग एकवचन हेतु भी किया जाता है, उदाहरण के लिए-
   'तुम्हारा सब काम अच्छा होता है।'
   लेकिन 'लोग' शब्द का प्रयोग सदैव बहुवचन में किया जाता है, उदाहरण के लिए-
   'लोग बहरे नहीं हैं।
   'लोग ठीक ही कहते हैं।'
4) 'कोई', 'किसी' व 'प्रत्येक' का प्रयोग: ये शब्द सदैव एकवचन में प्रयुक्त किए जाते हैं, उदाहरण के लिए -
   'प्रत्येक व्यक्ति अच्छी जिंदगी चाहता है।'
   'मैंने अब तक कोई काम नहीं किया।'
   'किसी व्यक्ति का बस नहीं चलता।'
5) 'बाद' और 'पीछे' का प्रयोग: काल का अंतर बताने के लिए 'बाद' का प्रयोग तथा स्थान का अंतर बताने के लिए 'पीछे' का प्रयोग किया जाता है, उदाहरण के लिए-
   'राम के बाद श्याम आया।'
   'उसका घर पीछे छूट गया।'

2. वर्तनी शुद्धि

वर्तनी:

हिन्दी भाषा में लिखने की रीति को **'वर्तनी'** या **'अक्षरी'** कहते हैं। वर्तनी का सीधा संबंध भाषागत ध्वनियों के उच्चारण से है। यदि उच्चारण अशुद्ध होगा तो वर्तनी भी अशुद्ध होगी।

सामान्यतः व्याकरण संबंधी ज्ञान की कमी तथा अपनी मातृभाषा या बोली के कारण उच्चारण में अशुद्धियाँ आ जाती हैं, जिसके कारण वर्तनी में भी अशुद्धियाँ आ जाती हैं, वर्तनीगत अशुद्धियों की वजह से शब्दार्थ में भी पूर्ण या आंशिक विकार आ जाता है और कभी-कभी तो शब्द अपने मूल अर्थ से परे जाकर सर्वथा भिन्न अर्थ देने लगते हैं। इस प्रकार ऐसे शब्द अर्थहीन हो जाते हैं। इसका परिणाम यह होता है कि वक्ता द्वारा कही गई बात के भाव एवं विचार दोनों ही पूर्णतः परिवर्तित हो जाते हैं, उदाहरण के लिए वाद-बाद, वहन-बहन, शकर-शंकर आदि।

Nitin-Gupta.com

वर्तनी की विशेष अशुद्धियाँ और उनका निदान:

संसार में प्रचलित समस्त लिपियों में हमारी देवनागरी लिपि सर्वाधिक वैज्ञानिक लिपि के रूप में स्वयं को सिद्ध कर पानी में समर्थ हो पाई है। इसके पीछे मूल कारण यह है कि इसमें सभी ध्वनियों को व्यक्त करने की क्षमता होने के साथ ही एक ध्वनि को व्यक्त करने के लिए एक ही लिपि चिह्न का प्रयोग किया जाता है। इसके अतिरिक्त इसमें लिपि चिह्नों की ध्वन्यात्मकता एवं लेखन शैली में भी एकरूपता पाई जाती है।

देवनागरी लिपि में जो कहा जाता है, वहीं लिखा जाता है। इसके बावजूद भी उच्चारण के दौरान वक्ता द्वारा कुछ वर्ण- चिह्नों में भेद न कर पाने के कारण वर्तनी संबंधी अशुद्धियाँ हो जाती हैं।

वर्ण संबंधी कुछ प्रमुख अशुद्धियाँ निम्नलिखित हैं:

1) 'ब' और 'व' की अशुद्धियाँ: हिंदी भाषा में 'ब' और 'व' की अशुद्धियाँ सामान्यतः अधिक देखने को मिलती हैं, जिसके पीछे प्रमुख कारण इनका अशुद्ध उच्चारण करना है। प्रायः 'व' का 'ब' हो जाने पर या 'ब' का 'व' होने पर शब्दों का अर्थ बदल जाता है, उदाहरण के लिए-

वार	-	प्रहार	**बार**	-	आवृत्ति
वहन	-	ढ़ोना	**बहन**	-	भगिनी
वाद	-	विचारधारा	**बाद**	-	पश्चात

2) **'छ' और 'क्ष' की अशुद्धियाँ:** 'छ' एक स्वतंत्र व्यंजन है, जबकि 'क्ष' संयुक्त व्यंजन है। 'क्ष' व्यंजन 'क' और 'ष' के मेल से बना है। 'क्ष' अक्षर का प्रयोग प्रायः संस्कृत में अधिक होता है, उदाहरण के लिए-

शिक्षा, दीक्षा, परीक्षा, प्रतीक्षा, अधीक्षक, निरीक्षक, समक्ष, नक्षत्र इत्यादि

3) **'ण' और 'न' की अशुद्धियाँ:** 'ण' वर्ण का प्रयोग सामान्यतः संस्कृत भाषा (तत्सम) के शब्दों में अधिक होता है, जबकि खड़ी बोली में 'न' का प्रयोग अधिक होता है। जिन तत्सम शब्दों में 'ण' होता है, उनके तद्भव रूप में 'ण' का 'न' हो जाता है, उदाहरण के लिए-

-'फण' का 'फन'
-'कण' का 'कन'
- 'रण' का 'रन'
-'विष्णु' का 'बिसुन'

नोट: खड़ी बोली में 'ण' और 'न' का प्रयोग संस्कृत के नियमानुसार ही होता है।

'न' का प्रयोग करते समय सामान्यतः निम्नलिखित नियमों का ध्यान रखा जाना चाहिए-

(१) संस्कृत भाषा के जिन धातुओं में 'ण' होता है, उनसे बने शब्दों में भी 'ण' ही रहता है, उदाहरण के लिए- गण, गुण, निपुण, प्रण इत्यादि।

(२) यदि किसी पद में 'ऋ' 'र' और 'स' के पश्चात 'न' हो तो 'न' के स्थान पर 'ण' हो जाता है, जैसे-

कृष्न का कृष्ण
भूषन का भूषण
ऋन का ऋण

परंतु यदि 'न' से पूर्व इनसे भिन्न वर्ण आए 'न' का 'ण' नहीं होता है, जैसे-
रचना, प्रार्थना, अर्चना इत्यादि

4) **'श', 'ष' और 'स' की अशुद्धियाँ:** ये तीनों अक्षर अलग-अलग हैं, इसलिए इनकी उच्चारण प्रक्रिया भी अलग-अलग है, जिसके कारण इन अक्षरों में वर्तनी संबंधी अशुद्धियाँ प्रायः देखने को मिलती हैं। इन अक्षरों के प्रयोग में निम्नलिखित सावधानियां बरतनी चाहिए-

(1) जहां 'श' और 'ष' एक साथ आते हैं, वहां पर 'श' के पश्चात 'ष' आता है, जैसे-
शोषण, विशेष, शेष इत्यादि।

(2) 'ट' वर्ग के पूर्व केवल 'स' आता है, जैसे-
कष्ट, नष्ट, वृष्टि इत्यादि।

(3) यदि किसी शब्द में 'स' हो और उसके पूर्व 'अ' अथवा 'आ' के अतिरिक्त कोई भिन्न स्वर हो तो 'स' का स्थान 'ष' ले लेता है, जैसे-
सुसुप्ति का सुषुप्ति,
सुसमा का सुषमा इत्यादि।

Nitin-Gupta.com

(4) जहाँ पर भी 'श' और 'स' एक साथ आते हैं, वहां 'श' पहले आता है, जैसे-
प्रशंसा, शासक, शासन इत्यादि।

(5) 'ऋ' के पश्चात प्रायः 'ष' आता है, जैसे-
तृषा, ऋषि, कृषि इत्यादि।

(6) यदि तत्सम शब्दों में 'श' हो तो उसके तद्भव में 'स' हो जाता है, जैसे-
शाक - साग
श्यामल - साँवला
श्वसुर - ससुर
शूली - सूली

(7) उपसर्ग के रूप में 'निः', 'वि' इत्यादि के आने पर मूल शब्द का 'स' पूर्ववत बना रहता है, जैसे-
निःसंशय, विस्तार, विस्तृत इत्यादि।

(8) संधि करने में क, ख, ट, ठ, प, फ के पूर्व आया हुआ विसर्ग (:) सदैव 'ष' हो जाता है, जैसे-
निः + फल= निष्फल
निः + कपट= निष्कपट
निः + पाप= निष्पाप.

विभिन्न परीक्षाओं में पूछे गए प्रश्नोत्तर

U.P.P.C.S (MAIN) EXAM, 2022

अशुद्ध वाक्य: प्रेमचंद अच्छी कहानी लिखे हैं।
शुद्ध वाक्य: प्रेमचंद ने अच्छी कहानियाँ लिखी हैं।
अशुद्ध वाक्य: तुम कौन गांव में रहते हो?
शुद्ध वाक्य: तुम किस गांव में रहते हो?
अशुद्ध वाक्य: यह बात उदाहरण से स्पष्ट किया जा सकता है।
शुद्ध वाक्य: इस बात को उदाहरण द्वारा स्पष्ट किया जा सकता है।
अशुद्ध वाक्य: दंगे में कई निरपराधी मारे गए।
शुद्ध वाक्य: दंगे में कई निरपराध मारे गए।
अशुद्ध वाक्य: तुम्हारे हर काम गलत होते हैं।
शुद्ध वाक्य: तुम्हारे हर एक काम गलत होते हैं।

U.P.P.C.S (MAIN) EXAM, 2021

अशुद्ध वाक्य: मोहन आगामी वर्ष कलकत्ता गया था।
शुद्ध वाक्य: मोहन विगत वर्ष कलकत्ता गया था।
अशुद्ध वाक्य: गणित एक कठोर विषय है।
शुद्ध वाक्य: गणित एक कठिन विषय है।
अशुद्ध वाक्य: यह एक गहरी समस्या है।
शुद्ध वाक्य: यह एक गम्भीर समस्या है।
अशुद्ध वाक्य: तुम तुम्हारी किताब ले जाओ।
शुद्ध वाक्य: तुम अपनी किताब ले जाओ।
अशुद्ध वाक्य: यही सरकारी महिलाओं का अस्पताल है।
शुद्ध वाक्य: यह महिलाओं का सरकारी अस्पताल है।

U.P.P.C.S (MAIN) EXAM, 2020

अशुद्ध वाक्य: कमरा लोगों से लबालब भरा है।
शुद्ध वाक्य: कमरा लोगों से खचाखच भरा है।
अशुद्ध वाक्य: आपके दवा से वह आरोग्य हुआ।
शुद्ध वाक्य: आपकी दवा से वह आरोग्य हुआ।
अशुद्ध वाक्य: लड़की ने दही गिरा दी।
शुद्ध वाक्य: लड़की ने दही गिरा दिया।
अशुद्ध वाक्य: निरपराधी को दंड नहीं मिलनी चाहिए।
शुद्ध वाक्य: निरपराध को दंड नहीं मिलनी चाहिए।
अशुद्ध वाक्य: आप खाए कि नहीं?
शुद्ध वाक्य: आप खाए या नहीं?

Nitin-Gupta.com

U.P.P.C.S (MAIN) EXAM, 2019

अशुद्ध वाक्य: मनोज रोती है।
शुद्ध वाक्य: मनोज रोता है।
अशुद्ध वाक्य: राम घर जाती है।
शुद्ध वाक्य: राम घर जाता है।
अशुद्ध वाक्य: विद्यालय में सभी कक्षा के विद्यार्थी बुलाए गए हैं।
शुद्ध वाक्य: सभी कक्षा के विद्यार्थी विद्यालय में बुलाए गए हैं।
अशुद्ध वाक्य: मैंने आपके घर में रखी पुस्तक को देख ली।
शुद्ध वाक्य: आपके घर में रखी पुस्तक को मैंने देख ली।
अशुद्ध वाक्य: मैंने जाना है।
शुद्ध वाक्य: मुझे जाना है।

U.P.P.C.S (MAIN) EXAM, 2018

अशुद्ध वाक्य: दक्षिण का अधिकांश भाग पठार है।
शुद्ध वाक्य: दक्षिण का अधिकांश पठार है।
अशुद्ध वाक्य: गीता ने सीता से पूछा कि सीता कहां चली गई थी?
शुद्ध वाक्य: गीता ने सीता से पूछा की तुम कहां चली गई थी?
अशुद्ध वाक्य: मैंने बोला कि कल मत आना।
शुद्ध वाक्य: **मैं** कह दिया कि कल मत आना।
अशुद्ध वाक्य: सौ रुपया सधन्यवाद प्राप्त हुआ।
शुद्ध वाक्य: सौ रुपये प्राप्त हुए, धन्यवाद।
अशुद्ध वाक्य: यह आँखों से देखी घटना है।
शुद्ध वाक्य: यह आँखों देखी घटना है।

U.P.P.C.S (MAIN) EXAM, 2017

अशुद्ध वाक्य: हम गाँधी जी की मूर्ति का दर्शन करने गए थे।
शुद्ध वाक्य: हम गाँधी जी की मूर्ति देखने गए थे।
अशुद्ध वाक्य: गोलियों की बाढ़ के सामने कोई न टिक सका।
शुद्ध वाक्य: गोलियों की बौछार के सामने कोई टिक न सका।
अशुद्ध वाक्य: वह सीधा-साधा आदमी है।
शुद्ध वाक्य: वह सीधा-सादा आदमी है।
अशुद्ध वाक्य: वहां भारी भीड़ एकत्रित हो गई।
शुद्ध वाक्य: वहां पर भीड़ एकत्रित हो गयी।
अशुद्ध वाक्य: एक रुपए में कितना पैसा होता है?
शुद्ध वाक्य: एक रुपए में कितने पैसे होते हैं?

U.P.P.C.S CANCELLED (MAIN) EXAM, 2017

अशुद्ध वाक्य: सिवाय आपको छोड़कर सभी आये थे।
शुद्ध वाक्य: आपके सिवाय सभी आये थे।
अशुद्ध वाक्य: गुप्तकालीन समय में सभी लोग सुखी थे।
शुद्ध वाक्य: गुप्त काल में सभी लोग सुखी थे।
अशुद्ध वाक्य: मुझे केवल सौ रुपये मात्र मिले।
शुद्ध वाक्य: मुझे केवल सौ रुपये मिले।
अशुद्ध वाक्य: शिवा और उमा आज मेरे घर आएगा।
शुद्ध वाक्य: शिवा और उमा आज मेरे घर आएंगी।
अशुद्ध वाक्य: रमा पढ़ती-पढ़ती सो गयी।
शुद्ध वाक्य: रमा पढ़ते-पढ़ते सो गयी।

U.P.P.C.S (MAIN) EXAM, 2016

अशुद्ध वाक्य: आपकी सूचनार्थ निवेदन है।
शुद्ध वाक्य: सूचनार्थं निवेदन प्रेषित है।
अशुद्ध वाक्य: शाहजहाँ ने सड़क को बनवाई।
शुद्ध वाक्य: शाहजहाँ ने सड़कें बनवाई।
अशुद्ध वाक्य: पुस्तकों का प्राकथन परिचयात्मक होता है।
शुद्ध वाक्य: पुस्तकों का प्राक्कथन परिचयात्मक होता है।
अशुद्ध वाक्य: रविता हिंदी की शोधार्थिनी है।
शुद्ध वाक्य: रविता हिंदी की शोधार्थी है।
अशुद्ध वाक्य: हजारों वर्षों पूर्व पृथ्वी आग की गोला थी।
शुद्ध वाक्य: हजारों वर्ष पूर्व पृथ्वी आग की गोला थी।

U.P.P.C.S (MAIN) EXAM, 2015

अशुद्ध वाक्य: आप दस आदमी के रुकने का प्रबंध करो।
शुद्ध वाक्य: आप दस आदमियों के रुकने का प्रबंध करें।
अशुद्ध वाक्य: आप वाली किताब छत में पड़ी है।
शुद्ध वाक्य: आपकी किताब छत पर पड़ी है।
अशुद्ध वाक्य: अच्छे कार्य में अनेकों संकट आते हैं।
शुद्ध वाक्य: अच्छे कार्य में अनेक संकट आते हैं।
अशुद्ध वाक्य: ' यामा' महादेवी के काव्यों का संकलन है।
शुद्ध वाक्य: 'यामा' महादेवी वर्मा का काव्य-संकलन है।
अशुद्ध वाक्य: समाज के भिखारियों से कृपा करनी चाहिए।
शुद्ध वाक्य: समाज के भिखारियों पर कृपा करनी चाहिए.।

Nitin-Gupta.com

U.P.P.C.S (MAIN) EXAM, 2014

अशुद्ध वाक्य: उन्हें चार घोड़े और एक बैल का दाम मिला।
शुद्ध वाक्य: उन्हें चार घोड़े और एक बैल के दाम मिले।
अशुद्ध वाक्य: इतने में हल्की-सी हवा का झोंका आया।
शुद्ध वाक्य: इतने में हल्की-हवा का झोंका आया।
अशुद्ध वाक्य: इस बात का स्पष्टीकरण करने की आवश्यकता है।
शुद्ध वाक्य: इस बात का स्पष्टीकरण आवश्यक है।
अशुद्ध वाक्य: जीवन और साहित्य का घोर संबंध है।
शुद्ध वाक्य: जीवन और साहित्य का घनिष्ठ संबंध है।
अशुद्ध वाक्य: उसके ऊपर उचित न्याय किया जायेगा।
शुद्ध वाक्य: उसके साथ उचित न्याय किया जायेगा।

U.P.P.C.S (MAIN) EXAM, 2013

अशुद्ध वाक्य: दरवाजे का ताला टूटा देखकर मैं सशंकित हो उठा।
शुद्ध वाक्य: दरवाजे का ताला टूटा देखकर मैं आश्चर्यचकित हो उठा।
अशुद्ध वाक्य: एक माँ की दृष्टि में उसका बालक ही सबसे सुंदरतम होता है।
शुद्ध वाक्य: माँ की दृष्टि में उसका बालक ही सुंदरतम होता है।
अशुद्ध वाक्य: प्रभु, आप मेरी कुटिया में पधारे, मैं कृतकृत्य हुआ।
शुद्ध वाक्य: प्रभु, आप कुटिया में पधारे, मैं कृतकृत्य हुआ।
अशुद्ध वाक्य: यह सम्पदा मैंने सिर्फ अपनी ताकत के बल पर अर्जित की है।
शुद्ध वाक्य: यह सम्पदा मैंने अपनी मेहनत के बल पर अर्जित की है।
अशुद्ध वाक्य: भले ही दस अपराधी छूट जाएँ, पर एक भी निरपराधी को दण्ड नहीं मिलना चाहिए।
शुद्ध वाक्य: भले ही दस अपराधी छूट जाएँ, पर एक भी निरपराध को दण्ड नहीं मिलना चाहिए।

U.P.P.C.S (MAIN) EXAM, 2012

अशुद्ध वाक्य: बाजार में साप्ताहिक अवकाश सोमवार का रहता है।
शुद्ध वाक्य: बाजार में साप्ताहिक बंदी सोमवार को होती है।
अशुद्ध वाक्य: डाकुओं की मंडली कल रात इधर से ही गुजारी थी।
शुद्ध वाक्य: डाकुओं का गिरोह कल रात इधर से ही गुजरा था।
अशुद्ध वाक्य: कुछ दिनों में आप द्वारा लगाया गया यह पौधा बड़ा विशाल वृक्ष बन जाएगा।
शुद्ध वाक्य: कुछ दिनों में आप द्वारा लगाया गया यह पौधा विशाल वृक्ष बन जाएगा।
अशुद्ध वाक्य: वह स्त्री अपराधी है।
शुद्ध वाक्य: वह अपराधिनी है।
अशुद्ध वाक्य: आपके विवाह समारोह में सम्मिलित न होने पर मैं बहुत शोकाकुल हूँ
शुद्ध वाक्य: आपके विवाह समारोह में सम्मिलित न होने पर मैं बहुत दुखी हूं।

U.P.P.C.S (MAIN) EXAM, 2011

अशुद्ध वाक्य: वह नगर दृष्टव्य है।
शुद्ध वाक्य: वह नगर द्रष्टव्य या दर्शनीय है।
अशुद्ध वाक्य: लड्डू और लस्सी पीकर हमने यात्रा की।
शुद्ध वाक्य: लड्डू खाकर और लस्सी पीकर हमने यात्रा की।
अशुद्ध वाक्य: इस पुस्तक में यही विशेषता है।
शुद्ध वाक्य: इस पुस्तक की यही विशेषता है।
अशुद्ध वाक्य: आपकी रचना श्रेष्टतम है।
शुद्ध वाक्य: आपकी रचना श्रेष्ठतम है।
अशुद्ध वाक्य: उसके प्राण पखेरू चले गये।
शुद्ध वाक्य: उसके प्राण पखेरू उड़ गये।

U.P.P.C.S (MAIN) EXAM, 2010

अशुद्ध वाक्य: व्यक्ति को अपने समय का अच्छा सदुपयोग करना चाहिए।
शुद्ध वाक्य: व्यक्ति को अपने समय का सदुपयोग करना चाहिए।
अशुद्ध वाक्य: छात्रों ने मुख्य अतिथि को मान पत्र प्रदान किया।

Nitin-Gupta.com

शुद्ध वाक्य: छात्रों ने मुख्य अतिथि को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया।
अशुद्ध वाक्य: मित्र कहां थे? इतने वर्षों के बीच दिखाई नहीं दिये।
शुद्ध वाक्य: मित्र कहां थे? वर्षों दिखाई नहीं दिए।
अशुद्ध वाक्य: मुम्बई हमले का अपराधी मृत्युदण्ड देने योग्य है।
शुद्ध वाक्य: मुम्बई हमले का अपराधी मृत्युदण्ड का पात्र है।
अशुद्ध वाक्य: उसने अपनी कमाई का अधिकांश भाग व्यर्थ गँवा दिया।
शुद्ध वाक्य: उसने अपनी कमाई का अधिकांश व्यर्थ गवाँ दिया।

U.P.P.C.S (MAIN) EXAM, 2009

अशुद्ध वाक्य: गत रविवार को वह मुंबई जाएगा।
शुद्ध वाक्य: रविवार को वह मुंबई जाएगा।
अशुद्ध वाक्य: तितली के पास सुंदर पंख होते हैं।
शुद्ध वाक्य: तितली के पंख सुंदर होते हैं।
अशुद्ध वाक्य: जब भी आप आओ मुझसे मिलो।
शुद्ध वाक्य: जब भी आप आइए मुझसे मिलिए।
अशुद्ध वाक्य: राकेश नया पोषाक पहनकर आया है।
शुद्ध वाक्य: राकेश नई पोशाक पहनकर आया है।
अशुद्ध वाक्य: अनेकों लोगों ने मुझे पकड़ लिया।
शुद्ध वाक्य: अनेक लोगों ने मुझे पकड़ लिया।

U.P.P.C.S (MAIN) EXAM, 2008

अशुद्ध वाक्य: श्री राम सिंह मेरे अपने पिता हैं।
शुद्ध वाक्य: श्री राम सिंह मेरे पिता हैं।
अशुद्ध वाक्य: हमें अपना निजी काम करना चाहिए।
शुद्ध वाक्य: हमें अपना काम करना चाहिए।
अशुद्ध वाक्य: निराशा की किरणें हुई हैं।
शुद्ध वाक्य: निराशा छायी हुई है।
अशुद्ध वाक्य: मुझे नहीं मालूम था कि यह आपकी पैत्रिक संपत्ति है।
शुद्ध वाक्य: मुझे नहीं मालूम था कि यह आपकी पैतृक संपत्ति है।
अशुद्ध वाक्य: उसने मोती का एक हार खरीदा।
शुद्ध वाक्य: उसने मोतियों का एक हार खरीदा।

U.P.P.C.S (MAIN) EXAM, 2007

अशुद्ध वाक्य: मैं गुरु जी से श्रद्धा करता हूँ।
शुद्ध वाक्य: मैं गुरु जी का आदर करता हूँ।
अशुद्ध वाक्य: मैं सप्रमाण सहित कहता हूँ।
शुद्ध वाक्य: मैं प्रमाण सहित कहता हूँ।
अशुद्ध वाक्य: भोजन बहुत सुन्दर बना है।
शुद्ध वाक्य: भोजन बहुत स्वादिष्ट बना है।
अशुद्ध वाक्य: तमाम देशभर में यह बात फैल गयी।
शुद्ध वाक्य: देशभर में यह बात फैल गयी।
अशुद्ध वाक्य: उसके सौजन्यता से यह कार्य हुआ है।
शुद्ध वाक्य: उसके सौजन्य से यह कार्य हुआ है।
अशुद्ध वाक्य: दस रुपये में क्या आता है।
शुद्ध वाक्य: दस रुपये में क्या मिलता है।
अशुद्ध वाक्य: तुम मोहन को देखे हो।
शुद्ध वाक्य: तुमने मोहन को देखा है।
अशुद्ध वाक्य: मैंने तुमको अनेकों बार कहा।
शुद्ध वाक्य: मैंने तुमसे अनेक बार कहा।
अशुद्ध वाक्: बच्चों से गुस्सा न करो।
शुद्ध वाक्य: बच्चों पर क्रोध न करो।

U.P.P.C.S (MAIN) EXAM, 2006

अशुद्ध वाक्य: आपकी सौभाग्यवती कन्या का विवाह होने जा रहा है।
शुद्ध वाक्य: आपकी आयुष्मति कन्या का विवाह होने जा रहा है।
अशुद्ध वाक्य: एक गाय, दो घोड़े और एक बकरी मैदान में हरी घास कर रहे हैं।
शुद्ध वाक्य: एक गाय, दो घोड़े और एक बकरी मैदान में घास चर रही हैं।
अशुद्ध वाक्य: आपका पत्र सधन्यवाद सहित मिला।
शुद्ध वाक्य: आपका पत्र सधन्यवाद मिला।
अशुद्ध वाक्य: श्री कृष्ण के अनेकों नाम है।
शुद्ध वाक्य: श्री कृष्ण के अनेक नाम है।
अशुद्ध वाक्य: इस समय आपकी आयु चालीस वर्ष है।
शुद्ध वाक्य: इस समय आपकी अवस्था चालीस वर्ष है।

Nitin-Gupta.com

U.P.P.C.S (MAIN) EXAM, 2005

अशुद्ध वाक्य: वे दो नौ ग्यारह हो गया।
शुद्ध वाक्य: वह नौ दो ग्यारह हो गया।
अशुद्ध वाक्य: प्रत्येक प्राणी को स्वयं आत्मनिर्भर होना चाहिए।
शुद्ध वाक्य: प्रत्येक प्राणी को आत्मनिर्भर होना चाहिए।
अशुद्ध वाक्य: मैं आपकी प्रतिक्षा करता रहा।
शुद्ध वाक्य: मैं आपकी प्रतीक्षा करता रहा।
अशुद्ध वाक्य: मैं कपड़े नहीं दिया हूँ।
शुद्ध वाक्य: मैंने कपड़े नहीं दिये हैं।
अशुद्ध वाक्य: एक पानी का गिलास दीजिए।
शुद्ध वाक्य: एक गिलास पानी दीजिए।

U.P.P.C.S. Spl. (MAIN) EXAM, 2004

अशुद्ध वाक्य: दोषी छात्रों ने अपने सिर नीचे को कर लिए।
शुद्ध वाक्य: दोषी छात्रों ने अपना सिर नीचे कर लिया।
अशुद्ध वाक्य: इस समय उसकी आयु चालीस वर्ष की है।
शुद्ध वाक्य: इस समय उसकी अवस्था चालीस वर्ष की है।
अशुद्ध वाक्य: उसका प्राण निकल गया।
शुद्ध वाक्य: उसके प्राण निकल गये।
अशुद्ध वाक्य: अधिकांश विद्यार्थी शान्त रहें।
शुभ वाक्य: अधिकतर विद्यार्थी शान्त रहे।
अशुद्ध वाक्य: वह विलाप करके रोने लगी।
शुद्ध वाक्य: वह विलाप करने लगी।

U.P.P.C.S (MAIN) EXAM, 2004

अशुद्ध वाक्य: शेर को देखकर उसका प्राण सूख गया।
शुद्ध वाक्य: शेर को देखकर उसके प्राण सूख गये।
अशुद्ध वाक्य: उनकी अपनी प्रखर बुद्धि हर काम में प्रगट होती है।
शुद्ध वाक्य: उनकी प्रखर बुद्धि प्रत्येक कार्य में दृष्टिगत होती है।
अशुद्ध वाक्य: मुझे आप पुराने पते से पत्र दीजिएगा।
शुद्ध वाक्य: मुझे आप पुराने पते पर पत्र दीजिएगा।
अशुद्ध वाक्य: आप इस पत्र में हस्ताक्षर बना दीजिए।
शुद्ध वाक्य: आप इस पत्र पर हस्ताक्षर कर दीजिए।
अशुद्ध वाक्य: मैं अपनी बात को स्पष्टीकरण करना चाहता हूँ।
शुद्ध वाक्य: मैं अपनी बात का स्पष्टीकरण देना चाहता हूँ।

U.P.P.C.S (MAIN) EXAM, 2003

अशुद्ध वाक्य: उसे कह दो कि भाग जाय।
शुद्ध वाक्य: उससे कह दो कि भाग जाये।
अशुद्ध वाक्य: हवन सामग्री जल गया।
शुद्ध वाक्य: हवन सामग्री जल गयी।
अशुद्ध वाक्य: वहाँ अनेकों लोग थे।
शुद्ध वाक्य: वहाँ अनेक लोग थे।
अशुद्ध वाक्य: आँखों से आँसू निकल पड़ा।
शुद्ध वाक्य: आँखों से आँसू निकल पड़े।
अशुद्ध वाक्य: आपकी महान कृपा होगी।
शुद्ध वाक्य: आपकी महती कृपा होगी।

U.P.P.C.S (MAIN) EXAM, 2002

अशुद्ध वाक्य: मेरी पूज्यनीय माँ अब इस संसार में नहीं है।
शुद्ध वाक्य: मेरी पूजनीया माँ अब इस संसार में नहीं है।
अशुद्ध वाक्य: अत्याधिक व्यवस्तता स्वास्थ्य के लिए हानिप्रद है।
शुद्ध वाक्य: अत्यधिक व्यस्तता स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।
अशुद्ध वाक्य: यद्दपि मैं आपका बहुत कृतज्ञ हूँ पर मैं आपका यह कार्य नहीं कर सकता।
शुद्ध वाक्यय: यद्दपि मैं आपका बहुत आभारी हूँ, पर मैं आपका यह कार्य नहीं कर सकता।
अशुद्ध वाक्य: केवल मात्र आपके दर्शन पर्याप्त होंगे।
शुद्ध वाक्य: केवल आपके दर्शन पर्याप्त होंगे।
अशुद्ध वाक्य: मेरे मन के अंदर कोई बुरी बात नहीं है।
शुद्ध वाक्य: मेरे मन में कोई बुरी बात नहीं है।

Nitin-Gupta.com

U.P.P.C.S (MAIN) EXAM, 2001

अशुद्ध वाक्य: बिजली गरज रही है।
शुद्ध वाक्य: बिजली चमक रही है।
अशुद्ध वाक्य: इस समय आपकी आयु चालीस वर्ष की है।
शुद्ध वाक्य: इस समय आपकी अवस्था चालीस वर्ष है।
अशुद्ध वाक्य: रात का नाश्ता अच्छा था।
शुद्ध वाक्य: रात का भोजन अच्छा था।
अशुद्ध वाक्य: कृष्ण के अनेकों नाम है।
शुद्ध वाक्य: कृष्ण के अनेक नाम हैं।
अशुद्ध वाक्य: आसमान में वायुयान दौड़ रहा है।
शुद्ध वाक्य: आसमान में वायुयान उड़ रहा है।

U.P.P.C.S (MAIN) EXAM, 2000

अशुद्ध वाक्य: हम अपने पिता के सबसे बड़े लड़के हैं।
शुद्ध वाक्य: मैं अपने पिता का सबसे बड़ा लड़का हूँ।
अशुद्ध वाक्य: यह भाग्यवान स्त्री है।
शुद्ध वाक्य: यह सौभाग्यवती है।
अशुद्ध वाक्य: पुस्तक को जहाँ से उठाओं, वहीं रख दो।
शुद्ध वाक्य: पुस्तक जहाँ से उठाओ, वही रख दो।
अशुद्ध वाक्य: मैं मेरी कलम से लिखता हूँ।
शुद्ध वाक्य: मैं अपनी कलम से लिखता हूँ।

U.P.P.C.S (MAIN) EXAM, 1999

अशुद्ध वाक्य: कृष्ण पीताम्बर धारण करते थे।
शुद्ध वाक्य: कृष्ण पीताम्बरधारी थे।
अशुद्ध वाक्य: मैं कपड़े नहीं दिया हूँ।
शुद्ध वाक्य: मैंने कपड़े नहीं दिया है।
अशुद्ध वाक्य: प्रत्येक प्राणी को स्वयं आत्म-निर्भर होना चाहिए।
शुद्ध वाक्य: प्रत्येक प्राणी को आत्मनिर्भर होना चाहिए।
अशुद्ध वाक्य: मैं आपकी प्रतिक्षा करता रहा।
शुद्ध वाक्य: मैं आपकी प्रतीक्षा करता रहा।
अशुद्ध वाक्य: एक पानी का गिलास दीजिए।
शुद्ध वाक्य: एक गिलास पानी दीजिए।

U.P.P.C.S (MAIN) EXAM, 1998

अशुद्ध वाक्य: वह पेड़ जो कोने पर लगा है, उसके फल मीठे हैं।
शुद्ध वाक्य: कोने पर लगे पेड़ के फल मीठे हैं।
अशुद्ध वाक्य: मेरा नाम श्री मोहन जी है।
शुद्ध वाक्य: मेरा नाम मोहन है।
अशुद्ध वाक्य: सामाजिक कुरीतियों का एकमात्र कारण अज्ञानता है।
शुद्ध वाक्य: सामाजिक कुरीतियों का कारण अज्ञानता है।
अशुद्ध वाक्य: तमाम देशभर में यह बात फैल गयी।
शुद्ध वाक्य: देशभर में यह बात फैल गयी।
अशुद्ध वाक्य: शिकारी ने उस पर गोली चलाई पर शेर बच निकला।
शुद्ध वाक्य: शिकारी ने गोली चलाई, पर शेर बच निकला।

U.P.P.C.S (MAIN) EXAM, 1989

अशुद्ध वाक्य: एक फूलों की माला चाहिए।
शुद्ध वाक्य: फूलों की एक माला चाहिए।
अशुद्ध वाक्य: गोदान प्रेमचन्द्र की एक श्रेष्ठ उपन्यास है।
शुद्ध वाक्य: गोदान प्रेमचन्द्र का एक श्रेष्ठ उपन्यास है।
अशुद्ध वाक्य: उसके बाद फिर राम का राज्याभिषेक हुआ।
शुद्ध वाक्य: उसके बाद राम का राज्याभिषेक हुआ।
अशुद्ध वाक्य: पति-पत्नी आई है।
शुद्ध वाक्य: पति पत्नी आये हैं।
अशुद्ध वाक्य: हम हमारे देश के महापुरुषों का अनुसरण करें।
शुद्ध वाक्य: हम अपने देश के महापुरुषों का अनुसरण करें।
अशुद्ध वाक्य: ठण्डा घड़े का पानी पिलाइए।
शुद्ध वाक्य: घड़े का ठण्डा पानी पिलाइए।
अशुद्ध वाक्य: आपका भविष्य उज्जवल हो।
शुद्ध वाक्य: आपका भविष्य उज्जवल है।
अशुद्ध वाक्य: आपका दर्शन करने आया हूँ।
शुद्ध वाक्य: आपके दर्शन करने आया हूँ।

Nitin-Gupta.com

अशुद्ध वाक्य: विद्यालय के लड़के गेंद खेल रहे थे।
शुद्ध वाक्य: विद्यालय के छात्र गेंद खेल रहे थे।
अशुद्ध वाक्य: मैं घर ही हूँ।
शुद्ध वाक्य: मैं घर में हूँ।

U.P.P.C.S (MAIN) EXAM, 1988

अशुद्ध वाक्य: वे बड़े सज्जन व्यक्ति हैं।
शुद्ध वाक्य: वह बड़े सज्जन हैं।
अशुद्ध वाक्य: उनके आँसू बहने लगा।
शुद्ध वाक्य: उनके आँसू बहने लगे।
अशुद्ध वाक्य: आप जाओ
शुद्ध वाक्य: आप जाइए।
अशुद्ध वाक्य: वह घोड़े में सवार था।
शुद्ध वाक्य: वह घोड़े पर सवार था।
अशुद्ध वाक्य: केवल चार रुपये मात्र दीजिए।
शुद्ध वाक्य: चार रुपये मात्र दीजिए।
अशुद्ध वाक्य: एक पानी का गिलास दीजिए।
शुद्ध वाक्य: एक गिलास पानी दीजिए।
अशुद्ध वाक्य: अनेकों बार देख चुका हूँ।
शुद्ध वाक्य: अनेक बार देख चुका हूँ।
अशुद्ध वाक्य: मेरे को बुलाया।
शुद्ध वाक्य: मुझे बुलाया।

U.P. LOWER SUB. (MAIN) EXAM, 2009

अशुद्ध वाक्य: पद्मावती अपनी सौंदर्यता के लिए प्रसिद्ध है।
शुद्ध वाक्य: पद्मावती अपने सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध है।
अशुद्ध वाक्य: पेतृक संपत्ति में उसका भी हिस्सा है।
शुद्ध वाक्य: पैतृक संपत्ति में उसका भी हिस्सा है।
अशुद्ध वाक्य: शराब पीना विष से भयंकर है।
शुद्ध वाक्य: शराब पीना विष से हानिकारक है।
अशुद्ध वाक्य: मेरा प्राण संकट में है।
शुद्ध वाक्य: मेरे प्राण संकट में हैं।
अशुद्ध वाक्य: अश्वमेध का घोड़ा निर्विघ्न चतुर्दिक घूमता रहा।
शुद्ध वाक्य: अश्वमेध का घोड़ा निर्विघ्न दौड़ता रहा।

U.P. LOWER SUB. (MAIN) EXAM, 2008

अशुद्ध वाक्य: वे चुप लगा गये।
शुद्ध वाक्य: वे चुप हो गये।
अशुद्ध वाक्य: मुझे संतोष अनुभव हो रहा है।
शुद्ध वाक्य: मुझे संतोष हो रहा है।
अशुद्ध वाक्य: घड़ी में कितना बजा है?
शुद्ध वाक्य: घड़ी में कितने बजे हैं?
अशुद्ध वाक्य: दर्शकगणों से अनुरोध है।
शुद्ध वाक्य: दर्शकों से अनुरोध है।
अशुद्ध वाक्य: उन्होंने मुस्कुरा दिया।
शुद्ध वाक्य: वे मुस्कुरा दिये।

U.P. LOWER SUB.SPL. (MAIN) EXAM, 2008

अशुद्ध वाक्य: इंदिरा गाँधी की मृत्यु पर भारत में दुःख छा गया।
शुद्ध वाक्य: इंदिरा गाँधी की मृत्यु पर भारत में शोक छा गया।
अशुद्ध वाक्य: तुलसी और सूर ब्रजभाषा और अवधि के श्रेष्ठ कवि है।
शुद्ध वाक्य: तुलसी और सूर क्रमशः ब्रजभाषा और अवधि के श्रेष्ठ कवि हैं।
अशुद्ध वाक्य: पुलिस ने चोरी के भ्रम में दीनदयाल को पकड़ लिया।
शुद्ध वाक्य: पुलिस ने चोरी के शक में दीनदयाल को पकड़ लिया।
अशुद्ध वाक्य: विंध्याचल पर्वत मध्य प्रदेश में है।
शुद्ध वाक्य: विंध्याचल पर्वत मध्य प्रदेश में स्थित है।
अशुद्ध वाक्य: माननीय मुख्यमंत्री को अभिनन्दन ग्रन्थ प्रदत किया गया।
शुद्ध वाक्य: माननीय मुख्यमंत्री को अभिनन्दन पत्र भेंट किया गया।

Nitin-Gupta.com

U.P. LOWER SUB.SPL (MAIN) EXAM, 2006

अशुद्ध वाक्य: भाषण सुनने के बाद मैं वापस लौट आया।
शुद्ध वाक्य: भाषण सुनने के बाद मैं लौट आया।
अशुद्ध वाक्य: सूरदास अनेक पद लिखे हैं।
शुद्ध वाक्य: सूरदास जी ने अनेक पदों की रचना की है।
अशुद्ध वाक्य: यह मुझे देखा तो चकरा गया।
शुद्ध वाक्य: उसने मुझे देखा तो चकित रह गया।
अशुद्ध वाक्य: वह एक महान अपराधी है।
शुद्ध वाक्य: वह एक कुख्यात अपराधी है।
अशुद्ध वाक्य: जीवन और विज्ञान का घोर संबंध है।
शुद्ध वाक्य: जीवन और विज्ञान का घनिष्ठ संबंध है।

U.P. LOWER SUB. (MAIN) EXAM, 2004

अशुद्ध वाक्य: एक लड़का, दो जवान और कई महिलाएँ आते हैं।
शुद्ध वाक्य: एक लड़का, दो जवान और कई महिलाएँ आती हैं।
अशुद्ध वाक्य: अगले वर्ष हमने नौकरी शुरू की थी।
शुद्ध वाक्य: विगत वर्ष हमने नौकरी शुरू की थी।
अशुद्ध वाक्य: प्रत्येक आदमियों को वहाँ जाना चाहिए।
शुद्ध वाक्य: प्रत्येक आदमी को वहाँ जाना चाहिए।
अशुद्ध वाक्य: ऐसी एकाध बातें और देखने में आती है।
शुद्ध वाक्य: ऐसी एकाध बात और देखने में आती हैं।
अशुद्ध वाक्य: मेरे पीछे तुम्हारा नवम्बर है।
शुद्ध वाक्य: मेरे पीछे तुम्हारा नम्बर है।

U.P. LOWER SUB. (MAIN) EXAM, 2003

अशुद्ध वाक्य: मैंने बाजार से धागा, कंघी, दर्पण और पुस्तकें खरीदे।
शुद्ध वाक्य: मैंने बाजार से धागा, कंघी, दर्पण और पुस्तकें खरीदीं।
अशुद्ध वाक्य: इस कविता में प्रयुक्त शब्द केवल संकेत मात्र हैं।
शुद्ध वाक्य: इस कविता में प्रयुक्त शब्द केवल संकेत हैं।
अशुद्ध वाक्य: आप अपने कथन का स्पष्टीकरण करने के लिए बाध्य हैं।
शुद्ध वाक्य: आप अपने कथन का स्पष्टीकरण देने के लिए बाध्य हैं।
अशुद्ध वाक्य: यह कविता अनेकों भावों को प्रकट करती है।
शुद्ध वाक्य: यह कविता अनेक भावों को प्रकट करती है।
अशुद्ध वाक्य: यहाँ प्रातः काल के समय का दृश्य बड़ा ही सुहावना होता है।
शुद्ध वाक्य: यहाँ प्रातः काल का दृश्य बड़ा ही सुहावना होता है।

U.P. LOWER SUB. (MAIN) EXAM, 2002

अशुद्ध वाक्य: हम एक शपथ के नीचे इकट्ठा हुए हैं।
शुद्ध वाक्य: हम एक ध्वज के नीचे इकट्ठा हुए हैं।
अशुद्ध वाक्य: मुझे आज मेरी बहन को इन्दौर भेजना है।
शुद्ध वाक्य: मुझे आज अपनी बहन को इन्दौर भेजना है।
अशुद्ध वाक्य: आम और कलम शब्द संज्ञा है।
शुद्ध वाक्य: आम और कलम संज्ञा है।
अशुद्ध वाक्य: उसका गुस्सा उबल रहा था।
शुद्ध वाक्य: उसका गुस्सा उफान पर था।
अशुद्ध वाक्य: वे इन्दौर के वजनदार विद्वान हैं।
शुद्ध वाक्य: वे इन्दौर के प्रतिष्ठित विद्वान हैं।

U.P. LOWER SUB. SPL. (MAIN) EXAM, 2002

अशुद्ध वाक्य: यह दवात मत छुओ, टूट जाएगी।
शुद्ध वाक्य: दवात मत छुओ, टूट जाएगी।
अशुद्ध वाक्य: सुधीर बुरी तरह से प्रसिद्ध है।
शुद्ध वाक्य: सुधीर कुख्यात है।
अशुद्ध वाक्य: राजेश्वर चित्र खींच रहा है।
शुद्ध वाक्य: राजेश्वर चित्र बना रहा है।
अशुद्ध वाक्य: ये लोग परस्पर एक दूसरे से घृणा करते है।
शुद्ध वाक्य: यह लोग एक-दूसरे से घृणा करते हैं।

Nitin-Gupta.com

U.P. LOWER SUB. (MAIN) EXAM, 1998

अशुद्ध वाक्य: निरपराधी को दण्ड नहीं देना चाहिए।
शुद्ध वाक्य: निरपराध को दण्ड नहीं देना चाहिए।
अशुद्ध वाक्य: मैं अनेकों बार बनारस गया हूँ
शुद्ध वाक्य: मैं अनेक बार बनारस गया हूँ।
अशुद्ध वाक्य: चहारदीवारी के उस पर खाई है।
शुद्ध वाक्य: चहारदीवारी के पार खाई है।
अशुद्ध वाक्य: कमीज की अस्तीन फटी है।
शुद्ध वाक्य: कमीज की आस्तीन फटी है।
अशुद्ध वाक्य: उसे बीना बजाना नहीं आता है।
शुद्ध वाक्य: उसे वीणा बजाना नहीं आता।

U.P. LOWER SUB. (MAIN) EXAM, 1990

अशुद्ध वाक्य: डाल में चिड़िया बैठी है।
शुद्ध वाक्य: डाल पर चिड़िया बैठी है।
अशुद्ध वाक्य: पर्वत का शिखर ऊंचे हैं।
शुद्ध वाक्य: पर्वत के शिखर ऊंचे हैं।
अशुद्ध वाक्य: मनोहर का मकान श्याम से ज्यादा बेहतर है।
शुद्ध वाक्य: मनोहर का मकान श्याम से बेहतर है।
अशुद्ध वाक्य: दिवाकर वैद्द को नारी का ज्ञान अच्छा है।
शुद्ध वाक्य: दिवाकर वैद्द को नाड़ी का अच्छा ज्ञान है।
अशुद्ध वाक्य: नायक का पति विदेश में है।
शुद्ध वाक्य: नायिका का पति विदेश में है।

U.P. LOWER SUB. (MAIN) EXAM, 1985

अशुद्ध वाक्य: उसको यहाँ से गये केवल दस मिनट हुआ है।
शुद्ध वाक्य: उसको यहाँ से गये मात्र दस मिनट हुए हैं।
अशुद्ध वाक्य: तुम अपनी सुविधा अनुसार यह काम करना।
शुद्ध वाक्य: तुम अपनी सुविधानुसार यह काम करो।
अशुद्ध वाक्य: मैंने कल बम्बई जाना है।
शुद्ध वाक्य: मुझे कल मुंबई जाना है।
अशुद्ध वाक्य: मैंने भगवत गीता पढ़ा है।
शुद्ध वाक्य: मैंने भगवत गीता पढ़ी है।
अशुद्ध वाक्य: तुम मेरे तरफ इस तरह क्या देख रहे हो?
शुद्ध वाक्य: तुम मेरी तरफ इस तरह क्या देख रहे हो?
अशुद्ध वाक्य: अपने को यहाँ से जाने की कोई जल्दी नहीं है।
शुद्ध वाक्य: मुझे यहाँ से जाने की कोई जल्दी नहीं है।
अशुद्ध वाक्य: मेरा अनुग्रह है कि आप मेरे घर पर आने का आग्रह करें।
शुद्ध वाक्य: मेरा आग्रह है कि आप मेरे घर आने का कष्ट करें।
अशुद्ध वाक्य: आप क्या अभी भोजन नहीं किए हैं।
शुद्ध वाक्य: क्या आपने अभी तक भोजन नहीं किया है?
अशुद्ध वाक्य: प्रेमचंद्र का श्रेष्ठतम उपन्यास गोदान है।
शुद्ध वाक्य: गोदान प्रेमचंद का सर्वश्रेष्ठ उपन्यास है।
अशुद्ध वाक्य: कल सड़क दुर्घटना में 20 व्यक्ति मारे गये।
शुद्ध वाक्य: कल सड़क दुर्घटना में 20 लोग मारे गये।

U.P. LOWER SUB. (MAIN) EXAM, 1979

अशुद्ध वाक्य: वह रुग्ण शय्या पर पड़ा है।
शुद्ध वाक्य: वह रुग्ण अवस्था में पड़ा है।
अशुद्ध वाक्य: हम काशी विद्दापीठ में पढ़े हैं।
शुद्ध वाक्य: मैं काशी विद्दापीठ में पढ़ा हूँ।
अशुद्ध वाक्य: मेरे को पुस्तक चाहिए।
शुद्ध वाक्य: मुझे पुस्तक चाहिए।
अशुद्ध वाक्य: तुमने अपने स्वेच्छा से यह काम किया है।
शुद्ध वाक्य: तुमने स्वेच्छा से यह काम किया है।
अशुद्ध वाक्य: मैं आपको श्रद्धा करता हूँ।
शुद्ध वाक्य: मैं आपका आदर करता हूँ।
अशुद्ध वाक्य: मैंने करा।
शुद्धः वाक्य: मैंने किया।
अशुद्ध वाक्य: अब तुम आओगे तो मैं जाऊँगा।
शुद्ध वाक्य: जब तुम आओगे तब मैं जाऊँगा।
अशुद्ध वाक्य: पूज्यनीय पिताजी को नमस्कार कहना।
शुद्ध वाक्य: पूज्य पिताजी को प्रणाम कहना।

U.P. APO (MAIN) EXAM, 1982-2015

अशुद्ध वाक्य: हमें परस्पर एक-दूसरे की सहायता करनी चाहिए।
शुद्ध वाक्य: हमें एक-दूसरे की सहायता करनी चाहिए।
अशुद्ध वाक्य: श्री कृष्ण के अनेकों नाम हैं।

Nitin-Gupta.com

शुद्ध वाक्य: श्री कृष्ण के अनेक नाम हैं।
अशुद्ध वाक्य: मैं प्रातः काल के समय आऊँगा।
शुद्ध वाक्य: मैं प्रातः काल आऊँगा।
अशुद्ध वाक्य: आज मैं प्रातः काल के समय वहाँ गया।
शुद्ध वाक्य: आज मैं प्रातः काल वहाँ गया।
अशुद्ध वाक्य: आप कभी भी आओ, मैं आपसे मिलूंगा।
शुद्ध वाक्य: आप कभी भी आइए, मैं मिलूँगा।
अशुद्ध वाक्य: वह सज्जन व्यक्ति हैं।
शुद्ध वाक्य: वह सज्जन हैं।
अशुद्ध वाक्य: माली एक फूलों की माला लाया।
शुद्ध वाक्य: माली फूलों की एक माला लाया।
अशुद्ध वाक्य: मेरा प्राण सूख गया।
शुद्ध वाक्य: मेरे प्राण सूख गये।
अशुद्ध वाक्य: आपकी सौभाग्यवती कन्या का विवाह होने जा रहा है।
शुद्ध वाक्य: आपकी आयुष्मती कन्या का विवाह होने जा रहा है।
अशुद्ध वाक्य: आपका पत्र सधन्यवाद सहित मिला।
शुद्ध वाक्य: आपका पत्र मिला, धन्यवाद।
अशुद्ध वाक्य: शब्द केवल संकेत मात्र है।
शुद्ध वाक्य: शब्द केवल संकेत हैं।
अशुद्ध वाक्य: तुम केवल बोलना मात्र जानते हो।
शुद्ध वाक्य: तुम केवल बोलना जानते हो।
अशुद्ध वाक्य: प्रत्येक भारत के राज्य में एक मुख्यमंत्री है।
शुद्ध वाक्य: भारत के प्रत्येक राज्य में एक मुख्यमंत्री होता है।
अशुद्ध वाक्य: पिताजी कल सबेरे आ गया है।
शुद्ध वाक्य: पिताजी कल सबेरे आ गये थे।
अशुद्ध वाक्य: मैं आपका दर्शन करने आया हूँ।
शुद्ध वाक्य: मैं आपके दर्शन हेतु आया हूँ।
अशुद्ध वाक्य: वह गर्म आग में हाथ सेंक रहा था।
शुद्ध वाक्य: वह आग से हाथ सेंक रहा था।
अशुद्ध वाक्य: आप कौन-से मकान में रहते हैं?
शुद्ध वाक्य: आप किसी मकान में रहते हैं?
अशुद्ध वाक्य: धार्मिक असहिष्णुता को देखकर महात्मा गाँधी की मृतक आत्मा को कितना संताप होता होगा।
शुद्ध वाक्य: धार्मिक असहिष्णुता को देखकर महात्मा गांधी की आत्मा को कितना संताप होता होगा?
अशुद्ध वाक्य: मेरे पुकारने पर किताब में तल्लीन युवक ने किताब से मुँह उठाकर मेरी ओर देखा।
शुद्ध वाक्य: मेरे पुकारने पर किताब में तल्लीन युवक ने मुँह उठाकर मेरी ओर देखा।
अशुद्ध वाक्य: दुर्घटना में हताहत हुए लोगों की मरहम-पट्टी की गयी।
शुद्ध वाक्य: दुर्घटना में हताहत लोगों की मरहम-पट्टी की गयी।
अशुद्ध वाक्य: कोयल का कंठ सबसे मधुर है।
शुद्ध वाक्य: कोयल का कंठ मधुरतम है।
अशुद्ध वाक्य: ऐक्यता से उन्नति होती है।
शुद्ध वाक्य: एकता से उन्नति होती है।
अशुद्ध वाक्य: उसने तरह-तरह का रूप धारण किया
शुद्ध वाक्य: उसने तरह-तरह के रूप धारण किये।
अशुद्ध वाक्य: कुछ स्थलों में ऐसा कहा गया है।
शुद्ध वाक्य: कुछ स्थलों पर ऐसा कहा गया है।
अशुद्ध वाक्य: मुझे रोटी खाना है।
शुद्ध वाक्य: मुझे रोटी खानी है।
अशुद्ध वाक्य: उस पतिव्रता को छूने का उत्साह कौन करेगा?
शुद्ध वाक्य: उस पतिव्रता को छूने का दुस्साहस कौन करेगा?
अशुद्ध वाक्य: वर्षा में न जाने कितने बेशुमार जीव उत्पन्न होते हैं।
शुद्ध वाक्य: वर्षा में न जाने कितने जीव उत्पन्न होते हैं।
अशुद्ध वाक्य: वाक्य के अंतर्गत प्रयुक्त शब्द सदोष है।
शुद्ध वाक्य: वाक्य के अंतर्गत प्रयुक्त शब्द त्रुटिपूर्ण है।
अशुद्ध वाक्य: नेताजी को एक गुलाब की माला पहनाई गयी।
शुद्ध वाक्य: नेताजी को गुलाब की एक माला बनाई गयी।
अशुद्ध वाक्य: वह आरोग्य हो गया।
शुद्ध वाक्य: वह स्वस्थ हो गया।
अशुद्ध वाक्य: हिमालय पर्वत सबसे ऊँचा पर्वत है।
शुद्ध वाक्य: हिमालय सबसे ऊँचा पर्वत है।
अशुद्ध वाक्य: भारत की आज भी वर्तमान स्थिति ठीक नहीं है।
शुद्ध वाक्य: भारत की वर्तमान स्थिति ठीक नहीं है।
अशुद्ध वाक्य: वहाँ चेचक के खतरे का डर है।
शुद्ध वाक्य: वहाँ चेचक का डर है।
अशुद्ध वाक्य: महात्मा गाँधी ने देश के लिए अनेक यंत्रणाओं को सहन किया।
अशुद्ध वाक्य: महात्मा गाँधी ने देश के लिए अनेक यंत्रणाएँ सहन कीं।
अशुद्ध वाक्य: आधा किलो शुद्ध गाय का दूध ले आओ।
शुद्ध वाक्य: गाय का आधा किलो शुद्ध दूध ले आओ।

Nitin-Gupta.com

अशुद्ध वाक्य: मैं बोल दिया था कि आज न आयें।
शुद्ध वाक्य: मैंने कह दिया था कि आज न आएँ।
अशुद्ध वाक्य: यह घी की शुद्ध दुकान है।
शुद्ध वाक्य: यह शुद्ध घी की दुकान है।
अशुद्ध वाक्य: दिल्ली अपने देश की सबसे बड़ी राजधानी है।
शुद्ध वाक्य: दिल्ली अपने देश की राजधानी है।
अशुद्ध वाक्य: उसे मरणोपरांत के बाद राष्ट्रीय सम्मान मिला।
शुद्ध वाक्य: उसे मरणोपरांत राष्ट्रीय सम्मान मिला।
अशुद्ध वाक्य: वे जब वाराणसी आये तो अपने साथ कई मित्रों को ले गये।
शुद्ध वाक्य: वे जब वाराणसी आये, तो अपने साथ कई मित्रों को ले आये।

Nitin-Gupta.com

3. पर्यायवाची शब्द

समान अर्थ रखने वाले शब्द को '**पर्यायवाची शब्द**' कहते हैं अर्थात जिन शब्दों के अर्थ में समानता हो वे पर्यायवाची शब्द कहलाते हैं। पर्यायवाची शब्द का अन्य नाम '**प्रतिशब्द**' भी है। सामान्यतः अर्थ की दृष्टि से शब्दों के अनेक रूप होते हैं, उदाहरण के लिए - पर्यायवाची शब्द, एकार्थक शब्द, विपरीतार्थक शब्द, युग्म शब्द, समोच्चरितप्राय शब्द इत्यादि।

पर्यायवाची शब्दों के बारे में यह बात महत्वपूर्ण है कि इन शब्दों में अर्थ की समानता के होते हुए भी इनके प्रयोग प्रायः एक तरह के नहीं होते हैं। ये शब्द स्वयं में इतने पूर्ण होते हैं कि एक ही शब्द का प्रयोग सभी स्थितियों व सभी स्थलों पर किया जाना उचित प्रतीत नहीं होता है अर्थात कहीं पर कोई शब्द ठीक बैठता है तो कहीं कोई और शब्द। अतः यहां पर यह सुस्पष्ट हो जाता है कि प्रत्येक शब्द की महत्ता विषय और स्थान के अनुसार होती है।

पर्यायवाची शब्द के प्रकार:

पर्यायवाची शब्द मुख्यतः तीन प्रकार के होते हैं:

(1) पूर्ण पर्याय: यदि किसी वाक्य में एक शब्द के स्थान पर दूसरा शब्द बिना किसी व्यवधान के रखा जा सके और उस शब्द के अर्थ में कोई अंतर न पड़े तो ऐसे शब्द को उसका पूर्ण पर्याय कहते हैं, उदाहरण के लिए-

- जलज, वारीज
- तकलीफ, कष्ट
- ईश्वर, परमात्मा, परमेश्वर
- पानी, जल

(2) पूर्णापूर्ण पर्याय: ऐसे पर्याय जो एक प्रसंग में तो पूर्ण पर्याय हों, किंतु दूसरे प्रसंग में समानार्थक न रह जाएं उन्हें पूर्ण पर्याय कहते हैं, उदाहरण के लिए-

- यदि 'कपड़े टांगना' के स्थान पर 'कपड़े लटकाना' कह दें तो वहीं अर्थ प्राप्त होता है, परंतु
  'वह मुंह लटकाए बैठा है' के स्थान पर 'वह मुंह टांगे बैठा है' कहना उचित नहीं है।
  इसीलिए अधिकांश हिंदी भाषाविदों का यह मत है कि कोई दो शब्द पूर्ण पर्याय नहीं हो सकते।

(3) अपूर्ण पर्याय: जब कोई व्यक्ति किसी शब्द को अपनी सुविधानुसार उसके प्रचलित प्रयोग से भिन्न अलग ढंग से प्रयोग करने लगे और विषय की व्यापकता के परिप्रेक्ष्य में उसी शब्द का प्रयोग अपने प्रचलन से भिन्न नये अर्थ में होने लगे तो ऐसे शब्दों को 'अपूर्ण पर्याय' कहा जाता है। उदाहरण के लिए- संस्कृत भाषा का एक शब्द है ' गर्भिणी' तथा इसी से विकसित हुआ तद्भव शब्द है 'गाभिन'। इन दोनों शब्दों का अर्थ एक ही है, लेकिन उचित स्थान पर इनका प्रयोग न होने के कारण अर्थ का अनर्थ हो जाता है। 'गर्भिणी' शब्द का प्रयोग स्त्री के लिए किया जाता है, जबकि 'गाभिन' शब्द का प्रयोग सदैव पशुओं के लिए किया जाता है।

विविध परीक्षाओं में पूछे गए प्रश्नोत्तर

U.P.R.O./A.R.O. (PRE) EXAM, 2010

शिव - चंद्रशेखर, चंद्रमौली, शंकर, उमापति, महेश, शशिधर, कैलाशपति, गंगाधर
समुद्र - सागर, पारावार, सिंधु, जलनिधि, जलधाम, जलधि
जनार्दन - चक्रपाणि, मुकुंद, नारायण, चतुर्भुज, जलाशायी
सरस्वती - वागीश, इला, महाश्वेता, विधात्री, भारती, वाक्येश्वरी, वाणी, वर्णमातृका
चांदनी - चंद्रिका, ज्योत्स्ना, कौमुदी, चंद्रकला, चंद्रमरीचि
सूर्य - तरणी, आदित्य, अर्क, अंशुमाली, दिनकर, दिनमणि, दिनेश, दिवाकर
हाथ - बाहू, पंजा, कर, हस्त
नैसर्गिक - स्वाभाविक, वास्तविक, प्राकृतिक
अहि - नाग, भुजंग, सर्प, पन्नग, सरीसृप, सांप
जीभ - रसिका, चंचला, वाणी, रसज्ञा, रसना, जिह्वा

Nitin-Gupta.com

U.P.R.O./A.R.O.SPL. (PRE) EXAM, 2010

मछली - मत्स्य, सफरी, शफरी, झष, जलजीवन, मीन, जलतोरि
षट्पद - मधुराज, मधुभक्षा, भौंरा, मधुकर
सिंह/मृगेंद्र - शार्दुल, व्याघ्र, पंचमुखी, पंचानन, महावीर
रात - अमावस्या, कादंबरी, क्षपा, रात्रि, निशा
मार - काम, कंदर्प, कामदेवता, पुष्पकेतु, पुष्पचाप
विडौजा - देवराज, सुरपति, शक्र, शचीपति, पुरंदर, मधवा
तुरंग - तुरंग, बाजि, सैंधव, घोटक, घोड़ा, अश्व
बगीचा - फुलवारी, बाग, उपवन, वाटिका, आराम, गुलशन
देवता - अजर, निर्जर, अमर, देव, आदित्य, असुरारि, वसु, अमर्त्य, दानवारि, दनुजारि
लहर - कंपन, हिलोर, लहरी, वीची लहर, उर्मि

U.P.R.O./A.R.O. (PRE) EXAM, 2013

जंगल - कानन, विपिन, वन, अटवी, विटप, बीहड़
तरंग - लहरी, हिलोर, वीचि, लहर, उर्मि
प्राची - पूर्व, माघवती, आगमना, पूर्व
बिजली - सौदामिनी, गाज, क्षणिका, विद्दुत, अशनि
अरविंद - जलज, सरोज, नीरज, पंकज, अंबुज, इन्दीवर, उत्पल, कंज, कंवल, किंजल्क
सूर्य - दिनकर, दिनमणि, आदित्य, अंशुमाली, प्रभाकर
निशीथ - राका, तमा, निशा, निशि, रात्रि
यमुना - श्यामा, भानुजा, रविजा, सूर्यपुत्री, कलिन्दशैलजा, जमुना

U.P.R.O./A.R.O. (PRE) EXAM, 2014

दास - नौकर, परिचारक, किंकर, सेवक, अनुचर
हिरण्यगर्भ - विधाता, लोकेश, प्रजापति, पितामह, कमलापति
इंद्र - देवराज, सुरपति, शचीपति, पुरंदर, माधव, देवेंद्र, देवेश, मेघराज
भ्रमर - मिलिंद, सिलिमुख, षटपद, मधुकर, चंचरिक, मधुराज
ब्रह्मा - चतुर्मुख, स्वयंभू, चतुरानन, कमलासन, हिरण्यगर्भ
लोकेश, विरंचि, विधि, सदानंद, गिरपति, नाभिजन्मा, प्रजापति, सृष्टिकर्ता
रूख - साखि, तरु, द्रुम, विटप, वृक्ष, पादप, पेड़, पुष्पद
दैत्य - असुर, दनुज, निशिचर, निशाचर, दानव
नाग - विषधर, भुजंग, काकोदर, सारंग, व्याल
घोड़ा - तुरंग, तुरग, घोटक, सिंधु, बाजि, अश्व

U.P.R.O./A.R.O. (PRE) EXAM, 2016

इंद्र - देवराज, सुरपति, अमरपति, अमरनाथ, देवपति, देवेंद्र, देवेश, मेघराज,
स्वर्ण - महारजत, हाटक, जातरूप, कनक, सुवर्ण, कुंदन, कंचन
विष्णु - कमलापति, कमलाकांत, कमलेश, विश्वरूप, गोविंद, दामोदर, मुकुंद, पीतांबर, माधव, केशव, चतुर्भुज, जनार्दन, लक्ष्मीपति, मधुरिपु
नदी - कुलंकषा, तरंगिणी, सरिता, वाहिनी, शैवालिनी
समुद्र - जलनिधि, जलधाम, जलधि, सागर, पारावार, सिंधु, नदीश, रत्नाकर,

Nitin-Gupta.com

यमुना - कलिन्दशैलजा, श्यामा, यमुना, भानुजा, रविजा, सूर्यपुत्री,
पत्थर - पाषाण, पाहन, प्रस्तर, उपल, अश्म, संग
सिंह - शार्दुल, मृगारि, व्याघ्र, पंचमुख, पंचानन, मृगेंद्र, मृगराज, केशरी, महावीर, वनराज, सारंग, शेर
आम - साधारण, सामान्य, मामूली, अमर, अमृत, रसाल, अतिसौरभ
शंकर - चंद्रशेखर, उमापति, मदनारि, चंद्रमौलि, शिव, कैलाशपति, गंगाधर, शशिधर, महेश, त्रिलोचन, महादेव. शंभू, विश्वनाथ, नीलकंठ, महेश्वर, पशुपति, गिरिजापति, गौरीपति, आशुतोष, काशीनाथ, कैलाशनाथ, गौरीनाथ, चंद्रचूड़, भूतनाथ, भूतेष, भूतेश्वर, भैरव, भोलेनाथ,

U.P.R.O./A.R.O. (PRE) EXAM, 2017

धनंजय - गांडीवधर, फाल्गुन, सव्यसाची, किरीटी, वीभत्सु
कामदेव - कुसुमधन्वा, कुसुमशर, कुसुमायुद्ध, अंगज, कामदेवता, पुष्पचाप, पुष्पकेतु, पुष्पधनु, पुष्पधन्वा, अनंग, मनोज,
तलवार - कृपाण, शमशीर, तेग, असि, करवाल
केतु - झंडा, पताका, निशान, केतन, ध्वज, ध्वजा
भ्रमर - शिलीमुख, अलि, चंचरीक, भंवरा, मधुकर
मीन - मत्स्य, सफरी, शफरी, मछली, जलजीवन
यमुना - सूर्यपुत्री, रविजा, कालगंगा, कालिंदी, अर्कजा, भानुजा, यमुनाजा
टीका - कलंक, अपयश, अपकीर्ति, लांछन, निशान
घोड़ा - तुरंग, घोटक, अश्व, रविपुत्र, दधिका, सैंधव
खर - शीतलवाहन, चक्रीवान, दुष्ट, गधा, वैशाखनंदन
विशिख - आशुग, शिलीमुख, शायक, सर, गो, तीर, बाण

U.P.R.O./A.R.O. (PRE) EXAM, 2016

पक्षी - नभचर, विहंग, विहग, परिंदा, अंडज
माता - जननी, मातरि, मातु, अम्ब, अंबिका
चंद्रमा - शशांक, सुधाकर, एकापति, शशि, इंदु, हिमांशु
आकाश - व्योम, अंबर, दिव, पुष्कर, शून्य
सोना - स्वर्ण, कनक, कुंदन, कंचन, हिरण्य
लक्ष्मी - विष्णुप्रिया, देवश्री, अमला, इंदिरा, चंचला, हरिप्रिया, नारायणी, रमा, कमला, सिंधुजा, जगन्मयी, सिन्धुकन्या, मंगला
मेघ - नीरद, तोयद, जलधर, घनश्याम, अंबुदर, पर्जन्य, कादंबिनी, पयोद, नीरधर, वारिधर
बिजली - अशनि, क्षणप्रभा, दामिनी, घनप्रिया, सौदामिनी
कपड़ा - लिबास, अंशुक, परिधान
मीमांसा - समालोचना, आलोचना, व्याख्या, विश्लेषण, ज्ञान

U.P.R.O./A.R.O. (PRE) EXAM, 2021

जीभ - रसना, रसज्ञा, जबान, वाणी, रसिका
चंद्रहास - करवाल, कृपाण, तलवार, खड्ग, शायक, असि
चोर - रजनीचर, मोषक, खनक, नकबजन, तस्कर
अचल - धाराधर, महीधर, शिखर, नगपति, श्रृंगी
तिमिर - सांझ, संध्या, कालिमा, अंधेरा, अंधकार
पृथ्वी - वसुधा, उर्वी, इला, अवनी, जगती, रत्नगर्भा, मेदिनी, क्षिति, वसुंधरा, अचला, वसुमती

Nitin-Gupta.com

अपर्णा - सती, कात्यानी, शैलजा, रुद्राणी, आर्या, अंबिका, पार्वती
चंचरीक - मधुकर, मिलिंद, भंवरा, शिलीमुख
बिजली - चंचला, दामिनी, घनप्रिया, सौदामिनी, अशनि
हुताशन - अनल, धनंजय, वैश्वानर कृशानु, पावक, अग्नि

U.P.VIDHAN SABHA SACHIVALAYA R.O./A.R.O (PRE) EXAM, 2020

बिजली - चपला, चंचला, विद्दुत, सौदामिनी
गंगा - देवनदी, जान्हवी, भागीरथी, मंदाकिनी, विष्णुपदी
प्रकाश - प्रकाश, आलोक, उजाला, छवि, ज्योति, दीप्ति
नौका - पतंग, बेड़ी, तरिणी, जलयान, नैया, तरी
पत्थर - उपल, शिला, ग्रावा, पाषाण, प्रस्तर
ईश्वर - जगन्नाथ, निरंजन, परमात्मा, जगदीश, प्रभु, परमेश्वर, ब्रह्म
गृह - आवास, भवन, मकान, धाम, निकेतन
शेर - मृगराज, शार्दुल, पंचानन, वनराज, मृगेंद्र, केशरी
चंद्र - कलानाथ, इंदु, अमृतनिधान, मयंक, निशाकर, निशानाथ, मृगांक

U.P.VIDHAN SABHA SACHIVALAYA R.O./A.R.O (MAIN) EXAM, 2020

गंगा - देवनदी, देवपगा, भागीरथी, सुरसरि, मंदाकिनी
हिरण - कृष्णसार, चमरी, सारंग, कुरंग
सूर्य - दिनकर, दिनमणि, भानु, भास्कर, प्रभाकर,
आग - कृशानु, जातवेद, अरुण, अग्नि, दहन, धनंजय
पहाड़ - पर्वत, धरणीधर, महीधर, शैल, अचल, भूधर
चंद्रमा - रजनीचर, मनोज, राकेश, शशांक, हिमांशु, मयंक, चंद्र
कोयल - कलापी, श्यामा, काक, पाली, कोकिला

U.P.P.C.S. (PRE) EXAM, 2012-2023

कमल - सरोज, राजीव, नलिन, इन्दीवर, सरसिज
सरिता - तरंगिणी, निम्नगा, अपगा, तटिनी
किरण - मयुख, रश्मि, कर, अंशु, दीप्ति, मरीचि
मृगेंद्र - शार्दुल, सिंह, नखायुद्ध, केसरी, मृगराज, पुंडरीक, व्याघ्र
रात्रि - निशि, निशा, विभावरी, रजनी
आग - दहन, धूमकेतु, कृशानु, अग्नि, अनल
व्योम - अंबर, नभ, अनंत, अंतरिक्ष
खिड़की - झरोखा, जंगला, बारी, गवाक्ष, दरीचा
लोकेश - ब्रह्मा, प्रजापति, प्रजाधिप, चतुरानन, विरंच
किंकर - सेवक, नौकर, भृत्य, अनुचर
देवता - आदित्य, निर्जर, त्रिदश, सुर, देव, अमर, वसु
अरण्य - कानन, विपिन, जंगल, बीहड़, अटवी
सरस्वती - वीणा, शारदा, भारती, भाषा, इला, ब्राह्मी, वीणापति
गंगा - पुण्यतीया, सुरतरंगणी, अलकनंदा, विवुधा, देवधुनि

Nitin-Gupta.com

U.P.P.C.S. (MAIN) EXAM, 1988

जीव - चैतन्य, जान, जीवन, प्राण, प्राणी
आकाश - दिव्य, अनंत, नभ, अभ्र, दिव
अमृत - अमी, सुधा, पीयूष, सोम,
अधर्म - अपकर्म, अनीति, अन्याय, अनाचार, पाप
हिरन - सारंग, कृष्णसार, कुरंग, मृग
सूर्य - दिवाकर, भानु, भाष्कर, दिनकर
दिनांक - तिथि, तारीख, मिति

U.P.P.C.S. (MAIN) EXAM, 1989

देवता - अजर, अमर, सुर, देव, भगवान
अभिजात्य - श्रेष्ठ, आर्य, कुलीन
अचल - महीधर, नग, अद्रि, पर्वत, भूधर
प्रशंसा - तारीफ, बडाई, सराहना, स्तुति, श्लाघा
स्तुति - गुणगान, प्रशंसा, सराहना, श्लाघा
शिष्ट - सुशील, विनीत, नीतिमान, सुसंस्कृत
नियति - होनी, भावी, दैव्य, प्रारब्ध

U.P. LOWER SUB. (MAIN) EXAM, 2013

सूर्य - प्रभाकर, आदित्य, मार्तण्ड,
हाथी - द्विप, करी, कुम्भ, गत
नदी - अपगा, तटिनी, सरिता, तरंगवती
गंगा - देवपगा, सुरसरि, भागीरथी, देवनदी
इंद्र - मधवा, शक्र, शचिपति, सुरपति

U.P. LOWER SUB. (MAIN) EXAM, 2009

दर्पण - प्रतिमान, आईना, प्रतिबिंबक, आदर्श, शीशा
बिजली - चपला, विद्दुत, तड़ित, दामिनी
कामदेव - अनंग, मार, स्मर, कुसुमशर
सिंह - शार्दुल, नाहर, केहरि, मृगेंद्र
ध्वज - निशान, केतु, केतन, पताका, झंडा

U.P. LOWER SUB. SPL. (MAIN) EXAM, 2008

यमुना - जमुना, अर्कजा, रवितनया, कृष्णा, सूर्यजा
सरस्वती - वाक्, वाणी, भारती, शारदा,
अमृत - पीयूष, सुरभोग, सोम, अमी, सुधा
आकाश - शून्य, खगोल, फलक, अभ्र
पृथ्वी - अचला, महि, धरा, इला, अवनी

U.P. LOWER SUB. (MAIN) EXAM, 2008

शिक्षक - गुरु, आचार्य, प्रवक्ता, अध्यापक, व्याख्याता
रात्रि - यामिनी, रजनी, यामिनी, निशा, विभावरी
बहिन - सहोदर, दीदी, जीजी, बहन, भगिनी
वृक्ष - पादप, तरु, रुख, विटप, द्रुम
सर्प - उरग, नाग, व्याल, भुजंग

U.P. LOWER SUB. SPL. (MAIN) EXAM, 2006

पुत्र - तनय, नंदन, तनुज, वत्स, सुत
मेघ - अम्बुद, बलाहक, घन, वारिद
अग्नि - कृशानु, धूमकेतु, वायुसखा, दहन, आग
कपड़ा - चीर, अम्बर, वसन, पट, वस्त्र
रात - रजनी, यामिनी, विभावरी, निशा, राका

U.P. LOWER SUB. (MAIN) EXAM, 2004

भ्रमर - मधुकर, भँवरा, मधुप, अलि
कामदेव - मनोज, कंदर्प, मन्मथ, मदन
अतिथि - मेहमान, आगंतुक, अभ्यागत
पेड़ - द्रुम, रुख, पादप, दरख्त, विपट
विष्णु - चक्रपाणि, नारायण, गोविंद, केशव

Nitin-Gupta.com

U.P. LOWER SUB. (MAIN) EXAM, 2003

आग - हुतासन, अग्नि, अनल, पावक, कृशानु
कपड़ा - परिधान, पट, वसन, चीर, अम्बर, वस्त्र
मछली - शफरी, मीन, मत्स्य, अंडभव
यमुना - सूर्यतनया, भानुजा, कालिंदी, रविसुता, सूर्यसुता
मोर - मयूर, शिखी, नीलकंठ, कलापी, ध्वजी

U.P. LOWER SUB.SPL. (MAIN) EXAM, 2002

तालाब - जलाशय, पोखर, कासार, पद्माकर, तडाग
नदी - तटनी, निर्झरणी, आपगा, तरंगिणी, वाहिनी, सरिता
इंद्र - पुरंदर, शचीपति, शक्र, मधवा, सुरपति, देवराज
गंगा - सुरधुनी, देवनदी, मंदाकिनी, जान्हवी
सोना - कनक, स्वर्ण, जातरूप, हेम, हाटक

U.P. LOWER SUB. (MAIN) EXAM, 2002

गणेश - वक्रतुंड, एकदन्त, लंबोदर, गणपति, विनायक, हेरंब
पुत्र - वत्स, तनय, नंदन, तनुज, सुत, आत्मज
गंगा - मंदाकिनी, देवनदी, देवपगा, भागीरथी
समुद्र - जलधि, रत्नाकर, पयोधि, सिन्धु, सागर
रात्रि - यामिनी, विभावरी, रजनी, शर्वरी, निशा

U.P. LOWER SUB. (MAIN) EXAM, 1998

सूर्य - भाष्कर, रवि, भानु, दिवाकर, आदित्य
हवा - मारुति, समीर, वायु, अनिल, प्रकम्पन
अग्नि - धूमकेतु, कृशानु, दहन, आग, वायुसखा, आग
आकाश - अनंत, शून्य, नभ, व्योम
कमल - नलिन, पद्म, अरविन्द, उत्पल, राजीव

U.P.A.P.O. (MAIN) EXAM, 2007

सोना - हाटक, हेम, जातरूप, कनक, स्वर्ण, पुष्कर
मेघ - वारिद, अंबुद, घन, वलाहक
देवता - अमर, अजर, सुर, देव, विवुध
पृथ्वी - अचला, अवनि, मेदिनी, धरा
अग्नि - जातवेद, शिखी, आग, अनल

U.P.A.P.O. (MAIN) EXAM, 2006

गणेश - गजवदन, एकदंत, महाकाय, लंबोदर, मोददाता
चंद्रमा - सुधाकर, सारंग, शशि, कलानिधि
वृक्ष - अगम, पेड़, गाछ, विटप, द्रुम
स्त्री - अबला, नारी, महिला, भामा, वामा
जंगल - विपिन, कांतार, कानन, अटवी, अरण्य

U.P.A.P.O. (MAIN) EXAM, 2002

पर्वत - पहाड़, महीधर, नग, तुंग
कमल - अरविंद, उत्पल, राजीव, सरोज, तामरस
अग्नि - पावक, दहन, कृशानु, धूमकेतु, अनल, आग
शिव - चंद्रशेखर, चंद्रमौलि, मदनारि, त्रिपुरारि
लक्ष्मी - इंदिरा, हरिप्रिया, पद्मा, सिंधुजा

U.P.A.P.O. (MAIN) EXAM, 1998

हवा - मारुती, वात, समीर, वायु, वयार
अग्नि - अनल, दहन, धूमकेतु, पावक, कृशानु
कमल - पंकज, अंबुज, अरविन्द, नलिन, सरोज
आकाश - अन्तरिक्ष, अभ्र, गगन, नभ, अनंत
सूर्य - दिनेश, भानु, भाष्कर, दिवाकर, दिनकर

Nitin-Gupta.com

U.P.A.P.O (.S.C.) SPL. (MAIN) EXAM, 1997

घर - निकेतन, गृह, सदन, धाम गेह
पर्वत - अचल, शैल, अद्रि, नग
कमल - नलिन, पद्म, अरविन्द, राजीव, उत्पल
जल - तोय, नीर, सलिल, वारि, उदक
मेघ - वारिद, अम्बुद, बलाहक, घन

U.P.A.P.O. (MAIN) EXAM, 1997

कमल - अरविंद, नलिन, उत्पल, पदम
नदी - शैलजा, तटिनी, सिंधुगामिनी, सरिता, अपगा
नेत्र - नयन, दृग, चक्षु, चश्म, अक्ष
चंद्रमा - क्षपाकर, शशि, सारंग, द्विजराज
पृथ्वी - अवनी, वसुधा, भू, वसुंधरा, मही, धरणी

U.P.A.P.O. (MAIN) EXAM, 1996

कामदेव - पुष्पधन्वा, मनोज, कंदर्प, स्मर
इंद्र - शतऋतु, सुरपति, देवराज, मधवा, शक्र
राजा - नरपति, भूप, महीप, भूपाल, नरेंद्र
हाथी - सिंधुर, मतंग, करी, गज, हस्ती
वायु - समीर, वात, पवमान, समीरण

U.P.A.P.O. (MAIN) EXAM, 1988

सूर्य - दिनकर, दिवाकर, भानु, भाष्कर, दिनेश
कमल - कोकनद, राजीव, अरविंद, तामरस
पृथ्वी - अवनी, मही, भू, धरणी, वसुधा, धरती

U.P.A.P.O. (MAIN) EXAM, 1984

आकाश - शून्य, अनंत, नभ, अभ्र, व्योम
चंद्रमा - शशि, हिमकर, इंदु, तारकेश्वर, मृगलांछन
समुद्र - सिंधु, सागर, रत्नाकर, नदीश, जलधि
गंगा - सुरधुनी, देवपगा, मंदाकिनी, त्रिपथगा
पक्षी - नभचर, पखेरू, विगह, खग

U.P.A.P.O. (MAIN) EXAM, 1982

अग्नि - जातवेद, शिखी, आग, अनल
आंख - विलोचन, नयन, चक्षु, अक्षि, लोचन
आकाश - नभ, शून्य, अनंत, व्योम, अभ्र
पृथ्वी - अचला, अवनी, मेदिनी, धरा, भू
जल - रस, तोय, नीर, पानी, अंबु

M.P.P.C.S. (MAIN) EXAM, 2010

चतुर - चालाक, गुणी, नागर, सयाना
खग - नभचर, विहग, अण्डज, पक्षी
इच्छा - लालसा, चाह, मनोरथ, आकांक्षा
अश्व - तुरंग, वाजि, घोटक
पार्वती - जगदंबा, भवानी, गौरी

M.P.P.C.S. SPL. (MAIN) EXAM, 2010

वृक्ष - विटप, रुख, तरु, पेड़
तालाब - पद्माकर, सरोवर, ताल, सर
कामदेव - रतिपति, मार, स्मर, मनोज
हवा - वायु, वात, अनिल, समीर
हाथी - ऐरावत, वितुंड, गज, कुंजर

M.P.P.C.S. SPL. (MAIN) EXAM, 2009

अग्नि - अनल, शिखी, ज्वाला, अरुण
इंद्र - वासव, मधवा, सुरपति, अमरपति
कोयल - बसंतदूत, पाली, वनप्रिय, श्यामा, पिक
स्त्री - औरत, नारी, महिला, वनिता
तलवार - चंद्रहास, असि, खड्ग, करवाल

M.P.P.C.S. (MAIN) EXAM, 2009

हिमालय - नगराज, शैलेंद्र, नगपति, हिमाद्री, गिरिराज
चंद्र - मृगांक, रजनीपति, निशापति, सारंग, सुधाकर, राकेश
वन - विपिन, कानन, कांतार, अटवी, जंगल
पृथ्वी - वसुंधरा, वसुधा, उर्वी, भू, धरा
मार्ग - राह, डगर, पथ, रास्ता, सड़

Nitin-Gupta.com

M.P.P.C.S. (MAIN) EXAM, 2008

आँख - लोचन, चक्षु, नयन, नेत्र
हाथी - कुंजर, नाग, करी, गज, हस्ती
आग - पावक, दहन, अनल
पृथ्वी - वसुधा, वसुंधरा, उर्वी, धरा, भू
अमृत - सोम, पीयूष, सुधा

M.P.P.C.S. (MAIN) EXAM, 2005

रात - निशीथ, विभा, तमी, छपा, तमिस्त्रा
अमृत - पीयूष, अमि, अमिय, सोम
किरण - मयूख, अंशु, रश्मि, मरीचि, कर
गणेश - हेरम्ब, गणाधि, महाकाय, भवानी-नंदन

M.P.P.C.S. SPL. (MAIN) EXAM, 2004

पवन - नभप्राण, पवमान, प्रभंजन, मृगवाहन, समीरण
कमल - नलिन, सरोज, अरविंद, इन्दीवर, उत्पल
बादल - जीमूत, नीरद, वारिद, अभ्र
तालाब - सरसी, पुष्कर, तड़ाग, सर
पुत्री - आत्मजा, बेटी, सुता, दुहिता

M.P.P.C.S. (MAIN) EXAM, 2003

घर - आलय, निलय, निकेतन
बन्दर - मर्कट, कीश, हरि, शाखामृग
आग - पावक, दहन, अनल
ईश्वर - जगदीश, ईश, दीनानाथ, अ
ज
नयन - विलोचन, ईक्षण, अम्बक, प्रेक्षण

M.P.P.C.S. (MAIN) EXAM, 2000

बादल - बारिधर, जलधर, पयोधि, परजन्य
सूर्य - प्रभाकर, सविता, पतंग, आदित्य
रात - विभावरी, शर्वरी, यामिनी, तमिस्त्र
नारी - ललना, वामा, वनिता, रमणी
कमल - सरसिज, शतदल, सरसीरुह, शतपत्र, कुवलय

M.P.P.C.S. (MAIN) EXAM, 1999

नदी - अपगा, शैलजा, वाहिनी, सरिता
बादल - वारिद, नीरद, घन, पयोधर, मेघ
आकाश - व्योम, अम्बर, शून्य, नभ, फलक
नरक - यमालय, शैरव, दुर्गति, यमलोक, यमपुर

M.P.P.C.S. (MAIN) EXAM, 1998

चंद्रमा - मृगांक, राकापति, निशानाथ, विधु, रजनीपति
युद्ध - संग्राम, लड़ाई, समर, जंग, रण
साँप - विषधर, भुजंग, अहि, पन्नग, उरग
किनारा - तीर, छोर, सिर, तट, पुलिन
हाथी - कुंजर, नाग, दंती, गज, हस्ती, मतंग

M.P.P.C.S. (MAIN) EXAM, 1997

कृष्ण - बनवारी, मोहन, वसीधर, माधव, मुकुंद, मुरलीधर, मधुसूदन
अमृत - सुरभोग, सोम, अमीय, सुधा, पीयूष
असुर - राक्षस, निशिचर, निशाचर, दानव, दैत्य
आकाश - गगन, शून्य, पुष्कर, अंबर, तारापथ
आँख - विलोचन, चख, लोचन, चक्षु, नयन, नेत्र

Nitin-Gupta.com

M.P.P.C.S. (MAIN) EXAM, 1996

धरती - वसुंधरा, धरणी, भू, अवनी, पृथ्वी
रात - विभावरी, यामिनी, रजनी, निशा
पवन - समीर, पवन, वात, वायु, अनिल
कामदेव - मनोज, कंदर्प, स्मर, अनंग, पुष्पधन्वा
बंदर - कीश, कपि, शाखामृग, वानर, हरि, मर्कट

M.P.P.C.S. (MAIN) EXAM, 1995

किनारा - बेलातट, पुलिन, छोर, तट, तीर
चाँद - चंद्रमा, निशानाथ, राकापति, मयंक
अंधकार - तमस, अंधेरा, अंधियारा, तिमिर, तम
कामदेव - कंदर्प, मदन, मन्मथ, मनसिज, अनंग
सूर्य - दिनेश, दिवाकर, दिनकर, दिनमणि, भाष्कर

M.P.P.C.S. (MAIN) EXAM, 1994

तालाब - जलाशय, पद्माकर, पुष्कर, सरोवर, सर
गणेश - विनायक, गजानन, हेरंब, एकदंत, गणपति
विद्दुत - सौदामिनी, चपला, बिजली, क्षणप्रभा
गंगा - देवपगा, भागीरथी, मंदाकिनी, जान्ह्वी
बादल - अंबुद, नीरद, पयोद, वारिद, मेघ, जलधर

M.P.P.C.S. (MAIN) EXAM, 1993

पहाड़ - महीधर, अचल, भूधर
बुद्धि - अक्ल, मेधा, जेहन, मति, समझ, प्रज्ञा
चंद्रमा - राकेश, निशाकर, कलानाथ, सोम, क्षपाकर
राजा - भूपति, भूप, नृपति, महीप
कमल - ` अंबुज, अरविंद, नलिन, राजीव, शतदल

M.P.P.C.S. (MAIN) EXAM, 1992

समुद्र - जलधि, पारावार, सागर, सिंधु
सूर्य - आदित्य, प्रभाकर, सविता
आकाश - शून्य, पुष्कर, द्यु, अभ्र
वायु - अनिल, हवा, समीर, पवन
जल - सलिल, अंबु, नीर, वारि

R.A.S. (MAIN) EXAM, 2000

दिन - अहन, दिवा, वार, वासर, दिवस
अश्व - बाजी, घोटक, तुरंग, घोड़ा
वन - विपिन, कान्तार, अटवी, जंगल, अरण्य

R.A.S. (MAIN) EXAM, 1998

बादल - नीरद,. घन, वारिद, पयोधर, मेघ
अंधकार - अंधियारा, अंधेरा, तिमिर, तम, ध्वांत
सोना - जातरूप, कंचन, हाटक, हिरण्य
चाँद - राकापति, सोम, मयंक, राकेश, क्षपाकर

R.A.S. (MAIN) EXAM, 1997

नदी - शैलजा, तरंगिणी, तटिनी, अपगा
पक्षी - शकुन्त, परिंद, पखेरू, खग, विहग
आकाश - अंबर, गगन, फलक, शून्य, पुष्कर

R.A.S. (MAIN) EXAM, 1996

लहर - उर्मी, तरंग, वीचि
बहुत - अत्यंत, प्रभुत, अति, प्रचुर, अमित
झंडा - पताका, केतु, केतन, ध्वजा, निशान, ध्वज

R.A.S. (MAIN) EXAM, 1995

हाथ - भुजा, बाहु, कर, हस्त
हंस - कलहंस, सूर्य, आत्मा, चक्रांश, मराल

Nitin-Gupta.com

इंद्र - देवेंद्र, अमरपति, देवेश, विडौजा, मधवा, सुरेश

साँप - विषधर, भुजंग, सर्प, व्याल, नाग

नदी - शैलजा, तटिनी, वाहिनी, सरिता, आपगा

जल - जीवन, उदक, पानी, पय, सलिल

R.A.S. (MAIN) EXAM, 1994

दूध - दुग्ध, गोरस, क्षीर, पय

द्रव्य - समृद्धि, संपत्ति, धन, विभूति, संपदा

खल - दुष्ट, दुर्जन, कुटिल, नीच, पामर

आनंद - प्रसन्नता, उल्लास, लुफ्त, प्रमोद, खुशी, हर्ष

मोर - सारंग, नीलकंठ, कलाजी, केकी, मयूर

R.A.S. (MAIN) EXAM, 1991

घड़ा - कुट, घट, कुंभ, कलश

मित्र - साथी, दोस्त, सपक्ष, वयस्क, संगी, सहचर

सोना - हाटक, हेम, स्वर्ण, हिरण्य, कनक, कंचन

अमृत - सुरभोग, सोम, सुधा, पीयूष, अमिय

R.A.S. (MAIN) EXAM, 1989

नियति - भाग्य, होनी, भावी, प्रारब्ध, दैव्य

प्रशंसा - श्लाघा, गुणगान, बड़ाई, सराहना

लहर - उर्मी, वीचि, तरंग

शिष्ट - सौम्य, संभ्रान्त, भद्र, शालीन

संसार - दुनिया, विश्व, सृष्टि, जगत, लोक, संसृति

अचल - अटल, अविचल, स्थिर, दृढ़, अडिग

अभिजात - योग्य, श्रेष्ठ, विशिष्ट, संभ्रांत, कुलीन

इच्छा - अभिलाषा, चाह, लालसा, वांछा

किरण - मयूख, कला, रश्मि, कर, मरीच, अंशु

देवता - भगवान, देव, सुर, विवुध, अजर, अमर

R.A.S. (MAIN) EXAM, 1988

जीव - चैतन्य, जान, जीवन, प्राण, प्राणी

अमृत - सोम, सुरभोग, अमिय, सुधा, पीयूष

इच्छा - लालसा, आकांक्षा, अभिलाषा, मनोरथ, स्पृहा

आकाश - खगोल, फलक, तारापथ, गगन, अंबर

अधर्म - अपकर्म, अन्याय, जुल्म, अनाचार, पाप

हरिण - कुरंग, कृष्णसार, सारंग, चमरी, मृग

सूर्य - पतंग, सविता, आदित्य, अंशुमाली

धरती - वसुंधरा, धरणी, भू, पृथ्वी

तरु - गाछ, द्रुम, वृक्ष, पेड़, सरोरुह, विटप

R.A.S. (MAIN) EXAM, 1987

कामदेव - कुसुमसर, अनंग, मदन, प्रद्दुम्न, मीनकेतु

गजानन - गजवदन, भवानीनंदन, लंबोदर, गणेश, वक्रतुंड, विनायक

आँख - लोचन, अक्षि, नजर, अक्ष, नयन, नेत्र

आकाश - गगन, अंबर, नभ, फलक, खगोल

R.A.S. (MAIN) EXAM, 1986

जल - जीवन, पानी, सलिल, नीर, अमृत, अंबु

कमल - कोकनद, सारंग, नीरज, अरविंद, जलज, पंकज, राजीव

आकाश - पुष्कर, शून्य, खगोल, फलक, आसमान, अंतरिक्ष

सूर्य - भानु, भाष्कर, दिवाकर, दिनकर, मार्तण्ड, अंशुमाली, पूषा

बिजली - दामिनी, तड़ित, चपला, क्षणप्रभा

R.A.S. (MAIN) EXAM, 1984-85

बादल - जलधर, नीरद, पयोद वारिद, मेघ

हाथी - गयंद, हस्ती, मतंग, कुंजर, गज

नदी - तरंगिणी, शैलवालिनी, वाहिनी, सरिता

पहाड़ - महीधर, पर्वत, अचल, भूधर, गिरि

चाँद - सोम, चंद्र, चंद्रमा, शशि, शशांक, मयंक, माहताब

बहन - बाँधवी, सहोदरा, भगिनी, सहगर्भिणी

R.A.S. (MAIN) EXAM, 1983

बिजली - दामिनी, घनवल्ली, क्षणप्रभा, तड़ित, चपला, विद्दुत

Nitin-Gupta.com

ब्राह्मण - महिसुर, भूदेव, विप्र, भूसुर
भौंरा - मधुकर, भंवरा, भ्रमर, अलि
यमुना - जमुना, अर्कजा, कालिंदी, सूर्यजा, रवितनया
समुद्र - पयोधि, सागर, रत्नाकर, सिंधु, जलधि
निशा - विभावरी, रात्रि, रात, रजनी, निशि
पक्षी - पतंग, विहंग, चिड़िया, पखेरू, शकुंत
दिन - वासर, वार, अहन, दिवस
गंगा - भागीरथी, देवनदी, मंदाकिनी, विष्णुपदी, सुरधुनी

B.P.S.C. 47 (MAIN) EXAM, 2007

कृष्ण - बनमाली, मुकुंद, बनवारी, यदुनंदन
इंद्र - विबुधेश, कौशिक, जिष्णु
आभूषण - मंडन, गहना, जेवर, भूषण
आनंद - उल्लास, मोद, आह्लाद
आँख - विलोचन, चक्षु, चख, नेत्र, अम्बक, चश्म
अमृत - अमिय, सोम, सुधा, पीयूष
मोक्ष - निर्वाण, मुक्ति, परमधाम, परमपद, कैवल्य
पण्डित - सुधी, धीर, प्रज्ञ, विद्वान, मनीषी
चतुर - नागर, कुशल, प्रवीण, सयाना, दक्ष
किसान - जोतकार, खेतिहर, हलधर, कृषक

B.P.S.C. 46 (MAIN) EXAM

नदी - तटिनी, निम्नगा, स्रोतस्विनी
नगर - नगरी, किला, शहर, पुर
आँख - लोचन, नजर, दृग, नयन, नेत्र, चश्म
पथ - रास्ता, मार्ग, पथ, मग, राह
वायु - पवन, हवा, मारुत, समीर
वृक्ष - पेड़, पादप, गाछ, अगम, द्रुम
हाथ - हस्त, भुजा, बाहु, कर
वर्षा - बरसात, वृष्टि, बारिश, वर्षण
संसार - लोक, विश्व, जहान, जगत, जग
कृष्ण - गिरिधर, मुकुंद, मुरारी, गोपीनाथ

B.P.S.C. 45 (MAIN) EXAM

आकाश - पुष्कर, अन्नत, अंतरिक्ष, अभ्र
अश्व - तुरंग, घोटक, रविसुत, सैंधव, बाजि
अग्नि - ज्वलन, रोहिताश्व, अनल, जातदेव, धनञ्जय
पहाड़ - महिधर, गिरजा, भूधर, अचल, नग
हाथी - मतंग, करि, कुंजर, गज
सूर्य - मार्तण्ड, अंशुमाली, आदित्य, सविता, अर्क
समुद्र - सागर, वारीश, अर्णव, सुरित्पति
मछली - मीन, जलजीवन, मत्स्य, सफरी
चंद्रमा - सुधांशु, कलाधर, द्विजराज

B.P.S.C. 43 (MAIN) EXAM

हिरन - रक्ततुंड, हिरण, सारंग, कीर
दूध - अमृत, पय, दुग्ध, क्षीर
मोर - नीलकंठ, मयूर, शिखी, केली, शिखण्डी
अमृत - जीवनोदक, अमी, अमिय, सुधा, पीयूष
कल्पवृक्ष - पारिजात, कल्पद्रुम, मंदार, देववृक्ष, सुरतरु
ईख - गन्ना, रसाल, रसद, ऊख, पैड़ी,
आम - अमृतफल, मधुदूत, सहकार, रसाल, आम्र

B.P.S.C. 42 (MAIN) EXAM

पर्वत - पहाड़, शैल, नग, गिरी, तुंग
कमल - कमल, अरविंद, कंज, तामरस, शतदल
पुष्प - कुसुम, प्रसून, सुमन, फूल
वृक्ष - अगम, विटप, तरु, द्रुम
सर्प - विषधर, फणी, अहि, पन्नग
समुद्र - रत्नाकर, नदीश, नीरनिधि, जलधि, वारिश,
जलधाम
मछली - जलजीवन, शफरी, मीन, मत्स्य, झष
चंद्रमा - निशापति, सारंग, कलानिधि, राकेश, मृगांक
पृथ्वी - भूमि, धरणी, क्षिति, इला
गणेश - लंबोदर, हेरम्ब, गणपति, महाकाय

B.P.S.C. 41 (MAIN) EXAM

जल - सलिल, पानी, मेघपुष्प
यमुना - कालिंदी, सूर्यसुता, कृष्णा

Nitin-Gupta.com

लक्ष्मी - पदमा, रमा, भार्गवी, इंदिरा
आकाश - अंतरिक्ष, नभ, अन्नत
अग्नि - धूमकेतु, अनल, पावक, दहन
हवा - मारुत, समीर, अनिल, प्रकम्पन
सूर्य - प्रभाकर, सविता, मार्तण्ड, पतंग, भानु
शंकर - त्रिलोचन, गिरीश, शिव, हर, भूतेश
स्त्री - कामिनी, ललना, वनिता, नारी

JHAKHAND.P.C.S. (MAIN) EXAM, 2008

भौंरा - भ्रमर, मिलिंद, मधुकर, अलि
गणेश - गौरीसुत, मोदकप्रिय, हेरम्ब, विनायक
अमृत - सोम, पीयूष, अमी, अमीय, सुधा
वायु - समीर, अनिल, हवा, पवन, मारुत
समुद्र - रत्नाकर, अर्णव, नीरनिधि, पयोनिधि, पारावार

JHAKHAND.P.C.S. (MAIN) EXAM, 2007

किरण - मयूख, अंशु, गो, अर्चि, प्रभा
लक्ष्मी - सिंधुजा, इंदिरा, हरिप्रिया
पुत्री - तनया, दुहिता, नंदिनी, सुता
गंगा - सुरसरिता, ध्रुवनंदा, देवपगा, त्रिपथगा, मंदाकिनी
चोर - खनक, तस्कर, कुम्भिल, मोषक

JHAKHAND.P.C.S. (MAIN) EXAM, 2003

पृथ्वी - धरणी, भू, भूमि, क्षितिज, अचला, मेदिनी
आकाश - अंबर, अंतरिक्ष, नभ, अन्नत, अभ्र, द्यौ
कमल - अरविंद, पदम, सरोज, तामरस
मेघ - नीरद, पयोद, वारिद, पयोधर, घन
रात - विभावरी, यामिनी, त्रियामा, शर्वरी, क्षणदा

I.A.S.HINDI (MAIN) EXAM, 2021

दर्पण - आरसी, मुकुर, आईना, शीशा
लहर - लहरी, हिलोर, तरंग, ऊर्मी, विचि
अक्षर - अविनाशी, अक्षरी, वर्तनी, लिखावट, शब्द, वर्ण
बाल - चिकुर, जुल्फ, आलत, अलक, कुंतल
आभूषण - अलंकरण, गहना, विभूषण, जेवर, अलंकार

I.A.S. HINDI (MAIN) EXAM, 2020

पत्नी - अर्धांगिनी, वनिता, प्रिया, जोरू, गृहलक्ष्मी, बहू, सहचरी, संगिनी
कमल - मरकंद, नलिन, सारंग, अरविंद, राजीव, पंकज, अंबुज
पानी - जीवन, उदक, तोय, वारि, सलिल, नीर, जल
पैर - पग, टांग, पद, पाँव, चरण, पाद
बच्चा - शिशु, लड़का, बालक

I.A.S. HINDI (MAIN) EXAM, 2019

यमुना - कालिंदी, कृष्णा, जमुना, सुर्यजा, अर्कजा
आँख - चक्षु, नेत्र, अक्ष, चश्य, द्दग, अक्षि
दूध - पीयूष, दोहज, गौरस, स्तन्य, पय, क्षीर
पक्षी - विहंग, विहग, पखेरू, खग, शकुंत
रुधिर - शोणित, लहू, रक्त, खून

I.A.S. HINDI (MAIN) EXAM, 2018

अमृत - पीयूष, सोम, अमिय, सुधा
जीभ - गिरा, वाणी, रसना, रसज्ञा
बादल - जलद, वारिद, नीरद, जलधर, मेघ
परिवार - कुनबा, खानदान, घराना, कुटुंब
सूर्य - पतंग, तरणि, अर्क, सविता, मित्र

I.A.S. HINDI (MAIN) EXAM, 2017

कामदेव - मार, मदन, रतिपति, काम, मन्मथ
पृथ्वी - रत्नगर्भा, धरा, धरती, मही, ऊर्वी, क्षिति
पुष्प - प्रसून, सुमन, मंजरी, कुसुम, फूल
नदी - दुकूलनी, पयस्विनी, प्रवाहिणी, नद
चंद्रमा - राकेश, रजनीश, शशांक, हिमकर, चंद्र, शशि

Nitin-Gupta.com

I.A.S. HINDI (MAIN) EXAM, 2016

आदित्य - दानवारि, दनुजारि, देव, निर्जर, अमर्त्य
आकाश - व्योम, गगन, शून्य, नाक, फलक
ईर्ष्या - हसद, जलन, डाह, मत्सर, रश्क
अर्जुन - सव्यसाची, धनंजय, गुड़ाकेश, गांडीवी, पार्थ
पंकज - कोकनद, किंजल्क, कँवल, पाथोज, वनज

I.A.S .HINDI (MAIN) EXAM, 2015

सोना - कुंदन, जातरूप, कनक, हेम, हाटक
तलवार - कृपाण, शायक, चंद्रहास, करवाल, असि
गंगा - स्वर्गापगा, सुरनदी ध्रुवनंदा, देवपगा, सुरसरि
हवा - मातरिश्वा, पवमान, वाति, प्रवात
बेटी - नंदना, अंगजा, कुमारी, धिया, आत्मजा

I.A.S. HINDI (MAIN) EXAM, 2014

कंचन - तपनीय, महारजत, सोना, कुंदन, स्वर्ण
जलद - बदली, बलाहक, मेघमाला, मेघावली, अंबुद
अवस्था - दशा, उम्र, स्थिति, छवि, वय
गणेश - शूर्पकर्ण, शंकरसुवन, विघ्नेश, उमासुत, आदिपुज्य
इंद्र - मधवा, शक्र, सुरेश, सुरपति, अमरपति

I.A.S. HINDI (MAIN) EXAM, 2013

अंधकार - कुदृश्य, ध्वांत, रात, अँधेरा
सूर्य - सविता, पूषा, पतंग. अर्क, आदित्य
प्रेम - प्रीति, रोग, स्नेह, अनुराग
परमात्मा - जगदीश, भगवान, परमेश्वर, प्रभु, ईश्वर

I.A.S. HINDI (MAIN) EXAM, 1997

दामिनी - चपला, विद्‌दुत, घनदाम, तड़ित
तरुणी - मनोजा, यौवनवती, प्रमदा
चंद्रमा - सुधांशु, कलाधर, द्विजराज
तलवार - कृपाण, खड्ग, चंद्रहास, असि, करवाल
परिवर्तन - हेर-फेर, फेर-बदल, अदल-बदल
कारागार - कारावास, बंदीगृह, जेल
बसंत - कुसुमाकर, पिकमित्र, माधव, ऋतुराज
अभिप्राय - आशय, अर्थ, तात्पर्य, मतलब
समुद्र - पारावार, अर्णव, पयोनिधि, नदीश, उदधि
रचना - सृजन, सृष्टि, कृति

'अ'

अलबेला - रसिया, रंगीला, बांका, रसिक, छैला
अलंकार - चमत्कार, सजावट, साज-सज्जा, सज-धज, रूपसज्जा,
अयोग्य - व्यर्थ, नालायक, बेकार, योग्यताहीन, अनर्ह
अमृत - मधु, जीवनोदक, अमी, सुरभोग, पीयूष, सोम, सुधा
अमूल्य - बेशकीमती, मूल्यवान, कीमती, बहुमूल्य, अनमोल, मूल्येत्तर
अकाल - दुष्काल, भुखमरी, कुकाल, काल, दुर्भिक्ष
अकस्मात - तत्क्षण, तत्काल, एकदम, एकाएक, अचानक, औचक, सहसा
अगुआ - नायक, सरदार, प्रधान, नेता, मुखिया, अग्रणी
अग्नि - धूम्रकेतु, हुतासन, जातदेव, धनंजय, पिंगल, पावक, कृशानु, अरुण
अचल - दृढ़, अविचल, अटल, अडिग, पक्का
अभिप्राय - अर्थ, मायने, हेतु, मंतव्य, मतलब
अलौकिक - अद्‌भुत, विलक्षण, लोकोत्तर
असुर - दनुज, निशाचर, तमीचर, दानव, दैत्य, राक्षस, रजनीचर, यातुधान
अहंकार - घमंड, दर्प, दंभ, अभिमान, गर्व, ऐंठ, शेखी, अकड़,
अवस्था - हालत, आयु, स्थिति, दशा
असीम - नि: सीम, बेहिसाब, अनंत, अपार, बेहद, अपरिमित
अधिकता - अनेक, प्राचुर्य, प्रचुरता, बहुलता, बाहुल्य
अद्वितीय - एकमात्र, अनूप, अतुल, बेजोड़, अनुपम
अद्‌भुत - अनोखा, अजीब, विलक्षण, विचित्र
अदायगी - चुकती, निपटाव, चुकाव, भुगतान, पटावट

Nitin-Gupta.com

अर्जुन - गांडीवधारी, श्वेतवाही, धनंजय, पार्थ, सव्यसाची
अभिजात - उच्च, कुलीन, पूज्य, श्रेष्ठ
अहीर - गोप, गोपाल, यादव, यदुवंश, आभीर, ग्वाल
अधीर - आकुल, व्याकुल, बेचैन, धैर्यरहित, विकल्प
अधीन - गुलाम, मातहत, निर्भर, आश्रित, पराधीन
अधिकारी - हाकिम, अफसर, नौकरशाह, पदाधिकारी, सत्ताधारी
अधिकार - दावा, प्रभुत्व, स्वामित्व, हक, स्वत्व
अधिकता - अधिक्य, अनेक, प्रचुरता, बाहुल्य, बहुलता
अचेत - संज्ञाहीन, चेतनाहीन, बेखबर, बेहोश, मूर्छित
अघाना - संतुष्ट होना, पेट भरना, तृप्त होना, छकना
अनंतर - के पीछे, बाद में, फिर, तत्पश्चात, तदुपरांत
अजनबी - अज्ञात, अनजान, अनभिज्ञ, अपरिचित, नावाकिफ
अध्ययन - पठन-पाठन, अनुशीलन, पढ़ाई, पारायण
अध्यक्ष - सभाध्यक्ष, प्रमुख, प्रधान, मुखिया, सभापति
अतीत - गुजरा हुआ, बीता हुआ, व्यतीत, विगत, गत, गतप्राय
अतिरिक्त - छोड़कर, फालतू, अलावा, सिवाय
अटकना - ठहरना, टिकना, रहना, अड़ना, रुकना
अच्छा - आला, सही, ठीक, दुरुस्त, उचित, उपयुक्त, चोखा, बढ़िया
अनिष्ट - अमंगलकारी, अकल्याणकर, अहितकर, अशुभ, बुरा
अनिश्चित - कच्चा, भ्रामक, संदिग्ध, संशयपूर्ण
अनिवार्य - आवश्यक, बाध्यकर, अटल, लाजिमी
अनाथ - नाथहिन, दीन, निराश्रित, यतीम, बेसहारा
अनाड़ी - नादान, नासमझ, अकुशल, अनजान, अनार्य
अनाज - दाना, धान्य, गल्ला, अन्नाद्द, नाज
अत्याचार - दुराचरण, दुष्टता, दुराचार, अनाचार
अनेक - एकाधिक, विविध, कई, नाना
अनुवाद - उल्था, तर्जुमा, भाषांतर
अनुरोध - याचना, निवेदन, विनती, प्रार्थना
अनुरूप - मिलता-जुलता, तुल्यरूप, सामान, समरूप
अनुयायी - अनुगामी, भक्त, मतावलंबी, अनुगामी, अनुवर्ती
अनुमान - कयास, आकलन, अंदाज, अटकल
अनुमति - इजाजत, सहमति, आज्ञा, स्वीकृति, मंजूरी
अनुपस्थित - अभाव, कमी, गैरमौजूदगी, गैरहाजिरी
अनुपम - अनोखा, अद्‌भुत, अनूठा, अपूर्व, अतुल
अनुचित - अनुपयुक्त, गैरमाकूल, नाजायज, गैरवाजिब,
अनुकुल - संगत, अनुसार, अनुरूप
अनुकरण - देखा-देखी, नकल, अनुगमन, अनुसरण
अध्यापक - प्रवक्ता, शिक्षक, गुरु, आचार्य, पंडित,
अनार - शुकप्रिय, रामबीज, दाड़िम
अप्सरा - सुर-सुंदरी, देवबाला, देववधू, अमरनारी, परी, सुरबाला
अपराधी - सदोष, अपचारी, कसूरवार, मुजरिम, दोषी
अपयश - निंदा, अकीर्ति, बदनामी, अपवाद, बुराई,
अपमान - अपकीर्ति, निंदा, बेइज्जती, अवमान, अनादर, अवज्ञा, तिरस्कार
अपना - खुद का, स्वकीय, व्यक्तिगत, निजी
अपकार - बुराई, अनिष्ट, अमंगल, अहित
अन्य - और, भिन्न, दूसरा, इतर

'आ'

आश्रम - संघ, कुटी, विहार, मठ, स्तर, अखाड़ा
आचार - चाल-ढाल, चलन, स्वभाव, चरित्र
आचरण - सदाचार, शिष्टाचार, बर्ताव, चाल-चलन, व्यवहार
आखिरकार - परिणामत:, फलत:, अंतत:
आक्षेप - दोषारोपण, इलजाम, अभियोग, आरोप
आक्रमण - चढ़ाई, हमला, धावा
आकृति - बनावट, सूरत, आकार, गढ़न, रूप
आकाश - अनंत, पुष्कर, व्योम, अम्बर, गगन, अंतरिक्ष, वियत, शून्य, घनवास, खगोल
आकलन - आँकना, कूतना, आगणन
आकाशगंगा - नभगंगा, सुरनदी, नभोनदी, मंदाकिनी
आकर्षण - सम्मोहन, विमोहन, खिंचाव, दिलकशी
आकर्षक - दिलकश, मनोहर, मनोहारी, लुभावना, मोहक
आँधी - महावात, तूफान, झंझा, प्रभंजन, झंझावात
आँसू - नेत्रवारी, नयननीर, नेत्रनीर, नयनजल, अश्रु

Nitin-Gupta.com

आँख - विलोचन, चख, लोचन, चक्षु, नयन, नेत्र, दृग, दृष्टि, अक्षि, अंबक

आरोग्य - निरोग, पुष्ट, तंदुरुस्त, स्वस्थ

आनंद - मोद, प्रमोद, विनोद, हर्ष, सुख, चैन, उल्लास

आहार - खाद्द-पदार्थ, भोज्य सामग्री, खाद्द वस्तु

आश्चर्य - कौतुहल, कुतूहल, कौतुक, अचंभा, अचरज

आशीर्वाद - आशीष, मंगलकामना, आशीवर्चन

आवेग - जोश, चपलता, तेजी, स्फूर्ति

आवाज - ध्वनि, स्वर, वाणी, शब्द

आवश्यक - जरूरी, बाध्यकर, अनिवार्य, अपरिहार्य

आलोचना - समीक्षा, गुण-दोष, टीका-टिप्पणी, नुक्ताचीनी

आलसी - निकम्मा, ठलुआ, काहिल, सुस्त

आर्थिक - वित्तविषयक, वित्तीय, धन-संबंधी, वैत्तिक

आराम - विश्राम, विश्रांति, सुख, चैन, करार

आरंभ - शुरुआत, उपक्रम, बिस्मिल्ला, श्रीगणेश, सूत्रपात

आयुष्मान - दीर्घायु, सतायु, दीर्घजीवी, चिरंजीवी, चिरायु

आम - अमृतफल, फलश्रेष्ठ, रसाल, पिकबंधु, पिकप्रिय

आपत्ति - आपदा, विपदा, संकट, मुसीबत, आफत, विपत्ति

आधुनिक - अर्वाचीन, नूतन, वर्तमानकालीन

आधार - अवलंब, सहारा, आश्रय, बुनियाद, जड़

आदि - शुरुआती, आदिम, अथ, प्रथम, पहला, आरंभिक

आदर्श - नमूना, प्रतिरूप, मानक, प्रतिमान

आदरणीय - पूजनीय, मान्यवर, माननीय, पूज्य

आदत - स्वभाव, प्रकृति, बान, टेव

आतंक - दहशत, उपद्रव, खौफ, भय

आड़ - परदा, आश्रय, शरण, घूँघट, छिपाव

आडंबर - प्रपंच, पाखंड, दिखावा, कपट, ढकोसला

आज्ञा - फरमान, निर्देश, अनुमति, मंजूरी, आदेश, हुक्म

'इ'

इंद्रधनुष - इंद्रधनुष, धनुक, शक्रचाप, सुरचाप

इष्ट - इच्छित, अभिप्रेत, अभीष्ट, मनोवांछित, वांछनीय

इशारा - इंगित, निर्देश, सैन, संकेत

इनाम - पारितोषिक, उपहार, पुरस्कार

इंकार - अस्वीकृति, अनंगीकार, प्रत्याख्यान, अनंगीकरण, निषेध

इठलाना - अकड़ना, शान दिखाना, शेखी मारना, ऐंठना, इतराना

इच्छुक - लालायित, उत्सुक, आतुर, अभिलाषी, उत्कंठित

इच्छा - वांछा, कामना, अभिलाषा, मर्जी, ख्वाहिश

इंद्रपुरी - देवलोक, देवेंद्रपुरी, सुरपुर, इंद्रलोक, अमरावती

इंद्राणी - इंद्रा, महेंद्री, मधुवानी, इंद्रवधू, शतावरी

इंद्र - अमरपती, शचीपति, पुरंदर, देवराज, सुरपति, शक्र, देवेश, सुरेन्द्र, वज्रधर,

'ई'

ईख - रसाल, रसाल, रसद, ऊख, गन्ना

ईश्वर - ईश, जगदीश, दीनानाथ, प्रभु, परमात्मा, परमेश्वर, भगवान, ब्रह्मा, जगन्नाथ

ईमानदारी - निश्छलता, सच्चरित्रता, सत्यवादिता, सत्यशीलता, खरापन

ईर्ष्या - कुढ़न, मत्सर, जलन, डाह, स्पर्धा

'उ'

उद्यम - व्यवसाय, पेशा, श्रम, मेहनत, परिश्रम, पुरुषार्थ

उदाहरण - नमूना, नजीर, मिसाल, दृष्टांत, निदर्शन

उदासीन - विमुख, विरागी वीतराग, विरक्त, अनासक्त

उदास - चिंताकुल, विषादपूर्ण, अप्रसन्न, विषादयुक्त, रंजीदा

उदारता - दरियादिली, मुक्तहस्तता, दानशीलता, औदार्य, वदान्यता

उदार - महामना, दरियादिल, महाशय, उदारचेता, दिलदार, सहृदय

उत्साह - गरमजोशी, साहस, जोश, हौसला, भावावेश

उद्देश्य - मकसद, हेतु, प्रयोजन, ध्येय, लक्ष्य

Nitin-Gupta.com

उत्कंठा - आतुरता, उत्सुकता लालसा, प्रबलेक्षा,
उत्सव - मंगलकार्य, जयंती, महापर्व, जश्न, त्यौहार, जलसा, पर्व, समारोह
उत्पत्ति - पैदाइश, निकास, प्रादुर्भाव, जन्म, उद्गम, उद्भव,
उत्थान - उठाव, अभ्युदय, उत्तोलन, उन्नयन, आरोह, उत्कर्ष, चढ़ाव
उत्तम - प्रतिष्ठा, बढ़िया, उम्दा, प्रवर, श्रेष्ठ
उतार - अधोगमन, अवरोहण, अवरहण
उजाला - ज्योति, प्रभा, आलोक, रोशनी, प्रकाश, जगमगाहट
उजाड़ - सुनसान, निर्जन, बरबाद, ऊसर, जनशून्य
उजड्ड - लम्पट, दृष्ट, अभद्र, गँवार, अक्खड़
उचित - ठीक, संगत, मुनासिब, वाजिब, विहित, तर्कसंगत
उग्र - घोर, उत्कट, रौद्र, प्रबल, तेज, लठमार
उद्धत - अवज्ञाकारी, अविनीत, निर्लज्ज, गुस्ताख, दुस्साहसी
उद्यत - कटिबद्ध, मुस्तैद, तत्पर, प्रस्तुत, तैयार
उत्सुक - उत्कर्ण, रुझान, रुचि, आतुर, व्यग्र, उत्कंठित
उलटा - परस्पर-विरोधी, प्रतिकूल, विपरीत, विलोम, प्रतिलोम, विरुद्ध
उलझन - झमेला, जटिलता, गुत्थी, उलझाव, दुविधा, अनिश्चय
उपेक्षा - विरक्ति, अनासक्ति, लापरवाही, उदासीनता, तिरस्कार
उपासना - इबादत, वंदना, सेवा, अर्चना, पूजा, आराधना
उपाय - तरकीब, जुगाड़, तरीका, युक्ति, मार्ग, विधि
उद्धार - छुटकारा, अपमोचन, मुक्ति, निस्तार, निवार्ण
उपहार - अनुदान, सौगात, तोहफा, भेंट, नजराना, प्रसाद
उपस्थित - हाजिर, वर्तमान, मौजूद, प्रस्तुत, विद्दमान, आगत
उपवास - निराहार, लंघन, फाका, अनशन, व्रत, रोजा
उपयोगी - कार्यकर, कारामद, इष्टकर, उपादेय, सार्थक, गुणकारी
उपमा - सादृश्य, सादृश्यता, समानता, तुलना
उपजाऊ - जरखेज, कलप्रद, उत्पादक, उर्वर
उपज - उत्पादन, कटनी, फसल, पैदावार, कृषिफल
उपकार - परोपकार, कल्याण, भलाई, हितसाधन, परमार्थ
उन्नति - विकास, अभ्युदय, तरक्की, प्रगति, उन्नयन, पदोन्नति
उनींदा - निद्रालु, निंदासा, निद्राप्रवण, तंद्रालु, ऊँघना
उल्लू - लक्ष्मीवाहन, पिंगल, कौशिक
उपालंभ - शिकवा, शिकायत, उलाहना
उन्मूलन - निरसन, उत्सादन, अंत, लुंचन, अंत

'ऊ'

ऊंट - महाग्रीवा, उष्ट्र, क्रमेलक, शुतुर, लम्बोष्ठ
ऊसर - बंजर, चटियल, अनुत्पादक, अनुपजाऊ, शस्यहीन
ऊष्मा - गरमी, तपन, उष्णता, ताप, ताव
ऊंचा - ऊपर, तुंग, उन्नत, गगनचुंबी, लंबा, बुलंद
ऊंघ - अलसाई, अर्धनिद्रा, झपकी, तंद्रा

'ऋ'

ऋतु - मौसम
ऋणी - कर्जदार, देनदार, धरता, अधमर्ण
ऋषि - महात्मा, संत, मंत्र-दृष्टा, मनीषी, साधु, मुनि, ब्रह्मर्षि, देवर्षि, राजर्षि
ऋद्धि - बढ़ती, वृद्धि, बढ़ोतरी, संपन्नता, समृद्धि

'ए'

एहसान - आभार, उपकार, कृतज्ञता, अनुग्रह
एकांत - एकाकी, अकेला, विजन, शून्य, विहीन, सुनसान
एक-सा - समरूप, एकरूप, एकसार, एक जैसा, समान
एकरुपता - बराबरी, सुसंगती, संगति, तुल्यता, अनुरूपता
एकाग्रता - ध्यानमग्नता, एकाग्रचिन्तन, ध्यानलिनता, मनोयोग
एकटक - टकटकी, निर्निमेष, अपलक
एकता - एकरूपता, एकसुत्रता, जुड़ाव, संगठन, मेल, अभिन्नता, अभेद

Nitin-Gupta.com

'ऐ'

ऐश - ऐय्याशी, सुख, चैन, विलास
ऐश्वर्य - धन-संपत्ति, ऋद्धि, समृद्धि, संपन्नता, वैभव, संपदा
ऐच्छिक - अख्तियारी, सविकल्प, पसंदीदा, वैकल्पिक, स्वेच्छाकृत
ऐंठन - अकड़न, उमेठन, तनाव, बल, मरोड़

'ओ'/'औ'

औषधि - औषध, रसायन, दवाई, दवा, भेषज
और - ज्यादा, बढ़कर, अधिक
और - साथ ही, अन्य, इतर, भिन्न, एवं, व, तथा
ओस - हिमबिंदु, तुहिनकण, हिमकण, तुषार, शबनम
ओज - जोर, दम, पराक्रम, ताकत, बल
ओछा - टुच्चा, हलका, छिछोरा, क्षुद्र
ओंठ - रदछद, ओष्ठ, दंतच्छद, होंठ, अधर

'अं'

अंतर्धान - अदृश्य, गायब, तिरोहित, ओझल, लुप्त
अंतर - फासला, विभिन्नता, फर्क, भेद
अंत: करण - अंतर्मन, हृदय, भेद, अंतरात्मा, कलेजा
अंगूठी - मुंदरी, मुंद्रिका, छाप, अंगुलिका, मुद्रा
अंत - किनारा, अंचल, छोर, सिर
अंत - परिणाम, फल, अंजाम, नतीजा
अंत - खत्म, समाप्त, आखिरी, समापन, संपादन, सिद्धि
अंचल - प्रदेश, इलाका, क्षेत्र
अंचल - पल्ला, पल्लू, दामन, आँचल
अंग - शरीर, बदन, गात्र, काया, तन, कलेवर
अंश - हिस्सा, उपांश, घटक, टुकड़ा, खंड, मात्रा, टूक
अंकुर - कलिका, कोंपल, गाभ, कल्ला, अँखुआ
अंक - गोद, अँकवार, क्रोड़
अंक - चिन्ह, छाप, निशान
अंक - नंबर, क्रमांक, संख्या
अंधेर - धांधली, अन्याय, बेइंसाफी, अंधेरखाता
अंधा - चक्षुहीन, सूरदास, प्रज्ञाचक्षु, चक्षुविहीन, नेत्रहीन
अंधकार - अंधियारा, तमस, तिमिर, अंधेरा, ध्वान्त

'क'

कानूनी - वैधानिक, विधिसम्मत, विधिसंगत, अदालती, वैध
कहासुनी - विवाद, तकरार, झगड़ा, वितंडा, वादविवाद
कबूतर - रक्तलोचन, पारावृत, हारीत, पारावत, परेवा
करधनी - किंकनी, तगड़ी, मेखला, कमरबंध, कटिबंध
कपड़ा - चीर, चैल, पट, वसन, वस्त्र, अंबर
कपटी - चालबाज, धोखेबाज, दगाबाज, जालिया, मक्कार
कपट - धोखा, झांसा, चकमा, छल, फरेब
कन्या - बालिका, किशोरी, कुमारी, कुमारीका, अविवाहिता
कथन - विचार, उदगार, वचन, वक्तव्य, बयान, मत
कठोर - निष्ठुर, निर्मम, सख्त, कर्कश, कड़ा
कठिन - मुश्किल, जटिल, सख्त, दुर्गम, दुष्कर, अगम्य, दुर्बोध
कट्टर - असहनशील, हठधर्मी, मदान्ध, धर्मान्ध
कटु - तीक्ष्ण, तल्ख, तेज, तीखा, चरपरा
कटाव - अपक्षरण, अपक्षय, क्षरण, अपरदन, छीजन
कछुआ - कश्यप, कमठ, कूर्म, कच्छप
कंदरा - विवर, खोह गुहा, गुफा, दरी
कर्मठ - उद्दमी, कर्मपरायण, कर्मयोगी, प्रयत्नशील
कर्ज - देनदारी, देयता, आभार, उधार, ऋण
करीब - पास, समीपस्त, अदूर, समीप, निकट
कर - भुज, बाहु, हाथ, हस्त,
कर - मालगुजारी, टैक्स, महसूल, शुल्क
कमल - सरोज, पंकज, जलज, राजीव, अरविंद, अंबुज, कंज, तामरस, मकरंद, सरोद, परिजात, नलिन, वारिस, पुंडरीक
कमजोर - असमर्थ, दुबला, निर्बल, दुर्बल, कृशकाय,
कब्जा - दखल, प्रभुत्व, अधिग्रहण, अधिकार

Nitin-Gupta.com

काल - मरण, प्राणांत, मौत, अंत, मृत्यु
कारोबार - सौदागरी, धंधा, व्यापार, व्यवसाय, तिजारत
कारगर - प्रभावी, गुणकारी, सफल
कायरता - पामरता, साहसहीनता, भीरुता, अपौरूष, बोदापन
कायर - कादर, डरपोक, भीरू, कातर
कायदा - नियम, विधि, तदवीर, ढंग, रीति, तरीका
कामातुर - विषयी, कामार्त, कामासक्त, कामुक
कामुकता - भोगासक्ति, लंपटता, व्यभिचारिता, विषय-सेवन
कामाचारी - स्वच्छंद, लंपट, व्यभिचार, स्वैरी, स्वैर
कामदेव - प्रद्दुम्न, कुसुमेषु, पंचशर, मनोज, मनोभाव, कुसुबाण, विश्वकेतु, सारंग, झषकेतु, रतिपति, कंदर्प,
काम - करनी, व्यवसाय, रोजगार, कारगुजारी, कार्य, कर्म
कांटा - शूल, खार, कंटक
कुल - समस्त, सब. सारा, तमाम, संपूर्ण, सकल
कुल - खानदान, कबीला, घराना, वंश, बिरादरी, कुटुंब
कुरूप - असुंदर, बदशकल, बदसूरत, भद्दा, बेडौल
कुबेर - धनेश्वर, धनेश, जनेश्वर, अलंकेश, धनाधिप, यक्षराज, यक्षपति, धनपाल, धनपति
कुटिल - तिर्यक, बांका, कपटी, छली, तिरछा, टेढ़ा, वक्र
कीर्ति - नाम, प्रसिद्ध, महूरी, शोहरत, ख्याति, बड़ाई
कीचड़ - कांदो, चिकिल, दलदल, पंक, कर्दम
किला - कोट, शहरपनाह, कोटला, गढ़, दुर्ग
किरण - केतु, मयूख, दीक्षित, प्रभा, अर्चि, रश्मि, अंशु, मरीचि
किनारा - बेलातट, पुलिन, सिरा, तीर, कगार, साहिल
काश्तकार - खेतीहर, हलदार, जोतकर, कृषक, किसान
काशी - वाराणसी, बनारस, शिवनगरी, शिवपुरी
काल्पनिक - वास्तविक, अव्यवहारिक, हवाई, निराधार, असत्य, तथ्यहीन, कल्पित
कलंक - धब्बा, दाग, बट्टा, दोष, लांछन
काला - धूमिल, सुरमई, असित, श्यामल, सांवला, करिया, कृष्ण
कहानी - किस्सा, गाथा, अफसाना, अख्यायिका, उपाख्यान, कथा, धारावाहिक
कष्टदायक - दुखदायी, पीड़ाकर, संतापकारी, क्लेशकर, कष्टप्रद,
कल्याण - शुभ, भाई, योगक्षेम, क्षेमवंचना, कुशल, समृद्धि
कली - मुकुल, पंखुड़ी, कोरक, गुंचा, मंजरी, कोपल
कला - हुनर, विद्दा, गुण, शिल्प, कौशल
कोयल - कोकिला, श्याम, कोकिल, काकपाली, वासंत
कोमल - नाजुक, नरम, सुकुमार, मृदुल, मुलायम
कीड़ा - दीमक, पतंग, किरौना, कीटाणु, कीट
कोड़ा - कशा, सांटा, चाबुक, दुर्रा
कैद - परिरोल, रोक, जेल निरोध, बंधन
केश - अलक, गेसू, मेचक, बाल, कुंतल, सारंग
केवल - अकेले, निरा, फकत, महज, सिर्फ, मात्र
केवट - नाविक, धीवर, नौचालक, मल्लाह
कृतज्ञता - एहसानमंदी, निहोरा, शुक्रगुजारी, अनुगृहित, आभार
कृतज्ञ - अनुगृहित, कृतार्थ, ऋणी, धन्यवादी
कृष्ण - मुरलीधर, गिरिधर, कन्हैया, बनवारी, श्याम, मोहन नंदलाल, कंसारि, राधारमण, मुकुंद, गोपीनाथ, योगीद्र, वासुदेव, केशव, द्वारिकाधीश, बृजभूषण, गोविंद, मुरारी, योगेश्वर, गोपाल, जनार्दन, देवकीनंदन
कृपा - मेहरबानी, दया, रहमत, करुणा, अनुकंपा, अनुग्रह
कृत्रिम - नकली, वास्तविक, झूठा, दिखावटी, बनावटी, आडंबरी, दर्शनी
कृतार्थ - आभारी, एहसानमंद, अनुगृहित, उपकृत, कृतकृत्य
कूटनीति - चाल, कुटयुक्ति, दांवपेंच, घात, छलबल
कुशलता - निपुणता, पटुता, प्रवीणता, दक्षता, चतुराई, कौशल, माहिर, सिद्धि
कुशल - भलाई, कल्याण, शुभ, मंगल, क्षेम
कार्तिकेय - शरभव, स्कंद, देवसेनापति, कुमार, अंबिकेय, पार्वतीनंदन
कारागार - बंदीगृह, कैदखाना, कारावास, काल-कोठरी, हवालात

Nitin-Gupta.com

केला - रम्भा, मोचा, कुंजरासरा, भानुफल, गजवसा, कदली
कुत्ता - शनक, विश्वकद्रु, श्वान, कुक्कुर, सारमेय
कारीगर - शिल्पकार, दस्तकार, शिल्पी, हुनरमंद, शिल्पज
कल्पवृक्ष - कल्पद्रुम, मंदार, हरिचंदन, पारिजात, कल्पशाल
क्रोध - तैश, आक्रोश, रोष, गुस्सा, अमर्ष
क्रोधी - गरम-मिजाज, गुस्सावर, तेही, तेजमिजाज, कुपित
क्रुद्ध - आगबबूला, उत्तेजित, खिन्न, अप्रसन्न, रुष्ट
कस्तूरी - मदलता, मृगमद, मृगनाभि
कमर - कटि, श्रोणि
कर्ण - अंगराज, सूर्यपुत्र, कौन्तेय, राधेय
कौर - ग्रास, निवाला, कवल
कौआ - एकाक्ष, काक, काग, काण
कोशिश - चेष्टा, प्रयत्न, प्रयास, यत्न, उद्दम, प्रयास

'ख'

खामोश - नीरव, नि: शब्द, अवाक, शांत, मौन
खलबली - संक्षोभ, हहलचल, शोर-शराबा, हल्ला-गुल्ला
खराबी - विकार, बिगाड़, अवगुण, बुराई, दोष
खराब - दोषपूर्ण, निकृष्ट, त्रुटिपूर्ण, घटिया, खोटा, सदोष
खरा - निर्मल, साफ, अच्छा, स्वच्छ, शुद्ध
खबर - संदेश, वृत्तान्त, सूचना, जानकारी, हाल-चाल, समाचार
खतरा - आशंका, खटका, अंदेशा, डर भय
खतरनाक - भयावह, जोखिमपूर्ण, संकटपूर्ण, आशंकाप्रद, संकटास्पद
खटका - दुश्चिंत, दुविधा, खतरा, आशंका, अप्रत्यय
खग - पक्षी, विहंग, विहग, चिड़िया, शकुनि
खेल - मनोविनोद, मनोरंजन, खिलवाड़, कौतुक, क्रीड़ा
खल - दुर्जन, कुटिल, क्षुद्र, पिशुन, पामर,
खून - रुधिर, लहू, लोहू, रक्त, शोणित
खिड़की - वातायन, अंतद्वार, रोशनदान, झरोखा, गवाक्ष
खंभा - थंभ, स्तंभ, खंभ, थूनी, टेक
खोज - अन्वीक्षण, शोध, अन्वेषण, गवेषण, अनुसंधान, तलाश
खाल - चमड़ा, चर्म, चमड़ी
खामोशी - चुप्पी, मूकता, नीरवता, शांति, मौन
खत - चिट्ठी, पत्र, पाती

'ग'

गर्भाशय - जठर, कुक्षि, धरन, बच्चेदानी, पेट, गर्भ
गरुड़ - हरियान, नागांतक, खगेश, वैनतेय
गरीब - अकिंचन, दीन, कंगाल, सर्वहारा, धनहीन, दरिद्र
गति - हरकत, दशा, हालत, चाल, रफ्तार, स्थिति
गँवार - अभद्र, धृष्ट, ग्रामीण, देहाती, अशिष्ट
गंभीर - भारी, विकट, घोर, गहरा, संगीन, जटिल
गंदा - मैला, अनधुला, मलिन, प्रदूषण, दूषित
गंगा - मंदाकिनी, अलकनंदा, भागीरथी, देवनदी, ध्रुवनंदा, विष्णुपदी
गण - अनुचर, अनुयायी, समुदाय, समूह, दूत
गज - इंद्र, मतंग, वितुण्ड, हाथी, हस्ति, कुंजर
गर्मी - उमस, उष्णता, गर्माहट, तप, तपिश, तपन
गायब - अनुपस्थित, चंपत, लुप्त, विलुप्त, अंतर्धान, अदृश्य
गाय - गौ, सुरभि, गौरी, भद्रा, गो, कपिला
गदहा - वैशाखनंदन, गर्दभ, धूसर, चक्रीवान, खर
गौरव - गुरुता, सम्मान, मान, महिमा, बड़प्पन, महत्व
गोप - गोपालक, अभीर, ग्वाला,
गुप्त - छिपा हुआ, अज्ञात, अदृश्य, अप्रकट, प्रच्छन्न
गुनगुना - मंदोष्ण, शीरगर्म, शीतोष्ण, कुनकुना
गिला - भीगा, आर्द्र, नम, कलिन्न
गीदड़ - श्रृंगाल, जंबुक, सियार
गिरावट - उतार, घटती, मंदी, सस्ती, पतन
गिनती - लेख, हिसाब, गणना
गांव - पुरवा, बस्ती, मौजा, ग्राम, देहात
गहन - सघन, अभेद, दुर्गम, निविड़, घना, अभेद्द

Nitin-Gupta.com

'घ'

घोड़ा - बाजि, वाजि, तुरंग, सारंग, अश्व, विमानक
घुमक्कड़ - पर्यटक, घुमंतू, विचरणशील, रमता, सैलानी
घिनौना - वीभत्स, गंदा, घृणित, घृणास्पद,
घना - गाढ़ा, घनघोर, गफ, गझिन
घी - हवी, अमृत, घृत
घर - सदन, मंदिर, मकान, निकेतन, गृह, भवन
घड़ा - गगरा, मटका, हाड़ी, कुंभ, कलश
घूमना - पर्यटन करना, रमना, विचरण करना, सैर करना, देशाटन करना
घेरा - चक्कर, दायरा, वृत्त, वलय, मण्डल
घाव - चकोट, जख्म, जरब, चोट
घाटा - टोटा, नुकसान, हानि
घुड़सवार - चाबुकसवार, घुडचढ़ा, अश्वारोही

'च'

चांदी - चंद्रहास, रूपा, रूपक, रजत, कलधौत
चांदनी - चंद्रिका, चंद्रकला, ज्योत्स्ना, कौमुदी, अंजोरिया
चश्मा - उपनयन, ऐनक, सहनेत्र, उपनेत्र
चमक - जगमगाहट, प्रभा, छवि, शोभा, दमकना
चपलता - अधीरता, चुलबुलापन, चंचलता, स्थिरता, नटखटी
चतुर - कुशल, चालक, सयाना, होशियार, विज्ञ
चकित - हक्का-बक्का, भौंचक्का, विस्मयाकुल, विस्मित
चंदन - गंधसार, संदल, तमाल, मलयज, श्रीखंड
चक्र - घुमाव, चक्कर, फेरा, चाक, पहिया
चौकीदार - पहरेदार, गारद, प्रहरी
चौकन्ना - सावधान, चौकस, सचेत, सजग, होशियार
चेतावनी - खबरदारी, नोटिस, उद्बोधन, आगाही
चेतना - एहसास, ज्ञान, होश, बोध, सुधबुध
चुकौती - बेबाकी, भुगतान, निस्तारण, ऋणमोचन, ऋणमुक्ति
चिकित्सालय - औषधालय, दवाखाना, शफाखान, अस्पताल
चीख - कूक, क्रंदन, पुकार, चिल्लाहट, चीत्कार
चितकबरा - चित्र-विचित्र, चित्तल, बहुरंगी, शबल
चिढ़ना - चिड़चिड़ाना, झल्लाना, झुंझलाना, खीझना, कुढ़ना, पिनपिनाना
चिकना - मसृण, स्निग्ध, स्नेहहिल, पिच्छिल, चिक्कण
चिंता - अकुलाहट, उलझन, बेचैनी, सोच, ऊहापोह
चालाकी - कुशलता, चालबाजी, होशियारी, चतुराई, धोखाधड़ी
चोटी - शिखर, श्रृंग, शीश, शिरोबिंदु, सानु
चोर - मोषक, तस्कर, कभिज, खनक, रजनीचर

'छ'

छुटकारा - मुक्ति, मोक्ष, रिहाई, निस्तार, स्वतंत्रता, निजात
छिद्र - रंध्र, विवर, मोखा, छेद, सुराख़
छिछला - कम गहरा, उथला, गाध
छाया - प्रतिबिंब, परछाई, अक्स, साया
छानबीन - जांच, तहकीकात, पूछताछ, जांच-पड़ताल
छात्र - विद्दार्थी, शिष्य, शिक्षार्थी
छोह - मोहब्बत, प्रेम, स्नेह, दुलार, ममता, प्यार
छाती - कुच, सीना, उर, वक्ष: स्थल, वक्ष
छुट - कटौती, सहूलियत, सुविधा, रियायत, ढील
छुट्टी - रुखसत, विश्राम, विराम, फुर्सत, अवकाश

'ज'

जिज्ञासा - उत्सुकता, कुतूहल, उत्कंठा
जादू - माया, तिलस्म, इंद्रजाल
जवान - तरुण, किशोर, युवक, युवा,
जनक - जन्मदाता, बाप, तात, वालिद, जनपितृ
जड़ता - अचलता, गतिहीनता, निश्चेष्टता, स्थिरता
जड़ - स्थावर, अचर, प्राणरहित, अचेतन
जानकी - जनकसुता, जनकतनया, रामप्रिया, भूमिजा, मैथिली
जंगल - अटवी, कानन, विपिन, अरण्य
जंग - लड़ाई, संग्राम, समर, युद्ध
जगत - लोक, दुनिया, भुवन, जग, भव, संसार
जुगनू - पट, पटबीजना, प्रभाकीट

Nitin-Gupta.com

जीभ	- जबान, रसज्ञा, रसीका, चंचला	**जोश**	- उबाल, उद्रेक, उफान, आवेश
जहाज	- बोहित, रोहित्य, जलयान, पोत	**जोर**	- ऊर्जा, सामर्थ्य, बलाघात, ताकत, शक्ति
जल	- पानीय, अम्बु, उदक, सलिल, वारि, अमृत, सारंग	**जीविका**	- रोजी-रोटी, जीवन-साधन, गुजारा, वृत्ति, आजीविका
ज्वाला	- लौ, अग्निशिखा, लपट	**ज्येष्ठ**	- अग्रज, बड़ा, जेठा, जेठ
ज्वलनशील	- दहनीय, दहनशील, सुदाह्य	**जीव**	- प्राणधारी, देहधारी, देही, जीवधारी, प्राणी
ज्योतिषी	- भविष्यवक्ता, नजूमी, देवज्ञ	**जिद्दी**	- हठीला, दुर्दांत, दृष्ट, दुराग्रही, हठी

'झ'

झुंड	- मंडली, झुंड, दस्ता, टुकडी, गिरोह, समूह	**झरना**	- निर्झर, झर, सोता, स्त्रोता, उत्स
झाई	- प्रतिच्छाया, झलक, बिम्ब, परछाई	**झोपड़ी**	- कुटी, कुंज, मड़वा, कुटिया, पर्णकुटी
झंडा	- केतु, निशान, केतन, ध्वज, प्रतीक	**झींसी**	- जलकण, अंबुकण, सीकर, फुहार
झूठ	- असत्य, मिथ्या, अतथ्य, अनृत		

'ट'

टीस	- दर्द, चिनूक, चिलक, चुटकी, कसक, शूल	**टक्कर**	- समाघात, धक्का, भिड़ंत, ठोकर, संघट्ट
टीका	- व्याख्या, टिप्पणी, टिप्पण, तिलक, भाष्य		

'ठ'

ठिठोली	- फबती, व्यंग्योक्ति, उपहास, मजाक, व्यंग्य	**ठग**	- प्रतारक, प्रवंचक, वंचक, छली, धूर्त, जालसाज
ठगी	- मायाजाल, फरेब, जालसाजी, वंचना, धोखाधड़ी		

'ड'/'ढ'

ढोंगी	- रंगा सियार, पोंगापंथी, बगलाभगत, पाखंडी, मिथ्याडंबरी	**डाह**	- ईर्ष्या, कुढ़न, जलन, मत्सर
		डाकू	- डकैत, साहसिक, लूटेरा, लूटक, अपहर्ता
ढीठ	- धृष्ट, गुस्ताख, अविनीत, प्रगल्भ		

'त'

तंतु	- धागा, डोरा, सूत, तागा	**तारा**	- तारक, सितारा, उद्दोत, नक्षत्र, सारंग
तेजस्वी	- तेजवान, वर्चस्व, कांतिमय, तेजोमय, प्रतापी	**तांबा**	- ताम्रक, ताम्र, रक्तधातु,
तानाशाह	- निरंकुश, शासक, डिक्टेटर, अधिनायक	**तरकश**	- तूणीर, तूण, इषुधि, भाथा, निषंग
तीखा	- तेज, प्रखर, धारदार, पैना, तीक्ष्ण	**तलवार**	- चंद्रहास, खड्ग, तेग, शमशीर, सारंग, कृपाण
तरंग	- वीचि, लहरी, मौज, हीलोर, उर्मी, लहर	**तंबू**	- डेरा, वितान, छोलदारी, खेमा, ठिकाना, शिविर
तोता	- सुग्गा, रक्ततुंड, मियांमिट्ठू, शुक, कीर		
तालाब	- पुष्कर, जलाशय, सर, सरोवर, तारक, पोखर, जल, कुंज, तलैया		

'थ'

थोथा	- खाली, छूछा, तत्वहीन, खोखला, महत्वहीन, सारहीन	**थपेड़ा**	- चपटा, झापड़, धौल, थप्पड़
		थकान	- थकावट, थकान, परिश्रांति, क्लांति
थाह	- सीमा, हद, छोर, सिरा, अंत	**थोड़ा**	- अल्प, परिमित, लघु, किंचित, तनिक

Nitin-Gupta.com

'द'

दूध - स्तन्य, गोरस, पीयूष, अमृत, दुग्ध
दुविधा - कसमकश, आगा, पीछा, धर्मसंकट
दुर्लभ - अलभ्य, नायाब, विरल, दुष्प्राप्य
दुर्गा - नारायणी, भगवती, महामाया, महागौरी, कामाक्षी, कल्याणी, कुमारी, कालिका, शिवानी, चंडिका, भवानी, दुर्गे, ईशानी, दुर्गसाधनी, शक्तिदुर्ग, चामुंडा, दुर्गदारिणी
दीपक - गृहमणि, चिराग, प्रदीप, दीप, दिया
दर्पण - मुकुर, प्रतिबिम्बक, आदर्शिका, आईना, शीशा
द्रौपदी - याज्ञसेनी, पांचाली, कृष्णा, द्रुपदसुता
दिल - जिगर, चित्त, जी, हृदय, अंत: रण, आत्मा
दुबला - निर्बल, कमजोर, तनु, कृश, दुर्बल
दु: ख - क्लेश, वेदना, यातना, कष्ट, पीड़ा
द्विज - पक्षी, दांत, चंद्र, ब्राह्मण
दीपावली - दीपमाला, दीपोत्सव, दीपमालिका, दिवाली
दिन - दिवस, वार, अहन, वासक, वासर
दासी - बाँदी, किंकरी, सेविका, अनुचरी, नौकरानी
दास - परिचर, अनुचर, चाकर, नौकर, सेवक
दंड - जुर्माना, हर्जाना, मुआवजा, अर्थदंड, सजा
दंगा - झगड़ा, फसाद, उत्पाद, बखेड़ा, संघर्ष
दीप्त - प्रकाशमान, प्रकाशित, ज्योतिर्मय, ज्योतित, प्रज्वलित, दृश्यमान
द्विप - जजीरा, टापू, अंतरीप
दाँत - मुखक्षुर, रदन, दंत, दशन
देवता - आदित्य, निर्जर, बहिर्मुख, अमर्त्य, देव, अमर, विबुध

'ध'

धूर्तता - बदमाशी, चालाकी, पाजीपन, दुष्टता
धुंध - कुहरा, नीहार, कुहासा
धर्म - सुकृति, संप्रदाय, सत्कर्म, पुण्य, मत
धरती - पृथ्वी, मही, भू, भूमि, मेदिनी, वसुधा, वसुंधरा
धनुष - कार्मुक, कमान, शरासन, कोदण्ड, धनु, सारंग

'न'

नारी - स्त्री, वनिता, वामा, महिला, औरत, श्रीमती, कामिनी, सारंग
नमक - लवण, लोन, रामरस, नोन
नाव - नौका, नैया, बेड़ा, तारिणी
नदी - कुलिनी, वाहिनी, तटिनी, सरिता, तरंगिणी, कुलंकषा, पयस्विनी, लहरी, तरंगवती, शैवालिनी, कुलवती
निद्रा - नींद, सुषुप्ति, परिशयन, स्वाप
नाग - विषधर, भुजंग, सर्प, सांप, सारंग
नियम - कायदा, विधान, विधि, दस्तूर, अधिनियम, धारा
नियति - विधि, विधि-विधान, भाग्य, किस्मत, तकदीर
निडर - निधड़क, बेधड़क, दिलेर, निर्भय

'प'

पंडित - मनीषी, धीर, प्राज्ञ, विज्ञ, विद्वान
पहाड़ - अचल, गिरि, भूधर, पर्वत, श्रृंगी, महीधर, भूमिधर
पत्नी - सहगामिनी, जाया, बल्लभा, भार्या, वामा, बहू, प्रिया
पत्थर - शीला, पाषाण, प्रस्तर, उपल, पाहन
पति - स्वामी, भर्ता, आर्यपुत्र, प्राणनाथ, प्राणधार
पत्ता - पत्र, पल्लव, पात, किसलय, पर्ण
पथिक - राहगीर, मुसाफिर, यात्री, राही, पंथी
परशुराम - भार्गव, परशुधर, भृगुनंदन, भृगुसुत
पवन - मारुत, प्रकम्पन, हवा, समीर, वायु, अनिल, बयार
पड़ोसी - प्रतिवासी, प्रतिवेशी, हमसाया
पछतावा - प्रायश्चित, अनुताप, अफसोस, मलाल, खेद
प्रेम - अनुराग, प्रीति, अनुरक्ति, ममता, मोहब्बत, प्यार
पृथ्वी - वसुमति, अचल, धरणी, भूमि, मही, वसुंधरा
पार्वती - भवानी, गौरी, अंबिका, शिवा, गिरिजा, दुर्गा, हेमवती, रुद्राणी, सर्वमंगला
पाला - तुषार, प्रालेय, हिम, तुहीन, नीहार

Nitin-Gupta.com

पुत्री - बेटी, तनुजा, दुहिता, पुत्रिका, नंदिनी, कन्या
पुत्र - नंदन, लड़का, आत्मज, बेटा, तनय
पान - नागवल्ली, सप्तशिला, बालदल, मुखमंडन, तांबूल
पिपाशा - तृषा, तृष्णा, प्यास
परछाई - प्रतिबिंब, प्रतिच्छाया, छाया, साया, झाई
पगड़ी - पगा, पाग, साफा
प्रौढ़ - पक्कीउम्र का, परिपक्व, प्रबुद्ध, अधेड़
प्रजा - औलाद, बाल-बच्चे, जनता, संतान, रैयत
प्रज्ञा - बुद्धि, समझ, मनीषा, प्रतिभा, ज्ञान
प्रगल्भ - अभिमानी, घमंडी, अहंकारी, निर्लज्ज, बेशर्म
प्रतिशोध - प्रतिकार, प्रतिहिंसा, बदला, वैरशोधन
प्रतिफल - नतीजा, परिणाम, निष्कर्म, बदले मे, एवज
प्रतिज्ञा - वायदा, वचन, पैज, पण, प्रण
प्रताप - दबदबा, इकबाल, बोलबाला, प्रभाव, धाक
पूनम - पूर्णिमा, पूनो, पूर्णमासी, पुनरे, पौर्णमी
प्रकृति - मिजाज, वातावरण, शील, स्वभाव
प्रेक्षागार - प्रेक्षागृह, नाट्यशाला, नाट्यगृह, रंगशाला, अभिनयशाला
प्राचीर - शहरपनाह, प्राकार, परकोटा, चारदीवारी
प्रस्तावना - भूमिका, प्राक्कथन, आमुख, पूर्वपीठिका
प्रलोभन - लालच, विमोहन, लोभ
प्रमाद - असावधानी, बेपरवाही, लापरवाही, बेफिक्री, असतर्कता

'फ'

फिराक - सोच, फिक्र, चिंता
फलक - पटरा, पटल, तख्ता
फूल - सुमन, गुल, प्रसून, कुसुम, पुष्प

'ब'

ब्राह्मण - अग्रजन्मा, भूसुर, भूदेव, महेश्वर, विप्र
बालक - किशोर, शावक, लड़का, शिशु, अर्भक
बादल - वारिद, नीरद, बलाधर, जगजीवन, धाराधर
बाज - करग, श्येन, शशादन, कपोतारि
बहिन - अग्रजा, बहन, अनुजा, बाँधवी, भगिनी
बलराम - बलदेव, श्यामबंधु, मुसली, रेवतीरमण
ब्रह्मा - चतुरानन, पितामह, लोकेश, विधाता, स्वयंभू
बंदर - मर्कट, शाखामृग, कपीस, बाहुक, वानर
बिजली - चपला, चंचला, विद्दुत, सौदामनी, तड़ित, बीजुरी
बाण - विशिख, शिलीमुख, सारंग, तीर, तोमर
बृहस्पति - देवाचार्य, आंगिरस, वाचस्पति, सुरगुरू
बालू - रेणु, रेणुका, सिकता, बालुका
बर्बर - असभ्य, दुर्दांत, अशिष्ट, जंगली
बट्टा - नुकसान, टोटा, हानी, बाटा
बगावत - विद्रोह, गदर, विप्लव
बंधुता - बंधुत्व, भाईचारा, भ्रातृत्व
बहादुर - जवांमर्द, साहसी, सुरमा, भट

'भ'

भूखा - भुक्खड़, क्षुधार्त, क्षुधालु, बुभुक्षित
भिक्षुक - भिखारी, भीखमंगा, याचक, भिक्षु
भिक्षा - वृत्ति, मधुकरी, भीख
भाल - कपाल, माथा, मस्तक, ललाट
भारती - वागेश्वरी, वागीश, वीणावादिनी. सरस्वती, भाषा वचन, वाणी
भौंरा - मधुकर, मधु, चंचरीक, सारंग, मधुराज, मिलिंद
भाई - भ्राता, सहोदर, बंधु
भांग - भंग, जया, विजया

'म'

मोती - शशिप्रभा, शुक्तिज, मौक्तिक, सीपिज
मेंढक - वर्षा-भू-चातक, मण्डुक, वर्षाप्रिय, दादुर,
मुर्गा - चरणायुद्ध, ताम्रचूड़, अरुणशिखा, कुक्कुट
मोक्ष - परमपद, सद्गति, मुक्ति, कैवल्य, निर्वाण
मृत्यु - मरण, देहांत, पंचतत्व, मौत, अंतकाल
मित्र - शखा, सहचर, सपक्ष, मीत, हमदम, दोस्त
माँस - आमिष, गोश्त, मीट, आमि, पिशित
मनुष्य - मानव, आदमी, मनोज, मानुष इंसान

Nitin-Gupta.com

मछली - अंडभव, मत्स्य, जलजीवन, मीन, मकर
मक्खन - माखन, नैनो, दधिसार, नवनीत
मंगल - महीसूत लोहितांग, भौम
मूर्ख - गँवार, निरबुद्धि, बेवकूफ, अज्ञानी, बुद्धिहीन
मांगलिक - मंगलकारी, मंगलदायक, कल्याणकारी, शुभकर, शुभ
मधु - शहद, ऋतु शराब, मदिरा, वसंत
मोर - केकी. ध्वजी, शिव-स्तुति, मयूर, नीलकंठ, शिखण्डी
मृग - कुरंग, हिरन, सारंग, सुरभी
मूर्खता - अज्ञान, बेवकूफी, बेअक्ली, बुद्धू, मूढ़ता
मुद्रा - पैसा, सिक्का, करेंसी
मिचली - उकाई, उबकाई, मितली, वमनेच्छा
माधुरी - माधुर्य, मिठास, मधुरता
महाजन - साहूकार, व्यापारी, बनिया, सेठ
महल - राजप्रसाद, राजभवन, राजमहल, प्रसाद

'य'

युवावस्था - यौवन, जवानी, तारुण्य
युद्ध भूमि - समरक्षेत्र, रणक्षेत्र, रणस्थल, युद्धक्षेत्र, समरांगण
यमुना - कालिंदी, भानुजा, तरणी-तनुजा, अर्कजा
युवती - श्यामा, यौवनवती, प्रमदा, किशोरी, सुंदरी
यमराज - दंडकर, सूर्यपुत्र, यम, धर्मराज, जीवनपति
यौगिक - मिला हुआ, जुड़ा हुआ, संयुक्त, मिस्र

'र'

रूढि - प्रथा, दस्तूर, परंपरा, रस्म, रीति
रानी - राजपत्नी, महिषी, महारानी, पटरानी, राजरानी
रोगी - बीमार, रोगग्रस्त, अस्वस्थ, व्याधिग्रस्त
राज्यपाल - गवर्नर, सूबेदार, प्रांतपति
रस - सार, अर्क, निचोड़, आनंद, तत्व
रावण - दशशीश, लंकेश, दशानन, लंकाधिपति, राक्षसराज
रामचंद्र - रघुपति, राघव, रघुनंदन, रघुवर, अवधेश, सीतापति, जानकीवल्लभ
राधा - बृजरानी, हरिप्रिया, राधिका, वृषभानुजा, वृषभानुनंदिनी
रात्रि - रजनी, यामिनी, निशा, विभावरी, शर्वरी
राजा - भूपति, नरेश, महेश, अधिपति, क्षितिपाल

'ल'

लोभी - लालची, लिप्सु, लोलुप,
लालसा - अभिलाषा, लालच, लिप्स, लाभ
लाचार - बेबस, मजबूर, विवस, बाध्य
लाभ - फायदा, मुनाफा, नफा, प्राप्ति
लघु - हलका, छोटा, न्यून, थोड़ा
लोहा - सार, लौह, आयस, अमस, अयस
लाल - लोहित, रक्त, रोहित, रक्ताभ
लता - लतिका, मंजरी, बल्लरी, बल्ली, बेलि
लक्ष्मी - हरिप्रिया, चंचला, चपला, रमा, सिंधुसुता
लक्ष्मण - लखन, शेष, शेषावतार, अनंत, सौमित्र, रामानुज

'व'

वियोग - जुदाई, विरह, विप्रलंभ, अलगाव
वैभव - धन, संपत्ति, अर्थ, दौलत, विभव
विप्लव - हलचल, खलबली, अशांति, उपद्रव, विद्रोह
विनोद - आमोद-प्रमोद, खेलकूद, तमाशा, मनोरंजन
विनय - शालीनता, शिष्टता, नम्रता
विज्ञ - बुद्धिमान, समझदार, पंडित, ज्ञानी, जानकारी
वीरता - बहादुरी, विक्रम, शौर्य, मर्दानगी, विक्रांत
विकास - प्रगति, बढाव, फैलाव, प्रसार
वाचाल - बातूनी, बड़बोला, बहुभाषी
वय - अवस्था, आयु, उम्र
वध - हत्या, कत्ल, हनन
व्याख्या - विवेचना, टीका, वर्णन
वेतन - तनख्वाह, पगार, तलब
वृतांत - समाचार, वृत्त, विवरण, हाल

Nitin-Gupta.com

वृक्ष - पेड़, शाखी, पादप, रूख

विष्णु - जनार्दन, चक्रपाणि, चतुर्भुज, नारायण, मुकुंद, दामोदर

विवाह - पाणिग्रहण, निकाह, शादी, गठजोड़

विधवा - अनाथ, पतिहीना, माँगजली, बेवा

वसंत - ऋतुराज, कुसुमाकर, बहार, माधव

वर्षा - वृष्टि, बारिश, वर्षण, बरसात, चौमासा

वज्र - कुलिश, अशनि, दम्भोलि, पवि

'श'/'ष'

शिकारी - अहेरी, आखेटक, व्याध, लुब्धक, बहेलिया

शाप - दुर्वचन, बद्दुआ, अवग्रह

शस्त्र - हथियार, आयुध, अस्त्र

शपथ - हलफ, सौगन्ध, सौह, कसम

शंका - आशंका, संशय, शुबहा, शक, संदेह

श्वेत - गौर, वलक्ष, शुक्ल, धौल, सफेद, दूधिया, कपूरी

शेषनाग - भुजंग, ब्याल, उरग, वांसुकी, नागराज, शेष

शिव - शंकर, चंद्रशेखर, भूतेष, गिरीश, नीलकंठ, श्रीकंठ, महादेव, त्रिलोचन, रुद्र, उमापति, लोकेश, महेश्वर, वामदेव, सर्वज्ञ, भोलेनाथ, शंभू

शराब - अमृता, मदिरा, सुरा, दारू, मद्द

शत्रुघ्न - रिपुदमन, रिपुसूदन

शब्द - मुखर, ध्वनी, नाद, निनाद, स्वन, घोष

शत्रु - अरि, अमित्र, दुश्मन, विपक्षी, बैरी, रिपु

षड्यंत्र - अभिसंधि, साजिश, दुरभिसंधि, कुचक्र

श्वास - सांस, प्राण, दम

शोभा - सौंदर्य, सुंदरता, मनोहरता, सुषमा

शूर - बहादुर, सुरमा, पराक्रमी, वीर

शुभ - कल्याणकारी, शुभकर, मंगलकारी, मंगल

शीत - सर्दी, ठंड, जाड़ा

शिक्षा - उपदेश, नसीहत, प्रशिक्षण, तालीम

'स'

सुंदरता - खूबसूरती, मंजुलता, मनोहरता, अभिरामता, छवि

समकालीन - समसामयिक, समकालिक, सहवर्ती, एककालीन

संक्रामक - छुतहा, संसर्गजन्य, सांसर्गिक, स्पर्शज

स्वर्ग - स्वर्ग, इंद्रपुरी, अमरलोक, परलोक, देवलोक, अमरपुरी

सम्राट - महाराजा, राजाधिराज, अधिपति, अधीश्वर, छत्रपति, राजा

सोना - कंचन, कनक, हेम, पुष्कल, कुंदन, जातरूप

सूर्य - मरीची, सविता, भानु, दिनेश, अंशुमाली, दिनकर, भाष्कर, मार्तंड, प्रभाकर दिवाकर

सागर - रत्नाकर, जलधि, पयोधि, समुद्र, नीरनिधि

'ह'

हिमालय - शैलेन्द्र, नगपति, हिमाद्री, नगराज, हिमाचल, गिरिराज, गिरिश्रेष्ठ

हित - कल्याण, मंगल, भलाई, भला, उपकार

हानिकारक - नुकसानदेह, अलाभकर, अलाभप्रद, क्षतिकारक, घातक

हनुमान - पवनकुमार, महावीर, पवनसुत, रामदूत, बजरंग, कपीश, अंजनीपुत्र, राम भक्त, मारु

तिनंदन, बजरंगबली

'ज्ञ'

ज्ञाप - स्मरण पत्र, जताना, ज्ञापन

ज्ञानी - विद्वान, पंडित, ज्ञाता, जानकार, विज्ञ

ज्ञान - जानकारी, विज्ञता, प्राज्ञता, ज्ञानवत्ता

एक से अधिक शब्दों के पर्याय के रूप में प्रयुक्त पर्याय

चंचला - लक्ष्मी, जीभ

चश्मा - ऐनक, झरना

अमृत - दूध, औषधि, जल

कटि - हाथी, कमर

कर - हाथ, किरण, शुल्क

अरुण - सिंदूरी, सूर्य, सूर्य-सारथी, सोना, लाल, गुड़

प्लवंग - बंदर, मेंढक

भार्गवी - पार्वती, दूब, लक्ष्मी, देवयानी

Nitin-Gupta.com

तामरस	- सोना, तांबा, धतूरा, कमल	**धनंजय**	- अर्जुन, विष्णु, अग्नि, नाग
श्यामा	- यमुना, द्रौपदी, कोयल	**मकरंद**	- शहद, कमल
पुष्कल	- पर्याप्त, स्वर्ण	**कृष्णा**	- यमुना, द्रौपदी
अयस	- सोना, लोहा, धातु	**शिखी**	- मोर, अग्नि
पतंग	- सूर्य, पक्षी, नौका	**कौशिक**	- उल्लू, इंद्र
इला	- पृथ्वी, सरस्वती	**रसाल**	- गन्ना, आम

महत्वपूर्ण देवों/देवियों के पर्याय

विष्णु - चतुर्भुज, मुकुंद, दामोदर, केशव, जनार्दन, चक्रपाणि, नारायण, उपेंद्र, पद्मनाभ, गोविन्द, लक्ष्मीपति, विश्वरूप, कमलापति, ऋषिकेश, पीतांबर, माधव

गणेश - विनायक, लंबोदर, गणाधिप, मूषकवाहन, गजवदन, गणपति, भवानीनंदन महाकाय, मोदकप्रिय, गिरिजानन्दन, गौरीसुत, वक्रतुंड, विघ्नेश, गजानन,

शिव - चंद्रशेखर, भूतेष, गिरीश, शंकर, पशुपति, महेश, नीलकंठ, श्रीकंठ, महादेव, त्रिलोचन, ब्योमकेश, केशव, उमापति, वामदेव, सर्वज्ञ, भोलेनाथ, कैलाशपति, भूतनाथ, गिरिजापति, आशुतोष, गंगाधर

ब्रह्मा - पितामह, चतुरानन, स्वयम्भू, आत्मभू, लोकेश, विधाता, विरंचि, प्रजापति, कमलासन, हंस, गर्भकर्ता, सृष्टिकर्ता

सूर्य - भानु, सविता, मरीची, हंस, पतंग, तरणि, दिनेश, अंशुमाली, दिनकर, रवि, भाष्कर, मार्तंड, प्रभाकर, दिवाकर, आदित्य

चंद्रमा - सुधाकर, शशि, तारापति, दिवाकर, हिमकर, चंद्र, चाँद, मयंक, निशाकर, तारकेश, सुधांशु, कलानिधि, रजनीपति, रजनीकर, हिमांशु, राकेश, राकापति

परशुराम - भार्गव, परशुधर, रेणुकातनय, भृगुनंदन

कामदेव - मनोभव, मिनकेतु, मनोज, मदन, आनंद, पुष्पधन्वा, पुष्पचाप, विश्वकेतु

पृथ्वी - धरणी, भूमि, मही, अवनि, वसुंधरा, रत्नगर्भा, इला, मेदिनी, जगती, क्षिति

गंगा - देवनदी, भागीरथी, मंदाकिनी, अलकनंदा, विष्णुपदी, ध्रुवनंदा, सुरसरित,

यमुना - कालिंदी, भानुजा, तरिणी-तनुजा, सूर्य, अर्कजा, सूर्यसुता, कृष्णा

सरस्वती - महाश्वेता, हंसवाहिनी, वीणावादिनी, भारती, शारदा विमला, ब्राह्मी, इला, बागेश्वरी, वागीशा

लक्ष्मी - पदमा, भार्गवी, इन्दिरा, समुद्रजा, विष्णुप्रिया, सिंधुसुता, हरिप्रिया, चंचला चपला, कमल, लोकमाता, कमलासन

रामचंद्र - रघुनंदन, रघुवर, राघव, रघुपति, राम, रघुराज, सीतापति, अवधेश, जानकीवल्लभ, जानकीपति, रघुवर, पुरुषोत्तम

इंद्र - देवराज, पुरंदर, अमरपति, देवेश, सुरेश, मधवा, अमरेश, मेघपति, कौशिक महेंद्र, सुरपति, शक्र

Nitin-Gupta.com

4. तत्सम एवं तद्भव शब्द

ध्वनियों के मेल से बनने वाले सार्थक वर्ण समुदाय को "**शब्द**" कहते हैं। शब्दों की रचना ध्वनि और अर्थ के मेल से होती है। इस प्रकार एक या एक से अधिक वर्णों से मिलकर बनी स्वतंत्र सार्थक ध्वनि को शब्द कहते हैं, उदाहरण के लिए- लड़का, इसलिए, किंतु, परंतु, इत्यादि। शब्द सामान्यतः दो प्रकार के होते हैं- सार्थक शब्द और निरर्थक शब्द। एक तरफ जहाँ सार्थक शब्दों के अर्थ होते हैं तथा इनका अर्थ स्पष्ट और सुनिश्चित होता है, वहीं दूसरी तरफ निरर्थक शब्दों का कोई भी अर्थ नहीं होता है। अतः व्याकरण में निरर्थक शब्दों पर विचार नहीं किया जाता है।

व्युत्पत्ति की दृष्टि से शब्दों के निम्नलिखित चार भेद हैं- **तत्सम, तद्भव, देशज** एवं **विदेशी** शब्द।

तत्सम:

किसी भाषा के मूल शब्द को "तत्सम" कहते हैं। तत्सम दो शब्दों "तत + सम " से मिलकर बना है, जिसका शाब्दिक अर्थ है 'उसी के समान'। यहां 'उसी' से तात्पर्य वही पुरानी भाषा से है, अर्थात' संस्कृत' भाषा। इस प्रकार हिंदी भाषा के वे शब्द जो संस्कृत से ज्यों के त्यों ग्रहण कर लिए गए हैं तथा जिनमें कोई भी ध्वनि परिवर्तन नहीं हुआ है, उन्हें "तत्सम" शब्द कहते हैं, जैसे- सूर्य, प्रकाश, अग्नि, वायु इत्यादि।

तद्भव:

हिंदी भाषा के ऐसे शब्द जो संस्कृत और प्राकृत से विकृत होकर आए हैं, उन्हें "**तद्भव**" कहते हैं। तद्भव दो शब्दों "तत + भव" के मेल से बना है, जिसका शाब्दिक अर्थ है 'उससे (संस्कृत से) उत्पन्न'। इस प्रकार संस्कृत भाषा या प्राकृत भाषा के ऐसे शब्द जिनका हिंदी भाषा में प्रयोग करने पर स्वरूप बदल जाता है, उन्हें तद्भव शब्द कहते हैं। इस प्रकार तद्भव शब्द दो प्रकार के होते हैं -

1) संस्कृत से आने वाले तद्भव और
2) सीधे प्राकृत से आने वाले तद्भव

उदाहरण के लिए-

संस्कृत	**प्राकृत**	**तद्भव (हिंदी)**
चतुर्दश	चोद्दस	चौदह
पुष्प	पुप्फ	फूल
अग्नि	अग्गि	आग
वचन	वअण	बैन
चतुर्थ	चउट्थ	चौथा
मयूर	मऊर	मोर
नव	नअ	नौ
चत्वारि	चत्तारि	चार
मध्य	मज्झ	में
वत्स	वच्छ	बच्चा
प्रिय	प्रिय	पिय/पिया

विभिन्न परीक्षाओं में पूछे गए तद्भव और तत्सम शब्द

U.P. R.O./A.R.O. (PRE) EXAM, 2010

तद्भव	**तत्सम**	**तद्भव**	**तत्सम**	**तद्भव**	**तत्सम**
भँवरा	भ्रमर	मुंह	मुख	आँख	अक्षि
सूरज	सूर्य	अँगीठी	अग्निष्ठिका	तीरथ	तीर्थ
खँडहर	खण्डगृह	गेहूँ	गोधूम	हल्दी	हरिद्रा
सिंगार	श्रृंगार				

Nitin-Gupta.com

R.O./A.R.O.SPL. (PRE) EXAM, 2010

कन्धा	स्कंद	अँधेरा	अंधकार	कपास	कर्पास
पलंग	पर्यंक	घड़ा	घट	घोड़ा	घोटक
आग	अग्नि	मोती	मौक्तिक	देवर	व्दिवर
पैर	पाद	भैंस	महिषी	सच	सत्य
माँ	ममता	गोबर	गोमय	टकसाल	टंकशाला
अकाज	अकार्य	अखरोट	अक्षोट		

U.P.R.O./A.R.O. (PRE) EXAM, 2013

ससुर	श्वसुर	तीखा	तिक्त	रात	रात्रि
चूरन	चूर्ण	मनई	मानव	बाघ	व्याघ्र
ढ़ीठ	धृष्ट	कुंआ	कूप	आधा	अर्ध

U.P.R.O./A.R.O. (PRE) EXAM, 2014

मक्खी	मक्षिका	गीध	गृध्र	केवट	कैवर्त्त
किवाड़	कपाट	कपड़ा	कर्पट	अकेला	एकल
सींग	श्रृंग	नारियल	नारिकेल	हुलास	उल्लास
हल्दी	हरिद्रा				

U.P. R.O./A.R.O. (PRE) EXAM, 2017

उल्लू	उलूक	अखरोट	अक्षोट	घर	गृह
ओझा	उपाध्याय	मिट्टी	मृत्तिका	मोती	मौक्तिक
बारात	वरयात्रा	सेठ	श्रेष्ठी	जोन्ह	ज्योत्स्ना
सांझ	संध्या	सांकल	श्रृंखला	सपूत	सुपुत्र
पोथी	पुस्तक	कुआं	कूप		

U.P. R.O./A.R.O. (PRE) EXAM, 2016 (निरस्त)

ऊन	ऊर्ण	चना	चणक	बेंत	वेत्र
पूँजी	पुञ्ज	चबूतरा	चत्वाल	अटल	स्थिर
डायन	डाकिनी	जामुन	जंबु	थाली	स्थाली

U.P.R.O./A.R.O. (PRE). RE.EXAM, 2016

घोड़ा	घोटक	आँसू	अश्रु	कैथा	कपित्थ
ऊँचा	उच्च	बंदर	वानर	इकट्ठा	एकत्र
खोपड़ी	कर्पर	सत्तू	सक्तु	उल्लू	उलूक
उजला	उजज्वल	उछाह	उल्लास	झीना	जीर्ण
गाहक	ग्राहक	दही	दधि	अगहन	अग्रहायण
चौदह	चतुर्दश	भीतर	आभ्यंतर	कपड़ा	कर्पट
ओंठ	ओष्ठ	परिवा	प्रतिपदा	पलंग	पर्यंक

U.P. R.O./A.R.O. (PRE) EXAM, 2021

पंद्रह	पंचदश	पंख	पक्ष	गुफा	गुहा
जमाई	जामातृ	जोगी	योगी	दाख	द्राक्षा

Nitin-Gupta.com

दाहिना	दक्षिण	नंगा	नग्न	आँगन	अंगण
चौखठ	चतुष्काठ	चौक	चतुष्क	चौपाया	चतुष्पद
हँसी	हास्य	हाथ	हस्त	गेहूँ	गोधूम
हाथी	हस्ती	बंदर	वानर	कपड़ा	कर्पट
बांझ	बंध्या	पंगत	पंक्ति	जोबन	यौवन
दाढ़ी	दंष्ट्रिका	चौथा	चतुर्थ	गोद	क्रोड
गोत	गोत्र	हथनी	हस्तिनी	गोह	गोधा

R.O./A.R.O. (MAIN) EXAM, 2010

तद्भव	**तत्सम**	**तद्भव**	**तत्सम**	**तद्भव**	**तत्सम**
तेल	तैल	पीपल	पिप्पल	करोड़	कोटि
मक्खन	मंथज	देवर	व्दिवर	खीर	क्षीर
खप्पर/खपड़ा	खर्पर	धीरज	धैर्य	आज	अद्द
तुरंत	त्वरित	किवाड़	कपाट	गहरा	गम्भीर
पुराना	पुरातन	बैन	वचन	कपड़ा	कर्पट
दही	दधि	दूध	दुग्ध		

R.O./A.R.O.SPL. (MAIN) EXAM, 2010

पलंग	पर्यंक	खीर	क्षीर	गोबर	गोम
ऊँट	उष्ट्र	तीता	तिक्त	तुरंत	त्वरित
घी	घृत	देवर	व्दिवर	बंदर	वानर
सूरज	सूर्य	अँगीठी	अग्निष्ठिका	पत्र	पर्ण
सौत	सपत्नी				

R.O./A.R.O. (MAIN) EXAM, 2013

दीठि	दृष्टि	अच्छर	अक्षर	अपजस	अपयश
सुन्नर	सुन्दर	मुदरी	मुद्रिका	भँवरा	भ्रमर
सिंगार	श्रृंगार				

R.O./A.R.O. (MAIN) EXAM, 2014

बिगाड़	विकार	मिट्टी	मृतिका	नंगा	नग्न
तीन	त्रिणी	भँवरा	भ्रमर	अटारी	अट्टालिका
कोयल	कोकिल	कपूर	कर्पूर	ढीठ	धृष्ट
खप्पर	खर्पर	केवड़ा	कर्कट	काँटा	कंटक
उजाला	उज्जवल	अचरज	आश्चर्य	किवाड़	कपाट
कपड़ा	कर्पट				

U.P.R.O./A.R.O. (MAIN) EXAM, 2017

साँस	नि: श्वास	उसास	उच्छवास	मीठा	मिष्ट
रहट	अरघट्ट	लाख	लक्ष	लोहार	लौहकार
उलाहना	उपालंभ	गोत	गोत्र	सिंघाड़ा	श्रृंगाटक
बत्ती	वर्तिका				

Nitin-Gupta.com

U.P.R.O./A.R.O. (MAIN) EXAM, 2016

अपाहिज	अपादहस्त	कौड़ी	कपर्दिका	पनसारी	पण्यशालिक
बाँका	वक्र	पतोहू	पुत्रवधू	पछतावा	पश्चाताप
पकवान	पक्वान्न	पिटारा	पिटक	तिरछा	तिर्यक
भगत	भक्त	अदरक	आर्द्रक	अँगीठी	अग्निष्ठिका
सेठ	श्रेष्ठी	ओझा	उपाध्याय	पसीना	प्रस्वेद
गेहूँ	गोधूम	ओस	अवश्याय		

U.P.R.O./A.R.O. (MAIN) EXAM, 2021

सुघड़	सुघट्ट	गोबर	गोमय	उबटन	उव्दर्तन
ईख	ईक्षु	छाछ	इच्छिका	आग	अग्नि
आवाँ	आपाक	उघाड़ना	उद्‌घाटन	उगलना	उद्गलन
इतवार	आदित्यवार	अदरक	आर्द्रक	मीठा	मिष्ट
कंघी	कंकती	रहट	अरघट्ट	सेठ	श्रेष्ठी
कड़वा	कटु	कुत्ता	कुक्कुर	पड़ोसी	प्रतिवेशी
पनसारी	पण्यशालिक	नैहर	ज्ञातिगृह		

U.P.P.C.S (PRE) EXAM, 2014

तद्भव	तत्सम	तद्भव	तत्सम	तद्भव	तत्सम
हाथ	हस्त	पत्ता	पत्र	अँधेरा	अंधकार

U.P.P.C.S (PRE). R.I. EXAM, 2014

लाज	लज्जा	पीठ	पृष्ठ	पंख	पक्ष
नेह	स्नेह	पिय	प्रिय	गधा	गर्दभ
कबूतर	कपोत	कंधा	स्कन्ध	हल्दी	हरिद्रा
पंछी	पक्षी	निडर	निर्भय		

U.P.P.C.S (PRE) EXAM, 2015

मछली	मत्स्य	दही	दधि	करम	कर्म
भात	भक्त	कपड़ा	कर्पट	कपूर	कर्पूर
खेत	क्षेत्र				

U.P.P.C.S (PRE) EXAM, 2017

पहनना	परिधान	पहचान	प्रत्यभिज्ञान	पिटारा	पिटक
भभूत	विभूति				

U.P.P.C.S (PRE) EXAM, 2018-19

आग	अग्नि	चौदह	चतुर्दश	सलाई	शलाका
फूल	पुष्प	बच्चा	वत्स		

U.P.P.C.S (PRE) EXAM, 2021

पकवान	पक्वान्न	गीध	गृध	ओस	अवश्याय
नखत	नक्षत्र				

Nitin-Gupta.com

U.P.P.C.S (PRE) EXAM, 2022					
काठ	काष्ठ	दूध	दुग्ध	हाथ	हस्त
छत	क्षत	पत्ता	पत्र	चैत	चैत्र
चक्का	चक्र	आँच	अर्चि	आरसी	आदर्शिका
अदरक	आर्द्रक	आम	आम्र		
U.P. LOWER SUB. (MAIN) EXAM, 2015					
सुई	सूचिका	धरती	धरित्री	सियार	श्रृगाल
पत्थर	प्रस्तर	डंडा	दण्ड		
U.P. LOWER SUB. (MAIN) EXAM, 2009					
महुआ	मधूक	हल्दी	हरिद्रा	गोबर	गोमय
सियार	श्रृगाल	लंगोट	लिंगपट्ट		
U.P. LOWER SUB.SPL. (MAIN) EXAM, 2008					
धुआँ	धूम	ओठ	ओष्ठ	जिजमान	यजमान
बहरा	बधिर	अमिय	अमृत		
U.P. LOWER SUB. (MAIN) EXAM, 2008					
ससुर	श्वसुर	भतीज	भ्रातृव्य	देवर	व्दिवर
जेठ	ज्येष्ठ	सौत	सपत्नी		
U.P. LOWER SUB.SPL. (MAIN) EXAM, 2006					
चख	स्वाद	पीठ	पृष्ठ	कोख	कुक्षि
छठा	षष्ठ	विसरना	विस्मृत		
U.P. LOWER SUB. (MAIN) EXAM, 2004					
भूख	बुभुक्षा	पत्थर	प्रस्तर	कंधा	स्कन्ध
कड़वा	कटु	मिट्टी	मृतिका		
U.P. LOWER SUB. (MAIN) EXAM, 2003					
दही	दधि	नीम	निम्ब	गेंहूँ	गोधूम
आँसू	अश्रु	खेत	क्षेत्र		
U.P. LOWER SUB. SPL. (MAIN) EXAM, 2002					
बच्चा	वत्स	आँख	अक्षि	चौथा	चतुर्थ
आम	आम्र	भगत	भक्त		
U.P. LOWER SUB. (MAIN) EXAM, 2002					
मौत	मृत्यु	कान्ह	कृष्ण	परगट	प्रकट
अचरज	आश्चर्य	गँवार	ग्रामीण		
U.P.A.P.O. (MAIN) EXAM, 2007					
माथा	मस्तक	पत्थर	प्रस्तर	नाच	नृत्य
साखी	साक्षी				

Nitin-Gupta.com

U.P.A.P.O. (MAIN) EXAM, 2006

आग	अग्नि	चौथा	चतुर्थ	पोथी	पुस्तक
सौत	सपत्नी	मोर	मयूर		

U.P.A.P.O. (MAIN) EXAM, 2002

घर	गृह	आसमान	आकाश	आग	अग्नि
केस	केश	बच्चा	वत्स	जबान	जिह्वा

U.P.A.P.O. S.C. (MAIN) EXAM, 1997

आँसू	अश्रु	कड़वा	कटु	दूध	दुग्ध
गनेश	गणेश	फूल	पुष्प		

U.P.A.P.O. (MAIN) EXAM, 1997

पुराना	पुराण/पुरातन	घर	गृह	गाँठ	ग्रंथि
आग	अग्नि	आँसू	अश्रु		

U.P.A.P.O. (MAIN) EXAM, 1996

गाय	गो	नेह	स्नेह	गीध	गृध्र
खेत	क्षेत्र	सक्र	शक्कर		

U.P.A.P.O. (MAIN) EXAM, 1988

बछड़ा	वत्स	घोड़ा	घोटक	गधा	गर्दभ
अंगोछा	अंगप्रौंछा	नाक	नक्र		

U.P.A.P.O. (MAIN) EXAM, 1994

दरसन	दर्शन	सबद	शब्द	पुरुषारथ	पुरुषार्थ
तीरथ	तीर्थ	मानस	मनुष्य		

B.ED. EXAM, 2006 से अब तक

असीस	आशीष	दूध	दुग्ध	परीछा	परीक्षा
अच्छर	अक्षर	काज	कार्य	कान्ह	कृष्ण
विआह	विवाह	चाँद	चन्द्र	ससुर	श्वसुर
लोहा	लौह	बंदर	वानर	अच्छर	अक्षर
अमिय	अमृत	घर	गृह	खेत	क्षेत्र
लाख	लक्ष	मोर	मयूर	सोलह	षोडश
सोना	स्वर्ण	बच्चा	वत्स	सरसों	सर्षप
बांसुरी	बंसी	भगत	भक्त	सावन	श्रावण
साखी	साक्षी	दूध	दुग्ध	खीर	क्षीर
मक्खन	म्रक्षण	देवर	व्दिवर	कान	कर्ण
गँवार	ग्रामीण	मौत	मृत्यु	भभूत	विभूति
कंगन	कंकण	पसीना	प्रस्विन्न	दाहिना	दक्षिण
शिस्य	शिष्य	आँसू	अश्रु	खेत	क्षेत्र
कौआ	काक:	ईंट	इसिका	आँख	अक्षि
आम	आम्र	साखी	साक्षी	परख	परीक्षा
करोड़	कोटि				

Nitin-Gupta.com

अन्य मत्वपूर्ण तद्भव तत्सम

'अ'

तद्भव	तत्सम	तद्भव	तत्सम	तद्भव	तत्सम
अंडी	एरंडी	अँगोछा	अंगप्रौंछा	अँगीठी	अग्निष्ठिका
अँगरखा	अंगरक्षक	अकाज	अकार्य	अस्तुति	स्तुति
अस्सी	अशीति	अगुवा	अग्रणी	अंजान	अज्ञान
अटारी	अट्टालिका	असीस	आशीष	अंगारा	अंगार
अंजली	अंजलि	अनाड़ी	अनार्य	अफीम	अहि-फेन
अमोल	अमूल्य	अँगूठी	अंगुष्ठिका	अंगूठा	अंगुष्ठ
अच्छर	अक्षर	अंगूरी	अंगुली	अगार	आगार
अहीर	आभीर	अहेर	आखेट	असाढ़	आषाढ़
अलग	अलग्न	अलोना	अलवण	अमावस	अमावस्या
अमचूर	आम्रचूर्ण	अमी/अमिय	अमृत	अम्मा	अंबा
अपना	आत्मन:	अपाहज	अपादहस्त	अनी	अणी
अनूठा	अनुत्थ	अधूरा	अर्धपूरक	अट्ठावन	अष्टपंचाशत
अदरक	आर्द्रक	अड़सठ	अष्टाजष्टि	अढ़ाई	अर्धतृतीय
अठखेली	अष्टकेली	अट्ठासी	अष्टाशीति	अट्ठानबे	अष्टानवति
अचरज	आश्चर्य	आकास	आकाश	अगाड़ी	अग्रणी
अगम	अगम्य	अखरोट	अक्षोट	अखाड़ा	अक्षवाट
अकेला	एकल	अंस	अंश	अंधेरा	अंधकार
अंधा	अंध	अफवाह	किंवदन्ती	अथवा	किंवा
अँतड़ी	अंत्र	अगहन	अग्रहायण	अंत: करण	अंतस
अचवन	आचमन	अच्छत	अक्षत	अरपन	अर्पण
अधरम	अधर्म				

'आ'

आवन	पंचाशत	आलस	आलस्य	आँवला	आमलक
आँच	अर्चि	आँसू	अश्रु	आसरा	आश्रय
आम	आम्र	आस	आशा	आंत	आंत्र
आँक	अंक	आँख	अक्षि	आज	अद्य/आद्द
आग	अग्नि	आंचर	आंचल	आयसु	आदेश
आभूसन	आभूषण	आढत	आढयत्व	आप	आत्म
आठ	अष्ट	आधा	अर्ध/अर्द्ध	आलीस	चत्वारिंशत
आरसी	आदर्शिका				

'इ'

इधर	यत्र	इक्यावन	एकपंचाशत	इक्यासी	एकाशीति
इक्कीस	एकविंशति	इकसठ	एकषष्ठी	इकतालीस	एकचत्वारिंशत
इकतीस	एकत्रिंशत	इतना	इयत	इतवार	आदित्यवार
इस	एतस्य	इकट्ठा	एकत्र	इमली	अम्लिका
इलायची	एला				

Nitin-Gupta.com

'ई'

ईख	इक्षु	ईंधन	इन्धन	ईंट	इष्टिका
ईर्षा	ईर्ष्या				

'उ'

उपास	उपवास	उजड्ड	उज्जड	उघाड़ना	उद्घाटन
उगलना	उद्गलन	उगना	उद्गत	उन्चास	ऊनपंचाशत
उन्तालीस	उनचंत्वारिंशत	उन्तीस	ऊनत्रिंशत	उन्नीस	ऊनविंशति
उबालना	उव्दालन	उड़	उड्डु	उठ	उत्तिष्ठ
उपजना	उत्पद्दते	उस	अमुष्य	उठान	उत्थान
उलाहना	उपालम्भ	उल्लू	उलूक	उबटन	उव्दर्तन
उपरोक्त	उपर्युक्त	उछाह	उत्साह	उजला	उजज्वल
उँगली	अंगुली	उसास	उच्छवास		

'ऊ'

ऊखल	उद्खल	ऊन	ऊर्ण	ऊँट	उष्ट्र
ऊँचा	उच्च				

'ए'/'ऐ'

ऐसा	ईदृश	इकलौता	एकल पुत्र:	एका	ऐक्य
एक	एक				

'ओ'/'औ'

और	अपरं	औंधा	अवमूर्ध	औगुन	अवगुण
ओला	उपल	ओझा	उपाध्याय	ओस	अवश्याय
ओर	अवर	ओंठ	ओष्ठ	ओखल	उद्खल
ओखली	उलूखल				

'क'

कूदना	कूर्दन	कूची	कूर्चिका	कुम्हड़ा	कुष्माण्ड
कुंजी	कुंचिका	कूर	क्रूर	कुआँ	कूप
कुम्हार	कुम्भकार	कोयल	कोकिल	कुटुम	कुटुम्ब
काठ	काष्ठ	काज	कार्य	कपास	कर्पास
काँटा	कंटक	कसेरा	कांस्यकार	क्रोड	गोद
कौड़ी	कपर्दिका	कंगाल	कङ्गाल	कुत्ता	कुक्कुर
किसान	कृषक	कुदारी	कुद्दाल	कारज	कार्य
किसन	कृष्ण	करोड़	कोटि	कबूतर	कपोत
कछुआ	कच्छप	कपूत	कुपुत्र	काम	कर्म
करतब	कर्तव्य	किवाड़	कपाट	केला	कदली
के	कृते	का	कृत	कन्धा	स्कन्ध
कंघी	कंकती	कंगन	कंकण	कोहनी	कफोणी
कोस	क्रोश	कोना	कोण	कोढ़ी	कुष्ठी

Nitin-Gupta.com
UPPSC WALLAH

कोढ	कुष्ठ	कोठारी	कोष्ठागारिक	कोठी	कोष्ठिका
कोठा	कोष्ठक	कोई	कोऽपि	कैथा	कपित्थ
केवट	कैवर्त	केकड़ा	कर्कट	कूड़ा	कूट
कितना	कियत्	कसौटी	कर्षपट्टिका	कुँवारा	कुमारकः
कीड़ा	कीटक	कन	कण	कान्हा	कृष्ण
काढा	क्वाथ	काटना	कर्तन	काट	कर्त
कंचन	कांचन				

'ख'

खाजा	खाद्य	खलित	स्वखलित	खोदना	क्षोदना
खैर	खादिर	खेल	केलि	खेती	क्षेत्रित
खेत	क्षेत्र	खुर	क्षुर	खीर	क्षीर
खार	क्षार	खाना	खादन	खान	खनि
खटिया	खटवा	खाज/खुजली	खर्जू	खाई	खात
खाँसी	कास	खम्भा	स्तम्भ	खप्पर	खर्पर
खत्री	क्षत्रिय	खजूर	खर्जूर	खंडहर	खंडगृह

'ग'

गाहक	ग्राहक	गाभिन	गर्भिणी	गागर	गर्गर
गाँठ	ग्रन्थि	गलना	गलन	गाजर	गृंजन
गेहूँ	गोधूम	गुन	गुण	गोबर	गोमय
गिद्ध	गृध्र	गड्ढा	गर्त	गहरा	गंभीर
गोल	वर्तुल	गाय	गो/गौ	गाँव	ग्राम
गवैया	गायक	गदहा	गर्दभ	गँवार	ग्रामीण
गेरू	गैरिक	गर्दन	ग्रीवा	गिनना	गणना
गर्मी	ग्रीष्म	ग्वाला	गोपालक	ग्वाल	गोपाल
ग्यारह	एकादश	गौना	गमन	गोह	गोधा
गोरा	गौर	गोत	गोत्र	गेंद	कंदुक
गूँजना	गुंजन	गुसाईं	गोस्वामी	गुफा	गुहा

'घ'

घरनी	गृहिणी	घोड़ा	घोटक	घूँघट	गुंठन
घुँघची	गुंजा	घी	घृत	घिसना	घृषण
घिन	घृणा	घाव	घात	घाम	घर्म
घड़ी	घटी	घड़ा	घट	घर	गृह

'च'

चुनना	चिनोति	चिकना	चिक्कण	चाहे	चक्षते
चालीस	चत्वारिंशत	चार	चत्वारि	चाँदनी	चन्द्रिका
चाँद	चंद्र	चबाना	चवर्ण	चक्का	चक्र
चकवा	चक्रवाक	चूना	चूर्ण	चुल्लू	चुल्लक
चमड़ा	चर्म	चोंच	चंचु	चौपाया	चतुष्पद

Nitin-Gupta.com

चीता	चित्रक	चोरी	चोर्य	चितेरा	चित्रकार
चोर	चौर	चना	चणक	चमार	चर्मकार
चख	चक्षु	चबूतरा	चर्वुतरा	चाक	चक्र
चरन	चरण	चरित	चरित्र	चौबे	चतुर्वेदी
चौहत्तर	चतुस्सप्तति	चौंसठ	चतुष्षष्ठि	चौंरी	चमरी
चौरासी	चतु: शीति	चौबीस	चतुर्विंशती	चौ	चतु:
चौदह	चतुर्दश	चौथा	चतुर्थ	चौथाई	चतुर्थांश
चौखट	चतुष्काठ	चौक	चतुष्क	चौकन्ना	सुचेतस्
चौंतीस	चतुस्त्रिंशत्	चैत	चैत्र	चूमना	चुंबन
चुनना	चयन				

'छ'

छाता	छत्रक	छाजन	छादन	छाँह	छाया
छड़ी	यष्टि	छकड़ा	शकट	छक्का	षट्क
छठा	षष्/षट्	छत	छत्र	छिन	क्षण
छोभ	क्षोभ	छोटा	क्षुद्र	छति	क्षति
छोड़ना	क्षोडन	छेनी	छेदनी	छेद	छिद्र
छुरी	क्षुरिका	छिलका	शकल		

'ज'

जेठ	ज्येष्ठ	जिस	यस्य	जजमान	यजमान
जानना	ज्ञान	जाना	याति	जाड़ा	जाड्य
जागना	जाग्रति	जाँघ	जंघा	जँवा	युवा
जवान	युवक	जलना	ज्वलन	जम्हाई	जृम्भिका
जनेऊ	यज्ञोपवीत	जम	यम	जड़	जटा
जहाँ	यत्र	जब	यदा	जमुना	जमुना
जोबन	यौवन	जौ	यव	जत्था	यूथ
जमाई	जामातृ	जुगति	युक्ति	जँगला	वातायन
जीभ	जिह्वा	जुआ	द्दूत	जोधा	योद्धा
जनम	जन्म	जोत	ज्योति	जामुन	जंबु
जोड़ा	युग्म	जोगी	योगी	जो	य:
जैसा	यादृश				

'झ'

झनकार	झणत्कार	झाँवाँ	झामक	झंडा	ध्वज
झरोखा	जालक	झूठा	जुष्ट	झीना	जीर्ण
झरना	निर्झर	झट	झटिति		

'ट'/'ठ'

ठाँव	स्थान	ठंडा	स्तब्ध	टूटना	त्रुट्यते
टिटिहरी	टिट्टिभी	टाट	तंतु	टकसाल	टंकशाला

Nitin-Gupta.com

Nitin-Gupta.com

‘ड’

डंडा	डंड	डेढ	अध्यर्द्ध	डाह	दाह
डाढ़	दंष्ट्रा	डाइन	डाकिनी	डाँड़	दण्ड
डसना	दंशन	डर	दर	डंक	दंश

‘ढ’

ढौंचा	अर्धपंच	ढूह	स्तूप	ढीला	शिथिल
ढीठ	धृष्ट	ढिंढोरा	डिंडम	ढाई	अर्धतृतीय
ढाक/पलास	आषाढक	ढहना	ध्वंसन		

‘त’

तेरस	त्रयोदश	तू	त्वं	तुरत	त्वरित
तुम	तुषमे	तुझ	तुभ्यम्	तीता	तिक्त
तीखा	तीक्ष्ण	तीजा	तृतीयक	तिरछा	तिरश्च
तिपाई	त्रिपाद	तिहाई	त्रिभागिका	तिनका	तृण
तिगुना	त्रिगुण	ताजा	सद्द	ताव	ताप
ताकना	तर्कन	तालाब	तड़ाग	तांबा	ताम्र
तमोली	ताम्बूलिक	तलवार	तरवारि	तब	तदा
तपना	तप्त	तंदुल	तंडुल	तरनी	तरणी
तमचूर	ताम्रचूर्ण	तीरथ	तीर्थ	तीतर	तित्तिरि
तपसी	तपस्वी	तैसा	तादृश	त्यौहार	तिथिवार
त्यों	तदा एवम	तोड़ना	त्रोटन	तो	तत:
तोंद	तुंद	तेल	तैल	तैंतालिस	त्रिचत्वारिंशत्
तैंतीस	त्रित्रिंशत्				

‘थ’

थाली	स्थाली	थोड़ा	स्तोक	थामना	स्तम्भन
थान	स्थान	था	स्थित	थल	स्थल
थन	स्तन	थंभ	स्तम्भ		

‘द’

दीठ	दृष्टि	दाँत	दंत	दाद	दद्रु
दरसन	दर्शन	दई	दैव	दबना	दमन
दही	दधि	दूब	दूर्वा	दुबे	द्विवेदी
दुपट्टा	द्विपर	दोहरा	द्विधा	दोना	द्रोण
दो	द्वौ	देवर	द्विवर	देखना	दृश
दूसरा	द्विसृत	दूल्हा	दुर्लभ	दूना	द्विगुण
दूध	दुग्ध	दूजा	द्वितीय	दुआर	द्वार
दिवाली	दीपावली	दीय	दीपक	दाहिना	दक्षिण
दास	किंकरदामाद	जामाता	दाढ़ी	दंष्ट्रिका दाढ़	दंष्ट्रा
दाख	द्राक्षा	दाई	धात्री	दसवाँ	दशम
देस	देश	दुबला	दुर्बल		

'ध'

धोना	धावन	धूर्त	वंचक	धूल	धूलि
धुआँ	धूम्र	धीरज	धैर्य	धरम	धर्म
धरती	धरित्री	धान	धान्य	धनिया	धनिका
धुन	ध्वनि				

'न'

नथ	नस्ता	नाती	नप्तृ	नाई	नापित
नाघना	लंघन	नहीं	नहि	नहना	नखहरण
नस	नस्य	नरसों	अन्य/परश्व	निन्नानवे	नवनवति
नया	नव्य	नंदोई	ननांदृपति	नेह	स्नेह
नंगा	नग्न	नींबू	निंबुक	नाखून	नख
नाक	नक्र	नाच	नृत्य	नारियल	नारिकेल
नोन	लवण	नोचना	लुंचन	नैन	नयन
नेवला	नकुल	नेवता	निमंत्रण	नींद	निद्रा
नीचे	नीचैः	नीचा	नीच्य	नहाई	निधाति
निभाना	निर्वहण	निडर	निर्दन	निठुर	निष्ठुर
निगलना	निर्गलन	नाह	नाथ	नैहर	ज्ञातिगृह
नखत	नक्षत्र	निहंग	निः संग	निबाह	निर्वाह

'प'

पछतावा	पश्चात्ताप	पगहा	प्रग्रह	पखवारा	पक्ष+वार
पक्का	पक्व	पकवान	पक्वान्न	पंगत	पंक्ति
पंख	पक्ष	पढ़ना	पठन	पत्थर	प्रस्तर
पतला	प्रतनु	पोखरा	पुष्कर	पाख	पक्ष
पोता	पौत्र	पतोहू	पुत्रवधू	पूत	पुत्र
पाठा	पुष्ट	पच्छी	पक्षी	पाती	पत्रिका
पान	पर्ण	पन्ना	पर्ण	पत्ता	पत्र
पात	पत्र	पाँव	पाद	पाहुना	प्राघूण
पूरा	पूर्ण	पड़ोसी	प्रतिवेशी	पलंग	पर्यंक
पाँक	पंक	पीढ़ी	पीठिका	पीढा	पीठक
पीठी	पिष्टिका	पिता	पितृ	पीछे	पश्चात
पिसन	पिसण	पिटारा	पिटक	पाहन	पाषाण
पानी	पानीय	पाना	प्रापण	पहुँच	प्रभुत्व
पहला	प्रथम	पहर	प्रहर	पहनना	परिधान
पहचान	प्रत्यभिज्ञान	पसीना	प्रस्वेद	पल्ला	पल्लव
पलड़ा	पटल	पपड़ी	पर्पटी	पापड़	पर्पट
पराठा	पर्पट	परसों	परश्वः	परस	स्पर्श
परमारथ	परमार्थ	परपोती	प्रपौत्री	परनाला	प्रणाल
परख	परीक्षा	पुतली	पुत्तलिका	परकोटा	परिकूट
पर	उपरि	पनसारी	पण्यशालिक	पढ़	पठ
परिवा	प्रतिपदा	पड़ना	पतन		

Nitin-Gupta.com

UPPSC WALLAH

‘फ’

फूलना	फुल्लन	फूल	फुल्ल	फूटना	स्फुटन
फुरती	स्फूर्ति	फागुन	फाल्गुन	फाँसी	पाशिका
फंद	बंद	फरसा/फरूआ	परशु	फिटकरी	स्फटिक
फुड़िया	पनसिका	फोड़ा	स्फोट		

‘ब’

बढ़ना	वर्द्धन	बड़ा	वृत्तक	बच्चा	वत्स
बगुला	वक	बखान	व्याख्यान	बकरा	वर्कर
बंदर	वानर	बँटना	बंटन	बादल	वारिद
ब्याह	विवाह	बटेर	वर्तक	बिच्छू	वृश्चिक
बेटा	वत्स	बैल	वृषभ	बढई	वर्द्धकी
बिजली	विद्दुत	बुरा	विरूप	बाग	वाटिका
बहू	वधू	बनारस	वाराणसी	बावड़ी	वापी
बाघ	व्याघ्र	बछड़ा	वत्स	बाँस	वंश
बहनोई	भगिनीपति	बहिन	भगिनी	बजरंग	वज्रांग
बीत	व्यतीत	बीघा	विग्रह	बिनती	विनती
बिगाड़	विकार	बिकना	विक्रयण	बाहर	वाह्य
बावला	वातुल	बालू	बालुका	बार	वार
बायाँ	वाम	बात	वार्ता	बाड़ी	वाटिका
बाट (रास्ता)	वर्त्म	बाजा	वाद्द	बाँह	बाहु
बाँधना	बंधन	बाँध	बंध	बाँझ	वन्ध्या
बाँसुरी	वंसी	बाँका	वक्र	बहरा	वधिर
बहुत	बहुल	बहेड़ा	विभीतिक	बसेरा	वासगृह
बारात	वर यात्रा	बरस	वर्ष	बरसना	वर्षण
बनिया	वणिक				

‘भ’

भांड	भंड	भांजा	भागिनेय	भाला	भल्ल
भला	भद्रक	भरोसा	परवश्यता	भभूत	विभूति
भत्ता	भृत्या	भर्तार	भर्तृ	भतीजा	भ्रातृज
भट्ठी	भ्राष्ट्रिका	भंडार	भांडागार	भसम	भस्मन
भूसन	भूषण	भेड़िया	वृक	भैंसा	महिष
भैंस	महिषी	भगत	भक्त	भंवरा	भ्रमर
भुवाल	भूपाल	भौंह	भ्रू	भेस	वेश
भूसा	बुष/बुस	भूख	बुभुक्षा	भीतर	अभ्यन्तर
भीख	भिक्षा	भी	अपि	भिखारी	भिक्षुक
भालू	भल्लुक	भाप	वाष्प	भादों	भाद्रपद
भात	ओदन	भाड़ा	भाटक	भाभी	भ्रातृभार्या
भाई	भ्रातृ				

Nitin-Gupta.com

'म'

मीठा	मिष्ट	मच्छरता (डाह)	मत्सर	बंदरिया/मकड़ी	मर्कटी
बंदर/मकड़ा	मर्कट	मछली	मत्स्य	मुँह	मुख
मुंदरी	मुद्रिका	मग	मार्ग	मुट्ठी	मुष्टिका
मक्खी	मक्षिका	मैल	मल	मेंढक	मंडूक
मेह	मेघ	में	मध्ये	मूँछ	श्मश्रु
मूँग	मुद्ग	मूँड़	मुंड	मुझे	मह्यम्
मुखिया	मुख्य	मुआ	मृत	मीत	मित्र
मिट्टी	मृत्तिका	मोची (छुड़ाने वाला)	मोचिन	मजिठ	मंजिष्ठ
मक्खन	म्रक्षण	मंडुआ	मण्डप	माथा	मस्तक
मठिया	मठ	मिठाई	मिष्टान्न		

'य'

युगल	युग्म	यों	एवम्	यहाँ	अत्र
यह	एष				

'र'

रोना	रुदन	राखी	रक्षा	रसोई	रसवती
रुखाई	रुक्षता	रोटी	रोटिका	रिझाना	रंजन
रँभाना	रंभण	रोपना	रोपण	रूप	रूप्य
रोआँ	रोम	रैन	रंजनी	रूठा	रुष्ट
रुखा	रुक्ष	रुख	वृक्ष	रीस	ईर्ष्या
रीता	रिक्त	रमना	रमण	रंगना	रंजन
रगड़ना	घर्षण	रीठा	अरिष्ट	रास (ढेर)	राशि
रानी	राज्ञी	रात	रात्रि	राजपूत	राजपुत्र
राख	क्षार	रस्सी	रश्मि	रत्ती	रक्तिका
रखना	रक्षण				

'ल'

लोग	लोक	लच्छन	लक्षण	लछमी	लक्ष्मी
लीख	लिक्षा	लोभी	लुब्ध	लीलार	ललाट
लोन	लवण	लौंग	लवंग	लोहार	लौहकार
लूक	उल्का	लोहा	लौह	लोयन	लोचन
लेई	लेपिका	लिपटना	लिप्त	लाज	लज्जा
लाख	लक्ष	लाख (पदार्थ)	लाक्षा	लड़ना	रणन
लटकाना	लट	लच्छा	लवगुच्छ	लगना	लगन
लखपति	लक्षपति	लकड़ी	लगुड़	लंगोट	लिंगपट्ट
लँगड़ा	लंग				

'व'

विछोह	विक्षोभ	वह	असौ

Nitin-Gupta.com

'श'					
शीशम	शिंशपा	शिस्य	शिष्य	शक्कर	शर्करा

'स'					
सहेली	सह हेलनी	सहिजन	शोभांजन	ससुराल	श्वसुरालय
ससुर	श्वसुर	सलोना	सलावण्य	सलाई	शलाका
सरसों	सर्षप	सयाना	सज्ञान	समेटना	समावर्तन
समझ	संबुद्धि	सपूत	सुपुत्र	सपना	स्वप्न
सनीचर	शनैश्चर	सत्तू	सक्तु	सौ	शत
सवा	सपाद	सत्त	सत्व	सताना	संतापन
सतसई	सप्तशती	सजाना	सज्जापन	सच	सत्य
सगा	स्वक	सकना	शक्यते	सँभल	सफल
सँडसी	संदर्शिका	सुआ	शुक	सूअर	शूकर
सीस	शीर्ष	सीला	शीतल	सीधा	शुद्ध
सीधा	असिद्ध	सीढी	श्रेणी	सीख	शिक्षा
सिर	शिर	सीना	सीवन	सितार	सप्ततार
सिक्ख	शिष्य	सींग	श्रृंग	सियार	श्रृगाल
सिंघाड़ा	श्रृंगाटक	सिंगार	श्रृंगार	साहू	साधु
साही	शल्यकी	सावन	श्रावण	सास	श्वश्रु
साला	श्याल	साथ	सार्थ	साढ़े	सार्द्ध
साड़ी	शाटी				

'ह'					
हुलास	उल्लास	हिरन	हरिण	होली	होलिका
हेठी	अध: स्थिति	होंठ	ओष्ठ	हीरा	हीरक
हींग	हिंगु	हिलना	हिल्लन	हिया	हृदय
हाथ	हस्त	हलका	लघुक	हरा	हरित
हरण	हरीतकी	हथौड़ा	हस्त	हँसी	हास्य
हल्दी	हरिद्रा	हाथी	हस्ति	हाट	हट्ट
हड्डी	अस्थि				

अन्य महत्वपूर्ण तद्भव तत्सम शब्दों की सूची

पक्षियों के नाम

तद्भव	तत्सम	तद्भव	तत्सम	तद्भव	तत्सम
उल्लू	उलूक	मक्खी	मक्षिका	गिद्ध	गृध्र
बगुला	वक	कौवा	काक	कोयल	कोकिल
मोर	मयूर	टिटिहरी	टिट्टिभी	सुग्गा	शुक
चिड़ा	चटक	चिड़िया	चटका		

Nitin-Gupta.com

UPPSC WALLAH

जानवरों के नाम

तद्भव	तत्सम	तद्भव	तत्सम	तद्भव	तत्सम
भालू	भल्लुक	चीता	चित्रक	हथिनी	हस्तिनी
हाथी	हस्ति	भैंसा	महिष	बैल	वृषभ
गाय	गौ	बाघ	व्याघ्र	शेर	सिंह
गधा	गर्दभ	घोड़ा	घोटक	हिरन	हरिण
बकरा	वर्कर	रीक्ष	ऋक्ष	सियार	श्रृगाल
सुअर	शूकर	ऊँट	उष्ट्र	कछुआ	कच्छप
सांड़	षण्ड	बछड़ा	वत्स	नेवला	नकुल
लोमड़ी	लोमशा	बंदर	वानर	कुत्ता	कुक्कुर

धातुओं के नाम

तद्भव	तत्सम	तद्भव	तत्सम	तद्भव	तत्सम
पीतल	पित्तल	हीरा	हीरक	चांदी	रजत
सोना	स्वर्ण	लोहा	लौह	कांसा	कांस्य
तांबा	ताम्र				

शरीर के अंगों के नाम

तद्भव	तत्सम	तद्भव	तत्सम	तद्भव	तत्सम
खोपड़ी	कपाल	अंगुरी	अंगुलि	पाँव	पाद
पैर	पद	कोहनी	कफोड़ी	कंधा	स्कंध
दाढ़ी	दंष्ट्रिका	आँसू	अश्रु	नाखून	नख
अंगूठा	अंगुष्ठ	हाथ	हस्त	गला	ग्रीवा
मूँछ	श्मश्रु	ओंठ	ओष्ठ	दाँत	दंत
मुँह	मुख	आँख	अक्षि	सिर	शिर
हड्डी	अस्थि	पीठ	पृष्ठ	चरन	चरण
तोंद	तुंद	नाक	नक्र	भौंह	भ्रू
आँत	आंत्र	जीभ	जिह्वा	फेफड़ा	फुफ्फुस

फल, सब्जी, वृक्ष & मसालो के नाम

तद्भव	तत्सम	तद्भव	तत्सम	तद्भव	तत्सम
अदरक	आर्द्रक	बेल	विल्व	पीपल	पिप्पल
खजूर	खर्जूर	ईख	इक्षु	अखरोट	अक्षोट
कटहल	कंटफल	इमली	अम्लिका	आंवला	आमलक
कैथा	कपित्थ	नींबू	निंबुक	नीम	निम्ब
कुम्हड़ा	कुष्माण्ड	नारियल	नारिकेल	केला	कदली
जामुन	जंबु	आम	आम्र	इलायची	एला
हल्दी	हरिद्रा	कपूर	कर्पूर	अमचूर	आम्रचूर्ण
अजवाइन	यवनिका	हींग	हिंगु	धनिया	धनिका
पान	पर्ण	मूंग	मुद्ग	लौंग	लवंग
लहसुन	लशुन				

Nitin-Gupta.com

अंकों के नाम

तद्भव	तत्सम	तद्भव	तत्सम	तद्भव	तत्सम
दस	दश	नौ	नव	आठ	अष्ट
सात	सप्त	छ:	षष्ठ	पांच	पंच
चार	चत्वारि	तीन	त्रीणि	दूना	व्दिगुण
एक	एक:	करोड़	कोटि	लाख	लक्ष
तेईस	त्रिविंशति				

संबंधों के नाम

तद्भव	तत्सम	तद्भव	तत्सम	तद्भव	तत्सम
सौत	सपत्नी	देवर	व्दिवर	दामाद	जामाता
ससुर	श्वसुर	चाचा	पितृव्य	भाई	भ्रातृ
माई	मातृ	माँ	माता	पिता	पितृ
बहिन	भगिनी	पूत	पुत्र	जेठ	ज्येष्ठ

Nitin-Gupta.com

5. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

किसी भाषा की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह होती है कि न्यूनतम शब्दों में सटीक और सारगर्भित अभिव्यक्ति की जाए। सटीकता से भाषा के प्रवाह मे सारगर्भिता, प्रभावशीलता तथा गंभीरता उत्पन्न होती है, इसके साथ ही भाषा अधिक प्रभावपूर्ण तथा प्रवाहमयी बन पाती है। न्यूनतम शब्दों का प्रयोग किसी भी भाषा को वक्ता और श्रोता दोनों की ही दृष्टि से कलात्मक प्रभावी और रोचक बनाता है। उदाहरण के लिए - यदि कोई व्यक्ति यह कहता है कि 'अमुक व्यक्ति कम जानकारी रखने वाला है' तो यहां पर उसने अपनी बात को अभिव्यक्त करने के लिए अधिक शब्द खर्च किया है तथा समय भी अधिक लिया है, जिससे उसकी भाषा बोझिल प्रतीत होती है, किंतु यदि उसी व्यक्ति द्वारा इसी बात को इस तरह से अभिव्यक्त किया जाए कि 'अमुक व्यक्ति अल्पज्ञ' है तो वह कम शब्दों तथा कम समय में अधिक प्रभावी व सटीक तरीके से अपनी बात को कह पाता है। इस दृष्टि से हिंदी भाषा के क्षेत्र में "गागर मे सागर" की कहावत को चरितार्थ करने के लिए अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द प्रयुक्त किए जाते हैं।

विभिन्न परीक्षाओं में पूछे गए प्रश्नोत्तर

UP RO/ARO SPL (PRE) EXAM, 2010

नियम विरुद्ध, सामाजिक कार्य करने वालों की सूची	- **काली सूची**
अपना उद्देश्य पूर्ण होने पर संतुष्ट	- **कृतार्थ**
गुरु के समीप रहकर शिक्षा ग्रहण करने वालों	- **अंतेवासी**
अपनी इच्छा से दूसरों की सेवा करने वाला	- **स्वयंसेवक**
'गिरा हुआ' के लिए एक शब्द	- **पतित**
उत्तराधिकार में प्राप्त संपत्ति	- **रिक्थ**
रनिवास में कड़े पदे में रहने वाली स्त्री	- **असूर्यंपश्या**
उपनिवेश से संबंध हो जिसका	- **औपनिवेशिक**
जिसे प्रमाण द्वारा सिद्ध न किया जा सके	- **अप्रमेय**
हाथी की पीठ पर रखे जाने वाले	- **हौदा**

UP RO/ARO SPL (PRE) EXAM, 2010

रंगमंच के पर्दे के पीछे का स्थान	- **नेपथ्य**
मोक्ष की इच्छा रखने वाला	- **मुमुक्षु**
जिसे बुलाया ना गया हो	-**अनाहूत**
जिसके पास कुछ न हो	- **अकिंचन**
आधी रात का समय	- **निशीथ**
खाद्य सामग्री जो यात्रा के समय रास्ते में उपयोग के लिए दी जाती है	- **पाथेय**
पेट की अग्नि	- **जठराग्नि**
जिसका जन्म कन्या के गर्भ से हुआ हो	- **कानीन**
दिशाएं ही जिनका वस्त्र हैं	- **दिगम्बर**
हवन में जलाने वाली लकड़ी	- **समिधा**

UP RO/ARO SPL (PRE) EXAM, 2013

जिस स्त्री का पति जीवित हो	- **सधवा**
जिसे जीता न जा सके	- **अजेय**
जिसका इलाज न हो सके	- **असाध्य**
तिलक लगाने के लिए जिस अन्न का प्रयोग किया जाता है	- **अक्षत**

Nitin-Gupta.com

बहुत अधिक बोलने वाला व्यक्ति	- **वाचाल**
जो क्षीण न हो सके	- **अक्षय**
जिसके हृदय में ममता नहीं है	- **निर्मम**
जिसके सिर पर चंद्र हो	- **चंद्रशेखर**
जो सब कुछ जानता है	- **सर्वज्ञ**
जिसका जन्म छोटी जाति (निचले वर्ण) में हुआ हो	- **अन्त्यज**

UP RO/ARO SPL (PRE) EXAM, 2014

थोड़ा नपा-तुला भोजन करने वाला	- **मिताहारी**
जिसकी कोई कीमत न हो सके वाक्यांश के लिए	- **अमूल्य**
पीछे-पीछे चलने वाला वाक्यांश के लिए	- **अनुगामी/अनुचर**
जिसके पेट में माँ ने रस्सी (दाम) बांध दी हो	- **दामोदर**
कनिष्ठिका और मध्यमा के बीच की ऊंगुली	- **अनामिका**
जिसकी पूर्व से कोई आशा न हो	- **अप्रत्याशित**
जिस किसी वस्तु की स्पृहा ना हो	- **नि: स्पृह**
जो अपने पद से हटाया गया हो	- **पदच्युत**
जिसके हृदय पर आघात हुआ हो	- **मर्माहत**
गुरु के समीप रहकर अध्ययन करने वाला	- **अंतेवासी**

UP RO/ARO SPL (PRE) EXAM, 2016

खोज करने वाला	- **अन्वेषक**
जिसका कोई शत्रु नहीं जन्मा है	- **अजातशत्रु**
जिसे दूर करना कठिन हो	- **दुर्निवार**
जिसका विवाह न हुआ हो	- **अपरिणीत**
स्वेद से उत्पन्न होने वाला	- **स्वेदज**
जिसके पास कुछ न हो	- **अकिंचन**
परंपरा से चली आ रही बात के लिए	- **अनुश्रुति**
आंखों से परे	- **अप्रत्यक्ष/परोक्ष**
जो व्याकरण जानता हो	- **वैयाकरण/व्याकरणज्ञ**
जो स्त्री अभिनय करे	- **अभिनेत्री**
लौट कर आया हुआ	- **प्रत्यागत**
जिसका अनुभव इंद्रियों द्वारा न हो सके	- **अतींद्रिय**
जिसकी ग्रीवा सुंदर हो	- **सुग्रीव**

UP RO/ARO SPL (PRE) EXAM, 2016 (निरस्त परीक्षा)

वह कन्या जिसके साथ विवाह का वचन दिया गया है	- **वाग्दत्ता**
'सवाल जवाब' 'बहस हुज्जत' या दिए गए उत्तर पर उत्तर	- **प्रत्युत्तर**
जो स्त्री के वशीभूत है	- **स्त्रैण**
मदिरा पीने का प्याला	- **चषक**
तैरने या पार करने का इच्छुक	- **तितीर्षु**
बुरे उद्देश्य से की गई गुप्त मंत्रणा	- **दुरभिसंधि**

Nitin-Gupta.com

जिसे अपनी जगह से अलग कर दिया गया हो	- **विस्थापित**
मरणासन्न अवस्था वाला	- **मुमूर्षु**
ऐसी जीविका जिसका कुछ ठीक-ठिकाना न हो	- **आकाशवृत्ति**

UP RO/ARO SPL (PRE) EXAM, 2017

जिसकी पहले से कोई आशा न हो	- **अप्रत्याशित**
कुछ खास शर्तों पर किसी कार्य को करने का समझौता	- **संविदा**
जो स्त्री सूर्य भी न देख सके	- **असूर्यम्पश्या**
किसी पर विजय प्राप्त करने की इच्छा रखने वाला	- **जिगीषू**
जो प्राण से सिद्ध न हो सके	- **अप्रमेय**
अपने सहारे पर रहने वाले	- **स्वावलंबी**
अनुचित बात के लिए आग्रह करने वाला	- **दुराग्रही**
पैर से सिर तक	- **आपादमस्तक**
वह स्त्री जिसका पति प्रदेश (विदेश) गया हो	- **प्रोषितपतिका**
राज्य द्वारा निकाला गया आधिकारिक आदेश	- **अध्यादेश**

UP RO/ARO SPL (PRE) EXAM, 2021

बिना पलक झपकाए	- **निर्मिमेष/अपलक**
सब कुछ जानने वाला	- **सर्वज्ञ**
जो किसी विषय का ज्ञाता हो	- **विशेषज्ञ**
वह कवि जो तत्काल कविता करे	- **आशुकवि**
जो युद्ध में स्थिर रहता हो	- **युधिष्ठिर**
जो तोला जा सके	- **परिमेय**
कम बोलने वाला	- **मितभाषी**
जो ईश्वर में विश्वास रखता हो	- **आस्तिक**
जिसकी आशा न की गई हो	- **अप्रत्याशित**
उत्तराधिकार में प्राप्त संपत्ति	- **रिक्थ**

UP RO/ARO (MAIN) EXAM, 2010

जो हमेशा रहने वाला है	- **शाश्वत**
जो युद्ध में स्थिर रहता है	- **युधिष्ठिर**
जो स्त्री सूर्य भी ना देख सके	- **असूर्यम्पश्या**
तैरने की इच्छा	- **तितिर्षा**
जिस पेड़ के पत्ते झड़ गए हो	- **अपत**
जिस पुरुष की पत्नी साथ नहीं है	- **विपत्नीक**

UP RO/ARO SPL (MAIN) EXAM, 2010

बच्चों को सुलाने के लिए गाया जाने वाला गीत	- **लोरी**
'पेट की अग्नि' को कहते हैं	- **जठराग्नि**
जो किये गये उपकारों को मानता है	- **कृतज्ञ**
बढ़ा चढ़ा कर कहना	- **अत्युक्ति/अतिशयोक्ति**
व्याकरण के ज्ञाता	- **वैयाकरण**
जो नभ में चलता है	- **खेचर**

Nitin-Gupta.com

Nitin-Gupta.com

UP RO/ARO SPL (MAIN) EXAM, 2013

महल के भीतरी भाग को किस शब्द से जानते हैं - **अन्त: पुर**
झगड़ा लगाने वाला मनुष्य को कहते हैं: - **नारद**
पति युक्त स्त्री को एक शब्द में कहते हैं - **सधवा**

UP RO/ARO SPL (MAIN) EXAM, 2014

जो पहले था पर अब नहीं है - **भूतपूर्व**
जो पृथ्वी से संबद्ध है - **पार्थिव**
जो कठिनाई से समझने योग्य है - **दुर्बोध**
जिसे जानने की इच्छा है - **जिज्ञासा**
बहुत से भाषाओं को जानने वाला - **बहुभाषाविद**
जो कठिनाई से मिलता है - **दुर्लभ/दुष्प्राप्य**

UP RO/ARO SPL (MAIN) EXAM, 2016

जो जोता- बोया न गया हो - **अकृषित**
जिसके हृदय में ममता न हो - **निर्मम**
जो तुरंत कोई युक्ति सोच ले - **प्रत्युत्पन्नमति**
वह समारोह जिसमें गुरुकुल के स्नातकों को विद्याध्ययन कर लेने के उपरांत विदाई दी जाती थी - इस वाक्यांश के लिए एक शब्द - **समावर्तन**
जो एक जगह से दूसरी जगह न ले जाया जा सके - **स्थावर**
सब कुछ खाने वाला - **सर्वभक्षी**

UP RO/ARO SPL (MAIN) EXAM, 2017

आगे की सोचने वाला - **अग्रसोची**
जंगल की आग - **दावानल**
जो बहुत बोलता है - **वाचाल**
जो पान करने योग्य नहीं है - **अपेय**
जिसका निवारण अत्यंत कष्ट से किया जा सके - **दुर्निवार**
कान के नीचे लटकता हुआ कोमल भाग - **कर्णपाली**
जो भेदा या तोड़ा न जा सके - **अभेद्द**
पेट की आग - **जठराग्नि**
समुद्र की आग - **बड़वानाल**

UP RO/ARO SPL (MAIN) EXAM, 2021

जो ज्ञात इतिहास से पहले का हो - **अनैतिहासिक**
अपनी विवाहिता स्त्री से उत्पन्न पुत्र - **औरस**
आदि से अंत तक - **अनादि**
पेट की आग - **जठराग्नि/जठरानल**
समुद्र की आग - **बड़वानल**
जंगल की आग - **दावानल**
जिसमें सहनशीलता (तितिक्षा) हो - **तितिक्षु**
तैरने या मोक्ष पाने का इच्छुक - **तितीर्षु**

सर्दी, गर्मी, दु: ख आदि: सहन करने की शक्ति	- **तितिक्षा**
मोक्ष पाने की इच्छा करने	- **मुमुक्षु**
जो बाएं हाथ से सधा हुआ है	- **सव्यसाची**
जो अचानक आँखों से ओझल हो गया हो	- **अंतर्धान**

U.P.P.C.S. (PRE) 2012-2022

जिसका उत्तर देखकर खंडन किया गया हो	- **प्रत्युक्त**
जिजीविषा का अर्थ है	- **जीने की इच्छा**
जो स्त्री सूर्य भी ना देख	- **असूर्यम्पश्या**
जानने की इच्छा रखने वाला	- **जिज्ञासु**
मास की तीसवीं तिथि या शुक्लपक्ष की पंद्रहवीं तिथि	- **पूर्णिमा**
मास की किसी पक्ष की ग्यारहवीं तिथि	- **एकादशी**
पक्ष की पहली तिथि को कहते हैं	- **प्रतिपदा**
जो कुछ भी नहीं जानता हो	- **अज्ञ**

U.P.P.C.S (MAIN) EXAM, 2021

मुकदमा दायर करने वाला	- **वादी**
शत्रुओं का हनन करने वाला	- **शत्रुहन्ता**
उत्तराधिकार में प्राप्त संपत्ति	- **रिक्थ**
उत्तर देकर खण्डन करना	- **प्रत्युक्त**
युद्ध की प्रबल इच्छा हो जिसमें	- **युयुत्सु**

U.P.P.C.S. (MAIN) EXAM, 2020

बिना पलक झपकाए	- **अपलक/निर्निमेष**
व्यर्थ खर्च करने वाला	- **अपव्ययी**
जिसका आदि न हो	- **अनादि**
जिसे दूर करना कठिन हो	- **दुर्निवार**
मरने की इच्छा	- **मुमूर्षा**

U.P.P.C.S. (MAIN) EXAM, 2019

जो रूढ़ियों में विश्वास करता हो	- **रूढ़िवादी**
जो सूर्य न देखे ऐसी स्त्री	- **असूर्यंपश्या**
जो कृतज्ञ न हो	- **कृतघ्न**
जो देश से प्रेम करता हो	- **देशभक्त**
जो पूजा के योग्य हो	- **पूजनीय**

U.P.P.C.S. (MAIN) EXAM, 2018

हमेशा रहने वाला	- **शाश्वत**
संध्या और रात के बीच का समय	- **गोधूलि**
आकाश को चूमने वाला	- **गगनचुम्बी**
जो बात वर्णन से परे हो	- **अवर्णनीय**
सौ में सौ	- **शत-प्रतिशत**

Nitin-Gupta.com

U.P.P.C.S. (MAIN) EXAM, 2017	
जिसे ऊपर कहा गया हो	- **उपर्युक्त कथित**
जो शक करने योग्य न हो	- **अशोक्य**
जिस पर किसी का आतंक छाया हो	- **आतंकित**
वह धन जो आधिकारिक रूप से राज्य को मिलता हो	- **अनुदान**
जिसके हृदय को चोट पहुंची हो	- **मर्माहत**

U.P.P.C.S. (MAIN) EXAM, 2016	
अतिथि सत्कार की भावना	- **आतिथ्य**
जिस पर उपकार किया गया हो	- **उपकृत्य**
जिसका दमन किया गया हो	- **दमनीय**
तुरंत उत्पन्न होने वाले सूझ-बूझ	- **प्रत्युत्पन्नमति**
जिसका उत्तर न दिया गया हो	- **अनुत्तरित**

U.P.P.C.S. (MAIN) EXAM, 2015	
जिसमें युद्ध करने की इच्छा हो	- **युयुत्सु**
जिस पर आक्रमण हुआ हो	- **आक्रांत**
गुरु के समीप रहने वाला विद्यार्थी	- **अंतेवासी**
जिसकी माप-तोल हो सके	- **परिमेय**
उत्तराधिकार में प्राप्त संपत्ति	- **रिक्थ**

U.P.P.C.S. (MAIN) EXAM, 2014	
जो इंद्रियों के ज्ञान के परे है	- **अतीन्द्रिय/इन्द्रियातीत**
जो स्मरण करने योग्य हो	- **स्मरणीय**
जो पहले कभी नहीं सुना गया	- **अश्रुतपूर्व/अनसुना**
जिसकी बाँहें अधिक लंबी हो	- **दीर्घबाहु/प्रलंबबाहु**
जो मुश्किल से प्राप्त हो	- **दुष्प्राप्य**

U.P.P.C.S. (MAIN) EXAM, 2013	
किसी के पास रखी हुई दूसरे की वस्तु	- **धरोहर**
जिस समय बड़ी मुश्किल में भिक्षा मिलती है	- **दुर्भिक्ष**
जो छाती के बल गमन करता है	- **उरग**
जो दायर मुकदमे का बचाव करें	- **प्रतिवादी**
जिस पर विश्वास किया गया हो	- **विश्वसनीय**

U.P.P.C.S. (MAIN) EXAM, 2012	
कही हुई बात को बार-बार कहना	- **पुनरुक्ति/पिष्टपेषण**
वह कवि जो तत्क्षण कविता कर सके	- **आशुकवि**
अन्य से संबंध न रखने वाला	- **अनन्य**
समान रूप से ठण्डा और गरम	- **समशीतोष्ण**
जो आसानी से प्राप्त किया जा सके	- **सुलभ**

Nitin-Gupta.com

U.P.P.C.S. (MAIN) EXAM, 2011	
जो कहा न गया हो	- **अकथित**
अपने मत को मानने वाला	- **स्वमतावलम्बी**
जिसका उत्तर न दिया गया हो	- **अनुत्तरित**
जो देखने के योग्य हो	- **दर्शनीय**
परंपरा से सुना हुआ	- **अनुश्रुति**

U.P.P.C.S. (MAIN) EXAM, 2010	
पृथ्वी से सम्बद्ध	- **पार्थिव**
जिसे जानने की इच्छा है	- **जिज्ञासु**
जो आँखों से परे है	- **परोक्ष**
जो कठिनाई से मिलता है	- **दुर्लभ/दुष्प्राप्य**
जो पूर्व में था पर अभी नहीं है	- **भूतपूर्व**

U.P.P.C.S. (MAIN) EXAM, 2009	
नष्ट न होने वाला	- **अनश्वर**
जिसकी गहराई नापी न जा सके	- **अथाह**
संदेश ले जाने वाला	- **संदेशवाहक**
व्यर्थ खर्च कर डालने वाला	- **अपव्ययी**
जिस स्त्री का पति जीवित है	- **सधवा**

U.P.P.C.S.SPL. (MAIN) EXAM, 2008	
वह लड़की जिसका विवाह होने को है	- **वैवाहिकी**
वह जिसका कोई शत्रु न हो	- **अजातशत्रु**
जिसे ईश्वर में विश्वास हो	- **आस्तिक**
जो दायर मुकदमे का प्रतिवाद करे	- **प्रतिवादी**
वनस्पति का आहार करने वाला	- **वनस्पत्याहारी**

U.P.P.C.S. (MAIN) EXAM, 2008	
पति के द्वारा छोड़ दी गई स्त्री	- **परित्यक्ता**
जानने की इच्छा रखने वाला	- **जिज्ञासु**
जिसकी आशा न की गई हो	- **अप्रत्याशित**
जिसका शत्रु जन्मा ही न हो	- **अजातशत्रु**
हाथी की तरह चलने वाली स्त्री	- **गजगामिनी**

U.P.P.C.S. (MAIN) EXAM, 2007	
पैर से मस्तक तक	- **आपदमस्तक**
जिसे भले- बुरे का ज्ञान न हो	- **अविवेकी**
जिसके आने की कोई तिथि न हो	- **अतिथि**
जो अभी-अभी उत्पन्न हुआ हो	- **अद्यः प्रसूत**
नीले रंग का कमल	- **नीलकमल**

Nitin-Gupta.com

U.P.P.C.S. (MAIN) EXAM, 2006

जो माँस न खाता हो - **निरामिष**
पसीने से उत्पन्न होने वाला - **स्वेदज**
जिसे ईश्वर में विश्वास नहीं है - **नास्तिक**
जहां खाना मुफ्त में मिलता है - **सदावर्त**
जानने की इच्छा रखने वाला - **जिज्ञासु**

U.P.P.C.S. (MAIN) EXAM, 2005

जो गणना के अयोग्य हो - **नगण्य**
धरती और आकाश के बीच का स्थान - **अंतरिक्ष**
जो कुछ नहीं जानता है - **अज्ञ**
जिसे बुलाया ना गया हो - **अनाहूत**
मन की बात जानने वाला - **मर्मज्ञ**

U.P.P.C.S.SPL. (MAIN) EXAM, 2004

जो बहुत आगे तक की बात सोच कर काम करता है - **अग्रसोची**
जिसको जीतने वाला कोई पैदा न हुआ हो - **अजातशत्रु**
प्रिय वचन बोलने वाले स्त्री - **मृदुभाषिणी**
बहुत दिनों तक स्मरण रखने योग्य - **स्मरणीय**
जो मृत्यु के मुख में आने को है - **मरणासन्न**

U.P.P.C.S. (MAIN) EXAM, 2004

जिसका कभी अंत न होने वाला हो - **अनंत**
गुरु के समीप या साथ रहने वाला छात्र - **अंतेवासी**
जिसे शब्दों में नहीं कहा जा सकता - **अकथनीय**
जो जरा सा भी खर्च करने में आनाकानी करता है - **मितव्ययी**
जो सब कुछ उदारता से देना जानता हो - **औदार्यदाता**

U.P.P.C.S. (MAIN) EXAM, 2003

जिसे वाणी व्यक्त न कर सके - **अवर्णनीय**
जिसे भले- बुरे का ज्ञान न हो -**अविवेकी**
जिनके आने की तिथि न हो - **अतिथि**
ऐसा ग्रहण जिसमें सूर्य पूरा ढक जाए - **खग्रास (सूर्य ग्रहण)**
जिसका कोई शत्रु उत्पन्न न हो - **अजातशत्रु**

U.P.P.C.S. (MAIN) EXAM, 2002

जो सामान्य नियम के विरुद्ध हो - **अविधिक/अवैध**
पृथ्वी और ग्रहों के बीच का स्थान - **अंतरिक्ष**
ऐसी जीविका जो आकस्मिक हो - **आकाशवृत्ति**
दूध, दही, धृत, शर्करा, मधु मिश्रित वह पदार्थ जो देवताओं और भगवान को स्नान हेतु बनाया जाता है - **पंचामृत**
ज्ञान-नेत्र से देखने वाला अंधा व्यक्ति - **दिव्यचक्षु**

Nitin-Gupta.com

U.P.P.C.S. (MAIN) EXAM, 2001

जिसको जाना नहीं जा सकता	- **अज्ञेय**
जिसकी कोई सीमा न हो	- **असीम**
जो सब कुछ जानता हो	- **सर्वज्ञ**
जो पढ़ना-लिखना जानता हो	- **साक्षर**
जिसका आदि वह अंत न हो	- **अनंत (अनाद्दन्त)**

U.P.P.C.S. (MAIN) EXAM, 2000

जिस पर मुकदमा चलाया गया हो	– **अभियुक्त**
दोपहर के बाद का समय	-**अपराह्न**
जो व्याकरण अच्छी तरह जानता हो	- **वैयाकरण**
जिसे अपने कर्तव्य का ज्ञान न हो	- **कर्तव्यविमूढ़**
जो व्यक्ति अधिक बोलता हो	- **वाचाल**

U.P.P.C.S. (MAIN) EXAM, 1999

जिसका ज्ञान इंद्रियों द्वारा न हो	- **अतीन्द्रिय**
धरती और आकाश के बीच का स्थान	- **अंतरिक्ष**
जो कुछ नहीं जानता हो	- **अभिज्ञ/अज्ञ**
जिसे बुलाया न गया हो	- **अनाहूत**
जिसके सिर पर चंद्रमा है	- **चन्द्रमौली**

U.P.P.C.S. (MAIN) EXAM, 1998

जो युद्ध में स्थिर रहता हो	- **युधिष्ठिर**
जो एक से अधिक भाषाएं जानता हो	- **बहुभाषाविद**
जो व्यक्ति विदेश में रहता हो	- **प्रवासी**
अनुचित बात करने के लिए अनुग्रह करना	- **दुराग्रह**
संध्या और रात्रि के बीच का समय	- **गोधूलि/प्रदोष**

U.P.P.C.S. (MAIN) EXAM, 1995

जो उपकार को मानता हो	- **कृतज्ञ**
जो लिखना-पढ़ना जानता हो	- **साक्षर**
जिसका कोई अर्थ न हो	- **अर्थहीन/व्यर्थ**
जो सब कुछ जानता हो	- **सर्वज्ञ**
जिसका कोई भी शत्रु न हो	- **अजातशत्रु**
जिसके समान दूसरा कोई न हो	- **अनुपम/अनन्य**
जो मृत्यु को जीत ले	- **मृत्युंजय**
जो भू को धारण करे	- **भूधर**
अच्छे कुल में जन्म लेने वाला	- **कुलीन/अभिजात**
जिसे जीता न जा सके	- **अजेय**

U.P.P.C.S. (MAIN) EXAM, 1994

जो अवश्य होने वाला हो	- **अवश्यम्भावी**

Nitin-Gupta.com

जिसका निवारण न हो सकता हो	**- अनिर्णीत**
जो कुछ न जानता हो	**- अनभिज्ञ**
गुरु के साथ या समीप रहने वाला छात्र	**- अन्तेवासी**
जिस पर अनुग्रह किया गया हो	**- अनुगृहित**
जो किसी पर अभियोग लगाए	**- अभियोगी/अभियोक्ता**
जिस पर चिन्ह् लगाया गया है	**- चिन्हित**
जिस पर आक्रमण हो	**- आक्रांत**
जो शोक करने योग्य न हो	**- अशोक्य**
जो विधि या कानून के विरुद्ध हो	**- अवैध**

U.P.P.C.S. (MAIN) EXAM, 1993

जो मृत्यु के समीप हो	**- मृतप्राय/आसन्न-मृत्यु**
जो आमिष (मांस) नहीं खाता है	**- निरामिष**
जिसकी ग्रीवा सुंदर हो	**- सुग्रीव**
जो हमेशा रहने वाला हो	**- स्थायी**
जिसके हृदय में ममता नहीं है	**- निर्मम**
जानने की इच्छा	**- जिज्ञासा**
विदेश में वास करने वाला	**- प्रवासी**
कठिनाई से समझाने योग्य	**- दुर्बोध**
जो किये गए उपकारो को ही नहीं मानता है	**- कृतघ्न**
जिसका कोई शत्रु नहीं जन्मा है	**- अजातशत्रु**

U.P.LOWER (MAIN) EXAM, 2009

बायेँ हाथ से काम करने वाला	**- डेबरा/सव्यसाची**
उत्तराधिकार में प्राप्त संपत्ति है	**- रिक्थ**
किसी छोटे से छोटे काम में त्रुटि ढूंढना	**- छिद्रान्वेषी**
ऐसी कन्या जिसे विवाह का वचन दिया गया हो	**- वाग्दत्ता**
दीन-दुखियों को भोजन देने की व्यवस्था	**- सदावर्त**

U.P.LOWER (MAIN) EXAM, 2008

जिस भूमि में कुछ न पैदा होता है	**- बंजर/ऊसर**
वह राजकीय धन जो किसानों की सहायतार्थ दिया जाता है	**- सहायिकी**
जो किसी अन्य व्यक्ति के स्थान पर कार्यरत हो	**- स्थानापन्न**
वह स्थान जहां सर्दी गर्मी को नियंत्रित किया गया हो	**- वातानुकूलित**
संपूर्ण जीवन चरित्र पर लिखा गया काव्य	**- प्रबंधकाव्य**
जीवन के एक अंश को लेकर लिखा गया काव्य	**- खंडकाव्य**

U.P.LOWER (MAIN) EXAM, 2007

जो उस पद पर होने के कारण किसी कार्य में रत हो	**- पदेन/प्रभारी**
जो किसी की एवजी में कार्य कर रहा हो	**- स्थानापन्न**
जो वेतन लिए बिना कार्य करे	**- अवैतनिक**
जो आधी अवधि तक काम करता है	**- अर्द्धकालिक**
जो कुछ समय के लिए नियुक्त किया गया हो	**- अंशकालिक**

Nitin-Gupta.com

U.P.LOWER (MAIN) EXAM, 2006

जो पेट के बल चलता हो (साँप आदि) - **उरग/उदरचर**
जो आंखों से सुनता हो - **चक्षुस्त्रवा**
जिसको छोड़ नहीं जा सकता हो - **अत्याज्य**
इसका उत्तर नहीं दिया जा सके - **अनुत्तरित**
जिसका किसी भी तरह उल्लंघन नहीं किया जा सके - **अनुलंघनीय**

U.P.LOWER (MAIN) EXAM, 2004

सौ वर्षों का समूह - **शताब्दी**
जिसे कर्तव्य न सूझ रहा हो - **किंकर्तव्यविमूढ़**
गोद लिया हुआ - **दत्तक**
विष्णु का उपासक - **वैष्णव**
दो भिन्न भाषा-भाषियों के बीच मध्यस्थता करने वाला - **द्विभाषिया**

U.P.LOWER (MAIN) EXAM, 2003

जो युद्ध में स्थिर रहता है - **युधिष्ठिर**
जिसकी आशा न की गई हो - **अप्रत्याशित**
जानने की इच्छा रखने वाला - **जिज्ञासु**
जो स्त्री कविता रचती है - **कवयित्री**
जो अच्छे कुल में उत्पन्न हुआ हो - **कुलीन**

U.P.LOWER (MAIN) EXAM, 2002

पुस्तक की हाथ से लिखी प्रति - **हस्तलिखित/पांडुलिपि**
जिस पर मुकदमा चल रहा हो - **अभियुक्त**
जिसको क्षमा न किया जा सके - **अक्षम्य**
जिसका कोई शत्रु न हो - **अजातशत्रु**
बारह से सोलह वर्ष की आयु की नायिका - **किशोरी**

U.P. LOWER SPL (MAIN) EXAM, 2002

जो बहुत भाषाएँ जानता हो - **बहुभाषाविद**
जो परायों का हित चाहता हो - **परोपकारी**
जो धरती फोड़ कर जन्मता हो - **उदभिज**
जो व्याकरण जानता है - **वैयाकरण**
जो पहले कभी नहीं सुना गया - **अश्रुतपूर्व**

U.P. LOWER (MAIN) EXAM, 1998

जो कम बोलने वाला हो - **मितभाषी**
जो भेदा या तोड़ा न जा सके - **अभेद्द**
आकाश को चूमने वाला - **गगनचुम्बी**
जंगल में लगी हुई आग - **दावानल/दावाग्नि**
जिसे वेतन न मिलता हो - **अवैतनिक**

Nitin-Gupta.com

U.P.LOWER (MAIN) EXAM, 1990

जो भवन गिर गया हो	- **खण्डहर**
जो विश्वास करने लायक न हो	- **अविश्वसनीय**
जो नीतिवान हो	- **नीतिज्ञ**
जहां सेना रहती हो	- **सैन्यवास**
जो बदला न जा सके	- **अपरिवर्तनीय**
जिसने उधार लिया हो	- **ऋणी**
जिसके सिर पर बाल न हो	- **गंजा**
जो अधिक बोलता हो	- **वाचाल**
जिसमें उत्साह न हो	- **निरुत्साह**
जो ईश्वर में विश्वास रखता हो	- **आस्तिक**

U.P. LOWER (MAIN) EXAM, 1975-76

बहुत कम बोलने वाला	- **मितभाषी**
कष्ट सहकर होने वाला कार्य	- **दुष्कर**
सबको समान भाव से देखने वाला	- **समदर्शी**
सरलता से प्राप्त होने वाला	-**सहज, सुलभ**
आकाश में विचरण करने वाला	- **नभचर**
जिस पुरुष का स्वर्गवास हो गया हो	- **दिवंगत**

U.P.A.P.O. (MAIN) EXAM, 1982

आकाश को चूमने वाला	- **गगनचुंबी**
स्वयं उत्पन्न होने वाला	- **स्वयंभू**
जिसकी तुलना न की जा सके	- **अतुलनीय**
किए गए उपकार को मानने वाला	- **कृतज्ञ**
जिसने मृत्यु पर विजय पायी हो	- **मृत्युंजय**
जिसका कोई शत्रु न जन्मा हो	- **अजातशत्रु**

U.P.A.P.O. (MAIN) EXAM, 1988

कम बोलने वाला	- **मितभाषी**
जो अनुकरण करने योग्य हो	- **अनुकरणीय**
किए गए उपकार को मानने वाला	- **कृतज्ञ**
पैर से लेकर सिर तक	- **आपादमस्तक**
जिसका यश चारों ओर फैल गया हो	- **यशस्वी**

U.P.A.P.O. (MAIN) EXAM, 1994

एक माँ के पेट से उत्पन्न	- **सहोदर**
अपनी इच्छा से आचरण करने वाला	- **स्वेच्छाचारी**
अच्छी आँखों वाली स्त्री	- **सुनैना**
जहाँ तक संभव हो	- **यथासम्भव**
कम खाने वाला	- **अल्पाहारी**

Nitin-Gupta.com

U.P.A.P.O. (MAIN) EXAM, 1996

जो क्षमा पाने लायक है - **क्षम्य**
दो बार जन्म लेने वाला - **द्विज**
जिसकी ग्रीवा सुंदर हो - **सुग्रीव**
जो कुछ नहीं जानता है - **अनभिज्ञ/अज्ञ**
जिसके चार पाद है - **चतुष्पद**

U.P.A.P.O. (MAIN) EXAM, 1997

जिसने प्रतिष्ठा प्राप्त कर ली है - **प्रतिष्ठित**
गुरु के समीप रहने वाले विद्यार्थी - **अन्तेवासी**
जिसका अनुभव इंद्रियों द्वारा न किया जा सके - **अतीन्द्रिय**
जीने की इच्छा - **जिजीविषा**

U.P.A.P.O. (S.C.) (MAIN) EXAM, 1997

अंडे से जन्म लेने वाला - **अंडज**
जो बूढ़ा न हो - **अजर**
जो किसी से न डरे - **निडर**
जिसका कोई आधार न हो - **निराधार**

U.P.A.P.O. (MAIN) EXAM, 2000

जिसकी पत्नी मर गई हो - **विधुर**
जिस पर आक्रमण किया गया हो - **आक्रांत**
जिसके पास कुछ न हो - **अकिंचन**
जो मरने को इच्छुक हो - **मुमूर्षु**
जो आँखों के आगे उपस्थित हो - **प्रत्यक्ष**

U.P.A.P.O. (MAIN) EXAM, 2006

दो बार जन्म लेने वाला - **द्विज**
जानने की इच्छा रखने वाला - **जिज्ञासु**
जिसकी चार भुजाएं हो - **चतुर्भुज**
जो युद्ध में स्थिर रहता हो - **युधिष्ठिर**
भविष्य में होने वाला - **भवितव्य**

U.P.A.P.O. (MAIN) EXAM, 2007

जो पृथ्वी से संबंधित हो - **पार्थिव**
गुरु के समीप रहने वाला छात्र - **अन्तेवासी**
जहां जाना कठिन हो - **दुर्गम**
जिसके पास कुछ न हो - **अकिंचन**
जो लिखना पढ़ना न जानता हो - **अनपढ़**

UTTARAKHAND.P.C.S. (MAIN) EXAM, 2006

बहुत सी भाषाओं को जानने वाला - **बहुभाषाविद्**
वह कवि जो तत्क्षण कविता कर सके - **आशुकवि**

Nitin-Gupta.com

जिसे पराजित न किया जा सके	- **अपराजेय**
अतिथि की सेवा करने वाला	- **आतिथेय**
जिसे बाहरी जगत का ज्ञान न हो	- **कूपमण्डूक**
गोद लिया हुआ पुत्र	- **दत्तक**
पसीने से उत्पन्न होने वाला	- **स्वेदज**
किसी बड़े आदमी के निधन की वार्षिक तिथि	- **पुण्यतिथि**

UTTARAKHAND.P.C.S. (MAIN) EXAM, 2004

भूत, वर्तमान और भविष्य को जानने वाला	- **त्रिकालदर्शी**
जिसका कोई शत्रु न जन्मा हो	- **अजातशत्रु**
जिसके आर-पार देखा जा सके	- **पारदर्शी**
जिसे ईश्वर में विश्वास हो	- **आस्तिक**
किसी कार्य के लिए दी जाने वाली आर्थिक सहायता	- **अनुदान**
जिसको भूमि के अंदर की जानकारी हो	- **भूगर्भवेत्ता**
वह जिसका शोषण किया जाए	- **शोषित**

UTTARAKHAND.P.C.S. (MAIN) EXAM, 2002

जिसको किसी का भय न हो	- **निर्भय**
जो मोक्ष का इच्छुक हो	- **मुमुक्षु**
जिनकी जीविका का कोई निश्चित स्रोत न हो	- **आकाशवृति**
जिसका पति छोड़कर चला गया हो	- **परित्यक्ता**
जिस वर की शादी दूसरी बार हो रही हो	- **द्विवर**
जो बाएँ हाथ से कार्य करता हो	- **सव्यसाची**
जो अवैध संतान हो	-**जारज**
जो दान पर चलता हो	- **दानवृत्ति**

I.A.S.COMP HINDI (MAIN) EXAM, 1995

जो आदर करने योग्य हो	- **आदरणीय**
जो संसार का संहार करता हो	- **संहारक**
जिसके समान कोई दूसरा न हो	- **अद्वितीय**
जो बिना बुलाए आया हो	- **अनाहूत**
जो मोक्ष पाना चाहता हो	- **मुमुक्षु**
जिसने अभी विवाह न किया हो	- **कुमार/कुंवारा**
जिसको ईश्वर पर विश्वास न हो	- **नास्तिक**
जिसके पार देखा जा सकता है	- **पारदर्शी**
जहाँ तीन नदियों का मिलन हो	- **संगम**
जो पहले कभी घटित न हुआ हो	- **अघटित**

I.A.S.COMP HINDI (MAIN) EXAM, 1993

जिसके पास करोड़ों रुपए हो	- **करोड़पति**
जिसके माता-पिता न हो	- **अनाथ**
जो पहाड़ को धारण करता हो	- **गिरिधारी**

Nitin-Gupta.com

जो बिना बुलाए आ जाता हो - **अनाहूत**
जो दूसरों के पीछे चलता हो - **अनुगामी**
जहां से अनेक मार्ग चारों ओर जाते हैं - **चौराहा**
जिसके समान कोई दूसरा न हो - **द्वितीय**
मिठाई बनाकर बेचने वाला व्यक्ति - **हलवाई**
जो दूसरों का भला करता हो -**परार्थी**

I.A.S.COMP HINDI (MAIN) EXAM, 1992

जिसे कठिनाई से प्राप्त किया जा सके - **दुष्प्राप्य**
जो पहले घटित न हुआ हो - **अघटित**
जो अभी तक आया न हो - **अनागत**
जो दूसरों के अधीन हो - **पराधीन**
जो भयभीत न होता हो - **निर्भय**
जो पीछे चलता हो - **अनुगामी**
ग्रंथ के वह बचे हुए अंश जो प्राय: अंत में जोड़े जाते हैं - **परिशिष्ट**
मूल्य घटाने का कार्य - **अवमूल्यन**

I.A.S.COMP HINDI (MAIN) EXAM, 1990

जहां पृथ्वी और आकाश मिले दिखाई पड़े - **क्षितिज**
जिसके समान कोई दूसरा न हो - **अद्वितीय**
जिसे भुलाया न जा सके - **अविस्मृति**
जो आदर करने योग्य हो - **आदरणीय**
जो दिखाई न पड़े - **अदृश्य**
जो बीत चुका हो - **अतीत**
जिसके सुनने की शक्ति नष्ट हो गई हो - **बहरा**
जिसकी पत्नी जीवित न हो - **विधुर**
जो बिना बुलाए आया हो - **अनाहूत**

I.A.S.COMP HINDI (MAIN) EXAM, 1989

जो कभी नहीं मरता - **अमर्त्य**
जिसका वर्णन न किया जा सके - **अवर्णनीय**
जानने की इच्छा रखने वाला - **जिज्ञासु**
जो ईश्वर को न मानता हो - **नास्तिक**
जो नीचे लिखा गया है - **निम्नलिखित**
जिसकी सीमा ना हो - **असीम**
जो भारत में रहता हो - **भारतवासी/भारतीय**
जो केवल फल खाकर रहता है - **फलाहारी**
दोपहर के बाद का समय - **अपराह्न**
जो ऊपर कहा गया है - **उपर्युक्त**

DELHI SUBORDINATE (P.G.T.) EXAM, 2014

साथ पढ़ने वाला - **सहपाठी**

Nitin-Gupta.com

जिसका आदि न हो - **अनादि**
जिसको क्षमा न किया जा सके वह - **अक्षम्य**
जो अनुकरण करने योग्य हो - **अनुकरणीय**

ACCOUNTANT EXAM, 2001

भारतीयों की बुरी दशा देखकर गांधी जी का मन द्रवित हो गया - **दुर्दशा**
ईश्वर का कोई आकार नहीं होता - **निराकार**
रवि ईश्वर को न मानने वाला मनुष्य है - **नास्तिक**
ममता कम बोलती है - **मितभाषी**

STENOGRAPHER EXAM, 2001

जिसका अनुभव इंद्रियों को न हो - **अगोचर**
जो सरलता पूर्वक प्राप्त किया जा सके - **सुलभ**
साहित्य से संबंध रखने वाला - **साहित्यिक**
वह स्त्री जिसके पति ने त्याग दिया है - **परित्यक्ता**
वह वस्तु जो नाशवान हो - **नश्वर**
पूछने योग्य - **पृष्टव्य**
एक स्थान पर टिककर न रहने वाला - **यायावर**
जीने की इच्छा - **जिजीविषा**
जो तत्काल उत्तर दे सके - **प्रत्युत्पन्नमति**

S.S.C. HINDI (JUNIOR TRANSLATOR) EXAM

जो मोक्ष की अभिलाषा रखता हो - **मुमुक्षु**
मनोविनोद के लिए सैर करने वाला - **पर्यटक**
जिसे पार करना कठिन हो - **दुर्गम**
किसी के प्रति उदारता एवं कृपापूर्वक किया जाने वाला व्यवहार - **अनुग्रह**
उचित से कम मूल्य आंकना या लगाना - **अवमूल्यन**
जिसने ऋण लिया हो - **अधमर्ण**
हर समय देर से काम करने वाला - **दीर्घसूत्री**
जो कानून के अनुकूल न हो - **अवैध**
किसी बात को करने का निश्चय - **संकल्प**
अनुशासनात्मक कार्यवाही की प्रक्रिया के फलस्वरुप पद के नीचे उतरना - **पदावनति**
जो बहुत बातें करता हो - **वाचाल**
जहां पहुंचा न जा सके - **अगम**
जिसके समान दूसरा न हो - **अप्रतिम**
शीघ्र प्रसन्न होने वाला - **आशुतोष**
जो आभूषण सिर पर धारण किया जाए - **शीर्षस्थ**
पत्र या प्रश्नादि के उत्तर की अपेक्षा करने वाला - **उत्तरापेक्षी**

RAILWAY EXAM 1997-2002

एक दूसरे पर आश्रित होना - **अन्योन्याश्रित**
किसी कार्य के लिए सहमति देना - **अनुमति**

Nitin-Gupta.com

अत्यधिक वर्षा होना	- **अतिवृष्टि**
वर्णन से परे	- **वर्णनातीत**
किसी रस का उपभोग करना	- **रसास्वादन**
जिसके गर्दन सुंदर हो	- **सुग्रीव**
समय की दृष्टि से अनुकूल	- **समयानुकूल**
जो किए गए उपकारों को मानता है	- **कृतज्ञ**
जो आंखों के सामने न हो	- **परोक्ष**
जिसकी आशा न की गई हो	- **अप्रत्याशित**
थोड़ा जानने वाला	- **अल्पज्ञ**
किसी ग्रंथ में अन्य व्यक्ति द्वारा जोड़ा गया भाग	- **क्षेपक**
जिसके पास कुछ न हो	- **अकिंचन**
मोक्ष की इच्छा करने वाला	- **मुमुक्षु**
जिसका संबंध पृथ्वी से हो	- **पार्थिव**
हमेशा रहने वाला	- **शाश्वत**
बिना घर का	- **अनिकेत**

U.P.VIDHAN PARISHAD (PRE) EXAM, 2020

रास्ते में खाने वाली भोज्य सामग्री को क्या कहते हैं	- **पाथेय**
बहुत कम बरसात होना	- **अल्पदृष्टि**
जिसको प्राप्त करना बहुत कठिन हो	- **दुर्लभ**
मोक्ष की इच्छा करने वाला	- **मुमुक्षु**
जो जाकर पुन: आ गया हो	- **प्रत्यागत**
जो बहुत लोगों से सुनी गई हो	- **जनश्रुति**
गंगा का उद्गम स्थान	- **गंगोत्री**
इस संसार से सम्बद्ध	- **ऐहिक**

U.P.VIDHAN SABHA SACHIVALAYA (PRE) EXAM, 2020

जो शब्दों में व्यक्त न किया जा सके	- **अनिर्वचनीय**
जो सब कुछ जानता हो	- **सर्वज्ञ/प्रज्ञ**
जो हमेशा रहे	- **शाश्वत**
शिव का उपासक	- शैव
शक्ति की उपासना करने वाला	- **शाक्त**
आदि से अंत तक के लिए	- **आद्योपान्त**
जिसे पार करना कठिन हो	- **दुर्लंघ्य**
सर्व साधारण से संबंधित	- **सार्वजनिक**
जो पहले जन्मा हो	- **अग्रज**
जो व्यक्ति विदेश में रहता हो	- **प्रवासी**
अनुमान करने वाला	- **अनुगामी**
जिसे रोका न गया हो	- **अनिरुद्ध**
जो क्षमा करने योग्य हो	- **क्षम्य**
जिसके प्रति गहरा लगाव हो	- **अनुरक्त**

Nitin-Gupta.com

U.P.VIDHAN PARISHAD (MAIN) EXAM, 2020

जिसने इंद्रियाँ जीत ली हों - **इन्द्रजीत**
बहुत बोलने वाला - **वाचाल**
रोगी की चिकित्सा करने वाला - **चिकित्सक**
जो बिना सोचे समझे अनुगमन करें - **अंधानुगामी**

U.P.VIDHAN SABHA SACHIVALAYA (MAIN) EXAM, 2020

पहाड़ के ऊपर की समतल भूमि - **अधित्यका**
बहुत बढा चढ़ा कर कही बात - **अतिशयोक्ति**
विष्णु की आराधना करने वाला - **वैष्णव**
सात सौ पद्दों की पुस्तक - **सतसई**
जिसे किसी बात का पता न हो - **अनभिज्ञ**
पेट की आग - **जठरानल**
वह पुरुष जिसकी पत्नी मर गई हो - **विधुर**
जो मीठा बोलता हो - **मृदुभाषी**
जिसकी आशा न की गई हो - **अप्रत्याशित**
सोलह कलाओं से युक्त चाँद - **राका**

U.P.S.D.I.EXAM, 2006

जो बहुत मंद गति से कार्य करता हो - **मंथर**
जिस पर हमला न किया गया हो - **अनाक्रांत**
अनिश्चित जीविका के लिए - **आकाशवृति**
तथाकथित निम्न जाति में जन्म लेने वाला - **अन्त्यज**
जिसके पास कुछ भी न हो - **अकिंचन**
ऐसा कवि जो तत्काल रचना करता हो - **आशुकवि**
अनेक युगों से चले आने वाला - **सनातन**
जो अपने कर्तव्य का निश्चय न कर सके - **किंकर्त्तव्यविमूढ़**
उचित-अनुचित का ज्ञान रखने वाला - **विवेक**

U.P.U.D.A./L.D.A. (MAIN) EXAM, 1995

जिसका दमन करना कठिन हो - **दुर्दम्य**
बिना पलक गिराये हुए - **अपलक**
घुटने तक बाँह वाला - **अजानबाहु**
जिसका अनुभव इंद्रियों से न हो सके - **अतींद्रिय**
जो वचन या वाणी द्वारा कहा न जा सके - **अकथनीय**
जो सबको समान रूप से देखता हो - **समदर्शी**
जिसका कोई शत्रु न हो - **अजातशत्रु**
जिसके पार न देखा जा सके - **अपारदर्शी**
प्रिय वचन बोलने वाली स्त्री - **प्रियंवदा**
जो भेदा या तोड़ा न जा सके - **अभेद्द**

Nitin-Gupta.com

U.P.U.D.A./L.D.A. (MAIN) EXAM, 2006

साँझ और रात के बीच का समय - **गोधूलि**
शब्द द्वारा जो व्यक्त न हो सके - **अव्यक्त**
जिसका शत्रु जन्मा ही न हो - **अजातशत्रु**
जो सब कुछ जानता हो - **सर्वज्ञ**
जिसके हाथ में शूल हो - **शूलपाणि**

अन्य महत्वपूर्ण अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

'अ'

जिसका वाचन न किया गया हो - **अवाच्य**
जिसकी पहले से आशा न हो - **अप्रत्याशित**
जिसे पढा न गया हो - **अपठित**
जो दिखाई न देता हो - **अदृश्य**
जो कहा न गया हो - **अकथित**
जो कहा न जा सके - **अकथनीय**
जिसकी तुलना न की जा सके - **अतुलनीय**
जिसे जीता न जा सके - **अजेय**
जिसके समान कोई दूसरा न हो - **अद्वितीय**
छः माह में एक बार हो - **अर्द्धवार्षिक**
अंडे से जन्म लेने वाला - **अंडज**
किसी कहे हुए श्लोक या पद्द के अंतिमाक्षर से प्रारंभ होने वाला - **अन्त्याक्षरी**
अंतिम (शूद्र) वर्ण से जो जन्मा हो - **अंत्यज**
महल के अंदर का हिस्सा जहां महिलाओं का निवास हो - **अंत: पुर**
गुरु के समीप रहने वाला विद्दार्थी - **अंतेवासी**
जो (जानवर) किसी की देख-रेख में न रहे - **अर्नर**
किसी पुरुष से प्रेम करने वाली अविवाहिता - **अनूढा**
जो नया न हो - **अनूतन**
जो आगे की सोचता हो - **अग्रशोची**
जिस पर अनुग्रह किया गया हो - **अनुगृहीत**
जो रुका हुआ न हो/जिसे रोका न गया हो - **अनिरुद्ध**
जिसका जवाब न दिया गया हो - **अनिस्तीर्ण**
जिसका निवारण न हो सके - **अनिवार्य**
जिसका वर्णन न हो सके - **अवर्णनीय**
प्रत्येक पदार्थ को क्षणिक और नश्वर मानने वाला सिद्धांत - **अनित्यवाद**
जिस पर कोई नियंत्रण न हो - **अनियंत्रित**
जो नियमानुकूल न हो - **अनियमित**
जिस पर आक्रमण न किया गया हो - **अनाक्रांत**
जो गिना न जा सके - **अनगिनत**

Nitin-Gupta.com

जिसके आने की तिथि ज्ञात न हो - **अतिथि**
जिसका कभी जन्म न हो - **अजन्मा**
दोपहर के बाद का समय - **अपरान्ह**
वह वस्तु जिसके आर पार न देखा जा सके - **अपारदर्शी**
वह बात जो न सुनी गई हो - **अनसुनी**
वह कार्य जो बिना वेतन के किया जाए - **अवैतनिक**
जो अनुकरण करने योग्य हो - **अनुकरणीय**

'आ'

जिसकी समस्त कामनाएं पूरी हो गई हो - **आप्तकाम**
वह स्त्री जिसका पति आने वाला हो - **आगमिस्यत्पतिका**
वह नायिका जिसका पति प्रदेश से लौटा हो - **आगतपतिका**
जिसकी प्राप्ति किसी दूसरे प्रधान कार्य के करते समय थोड़े प्रयास से ही हो जाए - **आनुषंगिक**
जो इधर-उधर से घूमता फिरता आ जाए - **आगन्तुक**
जीवों या शरीरधारियो के द्वारा प्राप्त दु: ख - **आधिभौतिक**
देवता अथवा भूतादि के द्वारा प्राप्त दु: ख - **आधिदैविक**
प्रारंभ से लेकर अंत तक - **आद्योपान्त**
अपने मन/आत्मा का मत - **आत्माभिमत**
अपने आत्मा/मन का अनुयायी - **आत्मानुयायी**
आशा से अधिक - **आशातीत**
जिसका अहंकार चूर्ण हो गया हो - **आन्तगर्व**
जो सूंघने योग्य हो - **आघ्रेय**
जिस पर आक्रमण हो - **आक्रांत**
एक देश द्वारा दूसरे देशों से वस्तुओं को मंगाया जाना - **आयात**
जो भविष्य के प्रति आशावान हो - **आशावादी**
प्राणियों के पेट की वह थैली जिसमें भोजन पचता है - **आमाशय**
मरते दम तक - **आमरण**
आभार मानने वाला - **आभारी**
अपराधों से संबंधित - **आपराधिक**
अधिकारपूर्वक कहा गया या किया गया - **आधिकारिक**
किसी देश के हुए निवासी जो बहुत पहले से वहां रहते आ रहे हैं - **आदिवासी**
अपने आप को किसी के हाथ सौपना या समर्पित करना - **आत्मसमर्पण**
जिसे बुलाया गया हो - **आहूत**
आकाश को चूमने वाला - **गगनचुंबी**
स्वयं की हत्या करने की प्रवृत्ति - **आत्महत्या/आत्मघात**
जो स्वयं के ऊपर घात करता है - **आत्मघाती**
जो अपनी हत्या कर लेता है - **आत्महंता**
जिस पर किसी का आतंक छाया हो - **आतंकित**
पूरे जीवन में - **आजीवन**
अग्नि से संबंधित या आग का - **आग्नेय**

Nitin-Gupta.com

आक्रमण करने वाला	- **आक्रामक**
वह बात जो आकाश से सुनाई पडने वाली समझी जाती है	- **आकाशवाणी**
अकस्मात् या एकाएक घटित होने वाला	- **आकस्मिक**
आंतों में होने वाला	- **आंत्रिक**
आत्मा से संबंध रखने वाला	- **आध्यात्मिक**
अतिथि की सेवा करने वाला	- **आतिथेय**
धन से संबंध रखने वाला	- **आर्थिक**
किसी मत का सर्वप्रथम प्रवर्तन करने वाला	- **आदि प्रवर्त्तक**
किसी के गुण दोष की विवेचना करने वाला	- **आलोचक**
पैर से सिर तक	- **आपादमस्तक**
वह कवि जो तत्काल कविता करे	- **आशुकवि**
जो किसी वंश में बराबर होता आया है	- **आनुवंशिक**
परंपरा से सुना हुआ	- **अनुश्रुति**
नवीन बनाने की क्रिया	- **आधुनिकीकरण**
आदर्श मूलक भावना को वरीयता देने वाला मत	- **आदर्शवाद**
दूसरों के सुख के लिए आत्म-सुख का त्यागना	- **आत्मोत्सर्ग**

'इ'

किसी चीज या बात की इच्छा रखने वाला	- **इच्छुक**
अपनी इच्छा के अनुसार सब काम करने वाला	- **इच्छाचारी**
प्राय: वर्षा ऋतु में आकाश में दिखाई देने वाले सात रंगों वाले धनुष	- **इंद्रधनुष**
जिसकी आकांक्षा हो	- **इष्ट/वांछित**
इतिहास जानने वाला	- **इतिहासज्ञ**
जो इंद्रियों से परे हो	- **इंद्रियातीत**
इंद्र को जीतने वाला	- **इंद्रजित**
इच्छानुसार रूप धारण करने वाला	- **इच्छाधारी**
इतना ही पर्याप्त है	- **इत्यलम**
जो इच्छा के अधीन हो	- **इच्छाधीन/ऐच्छिक**
जो इंद्रियों को वश में कर ले	- **इन्द्रियनिग्रहवान**
इमारत के लिए या इमारत से संबंधित	- **इमारती**
किसी देश या समाज के सार्वजनिक क्षेत्र की घटनाओं तथ्यों आदि का क्रमबद्ध विवरण	- **इतिहास**
किन्ही घटनाओं का कालक्रम से लिखा गया वृत्त	- **इतिवृत्त**

'ई'

उत्तर-पूर्व के बीच की दिशा	- **ईशानकोण**
दूसरों की उन्नति को न देख सकना	- **ईर्ष्या**
जो दूसरों की उन्नति देखकर जलता हो	- **ईर्ष्यालु**
जिसकी ईप्सा या इच्छा की गई हो	**- ईप्सित**

'उ'

जिस पर किसी काम का उत्तरदायित्व हो	- **उत्तरदायी**

Nitin-Gupta.com

उपकार करने वाला	- **उपकारी**
जो किसी नियम का पालन न करें	- **उच्छृंखल**
ऊपर की ओर उछाला या फेंका हुआ	- **उत्क्षिप्त**
नीचे की ओर आना या जाना	- **उतरना**
ऊपर आने वाला श्वास	- **उच्छ्वास**
बहुत आगे/ऊपर बढ़ जाने की आकांक्षा	- **उच्चाकांक्षा**
जो सबसे ऊँचा हो	- **उच्चतम**
ऊपर कहा गया हो	- **उपर्युक्त**
जिसका ऊपर उल्लेख किया जा चुका है	- **उपर्युल्लिखित**
जो भूमि उपजाऊ हो	- **उर्वरा**
जिसके दांत न जमे हो	- **उदंत**
जिसका उल्लेख करना आवश्यक हो	- **उल्लेखनीय**
जिसका उपकार किया गया हो	- **उपकृत**
सूर्य जिस स्थान (पर्वत) से निकलता है	- **उदयाचल**
पर्वत के पास की भूमि	- **उपत्यका**
जिसका उल्लेख किया गया हो	- **उल्लिखित**
खाने से बचा हुआ जूठा भोजन	- **उच्छिष्ट**
जो छाती के बल चलता हो	- **उरग (सर्प)**
जो धरती फोड़ कर जन्मता हो	- **उदभिज**
जो उदार-वृत्ति का हो	- **उदार चेता**
जिसका हृदय उदार हो	- **उदार-हृदय**
जो परीक्षा में पास हो गया हो	- **उत्तीर्ण**
ऊंचे स्वर से उच्चारण किया हुआ	- **उर्ध्वोचारित**
निरंतर ऊंचे उठने की इच्छा	- **उदीषा**
जिसने ऋण चुका दिया हो	- **उऋण**
जला-थल दोनों जगह रहने वाला प्राणी	- **उभयचर**
उपहास के योग्य	- **उपहासस्पद**
वह वस्तु जिसका उत्पादन हुआ हो	- **उत्पाद**
किसी के बाद उसकी संपत्ति या स्थान को ग्रहण करने वाला व्यक्ति	- **उत्तराधिकारी**

‘ऊ’

सूर्योदय से पहले का समय	- **उषाकाल**
जिसका जन्म गर्मी में हुआ हो	- **ऊष्मज**
ऊपर की ओर जाने वाला	- **उर्ध्वगामी**
जिस भूमि में कुछ उत्पन्न न हो	- **ऊसर**
जो अपने वीर्य को न गिरने दे	- **ऊर्ध्वरेता**

‘ए’

जो दिन में एक बार भोजन करता हो	- **एकभुक्त**
जहां कोई दूसरा न हो	- **एकांत**
मास के किसी पक्ष की ग्यारहवीं तिथि	- **एकादशी**

Nitin-Gupta.com

किसी एक पक्ष से संबंध रखने वाला - **एकपक्षीय**
जिसका संबंध किसी एक देश से हो - **एकदेशीय**
किसी वस्तु के क्रय-विक्रय का एकक्षत्र अधिकार या अकेले आदमी का अधिकार - **एकाधिकार**
जिसका चित्त स्थिर हो -**एकाग्रचित्त**
जिसके एक ही आंख हो - **एकाक्ष**

'ऐ'

जो भेष बदलकर विकट या विलक्षण कार्य करता है - **ऐयार**
इंद्र का सफेद हाथी - **ऐरावत**
जो अपनी इच्छा पर निर्भर हो - **ऐच्छिक**
इंद्रियों से संबंधित - **ऐन्द्रिक**
इस लोक से संबंध रखने वाला - **ऐहिक/ऐहलौकिक**
इतिहास से संबंध रखने वाला - **ऐतिहासिक**

'ओ/औ'

विवाहित पत्नी से उत्पन्न पुत्र - **औरस**
जो केवल कहने सुनने के लिए हो - **औपचारिक**
उपन्यास संबंधी - **औपन्यासिक**
उपनिषद सम्बंधित - **औपनिषदिक**
उपनिवेश सम्बंधित - **औपनिवेशिक**
उद्योग संबंधी - **औद्योगिक**
बहुत देने वाला - **औढरदानी**

'क'

जो अच्छे या ऊंचे कुल में जन्म लिया हो - **कुलीन**
अपने ही कुल का नाश करने वाला व्यक्ति - **कुलांगार**
जिसकी अब कीर्ति शेष रह गई हो - **कीर्तिशेष**
नियम विरुद्ध या निंदनीय कार्य करने वालों की सूची - **काली-सूची**
वह बात या कथा जो जनसाधारण में प्रचलित हो - **किंवदंती**
कारागार से संबंध रखने वाला - **कारागारिक**
किन्ही निश्चितकार्यों के निर्वाह के लिए बनायी गयी समिति - **कार्य-समिति**
कार्य करने वाला व्यक्ति - **कार्यकर्ता**
तांत्रिक जो अपने हाथ में कपाल (खोपड़ी) लिए रहते हैं - **कापालिक**
क्रम के अनुसार - **क्रमानुसार**
ठीक अपने क्रम से आया हुआ - **क्रमागत**
केश को सजाने-संवारने का काम - **केशविन्यास**
लंबे बालों वाली (स्त्री) - **केशिनी**
कान का नीचे लटकता हुआ कमल भाग - **कर्णपाली**
जो किए जाने या करने योग्य हो - **करणीय (कर्तव्य)**
पद, वय आदि के विचार से औरों की अपेक्षा छोटा - **कनिष्ठ**
भय, भूख-प्यास से घबराया हुआ - **कातर**

Nitin-Gupta.com

भय-शोकादि के कारण कर्तव्य ज्ञान रहित - **किंकर्तव्यविमूढ़**
दुराचारिणी स्त्री - **कुलटा**
जिसने अभी विवाह न किया हो - **कुँवारा**
जो कल्पना से परे हो - **कल्पनातीत**
जो केंद्र की ओर उन्मुख होता हो - **केन्द्राभिमुख**
जो केंद्र से हटकर दूर जाता हो - **केंद्रापसारी**
अंधेरी रातों वाला पखवारा - **कृष्णपक्ष**
जिसकी उत्पत्ति, स्वभावगत न हो - **कृत्रिम**
जो अपना उद्देश्य सिद्ध होने पर संतुष्ट हो - **कृतार्थ**
बुरी संगत में रहने वाला - **कुसंगी**
किए हुए उपकार को भूल जाने वाला - **कृतघ्न**
किए हुए उपकार को मानने वाला - **कृतज्ञ**
काम को उत्तेजित करने वाला रूप - **कामरूप**
वह व्यक्ति जिसका ज्ञान अपने ही स्थान तक सीमित हो - **कूपमंडूक**
जिसकी बुद्धि कुशा की नोक के समान तीखी/तेज हो - **कुशाग्रबुद्धि**

'ख'

जो खाया जा सके (जो खाने योग्य हो) - **खाद्द**
आकाश में उड़ने वाला - **खग**
जीवन के एक अंश को लेकर लिखा गया प्रबंध काव्य - **खंडकाव्य**
जो घर गिर गया हो - **खंडगृह**
जो आकाश में चलता हो - **खेचर**
जो सदैव हाथ में तलवार लिए रहता हो - **खड़गहस्त**
ऐसा ग्रहण जिससे सूर्य या चंद्र का पूरा बिम्ब ढक जाए - **खग्रास**
जिसका कोई हिस्सा टूटकर अलग हो गया हो - **खंडित**
ऐसा जो अंदर से खाली हो - **खोखला**
किसी के घर की होने वाली तलाशी - **खानातलाशी**

'ग'

जिसमें गीत अधिक हो, वह नाटक - **गीतरूपक**
गायों को पालने और रखने का स्थान - **गोशाला**
जो इंद्रिय ज्ञान से परे हो - **गोतीत**
जिसका ज्ञान इंद्रियों द्वारा हो - **गोचर**
नये बनवाये घर में पहले-पहल होने वाला प्रवेश - **गृहप्रवेश**
जो कुछ भी बोल न सके - **गूंगा**
जिस पशु के पेट में बच्चा हो - **गाभिन**
गंगा से संबंधित या गंगा से उत्पन्न - **गांगेय**
घर या देश के अंदर आपस के लोगों या दलों की लड़ाई - **गृहयुद्ध**
गृह बसा कर रहने वाला - **गृहस्थ**
जो पहाड़ को धारण करता है - **गिरिधारी (श्रीकृष्ण)**
जो किसी के गद्दी पर बैठा हो - **गददीनशीन**

Nitin-Gupta.com

गणित शास्त्र का जानकार	- **गणितज्ञ**
गंगा और यमुना के जल के मेल की भांति दो तरह के रंग का	- **गंगा-जमुनी**
जिसके सिर के बाल झड़ गए हो	- **गंजा**
बहुत गप्पे हांकने वाला	- **गपोडिया**
हाथी का बच्चा	- **गजशावक (कलभ)**
लकीर का फकीर	- **परंपरावादी**
प्राचीन आदर्श के अनुकूल चलने वाला	- **गतानुगतिक**
जिसके पेट में बच्चा हो	- **गर्भवती/गर्भिणी**
जो कठिनता से और देर से पचे	- **गरिष्ठ**
जो बदलती हुई परिस्थितियों के अनुकूल अपने को बदल सके	- **गतिशील**
गांव से संबंधित	- **ग्रामीण**
संध्याकाल जब गायें चर का लौटती है/संध्या और रात के बीच का समय	- **गोधूलि**

'घ'

घुलने योग्य पदार्थ	- **घुलनशील**
घास छीलने वाला	- **घसियारा**
घूस लेने वाला	- **घूसखोर**
वह व्यक्ति जो दूसरों के घरों में फूट डालता हो	- **घर-फोरा**
बहुत सी घटनाओं का सिलसिला	- **घटनावली**
जिसकी घोषणा की गई हो	- **घोषित**
किसी के इर्द-गिर्द घेरा डालने की क्रिया	- **घेराबंदी**
कम जगह में अधिक आदमियों या वस्तुओं का जमाव	- **घिचपिच**
घाट पर बैठकर स्नान करने वालों से दान लेने वाला ब्राह्मण	- **घाटिया**
अपने मन के भाव को गुप्त रखने वाला	- **घुन्ना**
घृणा किए जाने योग्य	- **घृणास्पद**
जिसे देखकर घृणा उत्पन्न होती हो	- **घृणित**

'च'

किसी काम को करने की इच्छा	- **चिकीर्षा**
करने वाले वस्तु	- **चलायमान**
बरसात के चार महीने	- **चौमास**
जहां से अनेक मार्ग चारों ओर जाते हैं	- **चौराहा/चौरास्ता**
चारों ओर की सीमा	- **चौहद्दी**
चौथे दिन आने वाला ज्वर	- **चौथिया**
करुण स्वर से चिल्लाना	- **चीत्कार**
चूहों को फँसाने का पिंजरा	- **चूहेदानी**
रोगियों की चिकित्सा करने का स्थान	- **चिकित्सालय**
चैतन्य स्वरूप की माया	- **चिद्विलास**
जो अपने निश्चित स्थान से डिग गया हो	- **च्युत**
चीन में बने या चीन से आने वाला रेशमी कपड़ा	- **चीनांशुक**
जो कपड़ा बहुत फटा हुआ हो	- **चिथड़ा**

Nitin-Gupta.com

ऐसा काव्य जिसमें गद्द-पद्द का मिश्रण हो	**- चम्पू-काव्य**
किसी वस्तु का चौथा भाग	**- चतुर्थांश**
मास के किसी पक्ष की चौथी तिथि	**- चौथ**
स्वार्थवश किसी का गुणगान (चापलूसी) करने वाला	**- चाटुकार**
जो चर्चा का विषय हो	**- चर्चित**
जो आंखों से संबंधित हो	**- चाक्षुष**
वह मास जो चंद्रमा की गति के अनुसार गिना जाता है	**- चंद्रमास**
कमल के समान (सुंदर) चरण	**- चरणकमल**
जो चक्र को धारण करता है	**- चक्रधर**
जिसके सिर पर चंद्रमा है	**- चंद्रशेखर**
जिसके चार पैर हैं	**-चतुष्पद**
जिसकी चार भुजाएं हैं	**- चतुर्भुज**
ब्याज का वह प्रकार जिसमें मूल के ब्याज पर भी ब्याज लगता है	**- चक्रवृद्धि ब्याज**
जिसके चूड़ा (बालो) में चंद्रमा है	**- चंद्रचूड़**
चंद्रमा की वह स्थिति जब उस पर पृथ्वी की छाया पड़ने से उसका कुछ या सारा भाग दिखाई नहीं देता	**- चंद्रग्रहण**
किसी को चेतन के लिए कहीं जाने वाली बात	**- चेतावनी**
जिस पर चिन्ह लगाया गया हो -	**चिन्हित**
चिरकाल तक बना रहने वाला	**- चिरस्थायी**
चिरकाल तक जीवित रहने वाला	**- चिरंजीवी**
चित्त को चुराने वाला	**- चितचोर**
चिंता उत्पन्न करने वाला	**- चिंतनीय**
जिसके हाथ में चक्र हो	**- चक्रपाणि /चक्रधारी**
समस्त पृथ्वी का राजा	**- चक्रवर्ती**

‘छ’

रात्रि में बेखबर लोगों का आक्रमण	**- छापा**
बनावटी वेश	**- छद्म्वेश**
बनावटी वेश धारण करने वाला	**- छद्मी**
छ: महीने में होने वाला	**- छमाही**
कर्मचारी आदि छांटकर कर निकाल देने का काम	**- छंटनी**
किसी को दोषारोपण करके छेड़ना	**- छींटाकशी**
छोटे से छोटे दोष को खोजने वाला	**- छिद्रान्वेषी**
किसी काम या व्यक्ति में छिद्रों, त्रुटियों व दोषों को ढूंढने का काम	**- छिद्रान्वेषण**
छात्र-छात्राओं के रहने का स्थान	**- छात्रावास**
छिपे वेश में रहना	**- छद्मवेश**
सेना के ठहरने का स्थान	**- छावनी**
अकस्मात कहीं भी आकर छापा मारने वाला	**- छापामार**

‘ज’

भोजन की इच्छा करने वाला	**- जिघत्सु**
जल-थल दोनों जगह पर रह सकने वाला	**- जलभूमिया**

Nitin-Gupta.com

बेटी का पति - **दामाद**
जन्मदिन पर मनाया जाने वाला उत्सव - **जन्मोत्सव**
पति का बड़ा भाई - **जेठ**
पेट की अग्नि - **जठराग्नि**
जो वृद्ध होने के कारण जर्जर हो गया हो - **जराजीर्ण**
जो जन्म से ही अंधा है - **जन्मांध**
जन्म से सौ वर्ष का समय - **जन्मशती**
वह यान जो जल में चलता है - **जलयान**
जल में विचरने वाले जीव - **जलचर**
जल लेने के बदले में दिया जाने वाला टैक्स - **जलकर**
जल में पैदा होने वाला - **जलज**
सारे जीवन में किसी के कार्य आदि का विवरण - **जीवन-चरित्र**
जिसने इंद्रियों पर विजय पा ली हो - **जितेंद्रिय**
जानने की इच्छा रखने वाला - **जिज्ञासु**
कुछ जानने या ज्ञान प्राप्त करने की चाह - **जिज्ञासा**
किसी को जीतने की चाह - **जिगीषा**
किसी पर विजय पाने की इच्छा रखने वाला - **जिगीषु**
महामूर्ख - **जड़**
अधिक समय तक जीते रहने का इच्छुक - **जिजीविषु**
जीने की प्रबल इच्छा - **जिजीविषा**
जनता द्वारा संचालित शासन - **जनतंत्र**

'झ'

जिसके लंबे-लंबे बिखरे हुए बाल हो - **झबरा**
झगड़ा करने वाला - **झगड़ालू**

'ट'

धनुष की प्रत्यंचा से उत्पन्न ध्वनि - **धनुष्टंकार**
लगातार घंटा बजने से होने वाला टन टन शब्द - **टनाटन**
किसी ग्रंथ या रचना की टीका करने वाला - **टिकाकार**
चारों ओर से जल से घिरा हुआ भू-भाग - **टापू**
बोझा लादने वाला छोटा घोड़ा - **टट्टू**
सिक्के डालने का कारखाना - **टकसाल**
टाइप करने की कला - **टंकण**
किसी बात पर कुछ कहना - **टिप्पणी**
किराये पर चलने वाली मोटर गाड़ी - **टैक्सी**

'ड'

जहां पर पत्रों को भेजा या प्राप्त किया जाता है - **डाकघर**
पत्रों को दूर स्थान तक पहुंचाने का कार्य - **डाक-सेवा**
घर-घर जाकर लोगों की डाक पहुंचने वाला कर्मचारी - **डाकिया**

Nitin-Gupta.com

‘त’	
मास के किसी पक्ष की तीसरी तिथि	- **तृतीया**
कोई काम या पद छोड़ देने के लिए लिखा गया पत्र	- **त्यागपत्र**
वह स्थान जहां तोपे और बारूद आदि रखा जाता है	- **तोपखाना**
तैर कर पार होने की इच्छा रखने वाला	- **तितीर्षु**
चोरी-छिपे और चुंगी शुल्कादि दिये बिना माल का क्रय विक्रय करने वाला	- **तस्कर**
एक व्यक्ति द्वारा चलाई जाने वाली शासन प्रणाली	- **तानाशाही**
जो किसी कार्य हेतु सर्वदा उद्धत रहता हो	- **तत्पर**
जिसको त्याग दिया गया हो	- **त्यक्त**
जो तत्व को जानता हो	- **तत्वज्ञानी**
वह जो बराबर तपस्या करता है	- **तपस्वी**
विवाद या गुटबाजी से अलग रहने वाला	- **तटस्थ**
किसानों को सरकार या जमींदारों द्वारा दी गयी ऋण के रूप में आर्थिक सहायता	- **तकावी**
जिसे त्याग देना उचित हो	- **त्याज्य**
उसी समय का	- **तत्कालीन**
जो तीनों कालों को जानने वाला हो	- **त्रिकालज्ञ**
तर्क के द्वारा जो माना गया हो	- **तर्कसम्मत**
जो तर्क के आधार पर ठीक सिद्ध हो	- **तर्कसंगत**
जो तर्क योग्य हो	- **तार्किक**
ऐसा तर्क जो देखने पर ठीक प्रतीत होता हो किंतु वैसा न हो	- **तर्काभास**
वह वस्तु जिसमें बाण रखे जाएं	- **तूणीर**

‘थ’	
चौपायों के बांधने का स्थान	- **थान**
कुछ निश्चित लंबाई का कपड़ा	- **थान**
पुलिस थाने का प्रधान अधिकारी	- **थानेदार**
पुलिस की बड़ी चौकी	- **थाना**

‘द’	
राजा द्रुपद की पुत्री	- **द्रोपदी**
प्रतिदिन होने वाला	- **दैनिक**
अपने देश के साथ विश्वास घात करने वाला	- **देशद्रोही**
अपने देश से प्यार करने वाला	- **देशभक्त**
पति के छोटे भाई की पत्नी	- **देवरानी**
वह जो अपनी प्रतिज्ञा पर दृढ़ रहे	- **दृढ़प्रतिज्ञ**
जिसका नाप करना कठिन हो	- **दुष्परिमेय**
जिसे करना बहुत कठिन हो	- **दुष्कर**
बुरे आचरण/चरित्र वाला	- **दुश्चरित्र**
जो बहुत कठिनायी से मिलता है	- **दुर्लभ**
किसी काम को चित लगाकर करना/पूर्ण लगन से करना	- **दत्तचित्त**

Nitin-Gupta.com

जिसका मुख दक्षिण की ओर हो	**- दक्षिणाभिमुख**
अपराध और उन पर दंड देने के नियम निर्धारित करने वाला ग्रंथ	- **दण्डसंहिता**
दंड देने योग्य	- **दण्डनीय**
दिन में कम दिखायी देने वाला रोग	- **दिनौंधी**
जंगल की आग	- **दावानल**
स्त्री पुरुष का जोड़ा	- **दंपत्ति**
जहां जाना कठिन हो	- **दुर्गम**
दिन भर का कार्य	- **दिनचर्या**
जो दो बार जन्म लेता है	- **द्विज**
जो दिया जा सके	**- देय**
जो मार्ग पार करने में दु: खमय प्रतीत हो	- **दुर्लंघ्य**
गोद लिया हुआ पुत्र	- **दत्तक**
जो देवताओं के योग्य हो	- **दिव्य**
जो दूर की सोचता हो	- **दूरदर्शी**
बुरी लत /आदत वाला	- **दुर्व्यसनी**
वह स्त्री जिस पर स्वामी का प्रेम न हो	- **दुर्भगा**
दो भाषाएं बोलने वाला	- **द्विभाषी**
दिन के समय अपने प्रिय से मिलने जाने वाली नायिका	- **दिवाभिसारिका**
विवाह के पश्चात बहू का दूसरी बार ससुराल जाना	- **द्विरागमन**

'ध'

धारण करने में समर्थ	- **धारयिष्णु**
धारण करने वाला	- **धारयिता**
धारण करने वाली	- **धारयित्री**
जिसकी धर्म में निष्ठा हो	- **धर्मनिष्ठ**
मछली पकड़ने वाली जाति	- **धीवर**
जिस पर लंबी-लंबी धारियां हो	- **धारीदार**
वह जो पृथ्वी को धारण करता हो	- **धरणीधर**
कलावंत और मृदुस्वभाव वाला नायक	- **धीरललित**
बहु प्रचंड चंचल और आत्माश्लाघी नायक	- **धीरोद्धत**
दयालु, बलवान, धीर और योद्धा नायक	- **धीरोदात्त**
हवा में मिली हुई धूल या भाप के कारण होने वाला अंधेरा	- **धुँध**
यात्रियों के लिए धर्मार्थ बना हुआ घर	- **धर्मशाला**
धार्मिक सिद्धांतों के अनुसार आचरण करने वाला या धर्म में रुचि रखने वाला	- **धर्मात्मा**
ध्यान या विचार करने वाला	- **ध्याता**
धनुष धारण करने वाला	- **धनुर्धर**
धारण करने वाला	- **धारक**
धन देने वाला	- **धनद**
धन देने वाली	- **धनदा**
जो वस्तु दूसरे के यहां सुरक्षित रखी हो	- **धरोहर**

Nitin-Gupta.com

'न'	
जो कामना रहित हो	- **निष्काम**
जो निंदा के योग्य हो	- **निंदनीय**
जो ईश्वर को मानता हो -	**नास्तिक**
निशा (रात्रि) में विचरण करने वाला	- **निशाचर**
जो विहित प्रक्रिया द्वारा चुना गया हो	- **निर्वाचित**
विहित प्रक्रिया द्वारा चुना जाना	- **निर्वाचन**
निर्वाचन में अपना मत देने वाला	- **निर्वाचक**
जिसके हृदय में ममता न हो	- **निर्मम**
देश से बाहर माल भेजना	- **निर्यात**
जो आसानी से झुकाया जा सके	- **नमनीय**
जिसमें उत्साह न हो	- **निरुत्साह**
जहां किसी बात का डर अथवा खतरा न हो	- **निरापद**
जो नया आया हो -	**नवागंतुक**
जिसके विषय में विवाद न हो	- **निर्विवाद**
शासकीय अधिकारियों का शासन	- **नौकरशाही**
जिसे अक्षर ज्ञान न हो	- **निरक्षर**
जिसका आकार न हो	- **निराकार**
लगातार देखना, बिना पलक झपकाए	- **निर्निमेष**
जो उत्तर न दे सके	- **निरुत्तर**
जिस पर किसी प्रकार का अंकुश न हो	- **निरंकुश**
जो भविष्य के प्रति निराश हो	- **निराशावादी**
जिसके पास शक्ति का अभाव हो	- **निर्बल**
जिसका कोई आश्रय न हो	- **निराश्रय**
बालुकामय प्रदेश के बीच पाया जाने वाला हरित क्षेत्र	- **नखलिस्तान**
जिसका कोई संतान न हो	- **नि: संतान**
जिस स्त्री के पुत्र न पैदा होता हो	- **निपूती**
रात्रि के मध्य-भाग का समय	**- निशीथ**
जिसका कोई आधार न हो	- **निराधार**
जो व्यक्ति सांसारिक विषय भोग से रहित हो	- **निरीह**
जो चिंता से रहित हो	- **निश्चिन्त**
जिस पर किसी प्रकार की कोई फीस न ली जाए	- **नि: शुल्क**
मांस न खाने वाला	- **निरामिष**
जो किसी से न डरे	- **निडर**
जो नीचे लिखा गया है	- **निम्नलिखित**
जो नित्यप्रति नवीन रहे	- **नितनूतन**
'प'	
अपने पिता की हर तरह सेवा करना	- **पितृभक्त**
किए हुए परिश्रम के बदले में मिलने वाला धन	- **पारिश्रमिक**

Nitin-Gupta.com

प्रार्थना करने वाला व्यक्ति	– **प्रार्थी**
किये पाप का दंडस्वरूप फल-भोग	- **प्रायश्चित**
प्राण (श्वास-प्रश्वास) की गति का क्रमशः दमन	- **प्राणायाम**
जिसका जन्म शरीर से हो	- **पिण्डज**
जो गिरा हुआ हो	- **पतित**
उपकार के प्रति किया गया उपकार	- **प्रत्युपकार**
जो जानवर पाले जा सके	- **पालतू**
दूसरे की बुराई खोजने वाला	- **परछिद्रान्वेषी**
जो आंख से परे हो	- **परोक्ष**
जो आंखों के आगे हो	- **प्रत्यक्ष**
पत्ते की बनी हुई कुटी	- **पर्णकुटी**
पिता से प्राप्त संपत्ति	- **पैतृक**
जिस स्त्री के पुत्र और पति हो	- **पुरंध्री**
इतिहास के युग से पूर्व का	- **प्रागैतिहासिक**
जिसकी पूजा की जा सके	- **पूजनीय**
पद का लालची	- **पदलोलुप**
जो देखने में प्रिय लगे	- **प्रियदर्शी**
जो प्रशंसा के योग्य हो	- **प्रशंसनीय**
जो सुख-दुःख से परे हो	- **परमहंस**
जो पुरुषार्थ के अनुरूप हो	- **पौरुषेय**
पृथ्वी से संबंधित या मिट्टी का बना हुआ	- **पार्थिव**
फूलों की रज	- **पराग**

'फ'

फल को इस प्रकार रखना कि वह सडने गलने न पाए	- **फल-परिरक्षण**
वह पात्र जिसमें शोभा के लिए फूल लगाकर रखे जाते हैं	- **फूलदान**
फल में आसक्ति रखने वाला	- **फलासक्त**
फल की आकांक्षा या कामना	- **फलाकांक्षा**
घूम-फिर कर सौदा बेचने वाला	- **फेरीवाला**
छत में टांगने वाला शीशे का कमल या गिलास जिसमें मोमबत्तियां जलता है	- **फानूस**
जिस कागज पर मानचित्र, विवरण या कोष्ठक अंकित हो	- **फलक**
जिस स्थान पर बैठकर माल खरीदा और बेचा जाता है	- **फड़**
फलने वाला या फल (ठीक परिणाम) देने वाला	- **फलदायी**
जो केवल फल खाकर रहता हो	- **फलाहारी**

'ब'

एक से अधिक पत्नी रखने की प्रथा	- **बहुपत्नीत्व-प्रथा**
बहुत सी भाषाओं को बोलने वाला	- **बहुभाषा-भाषी**
बहुत सी भाषाएँ जानने वाला	- **बहुभाषाविद**
बड़े दाम का	- **बहुमूल्य**
बुद्धि द्वारा ग्रहण किए जाने योग्य	- **बुद्धिग्राह्य**

Nitin-Gupta.com

जिसने अनेक विषयों का ज्ञान सुना और स्मरण कर लिया हो	- **बहुश्रुत**
आधे से अधिक लोगों को मिलाकर एक राय	- **बहुमत**
जो बुद्धि द्वारा जाना जा सके	- **बोधगम्य**
छोटे कद का आदमी	- **बौना**
जिस स्त्री की संतान न पैदा होती हो	- **बध्या (बाँझ)**
बहुत से रूप धारण करने वाला	- **बहुरूपिया**
किसी देवता पर चढ़ने के लिए किसी पशु को मारने की क्रिया	- **बलि**
जो बालकों के लिए उपयोगी हो	- **बालोपयोगी**
सागर में लगने वाली अग्नि	- **बड़वानल**
किसी बात की खबर न हो	- **बेखबर**
खाने की इच्छा	- **बुभुक्षी**
जिनकी जीविका बुद्धि के (दिमागी) काम से चलती हो	- **बुद्धिजीवी**
अनेक धंधो से संबंध रखने वाला	- **बहुधन्धी**
यह सिद्धांत की देवता बहुत से है और उनकी उपासना की जानी चाहिए	- **बहुदेववादी**
जो बहुत से विषयों का जानकार हो	- **बहुज्ञ**
जिसे समाज या जाति से बाहर निकाल दिया गया हो	- **बहिष्कृत**
रात्रि का अंतिम पहर	- **ब्रह्ममुहूर्त**
जिसके जोड़ (मुकाबले) का कोई ना हो	- **बेजोड़**
जिसके पास कोई रोजगार नहीं है	- **बेरोजगार**
जिसकी कामना बीत चुकी हो	- **बीतकाम/आप्रकाश**
जिसने बहुत कुछ देखा हो	- **बहुदर्शी**

'भ'

जो भारत में रहता हूं	- **भारतीय**
जो भविष्य की बात सोचता है	- **भविष्यचेता**
वह प्रभाव जो भूतकाल की तिथि से लागू हुआ हो	- **भूतप्रभावी/भूतलक्षी**
किसी गूढ विषय की वृहद टीका	- **भाष्य**
जो भविष्य में निश्चित रूप से होने को है	- **भवितव्य**
जिसका भजन करना उचित और आवश्यक है	- **भजनीय**
यूरोप एवं भारत संबंधी	- **भारोपीय**
जो भय से घबराया हुआ हो	- **भयाकुल**
भय उत्पन्न करने वाला	- **भयानक**
ऐसा शास्त्र जिसमें पृथ्वी के स्वरूप का वर्णन है	- **भूगोल**
जो भू (भूमि) को धारण करता है	- **भूधर**
भूतों का ईश्वर	- **भूतेश**
दीवार पर बने हुए चित्र	- **भित्तिचित्र**
जो अच्छे भाग्य वाला हो	- **भाग्यवान/भाग्यशाली**
आगे घटित होने वाला	- **भावी**
गर्भ में शिशु की हत्या	- **भ्रूणहत्या**
किसी टूटी हुई इमारत का शेष (बचा हुआ अंश)	- **भग्नावशेष**

Nitin-Gupta.com

भूगोल से संबंधित या भूगोल का	- **भौगोलिक**
जिसका भोग होता है	- **भोग्य**
(किसी पद पर) जो पहले रहा हो/जो पूर्व में था या हुआ था पर अभी नहीं है	- **भूतपूर्व**
भूगर्भ विज्ञान का जानकार	- भूगर्भवेत्ता
जो व्यक्ति भाग्य पर विश्वास करें	- **भाग्यवादी**
क्रोध करने वाली स्त्री	- **भामिनी**

'म'

किसी विषय में दूसरों से मत न लेना	- **मतभेद**
चुनाव में अपना मत देने की क्रिया	- **मतदान**
समाज में उच्च वर्ग और निम्नवर्ग के बीच का वर्ग	- **मध्यवर्ग**
दो विरोधी मार्गों के बीच का मार्ग	- **मध्यमार्ग**
फूलों का मधु	- **मकरंद**
जिसे मोक्ष प्राप्त करने की इच्छा हो	- **मुमुक्षु**
जिसे मर जाने की कामना हो	- **मुमूर्षु**
मरने करने की इच्छा	- **मुमूर्षा**
जो मर्यादा के अनुरूप हो -	**मर्यादित**
दोपहर का समय	- **मध्यान्ह**

'य'

जिसका कोई स्थायी ठिकाना न हो	- **यायावर**
यूरोप और एशिया संबंधी	- **यूरेशिया**
उचित आहार करने वाला	- **युक्ताहार**
जिसने यश प्राप्त किया हो/जिसका यश चारों ओर फैला हुआ	- **यशस्वी**
यज्ञ करने और कराने वाला व्यक्ति	- **याज्ञिक**
किसी से अनुग्रह पूर्वक कुछ मांगना	- **याचना**
जो कोई वस्तु या भिक्षा मांगता है	- **याचक**
वह शास्त्र जिसमें यंत्रों के बने चलाने और सुधारने का विवेचन होता है	- **यांत्रिकी**
समुद्री जहाज जिस पर से सैनिक युद्ध करते हैं	- **युद्धपोत**
अपने युग का बहुत बड़ा व्यक्ति	- **युगपुरुष**
युवा या युवती होने की अवस्था	- **यौवन**
राजगद्दी का उत्तराधिकारी/सबसे बड़ा राजकुमार -	**युवराज**
युद्ध करने के प्रबल इच्छा करने वाला	- **युयुत्सु**
युद्ध करने के प्रबल इच्छा	- **युयुत्सा**
जैसा पहले था वैसे ही	- **यथापूर्व**
जैसा उचित हो वैसा	- **यथोचित**
जैसा है उसी के अनुरूप	- **यथानुरूप**
जैसी विधि निर्धारित हो उसी के अनुसार	- **यथाविधि**
जहां तक सध सके	- **यथासाध्य**
जहाँ तक और जितना संभव हो	- **यथासम्भव**
अपनी शक्ति भर	- **यथाशक्ति**

Nitin-Gupta.com

'र'

राज्य या राजा के प्रति किया जाने वाला विद्रोह - **राजद्रोह**
बड़े-बड़े खम्भो में रस्सी से बांधकर बनाया गया मार्ग - **रज्जुमार्ग**
जिसकी रक्षा करना उचित या आवश्यक हो - **रक्षणीय**
जिसके रोंगटे खड़े हो गए हो - **रोमांचित**
रोष से भरा हुआ - **रुष्ट**
उत्तराधिकार से मिली जायदाद - **रिक्थ**
जहां नाटक खेला जाता है - **रंगमंच**
दूसरे देश में अपने राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करने वाला - **राजदूत**
राजा के द्वारा संचालित शासन - **राजतंत्र**
खून से रंगा हुआ - **रक्तरंजित**

'ल'

गांव की जमीन और उसके मालगुजारी का लेखा रखने वाला - **लेखपाल**
आय-व्यय, लेन-देन का लेखा करने वाला - **लेखाकार**
इस लोक (संसार) से संबंध रखने वाला - **लौकिक**
बच्चों को थपकी देते हुए सुलाने के गीत - **लोरी**
लोक में प्रचलित वस्तुओं से बढ़कर - **लोकोत्तर**
लंबे या मोटे (उदर) पेट वाला - **लंबोदर**
जो पुरुष लोहे की तरह बलिष्ठ हो - **लौह-पुरुष**
समग्र लाभ पाने की चाह - **लिप्सा**
जिसका कोई जवाब न हो - **लाजवाब**
वह व्यक्ति जो लकड़ियाँ काटकर अपना रोजगार चलाता है - **लकड़हारा**

'व'

वर्ष में एक बार होने वाला - **वार्षिक**
वह जो किसी के विरुद्ध वाद (मुकदमा) पेश करे - **वादी**
ऐसी व्यवस्था जिससे बाहर के तापमान का प्रभाव भीतर न पड़े - **वातानुकूलन**
विष्णु संबंधी या उस संप्रदाय के नियमों पर चलने वाला - **वैष्णव**
जो बात वर्णन के पूरे (बाहर) हो - **वर्णनातीत**
जो विभिन्न विषयों में आसक्त हो - **विषयासक्त**
विभिन्न प्रकार के विवादों में फंसा हुआ - **विवादास्पद**
जो सब में व्याप्त हो - **विभु**
व्यवस्था करने वाला - **व्यवस्थापक**
अनुचित यौन संबंध रखने वाला - **व्यभिचारी**
प्रतिवर्ष दी जाने वाली वृत्ति या अनुदान - **वार्षिकी**

'श'

हरा भरा मैदान - **शाद्वल**
शिशु संबंधी या शिशुओं की अवस्था से संबंधित - **शैशव**
जो सुनने योग्य हो - **श्रव्य**

Nitin-Gupta.com

वह जिसके ऊपर शासन हो - **शासित**
जो तेज चलता हो - **द्रुतगामी**
जिसके हाथ में शुल हो - **शूलपाणि**
सौ में सौ - **शत-प्रतिशत**
आदरपूर्वक सिर पर धारण करने या स्वीकार करने योग्य - **शिरोधार्य**
वह जो शक्ति या देवी की उपासना करता है - **शाक्त**
जो शास्त्रों का ज्ञाता हो - **शास्त्रज्ञ**
जो शत्रुओं को हत करता हो - **शत्रुहंता**
शत्रुओं को मार डालने वाला - **शत्रुघ्न**
वह जो शिव संबंधी या शिव संप्रदाय के नियमों का पालन करता हो - **शैव**
चंद्रमास का वह पक्ष जब शाम से ही चंद्रमा के दर्शन होने लगते हैं - **शुक्लपक्ष**
शयन का स्थान या कक्ष - **शयनागार**
शब्द सुनकर बाण करने वाला - **शब्दभेदी**
वह जो केवल अन्य फल शाक सब्जी खाता हो - **शाकाहारी**

'ष'

जिसके छ: मुख हो - **षड्मुखी**
किसी के अनिष्ट हेतु उपाय करना - **षड्यंत्र**
भारतीय दर्शन में छ: प्रमुख दार्शनिक विचार - **षड्दर्शन**
छ: छ: महीने पर होने वाला - **षटमासिक**
मास की छठी तिथि - **षष्ठी**
जिस आकृति में छ: कोण हो - **षटकोण**

'स'

कुछ खास शर्तों द्वारा कोई कार्य करने-कराने का समझौता - **संविदा**
संचय किया हुआ - **संचित**
वह स्थान जहां अस्थायी महत्व की वस्तुओं का संग्रह हो - **संग्रहालय**
अपने परिवार के साथ - सपरिवार
स्त्री के वश में रहने वाला/जिसका स्वभाव स्त्रियों जैसा हो - **स्त्रैण**
जो स्त्री दुराचारिणी हो - **स्वैरिणी**
जो अपने ही नाम से प्रसिद्ध हो - **स्वनाम धन्य**
अपनी इच्छा के अनुसार आचरण करने वाला - **स्वेछाचारी**
जो स्त्री पति के लिए मर मिटे – **सती**
उच्च वर्गीय शासन - **सामंतशाही**
जो सभी को प्रिय हो - **सर्वप्रिय**
एक ही जाति के - **सजातीय**
अच्छे आचरण वाला - **सदाचारी**
जो असत्य न बोले, सत्य भाषण करे - **सत्यवादी**

'ह'

मिठाई बनाकर बेचने वाला - **हलवाई**
हाथ में सरलता से आने वाली पुस्तिका - **हस्तपुस्तिका**

Nitin-Gupta.com

हंस के समान गति से चलने वाली स्त्री - **हंसगामिनी**
अगहन और पूस में पडने वाली ऋतु - **हेमंत**
हिंद देश की भाषा/भारतीय भाषा - **हिंदी**
भला या हित चाहने वाला - **हितैषी**
जिसे देखकर लोग मजाक उड़ाए - **हास्यास्पद**
हाथ की कारीगरी - **हस्तशिल्प**
किसी व्यक्ति द्वारा हलफ के साथ लिखा हुआ न्यायालय का प्रस्तुत पत्र - **हलफनामा**
हवा में उड़ने रहने या होने वाला - **हवाई**
ऐसी घटना जो अवश्य ही घटित हो - **अवश्यंभावी**
जो होकर ही रहे - **होनी**
वह चातुर्य जो हाथ से किया जाए - **हस्तलाघव**
जिसका उत्साह गिर चुका हो - **हतोत्साहित**

'क्ष'

किसी क्षेत्र में स्थित या सीमित रहने वाला - **क्षेत्रीय**
किसी राजा के अधीन छोटे सामंत - **क्षत्रप**
क्षत्रिय पुरुष की पत्नी - **क्षत्राणी**
वर्ण व्यवस्था के अनुसार रक्षा कर्म करने वाली जाति - **क्षत्रिय**
जो क्षमा पाने योग्य हो - **क्षम्य**
क्षमा करने वाला व्यक्ति - **क्षमाशील**
बौद्ध धर्म का एक प्रमुख सिद्धांत, जिसके अनुसार संसार की प्रत्येक वस्तु क्षण भर के लिए अस्तित्वान होती है - **क्षणिकवाद**
जो क्षण भर में नष्ट होने वाला हो - **क्षणभंगुर**
कटा-फटा हुआ - **क्षत-विक्षत**
क्षीण शरीर वाला - **क्षीणकाय**
भूख से व्याकुल - **क्षुधातुर**
जिसका हाथ बहुत तेज चलता हो - **क्षिप्रहस्त**
जहां पृथ्वी और आकाश मिलने दिखाई पड़े - **क्षितिज**

'त्र'

शीतल, मंद, सुगंधित वायु - **त्रिविध वायु**
वह जो छुटकारा दिलाता है - **त्राता**
भौहों के बीच का ऊपरी भाग - **त्रिकुटी**
तीन नदियां गंगा, यमुना, सरस्वती का संगम - **त्रिवेणी/संगम**
तीन लोक आकाश, पृथ्वी, पाताल - **त्रिलोक/त्रिभुवन**
तीनों प्रकार के ताप या कष्ट (दैहिक दैविक भौतिक) - **त्रिताप**
हर तीसरे महीने वाला - **त्रैमासिक**
जैन धर्म के तीन अंग सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान, सम्यक आचरण - **त्रिरत्न**
भूत, भविष्य एवं वर्तमान को देखने वाला - **त्रिकालदर्शी**
जिसके पास तीन नेत्र है - **त्रिनेत्र**
जो तीनों कालों के विषय में जानता हो - **त्रिकालज्ञ**
रात्रि का तीसरा प्रहर - **त्रियामा**

Nitin-Gupta.com

‘ज्ञ’	
ज्ञान की महत्ता	- **ज्ञान-गरिमा**
जिसे ज्ञान प्राप्त करने की प्यास हो	- **ज्ञान-पिपासु**
जो सभी पुराण, उपनिषद शास्त्र का ज्ञान रखता हो	- **ज्ञानी**
जो जानने योग्य हो	- **ज्ञातव्य**
जो जाना जा सके/जिसे जानना आवश्यक हो	- **ज्ञेय**
जो जानता हो	- **ज्ञाता**

अन्य महत्वपूर्ण परीक्षोपयोगी तथ्य	
सूर्योदय के ठीक पहले और सूर्यास्त के ठीक बाद का समय	- **अतिसंध्या**
जो बहुत कठिन हो/जो बहुत अहंकारी हो	- **अतिदुर्धर्ष**
जो मुरझाया हुआ न हो	- **अजीत**
पाप के बदले मिलने वाला दु: ख	- **अजाब**
धन-धान्य से परिपूर्ण	- **अजाची**
वह विवाहिता जिसकी बड़ी बहन अविवाहित हो	- **अग्रेदिधिषू**
जो छिपाये या ढके जाने योग्य हो	- **अगोह्य**
लाभ या सूद न लेने वाला	- **अकुसीद**
जो सबसे छोटा न हो	- **अकनिष्ठ**
निम्न जाति का व्यक्ति	- **अंतावसायी**
दो मकान के बीच की गली	- **अन्तरिका**
कंधों के बीच का भाग, वक्षस्थल	- **अंतरांस**
हाथी का सिर कोंचने का हथियार	- **अंकुश**
परंपरा से संबंधित बात	- **पारंपरिक**

नायिकाओं से जुड़े एक शब्द	
परित्यक्त/विधवा नायिका जो अन्य पुरुष से विवाह करे	- **पुनर्भू**
दुर्गुणो/प्रतिपक्ष का नेतृत्व करने वाली नायिका	- **खलनायिका**
घुंघराले बालों वाली नायिका	- **काकुली**
सुंदर और लंबे बालों वाली नायिका	- **सुकेशी**
कमल जैसे नैनो वाली नायिका/बड़े-बड़े नेत्रों वाली	- **आयतलोचना**
सैकड़ो आंखों वाली नायिका	- **शताक्षी**
सुनहली आंखों वाली नायिका	- **सोनाक्षी**
मछली के समान आंख वाली नायिका	- **मीनाक्षी**
सुंदर आंखों वाली नायिका	- **सुलोचना/सुनयना**
चंचल आंखों वाली नायिका	- **लोलाछिका**

समय से जुड़े एक शब्द	
चांदनी रात	- **शर्वरी**
तारों भरी रात	- **विभावरी**

Nitin-Gupta.com

रात्रि का चौथा पहर - **ब्रह्ममुहूर्त**
अर्द्धरात्रि का समय - **निशीथ**
रात्रि का दूसरा पहर - **द्वियामा**
रात्रि का प्रथम पहर - **प्रदोष**
रात्रि का तीसरा पहर - **त्रियामा**
संध्या एवं रात्रि के बीच का समय - **गोधूलि**
सूर्य के अस्त होने का समय - **अपरान्ह**
दोपहर का समय - **मध्यान्ह**
दोपहर के पहले का समय - **पूर्वान्ह**
सूर्योदय से नौ बजे सुबह तक का पहर - **प्रातः काल**
सूर्य निकलने का समय - **सूर्योदय काल**
सूर्य की लालिमा देखने का समय - **अरुणोदय काल**
रात्रि एवं सुबह के बीच का समय - **उषाकाल**
सुबह कौवे के बोलने का समय - **भोर**

स्थान से जुड़े एक शब्द

जो जोता-बोया न गया हो - **अकृष्ट/अकृषित**
वह भूमि जो पहले न जोती गयी हो - **अकृष्टपूर्वा**
बिना हल जोते उगने वाली फसल - **अकृष्टपच्य**
जलासिक्त भूमि - **आर्द्रभूमि**
समुद्र तट पर स्थित भूमि - **तटीय**
बालूकामय प्रदेश - **मरुभूमि**
हरा-भरा मैदान - **शाद्वल**
पर्वत के पाद-प्रदेश से लगा हुआ क्षेत्र - **तराई**
पर्वतों के बीच का स्थान - **द्रोणी**
दो से अधिक पर्वतों के बीच का स्थान - **घाटी**
पर्वत के बीच की भूमि - **अपत्यका**
पर्वत के ऊपर की समतल भूमि - **अधित्यका**
पर्वत के नीचे की समतल भूमि - **उपत्यका**

पुष्प से जुड़े एक शब्द

नील/श्याम कमल - **इन्दीवर/नीलोत्पल**
सफेद कमल - **पुण्डरीक**
लाल कमल - **कोकनद**
तालाब में खिला हुआ कमल - **सरसिज**
कमल की डंडी - **मृणाल**
वह फूल जो सूंघा गया हो - **आघ्रात**
वह फूल जो न सूंघा गया हो - **अनाघ्रात**
वह फूल जो पूरा खिला हो - **निमीलित**

Nitin-Gupta.com

वह फूल जो पूरा न खिला हो -	**मुकुलित**
वह फूल जो आधा खिला हो	- **अर्द्धनिमीलित**
वह फूल जो खिलने जा रहा हो	- **मुकुल**
वह फूल जो खिला न हो	- **कली**

व्यक्ति से जुड़े एक शब्द

वह जो आत्मा की ओर देखा हो	- **आत्मद्रष्टा**
शत्रु को जीतकर स्वतंत्र कर देने वाला	- **शत्रुंजय**
शत्रुओं को जीतने वाला	- **शत्रुजित**
शत्रुओं को हत करने वाला	- **शत्रुहन्ता**
शत्रुओं का मान-मर्दन करने वाला	- **शत्रुघ्न**
वह जिसका अंत न हो	- **अनंत**
वह जिसका आदि न हो	- **अनादि**
वह जो आदि से अंत तक हो	- **अद्दोपान्त**
जिसकी सीमा न हो	- **असीम**
जिसकी जीविका निश्चित हो -	**सुवृत्ति**
जिसकी जीविका अनिश्चित हो	- **आकाशवृत्ति**
छोटे भाई से पहले बड़े भाई का विवाह	- **सुवेश**
बड़े भाई से पहले छोटे भाई का विवाह	- **अनुवेश**

पुत्र से जुड़े एक शब्द

पितृसमवर्णी पुरुष द्वारा किसी कन्या से उत्पन्न पुत्र	- **कानीन**
उपपति (गैर-पुरुष) से उत्पन्न पुत्र	- **जारज**
धर्म पत्नी से उत्पन्न पुत्र	- **औरस**
जिसके मन में ईर्ष्या न हो	- **निर्मत्सर**
जो दूसरे के वश में न हुआ हो	- **अनायत**
जिसका शरीर बहुत छोटा हो	- **वितनु**
जिसका मन उदार हो	- **उदारमना**
जिसका मन महान हो	- **महामना**
जिसके हाथ में कोई काम न हो	- **निरुद्यम**
पुत्र का पुत्र	- **पौत्र**
पुत्री का पुत्र	- **दौहित्र**
क्रय किया हुआ पुत्र	- **क्रीतक**

Nitin-Gupta.com

6. विलोम

परिभाषा-

विलोम शब्द का अर्थ है 'उल्टा' अर्थात उल्टे अर्थ में प्रयुक्त होने वाले शब्दों को विलोम या विपरीतार्थक शब्द कहते हैं, जैसे-जन्म का विलोम मृत्यु, बड़ा का विलोम छोटा और बुरा का विलोम अच्छा है| यहां गौरतलब है कि विलोम शब्द हमेशा सजातीय ही होते हैं, जैसे संज्ञा पद का विलोम संज्ञा पद, विशेषण का विलोम विशेषण, क्रिया का विलोम क्रियापद और क्रियाविशेषण का विलोम क्रियाविशेषण ही होता है|

ध्यातव्य है कि विलोम शब्द के निर्माण में उपसर्गों की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है, उपसर्गों से बने विलोम शब्द निम्नलिखित हैं:

'अ' उपसर्ग जोड़कर बने विलोम शब्द: हिंसा-अहिंसा, न्याय-अन्याय, लौकिक- अलौकिक, सभ्य-असभ्य, सामान्य-असामान्य

'अन' उपसर्ग जोड़कर बने विलोम शब्द: अस्तित्व-अनस्तित्व, अंगीकार-अनंगीकार अभिज्ञ-अनभिज्ञ

'वि' उपसर्ग जोड़कर बने विलोम शब्द: योजन-वियोजन, सम्मुख-विमुख, देश-विदेश, राग- विराग

निस, निश, निष उपसर्ग जोड़कर बनने वाले विलोम शब्द: पाप-निष्पाप:, सक्रिय-निष्क्रिय तेज-निस्तेज, सचेष्ट-निश्चेष्ट

'अप' उपसर्ग जोड़कर बनने वाले विलोम शब्द: कीर्ति-अपकीर्ति, यश-अपयश, उत्कर्ष-अपकर्ष, मान-अपमान, सामान्य-अपसामान्य

'दूर' 'दुस' उपसर्ग जोड़कर बनने वाले विलोम शब्द: सुबोध-दुर्बोध, सत्कर्म-दुष्कर्म सुबोध-दुर्बोध, सुव्यवस्थित-दुर्व्यवस्थित, सज्जन-दुर्जन, सच्चरित्र-दुश्चरित्र

राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा विभिन्न परीक्षाओं में पूछे गए प्रश्न

UPPCS (Pre) Exam, 2012-23

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
आकुंचन	प्रसारण	अल्पज्ञ	बहुज्ञ	सम्मुख	विमुख
स्थावर	जंगम	पुरस्कार	तिरस्कार	भूत	भविष्य
मूक	वाचाल	प्रवेश	निकास	उन्मूलन	रोपण
प्रतिकूल	अनुकूल	अनिवार्य	ऐच्छिक	चिरन्तन	नश्वर
अनुरूप	अननुरूप	मसृण	रुक्ष	उत्कर्ष	अपकर्ष

UPPCS (main) Exam, 2019

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
परिचित	अपरिचित	पूर्ण	अपूर्ण	प्रिय	अप्रिय
जय	पराजय	शत्रु	मित्र	भय	निर्भय
विहित	निषिद्ध	स्निग्ध	अस्निग्ध	धरती	आकाश
आपत्ति	अनापत्ति				

UPPCS (Main) Exam, 2005

शोषक	पोषक	मूक	वाचाल	व्यष्टि	समष्टि
अर्वाचीन	प्राचीन	समास	व्यास	ऋजु	वक्र
अनंत	अंत	सृजन	विनाश	स्वार्थ	परमार्थ
आवर्तक	विवर्तक	अनुराग	विराग		

UPPCS (Main) Exam, 2006

विधवा	सधवा	निरामिष	सामिष	गुरु	लघु/दीर्घ/ज्येष्ठ

Nitin-Gupta.com

ग्राह्य	अग्राह्य	उत्तरायण	दक्षिणायन	उदयाचल	अस्ताचल
उत्कर्ष	अपकर्ष	आलोक	तिमिर	अवनि	अम्बर
अतिवृष्टि	अनावृष्टि	अपेक्षा	उपेक्षा	अल्पज्ञ	बहुज्ञ
अथ	इति				

UPPCS (Main) Exam, 2007

विधि	निषेध	भाव	अभाव	निर्दय	सदय
धृष्ट	विनम्र	तटस्थ	पक्षपाती	ग्रामीण	शहरी
कृश	पुष्ट	उद्धत	अनुद्धत	उत्कृष्ट	निकृष्ट
अलभ्य	लभ्य	अपव्यय	मितव्यय		

UPPCS (Main) Exam, 2008

ग्रस्त	मुक्त	महात्मा	दुरात्मा	स्मरण	विस्मरण
सूक्ष्म	स्थूल	आगामी	विगत	प्रधान	गौड़
पंडित	मूर्ख	विज्ञ	अज्ञ	विशेष	सामान्य
संधि	विग्रह				

UPPCS (Main) Exam, 2009

स्थावर	जंगम	वैभव	दैन्य	विभव	पराभव
संयोग	वियोग	स्थिर	अस्थिर	परमार्थ	स्वार्थ
उपादेय	अनुपादेय	अभिशाप	वरदान	ह्रास	वृद्धि
सुमति	कुमति	चुस्त	ढीला/लचर/सुस्त		

UPPCS (Main) Exam, 2010

थोक	फुटकर	उपचार	अनौपचार	कृत्रिम	प्राकृतिक
जोड़	घटाव	विधि	निषेध	अर्पित	गृहीत
उन्मुक्त	विमुख	धृष्ट	विनीत	भूगोल	खगोल
तृष्णा	वितृष्णा				

UPPCS (Main) Exam, 2011

सावधान	असावधान	रथी	विरथ	मानवता	दानवता
खंडन	मंडन	अभिमानी	निरभिमानी	वीर	कायर
कुसुम	पत्थर	सुलभ	दुर्लभ	अक्षर	क्षर
पंडित	मूर्ख				

UPPCS (Main) Exan, 2012

निवृति	प्रवृति	प्रसूति	अनुत्पत्ति	दीर्घ	लघु
कपटी	निष्कपट	समास	व्यास	असली	नकली
विधवा	सधवा	सुशील	दु:शील	दीर्घ	लघु
निरामिष	सामिष	मुख्य	गौण		

UPPCS (Main) Exam, 2014

पुष्ट	क्षीण	उपचय	अपचय	नैसर्गिक	कृत्रिम
व्यष्टि	समष्टि	अभिज्ञ	अनभिज्ञ	उपचय	अपचय

Nitin-Gupta.com

उदयाचल	अस्ताचल	जाग्रत	सुषुप्त	आवृत	अनावृत
भ्रांत	निर्भ्रांत	अज्ञ	विज्ञ		

UPPCS (Main) Exam, 2015

शब्द	**विलोम**	**शब्द**	**विलोम**	**शब्द**	**विलोम**
पुरस्कार	दंड/तिरस्कार	तरुण	वृद्ध	नूतन	पुरातन
संपन्न	विपन्न	अनंत	ससीम/अंत	कीर्ति	अपकीर्ति
आविर्भाव	तिरोभाव	शुष्क	आर्द्र	उपेक्षा	अपेक्षा
हर्स्व	दीर्घ				

UPPCS (Main) Exam, 2016

क्षणिक	शाश्वत	ध्वंस	सृजन	तेजस्वी	निस्तेज
आकर्षक	विकर्षण	अध्यवसाय	अनध्यव्यवसाय	अक्षर	क्षर
आविर्भाव	तिरोभाव	बर्बर	सभ्य	यथार्थ	कल्पित
गणतन्त्र	राजतंत्र				

UPPCS (Main) Exam, 2017

तामसिक	सात्विक	लुभावना	घिनौना	शर्मनाक	शानदार
उपार्जित	अनुपार्जित	मुखर	मौन	विहित	निषिद्ध
ऋजु	वक्र	तिरस्कार	सत्कार	समष्टि	व्यष्टि

UPPCS (Main) Exam, 2018

आवरण	अनावरण	कृतज्ञ	कृतघ्न	अधम	उत्तम
आहूत	अनाहूत	मान	अपमान	घात	प्रतिघात
वैतनिक	अवैतनिक	अज्ञ	विज्ञ	सकर्मक	अकर्मक
नैसर्गिक	कृत्रिम				

UPPCS (Main) Exam, 2020

विघ्न	निर्विघ्न	शोक	हर्ष	नीति	अनीति
लघु	गुरु	ज्ञानी	अज्ञानी	महान	तुच्छ
परकीय	स्वकीय	प्रसन्न	अप्रसन्न	पूर्व	पश्चात
सुषुप्ति	जागृति				

UPPCS (Main) Exam, 2021

वादी	प्रतिवादी	आगमन	प्रस्थान	सज्जन	दुर्जन/शठ/खल
सुपुत्र	कुपुत्र	सलज्ज	निर्लज़्ज	उदात्त	अनुदात्त
राग	विराग	अधिष्ठित	अनधिष्ठित	अनुक्रिया	प्रतिक्रिया

UPPCS (R.O./A.R.O.) Pre, 2010

शब्द	**विलोम**	**शब्द**	**विलोम**	**शब्द**	**विलोम**
साधु	असाधु	आदान	प्रदान	अग्रज	अनुज
उपेक्षा	अपेक्षा	विग्रह	संधि	सापेक्ष	निरपेक्ष
अनुरक्ति	विरक्ति	संकीर्ण	विस्तीर्ण	कृतज्ञ	कृतघ्न
अभिज्ञ	अज्ञ	अथ	इति	यथार्थ	कल्पित

Nitin-Gupta.com

UPPCS (R.O./A.R.O.) Pre, 2013

उन्मीलन	निमीलन	निर्दय	सदय	उक्त	अनुक्त
आविर्भाव	तिरोभाव	उत्कर्ष	अपकर्ष	अमर	मर्त्य
सामान्य	विशिष्ट	प्रत्यक्ष	परोक्ष	तिमिर	आलोक
उपकार	अपकार				

UPPCS (R.O./A.R.O.) Pre, 2014

निर्दय	सदय	ग्रस्त	मुक्त	बहिरंग	अंतरंग
स्पृश्य	अस्पृश्य	साहचार्य	अलगाव	सृष्टि	प्रलय
जंगम	स्थावर	अज्ञ	विज्ञ	गौरव	लाघव
विराट	सूक्ष्म/क्षुद्र				

UPPCS (R.O./A.R.O.) Pre2016

दीर्घायु	अल्पायु	व्यष्टि	समष्टि	भूगोल	खगोल
सहयोगी	प्रतियोगी	सुलभ	दुर्लभ	पोषक	शोषक
निषिद्ध	विहित	तृष्णा	वितृष्णा	उपमेय	अनुपमेय
जोड़	घटाव				

UPPCS (R.O./A.R.O.) Pre2017

स्थूल	सूक्ष्म/दुर्बल	पृथक	संयुक्त	उपयोग	अनुपयोग
हया	बेहया	अघी	निरघ	उद्यम	आलस्य
निषिद्ध	विहित	शुष्क	आर्द्र	अचल	चल
जारज	औरस	अल्पज्ञ	बहुज्ञ		

UPPCS (R.O./A.R.O.) Pre, 2021

आपत्ति	संपत्ति	अनुग्रह	विग्रह	आधुनिक	प्राचीन
अमृत	विष	अनुरक्ति	विरक्ति	गौरव	लाघव
आवर्तक	अनावर्तक	सदाचार	कदाचार	गणतन्त्र	राजतंत्र
आदृत	अनादृत/निरादृत	अदृत	तिरस्कृत	नैसर्गिक	कृत्रिम

UPPCS (R.O./A.R.O.) Main, 2010

जड़	चेतन	सहयोग	वियोग	अनंत	अंत
आकृष्ट	अनाकृष्ट/विकृष्ट	अनुग्रह	विग्रह	समास	व्यास
चिरायु	अल्पायु	विनत	उद्धत	क्षर	अक्षर
ऋजु	वक्र	विपत्ति	संपत्ति	आधार	निराधार

UPPCS (R.O./A.R.O.) Main, 2013

अंतर्मुखी	बहिर्मुखी	उत्कर्ष	अपकर्ष	अतिवृष्टि	अनावृष्टि
आकाश	पाताल	राजा	रंक/रानी/प्रजा	सगुण	निर्गुण
संयोग	वियोग	अपशकुन	शकुन		

UPPCS (R.O./A.R.O.) Main, 2014

अवर	प्रवर	जटिल	सरल	आयात	निर्यात
वादी	प्रतिवादी	आहूत	अनाहूत	प्रत्यक्ष	अप्रत्यक्ष
दृश्य	अदृश्य	आमिष/सामिष	निरामिष	अथ	इति

Nitin-Gupta.com

UPPCS (R.O./A.R.O.) Main RE EXAM, 2016

अधर्म	धर्म	जड़	चेतन	विराग	अनुराग
अर्वाचीन	प्राचीन	अनास्था	आस्था	गगनचुंबी	तलस्पर्शी
आघात	प्रतिघात	तांडव	लास्य	कुशल	अकुशल
अनेकता	एकता	अग्रज	अनुज	संयुक्त	असंयुक्त
ग्रस्त	मुक्त	सरस	नीरस	आविर्भूत	तिरोभूत
अनृत	ऋत				

UPPCS (R.O./A.R.O.) Main, 2017

सृष्टि	प्रलय	साहचर्य	अलगाव	असूया	अनसूया
जंगम	स्थावर	ईप्सित	अनीप्सित		

UPPCS (R.O./A.R.O.) Main, 2021

अपराधी	निरपराध	आग्रह	दुराग्रह	विग्रह	संधि
उन्मूलन	रोपड़	विहित	निषिद्ध	सरल	जटिल
आकीर्ण	विकीर्ण	थोक	फुटकर	मसृण	रूक्ष
सुकुमार	कमासूत	चिक्कण	खुरदुरा	आविर्भाव	तिरोभाव

U.P. LOWER SUB.EXAM (MAIN) 2002-2009

राग	द्वेष	करुण	निष्ठुर	उत्तम	अनुत्तम
निष्काम	सकाम	सुषुप्ति	जागरण	कीर्ति	अपकीर्ति
अभिज्ञ	अनभिज्ञ	विश्लेषण	संश्लेषण	भौतिक	अध्यात्मिक
समास	व्यास	अंतरंग	वहिरंग	छली	निश्छल
भोगी	योगी	अनुलोम	प्रतिलोम	सरल	कठिन
ग्रहण	त्याग	अति	न्यून	सापेक्ष	निरपेक्ष
प्राचीन	अर्वाचीन	स्वर्ग	नरक	मसृण	रूक्ष
जारज	औरस	अनुग्रह	दंड	श्रीगणेश	इतिश्री
विवेकी	अविवेकी	दुःखी	सुखी	असीम	ससीम

UPAPO EXAM (MAIN) 1982-2007

उत्थान	पतन	मधुर	कटु	धवल	कृष्ण
कनिष्ठ	ज्येष्ठ	स्थावर	जंगम	स्वर्ग	नरक
तिमिर	आलोक	आस्तिक	नास्तिक	परतंत्र	स्वतंत्र
उपकार	अपकार	अस्थिर	स्थिर	विपत	संपत
सुलभ	दुर्लभ	परुष	अपरूष	गुरु	शिष्य
गरीब	अमीर	नीरस	सरस	विषम	सम
निंदा	स्तुति	अनंत	शांत	अगम	सुगम
अनुकूल	प्रतिकूल	आदान	प्रदान	अधोगामी	ऊर्ध्वगामी
सामान्य	विशिष्ट	उदय	अस्त	उत्तीर्ण	अनुत्तीर्ण

Nitin-Gupta.com

कठोर	कोमल	स्थावर	जंगम	इहलोक	परलोक
आस्तिक	नास्तिक	अमृत	विष	प्रत्यक्ष	परोक्ष
प्रत्यक्ष	अप्रत्यक्ष	प्रस्थान	आगमन	आस्तिक	नास्तिक
परतंत्र	स्वतंत्र				

MPPCS EXAM (MAIN) 1989-2010

तुच्छ	महान	अपेक्षा	उपेक्षा	जंगम	स्थावर
अभिज्ञ	अनभिज्ञ	नीरोग	रोग	लजीला	निर्लज
विधवा	सधवा	निष्पाप	पाप	आरुढ	अनारूढ़
आविर्भाव	तिरोभाव	निकट	दूर	जीवन	मरण
कृत्रिम	प्राकृतिक	उत्थान	पतन	विकास	अविकास
अधोमुखी	उर्ध्वमुख	निरामिष	सामिष	अतिवृष्टि	अनावृष्टि
अंतरंग	बहिरंग	संश्लेषण	विश्लेषण	अनुराग	विराग
आकर्षण	प्रतिकर्षण	वरदान	अभिशाप	निंदा	स्तुति
उत्कृष्ट	निकृष्ट	कृतघ्न	कृतज्ञ	समास	व्यास
अर्वाचीन	प्राचीन	सापेक्ष	निरपेक्ष	आर्द्र	शुष्क
चंचल	सौम्य	निर्वाध	अबाध	उत्तम	अधम
तामसिक	सात्विक	जड़	चेतन	अधिमूल्यन	अवमूल्यन
आविर्भाव	तिरोभाव	बद्ध	अबद्ध	श्रव्य	वाच्य
शांत	अशांत				

JHARKHAND PCS (MAIN) 2006-2008

श्रोता	वक्ता	सुबोध	दुर्बोध	पूर्ववर्ती	परवर्ती
भूगोल	खगोल	रोगी	निरोगी	कल्पनातीत	काल्पनिक
उपसर्ग	प्रत्यय	एषण	निष्काम	विरोध	सहयोग
निंदनीय	वंदनीय	राजा	रंक	ज्योति	तम/तिमिर

CHATTISGARH PCS (MAIN) 2005

आभ्यंतर	वाह्य	उच्छवास	निःश्वास	आविर्भाव	तिरोभाव
अधुनातन	पुरातन	जारज	औरस		

IAS (HINDI COMPL) 1980-1994

निरक्षर	साक्षर	मूर्ख	पंडित	अंधकार	प्रकाश
विधवा	सधवा	मित्र	शत्रु	सदाचार	दुराचार
स्थावर	जंगम	गुप्त	प्रकट	नौकर	मालिक
आकाश	पाताल	मृत्यु	जीवन	ईमानदार	बेईमान
भौतिकता	आध्यात्मिकता	बाहर	अंदर	उन्मुख	विमुख
आयात	निर्यात	गहरा	उथला	उद्धत	अनुद्धत
आकर्षण	विकर्षण	अनभिज्ञ	अभिज्ञ	अनुलोम	विलोम
अकाल	सुकाल	उपकार	अपकार	सरल	कठिन
स्वर	व्यंजन	प्रतिकूल	अनुकूल	सदाचारी	दुराचारी

Nitin-Gupta.com

अनुरक्ति	विरक्ति	अगला	पिछला	नास्तिक	आस्तिक
आयात	निर्यात	आदि	अंत	मानव	दानव
सभ्य	असभ्य	बंधन	मुक्त	सूर्यास्त	सूर्योदय
अभिशाप	वरदान	अचल	चल	राष्ट्रप्रेम	राष्ट्रद्रोह
राम	रावण	स्वर्ग	नरक	सरल	कठिन
शुभ	अशुभ	हर्ष	विषाद	प्राचीन	अर्वाचीन
सगुण	निर्गुण	मधुर	कर्कश	सार्थक	निरर्थक
प्रवृत्ति	निवृत्ति	पक्ष	विपक्ष	एक	अनेक
बाहर	अंदर	अनुज	अग्रज	अभिमानी	निरभिमानी
आकाश	पाताल	पतन	उत्थान	अमीर	गरीब
मुश्किल	आसान	आवश्यक	अनावश्यक	लौकिक	अलौकिक
बहुमत	अल्पमत	जीवित	मृत	उदार	अनुदार
पराधीन	स्वाधीन	दूर	पास	विदेशी	स्वदेशी
कर्मठ	अकर्मठ	नीरस	सरस	दयालु	निर्दय
अधूरा	पूरा	आदरणीय	अनादरणीय	निर्माण	विनाश
घृणा	प्रेम	संस्कृति	असंस्कृति	निर्भीक	भयभीत
पुण्य	पाप	प्रशंसक	निंदक	औपचारिक	अनौपचारिक
सदाचार	दुराचार	हानिप्रद	लाभप्रद	संगठित	असंगठित
महायोगी	महाभोगी	भूषण	दूषण	पराजय	विजय

JOINT ENTRANCE (B.ED) EXAM, 2007 से वर्तमान तक

जड़	चेतन	नीरस	सरस	समर्थन	विरोध
श्वेत	श्याम	संकल्प	विकल्प	अवनत	उन्नत
करुण	निष्ठुर	मलिन	निर्मल	परोक्ष	प्रत्यक्ष
आदर्श	यथार्थ	सामूहिक	व्यक्तिगत	कृत्रिम	प्राकृतिक
संग्रह	विग्रह	ह्रास	विकास	अनायास	सायास
सुधा	हलाहल	करुण	निर्दय	दृश्य	अदृश्य
सूक्ष्म	स्थूल	इहलोक	परलोक	अज्ञ	विज्ञ
कुरूप	सुरूप	संक्षेपण	विस्तारीकरण	सामिष	निरामिष
आहूत	अनाहूत	आरोहण	अवरोहण	उन्नयन	अवनयन
अनुराग	विराग	नित्य	अनित्य	विपुल	स्वल्प
अभिज्ञ	अनभिज्ञ	अतिथि	अतिथेय	स्वकीया	परकीया
निषिद्ध	विहित	अनिवार्य	वैकल्पिक	थोक	खुदरा
कुरूप	सुरूप	उद्धत	विनत	राजा	प्रजा
प्रत्यय	उपसर्ग	घना	विरल	त्रिकुटी	भृकुटी
तीक्ष्ण	कुंठित	लक्षण	कुलक्षण	आकर्षण	अनाकर्षण
सम्मुख	विमुख	करुणा	निर्ममता	अंधकार	प्रकाश
अस्तित्व	अनस्तित्व	अश्लील	श्लील	अपेक्षित	अनपेक्षित
अंतर्मुखी	बहिर्मुखी	अनुरक्ति	विरक्ति	अधिकृत	अनधिकृत
अभिसरण	अपसरण	आग्नेय	वायव्य	कुसुम	पत्थर

Nitin-Gupta.com

सावधान	असावधान	उच्च	महान	जंगम	स्थावर
अपेक्षा	उपेक्षा	अनंत	शांत	प्रत्यक्ष	परोक्ष
कल्पना	यथार्थ	अदोष	सदोष	विशेष	सामान्य
अवशेष	निःशेष	विस्तृत	संक्षिप्त	दृश्य	अदृश्य
प्रशासक	निन्दक	औपचारिक	अनौपचारिक	विकास	ह्रास
समष्टि	व्यष्टि	प्राचीन	अर्वाचीन	विनीत	अविनीत/दुर्विनीत
उपार्जित	अनुपार्जित	ऊर्ध्व	अधः	उज्ज्वल	धूमिल
उन्नयन	अवनयन	आपूरित	रिक्त	आर्ष	अनार्ष
अशन	अनशन	अपना	पराया	अभिव्यक्त	अनभिव्यक्त
अस्तेय	स्तेय	अनधिकार	साधिकार		

(UPSSSC) द्वारा विभिन्न परीक्षाओं में पूछे गये विलोम से संबंधित प्रश्न

अनुरक्ति	विरक्ति	अश्लील	श्लील	अमर	मर्त्य
अर्जन	व्ययन	अनुरूप	प्रतिरूप	अमृत	विष
अग्रज	अनुज	अध	पूर्ण	आकाश	पाताल
आसक्त	विरक्त	आवाहन	विसर्जन	आवेशित	अनावेशित
आचार	अनाचार	आर्द्र	शुष्क	आदि	अन्त
आदर	निरादर	अमिष	निरामिष	आगत	अनागत
आशा	निराशा	आवृत	अनावृत	अनुकूल	प्रतिकूल
अनिवार्य	ऐच्छिक	अनुग्रह	विग्रह	अवर	प्रवर
अवनि	अम्बर	अतिवृष्टि	अनावृष्टि	अपव्यय	मितव्यय
अलभ्य	लभ्य	अनुलोम	प्रतिलोम	अधिकृत	अनधिकृत
अमित	परिमित	अवनत	उन्नत	अथ	इति
अल्पज्ञ	बहुज्ञ	अभिज्ञ /भिज्ञ/विज्ञ	अनभिज्ञ	अर्वाचीन	प्राचीन
अत्यधिक	अत्यल्प	अपशकुन	शकुन	ओजस्वी	कान्तिहीन
अंतर्मुखी	बहिर्मुखी	कथित	अकथित	ऋजु	वक्र
ऋतु	अनृत	ऐहिक	पारलौकिक	एकता	अनेकता
उपयोग	अनुपयोग	उपमेय	अनुपमेय	उत्तरायण	दक्षिणायन
उपकार	अपकार	उम्मीद	मायूसी	उत्कर्ष	अपकर्ष
उदार	अनुदार	उदात	अनुदात्त	उन्मीलन	निमीलन
उन्मूलन	रोपण	उदय	अस्त	उपत्यका	अधित्यका
उद्यम	आलस्य	उल्लास	नैरास्य	उत्थान	पतन
उत्तरीय	अधोवस्त्र	उपजाऊ	ऊसर	नया	पुराना
उक्त	अनुक्त	कृपण	उदार	उद्धत	विनीत
उथला	गहरा	ईप्सित	अनीप्सित	आभ्यन्तर	बाह्य
आवर्तक	विवर्तक	आविर्भाव	तिरोभाव	आकलन	विकलन
आवरण	अनावरण	निष्कलुष	कलुष	धनी	निर्धन
दिवस	विभावरी	दीर्घायु	अल्पायु	तृष्णा	वितृष्णा
तीक्ष्ण	मन्द	तिमिर	आलोक	तामसिक	सात्विक
जंगम	स्थावर	जटिल	सरल	जारज	औरस

Nitin-Gupta.com

ज्येष्ठ	कनिष्ठ	जोड़	घटाव	जड़	चेतन
छिछला	गहरा	चोर	साह	चिरन्तन	नश्वर
घृणा	प्रेम	गणतंत्र	राजतंत्र	ग्रस्त	मुक्त
गमन	आगमन	गौरव	लाघव	गुण	दोष
गुप्त	प्रकट	गाढ़ा	पतला	गति	मंद
गम्य	अगम्य	गौण	मुख्य	कृतज्ञ	कृतघ्न
कृश	हृष्ट- पुष्ट	कौटिल्य	आर्जव	कृत्रिम	प्राकृतिक
कर्कश	मधुर	कुटिल	ऋजु	महान	क्षुद्र
महान	तुच्छ	मसृण	रूक्ष	मूर्त	अमूर्त
भूगोल	खगोल	बहिरंग	अंतरंग	बंधन	मुक्ति
पृथक	संयुक्त	पोषक	शोषक	पुष्ट	क्षीण
प्रत्यक्ष	परोक्ष	परमार्थ	स्वार्थ	प्राचीन	अर्वाचीन
पृथ्वी	आकाश	प्रसारण	आकुंचन	प्रच्छन्न	प्रतिपन्न
परिश्रम	विश्राम	प्रभावी	निष्प्राभी	परुष	कोमल
प्रचुर	अल्प	पाश्चात्य	पौरस्त्य	प्रतिकूल	अनुकूल
न्यून	अधिक	निर्मल	मलिन	नश्वर	शाश्वत
निषिद्ध	विहित	निर्दय	सदय	निर्भीक	कायर
निरामिष	आमिष	निर्बल	सबल	निंदा	स्तुति
नवीन	प्राचीन	नष्ट	सर्जन	सुप्त	जागृत
सम	विषम	शोषक	पोषक	शुक्ल	कृष्ण
श्वेतांबर	दिगंबर	शुष्क	आर्द्र	शाश्वत	क्षणिक
शीत	उष्ण	विश्लेषण	संश्लेषण	वादी	प्रतिवादी
व्यष्टि	समष्टि	विग्रह	संधि	वैमनस्य	सौमनस्य
विराट	क्षुद्र	विकिर्ण	एकत्र	वृद्धि	क्षय
विमुख	उन्मुख	व्यास	समास	वक्ता	श्रोता
लौकिक	अलौकिक	लाघव	गौरव/विस्तार	लोक	परलोक
रथी	विरथ	राजा	रंक/प्रजा/राज	राग	विराग
राग	द्वेष	योगी	भोगी	यथार्थ	कृत्रिम
महात्मा	दुरात्मा	मधुर	तीक्ष्ण	मौन	मुखरता
मूक	वचन	मितव्य	अपव्यय	मुर्दनी	जीवन्तता
स्वर्ग	नरक	सहयोगी	प्रतियोगी	स्तब्ध	अस्तब्ध
स्मरण	विस्मरण	सुलभ	दुर्लभ	सामान्य	विशिष्ट
सजल	निर्जल	सापेक्ष	निरपेक्ष	साधु	असाधु
संधि	विग्रह	स्वजाति	विजाति	संयोग	वियोग
समास	विग्रह	संकीर्ण	विस्तृत	सौम्य	उग्र
स्वार्थ	निस्वार्थ	संपन्नता	निर्धनता	स्वधर्म	परधर्म
संतोष	असंतोष	सगुण	निर्गुण	स्तुत्य	हेय
सकाम	निष्काम	स्पृश्य	अस्पृश्य	स्वप्न	जागरण
साहचर्य	अलगाव	सृष्टि	प्रलय	सुषुप्ति	जागृति

Nitin-Gupta.com

सत्कार	तिरस्कार	समष्टि	व्यष्टि	सन्मार्ग	कुमार्ग
स्वाधीन	पराधीन	सूक्ष्म	स्थूल	स्वर्ग	नरक
सम्मुख	विमुख	शाश्वत	क्षणिक	लाभ	हानि
सफल	असफल	उत्तर	प्रश्न/दक्षिण/पूर्व	समष्टि	व्यष्टि
नैसर्गिक	कृत्रिम	प्रथम	अंतिम	अनुग्रह	विग्रह
आधुनिक	प्राचीन	अनुरक्ति	विरक्ति	अमृत	विष
गौरव	लाघव	सदाचार	कदाचार	आवर्तक	अनावर्तक
आदान	प्रदान	श्रीगणेश	इतिश्री	क्षणिक	शाश्वत
हर्ष	विषाद	ह्रास	वृद्धि	स्थावर	जंगम
स्थूल	दुर्बल/सूक्ष्म	सरल	कठिन		

अन्य महत्वपूर्ण विलोम शब्द

'अ'

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
अतिक्रमण	अनतिक्रमण	अधिकतम	न्यूनतम	अत्यधिक	अत्यल्प
अधिक	कम/अल्प	अति	न्यून	अचल	सचल
अच्युत	च्युत	अग्रगामी	पश्चगामी	अग्र	पश्च
अखंडनीय	खंडनीय	अक्षत	विक्षत	अकेला	दुकेला
असीम	ससीम	अव्यक्त	अभिव्यक्त	अकर्मक	सकर्मक
अकंटक	कंटकित	अंतिम	अनंतिम/आरंभिक	अंत	आदि
अंगीकार	अनंगीकर	अंदर	बाहर	अंत: करण	बहि: करण
अथ	इति	अवर	प्रवर	अनुदार	उदार
अल्पसंख्यक	बहुसंख्यक	अंधकार	प्रकाश	अपमान	सम्मान
अमर	मर्त्य	अस्त	उदय	अमावस्या	पूर्णिमा
अनुराग	विराग	अवनि	अम्बर	अनुग्रह	विग्रह
अरुचि	रुचि	अलभ्य	लभ्य	अमृत	विष
अगम	सुगम	अज्ञ	विज्ञ/प्रज्ञ	अग्रज	अनुज
अपेक्षा	उपेक्षा	अल्प	बहू	अंतर्मुखी	बहिर्मुखी
अनाथ	सनाथ	अध्यवसाय	अनध्यवसाय	अनंत	शांत
अधीन	स्वाधीन	अधिष्ठित	अनधिष्ठित	अधिमूल्यन	अवमूल्यन
अवगाह्य	अनवगाह्य	अधिगम्य	अनधिगम्य	अधिगत	अनधिगत
अधिकृत	अनधिकृत	अधिकारी	अनधिकारी	अद्यतन	अनद्यतन/पुरातन
अतुल	तुल्य	अतिवृष्टि	अनावृष्टि	अर्पण	ग्रहण
अर्थवान	अर्थहीन	अर्जित	अनर्जित	अर्जन	व्ययन
अमित	परिमित	अभिहित	अनभिहित	अभिसरण	अपसरण
अभिव्यक्त	अनभिव्यक्त	अभिलषित	अनभिलषित	अभिमुख	प्रतिमुख
अभिमानी	निरभिमानी	अर्थ	अनर्थ	अध्याय	अनाध्याय
अकाल	सुकाल	अतल	वितल	अभ्यस्त	अनभ्यस्त
अल्पायु	दीर्घायु	अचिंतनीय	चिंतनीय	अग्राह्य	ग्राह्य

Nitin-Gupta.com

अदोष	सदोष	अधुनातन	पुरातन	अवरोध	अनवरोध
अल्पकालीन	दीर्घकालीन	अंशत:	पूर्णत:	अधर्म	धर्म
अंकुश	निरंकुश	अकर्तव्य	कर्तव्य	अगम्य	गम्य
अकलुष	कलुष	असाध्य	साध्य	अवलम्ब	निरालम्ब
अजल	सजल	अधूरा	पूरा	अभिज्ञ	अनभिज्ञ
अमीर	गरीब	अपकार	उपकार	अर्वाचीन/नवीन	प्राचीन
अपेक्षित	अनपेक्षित/उपेक्षित	अपकर्ष	उत्कर्ष	अन्विति	अनन्विति
अन्वय	अनन्वय	अनुनासिक	निरानुनासिक	अनुशासित	अनुशासनहीन
अनुरूप	अननुरूप	अनुरक्ति	विरक्ति	अनुरक्त	विरक्त
अनुयायी	विरोधी	अनुमत	अननुमत	अनुभूत	अननुभूत
अनुभवी	अनुभवहीन	अनुभव	अनुभवहीनता	अनुक्रिया	प्रतिक्रिया
अनुकूल	प्रतिकूल	अनिवार्य	वैकल्पिक	अहंकार	अनहंकार
अस्त्रीकरण	निरस्त्रीकरण	अस्तित्व	अनस्तित्व	अशक्त	सशक्त
असूया	अनसूया	अशन	अनशन	अविच्छिन्न	विच्छिन्न
अवस्थित	अनवस्थित	अवलंबित	अनवलंबित	अवशेष	नि: शेष
अवगत	अनवगत	अवकाश	अनवकाश	अल्पमत	बहुमत
अल्पज्ञ	बहुज्ञ	अल्पप्राण	महाप्राण	अर्ह	अनर्ह
अहिंसा	हिंसा	अहंकारी	निरहंकार	अहंकार	अनहंकार
अस्वस्थ	स्वस्थ	अस्त्रीकरण	निरस्त्रीकरण	अस्तित्व	अनस्तित्व
अस्त	उदय	असूया	अनसूया	असुविधा	सुविधा
असीम	ससीम	असली	नकली	असंभव	संभव
अश्लील	श्लील	अशन	अनशन	अशक्त	सशक्त
अवशेष	नि: शेष	अविच्छिन्न	विच्छिन्न	अविचल	निचल
अवाक	सवाक	अवसर	अनवसर	अवनी	अंबर
अवनत	उन्नत	अवकाश	अनवकाश	अल्पायु	दीर्घायु
अल्पसंख्यक	बहुसंख्यक	अल्पमत	बहुमत	अल्पप्राण	महाप्राण
अल्पकालीन	दीर्घकालीन	अल्प	महा/बहु/प्रचुर	अर्हता	अनर्हता
अर्वाचीन	प्राचीन	अर्थ	अनर्थ	अर्जित	अनर्जित
अर्जन	व्ययन	अमीरी	गरीबी	अमीर	गरीब
अमावस्या	पूर्णिमा	अमित	परिमित	अमर	मर्त्य
अभ्यास	अनभ्यास	अभ्यस्त	अनभ्यस्त	अभिहित	अनभिहित
अभिसरण	अपसरण	अभिव्यक्त	अनभिव्यक्त	अभिलषित	अनभिलषित
अभिमुख	प्रतिमुख	अभिमानी	निरभिमानी	अभिप्रेत	अनभिप्रेत
अभिनंदनीय	निंदनीय	अभिज्ञता	अनभिज्ञता	अभिज्ञ	अनभिज्ञ
अपेक्षित	अनपेक्षित	अपेक्षा	उपेक्षा	अपराधी	निरपराध
अपमान	सम्मान	अपनापन	परायापन	अपना	पराया
अपकर्ष	उत्कर्ष	अन्वित	अनन्वित	अन्विति	अनन्विति
अन्वय	अनन्वय	अन्यायी	न्यायी/न्यायशील	अनुशासित	अनुशासनहीन
अनुलोम	प्रतिलोम	अनुराग	विराग	अनुरक्ति	विरक्ति

Nitin-Gupta.com

अनुयायी	विरोधी	अनुमत	अननुमत	अनुभूत	अननुभूत
अनुभवी	अनुभवहीन	अनुभव	अनुभवहीनता	अनुदार	उदार
अनुज	अग्रज	अनुग्रह	विग्रह	अनुक्रिया	प्रतिक्रिया
अनुकूलता	प्रतिकूलता	अनुकूल	प्रतिकूल/अननुकूल	अनिवार्य	निवार्य
अनाहूत	आहूत	अनाथ	सनाथ	अनाजी	फलाहारी
अनंत	शांत	अध्यवसाय	अनध्यवसाय	अधीन	अनधीन/स्वतंत्र
अधिष्ठित	अनधिष्ठित	अधिमूल्यन	अवमूल्यन	अधिगम्य	अनधिगम्य
अधिगत	अनधिगत	अधिकृत	अनधिकृत	अधिकारी	अनधिकारी
अधिकता	अल्पता	अधिकतम	अल्पतम	अधिक	न्यून/अल्प/थोड़ा
अधम	उत्तम	अदृश्य	दृश्य	अथ	इति
अथाह	छिछला	अत्यधिक	अत्यल्प	अतुल	तुल्य
अतिवृष्टि	अनावृष्टि	अतिक्रमण	अनतिक्रमण	अति	न्यून
अटल	डांवाडोल	अज्ञ	विज्ञ/प्रज्ञ	अच्युत	च्युत
अच्छाई	बुराई	अच्छा	बुरा/खराब	अग्रज	अनुज
अग्रगामी	पश्चगामी	अग्र	पश्च	अग्नि	जल
अगाड़ी	पिछाड़ी	अगवाड़ा	पिछवाड़ा	अगला	पिछला
अगम	सुगम	अखंडनीय	खंडनीय	अक्षम	सक्षम
अक्षत	विक्षत	अकेला	दुकेला	अकर्मक	सकर्मक
अकंटक	कंटकित	अंधेरा	उजाला	अंदर	बाहर
अंतिम	आरंभिक	अंतर्मुखी	बहिर्मुखी	अंतरंग	बहिरंग
अंत	आदि	अंगीकरण	अनंगीकरण	अनुकूल	प्रतिकूल
अनुराग	विराग	अवनि	अंबर	अतिवृष्टि	अनावृष्टि
अंधकार	प्रकाश	अल्पसंख्यक	बहुसंख्यक	अति	अल्प
अपमान	सम्मान	अग्नि	जल	अमर	मर्त्य
अनुरक्ति	विरक्ति	अनुलोम	प्रतिलोम	अस्त	उदय
अमावस्या	पूर्णिमा	अंत	आदि	अनुग्रह	विग्रह
अथ	इति	अरुचि	रुचि	अलभ्य	लभ्य
अमृत	विष	अगम	सुगम	अज्ञ	विज्ञ
अधम	उत्तम	अग्रज	अनुज	अपेक्षा	उपेक्षा
अल्प	बहु	अंतर्मुखी	बहिर्मुखी	अवनत	उन्नत
अल्पायु	दीर्घायु	अल्पज्ञ	बहुज्ञ	अंतरंग	बहिरंग
अवनति	उन्नति	अनाथ	सनाथ		

'आ'

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
आलंब	निरालंब	आवाहन	विसर्जन	आकुंचन	प्रसारण
आकांक्षा	अनाकांक्षा	आमिष	निरामिष	आहूत	अनाहूत
आस्था	अनास्था	आवरण	अनावरण	आपद	निरापद
आकार	निराकार	आहार	निराहार	आलोक	तिमिर

Nitin-Gupta.com

आयोजन	वियोजन	आशा	निराशा	आय	व्यय
आक्रमण	प्रतिरक्षा	आरोहण	अवरोहण	आदर	निरादर
आस्तिक	नास्तिक	आगमन	प्रस्थान	आर्त्ति	अनार्त्ति
आकर्षण	अनाकर्षण	आभ्यंतर	बाह्य	आसक्त	अनासक्त
आद्य	अन्त्य	आकर्षण	विकर्षण	आधार	आधेय
अध्यात्मवादी	भौतिकवादी	आकीर्ण	विकीर्ण	आग्रह	अनाग्रह
आकाश	पाताल	आयात	निर्यात	आदान	प्रदान
आत्मा	परमात्मा	आचार	अनाचार	आगामी	विगत
आविर्भाव	तिरोभाव	आधुनिक	प्राचीन	आहार्य	अनाहार्य
आस्तिकता	नास्तिकता	आसीन	अनासीन	आश्रित	अनाश्रित
आवर्षण	अनावर्षण	आवर्तक	अनावर्तक	आलसी	कर्मठ
आर्य	अनार्य	आराध्य	दुराराध्य	आरम्भ	अंत
आमदनी	खर्च	आमंत्रित	अनामंत्रित	आपसदारी	दुजायगी
आधिक्य	अनाधिक्य	आत्मनिर्भर	परनिर्भर	आडंबरपूर्ण	आडंबरहीन
आज्ञाकारी	अवज्ञाकारी	आच्छादित	अनाच्छादित	आगत	अनागत
आक्रामक	आक्रामित	आक्रांत	अनाक्रांत	आवृत	अनावृत
आवश्यक	अनावश्यक	आरुढ	अनारूढ	आख्यात	अनाख्यात
आकीर्ण	विकिर्ण	आतुर	अनातुर	आहूत	अनाहूत
आरोह	अवरोह	आस्था	अनास्था	आत्मोन्मुखी	परोन्मुखी
आप्त	अनाप्त	आनंदमय	विषादपूर्ण	आनंद	विषाद/शोक
आकंपित	निष्कंपित	आधार	निराधार	आग्रह	दुराग्रह
आर्द्र	शुष्क	आध्यात्मिक	भौतिक/सांसारिक	आत्मालंबी	परावलंबी
आदृत	अनादृत	आडंबर	सादगी	आहूत	अनाहूत
आहार्य	अनाहर्य	आहत	अनाहत	आस्था	अनास्था
आस्तिकता	नास्तिकता	आस्तिक	नास्तिक	आसीन	अनासीन
आसान	मुश्किल	आसक्त	अनासक्त	आश्रित	अनाश्रित
आशीर्वाद	अभिशाप	आशिष	अभिशाप	आशावादी	निराशावादी
आशा	निराशा	आवेशित	अनावेशित	आवृष्टि	अनावृष्टि
आवृत	अनावृत	आविर्भाव	तिरोभाव	आवश्यक	अनावश्यक
आवर्षण	अनावर्षण	आवर्तक	अनावर्तक	आलोक	अंधकार
आलसी	कर्मठ	आर्ष	अनार्ष	आर्य	अनार्य
आर्द्र	अनार्द्र	आरोह	अवरोह	आरुढ	अनारूढ
आराम	तकलीफ	आराध्य	दुराराध्य	प्रारंभिक	अंतिम
आरंभ	अंत	आयात	निर्यात	आय	व्यय
आमिष	निरामिष	आमदनी	खर्च	आमंत्रित	अनामांत्रित
आभ्यंतर	वाह्य	आबाद	सुना	आपसदारी	दुजायगी
आपत्ती	संपत्ति	आना	जाना	आनंदमय	विषादपूर्ण
आनंद	विषाद	आध्यात्मिक	सांसारिक	आधुनिक	प्राचीन
आधिक्य	अनाधिक्य	आदृत	अनादृत	आदि	अंत

Nitin-Gupta.com

आदान	प्रदान	आत्मनिर्भर	अनुजीवी	आतुर	अनातुर
आडंबरपूर्ण	आडंबरहीन	आडंबर	सादगी	आज्ञापालन	अवज्ञा
आज्ञाकारी	अनाज्ञाकारी	आजादी	गुलामी	आच्छादित	अनाच्छादित
आचार	अनाचार	आग्रह	दुराग्रह	आगामी	विगत
आगमन	प्रस्थान	आगत	अनागत	आक्रामक	आक्रामित
आक्रमण	प्रतिरक्षा	आकीर्ण	विकीर्ण	आकाश	पाताल
आकर्षक	अनाकर्षण	आकर्षक	अनाकर्षक	आभ्यंतर	बाह्य
आजादी	गुलामी	आसक्त	अनासक्त	आकर्षक	विकर्षण
आधार	आधेय	आकीर्ण	विकीर्ण	आग्रह	अनाग्रह
आय	व्यय	आलोक	अंधकार	आस्तिक	नास्तिक
आशा	निराशा	आर्द्र	शुष्क	आकाश	पाताल
आयात	निर्यात	आदान	प्रदान	आत्मा	परमात्मा
आचार	अनाचार	आगामी	विगत	आविर्भाव	तिरोभाव
आधुनिक	प्राचीन				

'इ'/'ई'

शब्द	**विलोम**	**शब्द**	**विलोम**	**शब्द**	**विलोम**
ईश्वरवादी	अनीश्वरवादी	ईमानदार	बेईमान	ईप्सित	अनीप्सित
ईश्वर	जीव	ईद	मुहर्रम	इकतरफा	दुतरफा
इति	अथ	इधर	उधर	इच्छित	अनिच्छित
इच्छुक	अनिच्छुक	इच्छा	अनिच्छा	इष्ट	अनिष्ट
इहलोक	परलोक	इज्जत	बेइज्जती	ईश	अनीश
ईहा	अनीहा				

'उ'/'ऊ'

शब्द	**विलोम**	**शब्द**	**विलोम**	**शब्द**	**विलोम**
उत्तीर्ण	अनुत्तीर्ण	उच्च	निम्न	उपयुक्त	अनुपयुक्त
उद्यम	निरुद्यम	उत्तम	अधम	उत्साह	निरुत्साह
उदात्त	अनुदात्त	उत्कर्ष	अपकर्ष	उपकार	अपकार
उत्कृष्ट	निकृष्ट	उदार	अनुदार	उन्मूलन	रोपण
उपसर्ग	प्रत्यय	ऊपर	नीचे	ऊंचा	नीचा
ऊंच	नीच	उल्लास	विषाद	उल्लंघन	अनुल्लंघन
उपार्जित	अनुपार्जित	उपादेय	अनुपादेय	उपस्थित	अनुपस्थित
उपलब्धि	अनुपलब्धि	उपलब्ध	अनुपलब्ध	उपरिलिखित	अधोलिखित
उपरि	अध:	उपयोगी	अनुपयोगी	उपयोग	अनुपयोग
उपयुक्त	अनुपयुक्त	उपयुक्तता	अनुपयुक्तता	उपमेय	अनुपमेय
उपमित	अनुपमित	उपजाऊ	अनुपजाऊ	उपगत	अनुपगत
उपकारक	अनुपकारक	उपकार	अपकार	उन्मूलन	रोपण
उन्मुख	विमुख	उन्मत्त	अनुन्मत्त	उन्नति	अवनति
उन्नत	अनुन्नत	उधार	नगद	उद्योगी	अनुद्योगी

Nitin-Gupta.com

उद्यमी	आलसी	उद्यम	आलस्य	उद्दत	अनुद्दत
उदभूत	अनुदभूत	उदभव	अवसान	उद्धृत	अनुद्धृत
उद्धत	सौम्य	उदित	अस्त	उदासीन	आसक्त
उदारता	अनुदारता	उदार	अनुदार	उदात्त	अनुदात्त
उदयाचल	अस्ताचल	उदय	अस्त	उदग्र	अनुदग्र
उत्सुकता	अनुत्सुकता	उत्साही	अनुत्साही	उत्साह	अनुत्साह
उत्पादक	अनुउत्पादक	उत्पन्न	अनुत्पन्न	उत्थान	पतन
उत्तेजित	अनुत्तेजित	उत्तेजन	प्रशमन	उत्तीर्ण	अनुत्तीर्ण
उत्तरी	दक्षिणी	उत्तरित	अनुत्तरित	उत्तरदायित्व	अनुत्तरदायित्व
उत्तम	अनुत्तम	उत्कृष्ट	निकृष्ट	उत्कृष्टता	निकृष्टता
उत्कर्ष	अपकर्ष	उतार	चढ़ाव	उतारना	चढ़ना
उठाना	गिराना	उठना	बैठना	उज्जवल	धूमिल
उच्छवास:	नि: श्वास	उचित	अनुचित	उच्च	अनुच्च
उचित	अनुचित	उग्र	सौम्य	उक्त	अनुक्त
उर्ध्व	अधर	ऊंच	नीच	ऊष्मा	शीतलता
उत्तीर्ण	अनुत्तीर्ण	उद्गम	विलय	उद्देश्य	निरुद्देश्य
उत्तमर्ण	अधमर्ण	उदार	अनुदार	उर्वरा	बंजर
उत्पत्ति	प्रलय	उत्थान	पतन	उत्तरार्द्ध	पूर्वार्द्ध

'ऋ'

शब्द	**विलोम**	**शब्द**	**विलोम**	**शब्द**	**विलोम**
ऋणग्रस्त	ऋणमुक्त	ऋण	धन	ऋद्धि	विपन्न
ऋजु	वक्र	ऋत	अनृत	ऋणात्मक	धनात्मक

'ए'/'ऐ'

शब्द	**विलोम**	**शब्द**	**विलोम**	**शब्द**	**विलोम**
ऐक्य	अनैक्य	ऐतिहासिक	अनैतिहासिक	ऐच्छिक	अनैच्छिक
ऐश्वर्य	अनैश्वर्य	ऐहिक	परलौकिक	एकाकी	दुकेला
एकांकी	अनेकांकी	एकार्थक	अनेकार्थक	एकाग्रचित्त	दुचित्ता
एकपक्षीय	बहुपक्षीय	एक	अनेक	एकनिष्ठ	सर्वनिष्ठ
एकश्रुत	बहुश्रुत	एकाग्रता	चंचलता	एकांगी	सर्वांगी
एकत्र	विकीर्ण	एकता	अनेकता	एड़ी	चोटी
एकतंत्र	बहुतंत्र	एकेश्वरवाद	बहुदेववाद	एषणा	अनैषणा

'ओ'/'औ'

शब्द	**विलोम**	**शब्द**	**विलोम**	**शब्द**	**विलोम**
औदार्य	अनौदार्य	औषधि	अनौषधि	औरस	दत्तक
औरत	आदमी	औपचारिक	अनौपचारिक	औचित्य	अनौचित्य
ओछा	गंभीर	ओत-प्रोत	विहीन	ओजस्वी	निस्तेज
औपचारिकता	अनौपचारिकता				

Nitin-Gupta.com

'क'

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
कहा	अनकहा	कसूरवार	बेकसूरवार	कल्पित	अकल्पित
कल्पनीय	अकल्पनीय	कलंकी	निष्कलंकी	कलंकित	निष्कलंक
कर्ता	अकर्ता	कमी	बहुतायत	कभी-कभी	सदा/हमेशा
कथ्य	अकथ्य	कथित	अकथित	कथनीय	अकथनीय
कठिन	सरल	कलुष	निष्कलुष	काम	निष्काम
कृश	पुष्ट	कलमी	बीजू	कुटिलता	सरलता
कुसंग	सुसंग	कर्षण	विकर्षण	कच्चा	पक्का
कर्मिष्ठता	अकर्मिष्ठता	कर्मण्य	अकर्मण्य	क्रोध	क्षमा
कुटिल	सरल	कपट	निष्कपट	कर्म	अकर्म
कनिष्ठ	ज्येष्ठ	कृतज्ञ	कृतघ्न	कृष्ण	श्वेत
कोप	कृपा	कृत्रिम	प्रकृत	क्रूर	अक्रूर
कर्कश	मधुर	कठोर	कोमल	कटु	मधुर
क्रय	विक्रय	करुण	निष्ठुर	कुरूप	सुरूप
कीर्ति	अपकीर्ति	क्रमिक	अक्रमिक	कोलाहल	शांति
कृष्ट	अकृष्ट	कृत्रिमता	अकृत्रिमता	कृतज्ञता	अकृतज्ञता
कृतकार्य	अकृतकार्य	के अंदर	के बाहर	के नीचे	के ऊपर
कृपण	दाता	किस्मतवर	बदकिस्मत	काला	गोरा
काल	अकाल	कामी	अकाम	कामयाबी	नाकामयाबी
कामयाब	नाकामयाब	काबिल	नाकाबिल	काट्य	अकाट्य
काज	अकाज	कहीं-कहीं	सब जगह,	कसा	ढीला
कल्पित	अकल्पित	कर्म	अकर्म	कमी	बहुतायत
कमजोर	तगड़ा	कम	ज्यादा	कपूत	सपूत
कथ्य	अकथ्य	कड़वा	मीठा	कठोर	कोमल
कंजूस	शाहखर्च	कड़ा	मुलायम	कुसुम	वज्र
कायर	साहसी	क्रमबद्ध	क्रमहीन	क्रोध	क्षमा
कदाचित	निश्चित				

'ख'

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
खूबसूरत	बदसूरत	खुशी	गम	खुशमिजाज	बदमिजाज
खुशकिस्मत	बदकिस्मत	खिला	मुरझाया	खरीद	बिक्री
खेचर	भूचर	खिझना	रिझाना	खुश	नाखुश
खग	मृग	खरीदना	बेचना	खगोल	भूगोल
खिलना	मुरझाना	खास	आम	खरा	खोटा
खंडन	मंडन	खंडित	अखंडित	खण्ड	अखण्ड
खाद्य	अखाद्य	खूबी	खामी	खेद	प्रसन्नता
खंडनीय	मंडनीय	खाली	भरा	खुला	बंद
ख्यात	कुख्यात	खलनायक	नायक		

Nitin-Gupta.com

'ग'

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
गगनचुंबी	तलस्पर्शी	गौण	मुख्य	गुरु	लघु
गुमसुम	बातूनी	गुनहगार	बेगुनाह	गुणी	निर्गुणी
गणनीय	अगणनीय	गोरी	सांवली	गेय	अगेय
गीत	अगीत	गूढ	प्रकट	गुरुत्व	लघुत्व
ग्रीष्म	शीत	ग्रथित	विकीर्ण	गद्द	पद्द
ग्राम्य	नगर	ग्रामीण	नागर	गीर्ण	उदगीर्ण
गोपनीय	प्रकाशनीय	ग्रहिता	दाता	गोचर	अगोचर
गुणाढ्य	गुणहीन	गमनीय	अगमनीय	गण्य	नगण्य
गृही	अगृही	गम्भीर	अगम्भीर	गमन	आगमन
गुण	दोष	गत	आगत	गृहस्थ	सन्यासी
गौरव	लाघव	गीला	सूखा	गगन	पृथ्वी
ग्राह्य	त्याज्य	ग्रस्त	मुक्त	गुप्त	प्रकट
गणतंत्र	राजतंत्र	ग्रहण	त्याग	गुढ	अगूढ़
गिरना	उठाना	गहरा	छिछला	गलत	सही
गरम	ठंडा	गरिमा	लघिमा		
गरीब	अमीर				

'घ'

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
घटित	अघटित	घटिया	बढ़िया	घातक	रक्षक
घटना	बढ़ना	घोष/सघोष	अघोष/निर्घोष	घोषित	अघोषित
घटक	समुदाय	घृणा	स्नेह/प्रेम	घना	विरल
घरेलू	बाहरी	घात	प्रतिघात	घाटा	मुनाफा
घर	बाहर	घनिष्ट	दूरस्थ		

'च'

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
चोरी/छिपे	डंके की चोट पर	चुस्त	ढीला	चिरस्थायी	अल्पस्थायी
चिकित्स्य	अचिकित्स्य	चिंत्य	अचिंत्य	चिंतित	अचिंतित
चाहा	अनचाहा	चढ़ना	उतरना/गिरना	चर	अचर
चित्र	विचित्र	चारु	अचारु	चाटुकार	स्वाभिमानी
चढ़ाव	उतार	चिंता	शांति	चेष्ट	निश्चेष्ट
च्युत	संयुत/अच्युत	चिरंजीवी	अल्पजीवी	चालाक	सीधा/भोला
चातुर्य	मूर्खता	चतुर	मूढ/मूर्ख	चरित्रवान	चरित्रहीन
चेतन	अचेतन	चंचल	अचंचल	चर्चित	अचर्चित
चल	अचल	चौर	अचौर	चोर	साह/साधू
चिरंतर	नश्वर	चाह	अनचाह	चपल	अचल
चिंतनीय	अचिंतनीय	चैन	बेचैनी	चिरायु	दीर्घायु/अल्पायु
चेतना	मूर्च्छा	चित्र	विचित्र		

Nitin-Gupta.com

'छ'

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
छोटा	बड़ा/लंबा	छिछला	गहरा	छिन्न	संलग्न/अच्छिन्न
छात्र	छात्रा	छाया	आतप/धूप	छंदबद्ध	छंदहीन
छूत	अछूत	छली	निश्छल	छांह	धूप
छुटकारा	बंधन	छादन	प्रकाशन		

'ज'

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
जोरदार	हलका	जुड़ा	बिछुड़ा/अलहदा	जीर्ण	अजीर्ण
जाना/पहचाना	अजनबी	जानकार	अनजान	जल्दी-जल्दी	धीरे-धीरे
जरूरी	गैरजरूरी	जड़ता	चेतनता	जंगली	घरेलू/पालतू
जीत	हार	ज्वलन	शमन	जेय	अजेय
जवानी	बुढ़ापा	जागना	सोना	जाड़ा	गर्मी
जनाकीर्ण	जनहीन	जितेंन्द्रिय	इंद्रियासक्त	जर्जर	दृढ़
जागरूक	उदासीन	जाति	विजाति	जिजीविषा	मुर्मूषा
जूस	ताक	जननी	जनक	जागृत	सुषुप्त/सुप्त
ज्वार	भाटा	जंगम	स्थावर	जीवन	मरण
जटिल	सरल	जातीय	विजातीय	जीवित	मृत
जल	स्थल/थल/निर्जल	ज्योति	तम	जड़	चेतन
जय	पराजय	जागरण	निद्रा	जन्म	मृत्यु/मरण
जानदार	बेजान	जालिम	रहमदिल	जागरूक	उदासीन

'झ'

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
झीना	त्रफ	झिल्लड़	गफ	झंझा	तूफान
झंकृत	निस्तब्ध	झगड़ा	शांति	झोपड़ी	महल
झूठ	सच				

'ट'/'ठ'/'ड'

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
ढाढ़स	त्रास	ढाल	समतल	ठीक	गलत
ठहरना	जाना	ठौर	कुठौर	ठोस	तरल/द्रव/खोखला
टूटना	जुड़ना	टीका	भाष्य	टल	अटल
ठिगना	लम्बा	डरपोक	निडर	डाल	पत्ती

'त'

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
तृषित	तृप्त	तुष्ट	रुष्ट	त्यक्त	ग्रहीत
तीक्ष्ण	कुन्द	त्याज्य	अत्याज्य	तीव्र	मन्द
तेज	हल्का	तृप्ति	अतृप्ति	तृप्त	अतृप्त
तुल्य	अतुल्य	तालीमयाफ़्ता	जाहिल	तारीफ	बुराई

Nitin-Gupta.com

तर्कसंगत	अतर्कसंगत	तर्कपूर्ण	कुतर्कपूर्ण	तर्क	वितर्क
तलवार	ढाल	तिक्त	मधुर	तेजस्वी	निस्तेज
तुलनीय	अतुलनीय	तृष्णा	वितृष्णा	तनुता	पुष्टता
तन्वंगी	स्थूलांगी	तनय	तनया	ताजा	बासी
तारुण्य	वार्द्धक्य	तरुण	वृद्ध	तुकांत	अतुकांत
तरल	ठोस	तामसिक	सात्विक	तुच्छ	महान
तप्त	शीतल	ताप	शीत	तिमिर	आलोक
तम	ज्योति	तंदरुस्त	कमजोर	तकलीफ	आराम
तट	मझदार	तंद्रा	जागरण		

'थ'

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
थाली	पत्तल	थकावट	स्फूर्ति	थोक	फुटकर
थाह	अथाह				

'द'

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
द्रुत	मंथर	दोषी	निर्दोष	देही	अदेह/विदेह
देश	विदेश	देनदार	लेनदार	दूरदर्शिता	अदूरदर्शिता
दूरदर्शी	अदूरदर्शी	दुष्परिणाम	सुपरिणाम	दुष्कर	सुकर
दुर्गति	सुगति	दुरुस्त	गड़बड़	दुखमय	सुखमय
दुखद	सुखद	दुआ	बद्दुआ	दिलेर	कायर
दिनांकित	अदिनांकित	दाह्य	अदाह्य	दागी	बेदाग
दलित	अदलित/सवर्ण	दर्शनीय	अदर्शनीय	दमनीय	अदमनीय
दक्ष	अदक्ष	दूरदृष्टि	मंददृष्टि	दुष्प्रवृत्ति	सद्प्रवृत्ति
दिवंगत	जीवित	देन	अदेन	देह	विदेह
दुराचार	सदाचार	दानी	कृपण	दरिद्र	संपन्न
दृश्य	अदृश्य	दाता	भिखारी	दैत्य	देव
दैविक	भौतिक	दुरवती	निकटवर्ती	दुराग्रह	आग्रह
दु: खान्त	सुखान्त	दीर्घ	ह्रस्व	दमित	उत्तेजित
दुर्दांत	शांत	दोष	गुण	दृष्ट	अदृष्ट
दुष्कृति	सुकृति	दुर्बुद्धि	सुबुद्धि	दु: साध्य:	सुसाध्य
दयालु	निर्दय	दंड	क्षमा	दास	स्वामी
दुर्लभ	सुलभ	दृढ़	अदृढ़	देशभक्ति	देशद्रोह
दक्षिण	उत्तर	दुर्बल/निर्बल	सबल	दूषित	स्वच्छ
दिवा	रात्रि	दीर्घकाय	कृशकाय	देय	अदेय
दुष्ट/दुर्जन	सज्जन	देव	दानव		

'ध'

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
ध्रुव	अस्थिर	धीरता	अधीरता	धारा	गगन

Nitin-Gupta.com

धूमिल	उज्जवल	धवन	कृष्ण	धृष्टि	नम्र
धीरोदात्त	धिरोद्धत	धैर्य	अधैर्य	धीरज	उतावली
धीर	अधीर	ध्वंस	सृजन	धनी	निर्धन

'न'

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
न्यायी	अन्यायी	न्यायपूर्ण	अन्यायपूर्ण	नपुंसक	पुंसत्ववान
नेकी	बदी	नेक	बद	नीरुजता	रुग्णता
निष्ठा	अनिष्ठा	निश्चय	अनिश्चय	निर्वाच्य	अनिर्वाच्य
निर्वाचनीय	अनिर्वाचनीय	निर्धनता	धनाढ्यता	निर्धारित	अनिर्धारित
निद्दिष्ट	अनिर्दिष्ट	निर्णीत	अनिर्णीत	निश्चेष्ट	सचेष्ट
निर्गुण	सगुण	निर्वाक	सवाक	निगमन	आगमन
निरर्थक	सार्थक	नि: सीम:	ससीम	निवृत्त	प्रवृत्त
निरावृत्त	आवृत्त	निरादर	सादर	निज	पर
निष्कंटक	कंटकाकीर्ण	नास्तिक	आस्तिक	नीरस	सरस
न्याय	अन्याय	निष्काम	सकाम	नैसर्गिक	कृत्रिम
निर्दय	सदय	निर्माण	विनाश	निर्दोष	सदोष
निर्मल	मलिन	नागरिक	ग्रामीण	नगर	ग्राम
निंदा	स्तुति	नश्वर	शाश्वत	नूतन	पुरातन

'प'

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
पूर्वपद	उत्तरपद	पूर्वकालीन	उत्तरकालीन	पूर्व	पश्चिम
परिश्रम	विश्राम	पुष्ट	क्षीण	प्राकृतिक	कृत्रिम
प्रवृत्ति	निवृत्ति	प्रधान	गौण	परुष	कोमल
परतन्त्र	स्वतन्त्र	पूर्ववर्ती	परवर्ती	पुरस्कार	दंड/तिरस्कार
परमार्थ	स्वार्थ	पाप	पुण्य	प्रशंसा	निंदा
प्रारंभिक	अंतिम	प्रलय	सृष्टि	प्रमुख	सामान्य
पक्ष	विपक्ष	पंडित	मूर्ख	परकीय	स्वकीय
परिच्छिन्न	अपरिच्छिन्न	परार्थ	स्वार्थ	पराजेय	अपराजेय
पराजित	अपराजित	पद्द	गद्द	पदस्थ	अपदस्थ
पठित	अपठित	पटु	अपटु	पक्षपात	निष्पक्ष
पक्षधर	विपक्षी	पक्व	अपक्व	प्रकृत	अप्रकृत
पावन	कलुषित	पूर्ण	अपूर्ण	प्रिय	अप्रिय
पाश्चात्य	पौर्वात्य	प्रदान	आदान	प्रफुल्ल	म्लान
पक्षपाती	निष्पक्ष	प्रकट	गुप्त	प्रशासक	निंदक
प्रस्थान	आगमन	पतनोन्मुख	विकासोन्मुख	पात्र	कुपात्र
प्रजातंत्र	राजतंत्र	प्रगति	प्रतिगमन	पसंद	नापसंद
पारदर्शक	अपारदर्शक	पवित्र	अपवित्र	प्रगतिशील	अप्रगतिशील
परिचित	अपरिचित	प्रवेश	निकास	प्रसिद्ध	अप्रसिद्ध
पूर्णता	अपूर्णता	परिणत	अपरिणत	पुष्प	कंटक

Nitin-Gupta.com

प्रियोक्ति	कटोक्ति	प्रशांत	उद्भ्रांत	प्रशस्त	संकुचित
प्रामाणिक	अप्रामाणिक	प्रथम	अंतिम	प्राची	प्रतिची
प्रकाशन	गोपन	पृष्ठभाग	अग्रभाग	पूर्वान्ह	अपरान्ह
पुण्यात्मा	दुरात्मा	पुण्यवान	पापी	परिमित	अपरिमित
प्रख्यात	कुख्यात	पर	अपार/स्व	पतित	अपतित
पंथ	कुपंथ	पालक	घालक	पर्णकुटी	प्रासाद
प्राप्त्याशा	दुराशा	पराजय	जय/विजय	पूर्व	पश्चिम
प्रकाश	अंधकार	प्रमेय	अप्रमेय	प्रबुद्ध	बुद्धिहीन
प्रच्छादन	अनाच्छादन	पौरुष	स्त्रीत्व	पृथक	संयुक्त
पूर्वार्द्ध	उत्तरार्द्ध	पार्थिव	अपार्थिव	पापचेता	पापयुक्त
परोक्ष	अपरोक्ष	पीड़ित	पीड़क	परिग्रह	अपरिग्रह
परायत्त	स्वायत्त	पराधीन	स्वाधीन	पाठ्य	अपाठ्य

'फ'

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
फैलना	सिकुड़ना	फायदा	नुकसान	फलित	अफलित
फलाहारी	अनाजी	फुल्ल	म्लान	फल/फलदायी	प्रतिफल/निष्फल
फूल	कांटा				

'ब'

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
ब्याहा	अनब्याहा	बेमेल	संगत	बेदम	दमदार
बेडौल	सुडौल	वृहत	लघु	बाधित	अबाधित
बहुत	ज्यादा	बहुधा	यदा/कदा	बावची	बावर्चिन
बद्ध	मुक्त/अबद्ध	बुद्धिमान	बुद्धिहीन/मूर्ख	बोधगम्य	अबोधगम्य
बोध्य	अबोध्य	बाध्य	अबाध्य	बोध	अबोध
बुद्धिमत्ता	मूर्खत्ता	बहिश्त	दोजख	बर्बर	सभ्य
बाढ़	सूखा	बलवान	बलहीन	बाह्य	अभ्यन्तर
बंधन	मुक्ति				

'भ'

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
भूतपूर्व	अभूतपूर्व	भीतर	बाहर	भाग्यवान	अभागा/बदकिस्मत
भरा	खाली/छूछा	भयभीत	निर्भय	भय	साहस
भद्रता	अभद्रता	भग्न	अभग्न	भजनीय	अभजनीय
भंगुर	अभंगुर	भिक्षुक	दाता	अभिज्ञ/भिज्ञ	अनभिज्ञ
भोज्य	अभोज्य	भाग्य	दुर्भाग्य	भंजक	योजक
भगवान	भगवती	भ्रांत	निर्भ्रांत	भिन्न	अभिन्न
भावी	भूत	भूमिका	उपसंहार	भोग्य	अभोग्य
भुक्त	अभूक्त	भोक्ता	उपभोक्ता	भव्य	सामान्य/फूहड़
भयाक्रांत	भयशून्य	भाव	अभाव	भय	अभय
भूषण	दूषण	भक्ष्य	अभक्ष्य	भेद	अभेद

Nitin-Gupta.com

भद्र	अभद्र	भौतिक	अध्यात्मिक	भोगी	योगी
भूत	भविष्य				

'म'

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
मौलिक	बनावटी	मौका	बेमौका	मोहित	अमोहित
मूर्त	अमूर्त	मूर्छित	सचेत/सजग	मूढ़	ज्ञानी
मुलायम	कड़ा/ कठोर/सख्त	मुमकिन	नामुमकिन	मुग्ध	अमुग्ध
मुख्य	गौण	मुक्त	बद्ध	मिश्रित	अमिश्रित
मितव्ययी	अपव्ययी	मार्जित	अमार्जित	मान्य	अमान्य
महान	तुच्छ	महत्त्वपूर्ण	महत्त्वहीन	महत्ता	लघुता
महत्	लघु	मर्यादित	अमर्यादित	मत्त	अमत्त
महायोगी	महाभोगी	मोक्ष	बन्धन	मूल	निर्मूल
मुदित	खिन्न	ममता	निर्ममता	मनोरम	वीभत्स
मेल	वैमनस्य	मिलन	विरह/विच्छेद/वियोग	मित्र	शत्रु
मूल्यवान	मूल्यहीन	मूल्य	अमूल्य	मृत्यु	जीवन
मान	अपमान	मधुर	कटु	मित	अमित
मुक्ति	बंधन	महल	झोपड़ी	मालिन	निर्मल/अमलिन
मसृण	रूक्ष	मिथ्या	सत्य	महत्तम	लघुत्तम
मन: स्थैर्य	मन: दौर्बल्य	मतैक्य	मतभेद	मंथर	क्षिप्र
मैत्री	अमैत्री	महिमा	लघिमा	मनसा	कर्मणा
मंगल	अमंगल	मंद	द्रुत	मुसीबत	आराम
मुनाफा	नुकसान	मृत	जीवित	महात्मा	दुरात्मा
मुख	प्रतिमुख	महाशय	क्षुद्राशय	ममत्व	परत्व
मृदुल	कठोर	मुक	वाचाल	मानवीय	अमानवीय
मानवता	नृशंसता	मनुष्य	पशु	मनुज	दनुज
मानव	दानव				

'य'

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
योग्य	अयोग्य	यथार्थ	काल्पनिक	याचक	दाता
यश	अपयश	यशस्वी	अयशस्वी	यथेष्ट	अल्प
यौवन	बुढ़ापा	यति	गृहस्थ	युयुत्सा	मैत्री
योग	वियोग	यौगिक	अयौगिक	योग्यता	अयोग्यता
योग्य	अयोग्य	योगी	भोगी	युवा	वृद्ध
युद्ध	शांति	युक्तियुक्त	अयुक्तियुक्त	याचित	अयाचित
याचक	याचक	यश	अपयश	यथार्थ	अयथार्थ

'र'

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
रौद्र	अरौद्र	रूढ़िबध्द	रूढ़िमुक्त	रसिक	अरसिक

Nitin-Gupta.com

रद्द	बहाल	रचित	अरचित	रक्षित	अरक्षित
राष्ट्र-प्रेम	राष्ट्र-द्रोह	राग	विराग	रव	नीरव
रिपु	मित्र	रसवान	नीरस/रसहीन	रोगी	नीरोग
रहित	सहित	रिक्त	पूर्ण	रूपवान	कुरूप
रचना	ध्वंस	रति	विरति	राग	द्वेष
रागी	विरागी	राजतंत्र	जनतंत्र	रक्षक	भक्षक
रोना	हंसना	रोचक	अरोचक	रूक्ष	मृदु
रुचिकर	अरुचिकर	रुचि	अरुचि	रात	दिन
राजा	रंक	रहमदिल	बेरहम	राम	श्याम/रावण
रोहण	अवरोहण	रथी	पैदलसैनिक		

'ल'

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
लोहित	अलोहित	लोकप्रिय	अलोकप्रिय	लुभावना	घिनौना
लाभप्रद	हानिप्रद/अलाभकर	लाभदायक	हानिकारक	लापरवाह	सावधान
लगातार	रुक-रुककर	लिखित	अलिखित/मौखिक	लोभ	निर्लोभ
लोक	परलोक	लौकिक	अलौकिक	लालसा	विरक्ति
लब्ध	प्रदत्त	लक्षित	अलक्षित	लजीला	बेशर्म
लज्जालु	निर्लज्ज	लंघनीय	अलंघनीय	लचीला	कठोर
लिप्त	निर्लिप्त	लघु	गुरु/दीर्घ	लंबा	ठिगना/नाटा
लचकीला	कड़ा	लायक	नालायक	लेना	देना
लक्ष्य	अलक्ष्य	लंबाई	चौड़ाई	लालसा	विरक्ति

'व'

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
विभक्त	अविभक्त	विबुध	अविबुध	विपन्न	अविपन्न
विपद्	संपद	विपत्ति	सम्पत्ति	विनश्वर	अविनश्वर
विनीत	अविनीत	विनय	अविनय	विनम्र	अविनम्र
विधिसम्म्त	विधिविरुद्ध	विधेयात्मक	निषेधात्मक	विधिक	अविधिक
विधि	निषेध	विधवा	सधवा	विद्दमान	अविद्दमान
विदित	अविदित	विदग्ध	अविदग्ध	विजय	परास्त
विचारित	अविचारित	विचारवान	अविचारी	विचलित	अविचलित
विख्यात	बेनाम	विक्षुब्ध	अविक्षुब्ध	विकृत	अविकृत
विकास	विनाश/ह्रास	विकारी	अविकारी	विकसित	अविकसित
वास्तविक	अवास्तविक	वादी	प्रतिवादी	वाजिब	गैरवाजिब
वांछनीय	अवांछनीय	वस्त्रधारी	वस्त्रहीन/विवस्त्र	वसंत	पतझड़
वर्णनीय	अवर्णनीय	वर	वधू	वयस्क	अवयस्क/नाबालिग
वफादार	बेवफा	वचनबद्ध	वचनमुक्त	वक्र	ऋजु
व्यापक	अव्यापक	व्यस्त	अव्यस्त	व्यष्टि	समष्टि
व्यवहृत	अव्यवहृत	व्यवस्थित	अव्यवस्थित	व्यवस्था	अव्यवस्था
व्यभिचारी	सदाचारी	व्यग्र	अव्यग्र/शांत	वैयक्तिक	सामूहिक

Nitin-Gupta.com

व्यक्त	अव्यक्त	वैधानिक	अवैधानिक	वैध	अवैध
वैदिक	अवैदिक	वैज्ञानिक	अवैज्ञानिक	वृष्टि	अनावृष्टि
वृद्धि	ह्रास	वीर	कायर	विहित	निषिद्ध
विस्मरणीय	अविस्मरणीय	विस्तृत	संकुचित/संक्षिप्त	विस्तीर्ण	संकीर्ण
विश्वास	अविश्वास	विश्वस्त	अविश्वस्त	विश्वसनीय	अविश्वसनीय
विशुद्ध	अविशुद्ध	विशेष	सामान्य	विशेषज्ञ	सर्वज्ञ
विशिष्ट	सामान्य	विशाल	लघु	विवेकी	अविवेकी
विवाहित	अविवाहित	विराट	क्षुद्र/लघु	विरल	सघन
वियोज्य	अवियोज्य	विमुख	उन्मुख	वियोग	संयोग
वृहत	लघु/क्षुद्र	विशालकाय	क्षीणकाय	विजेता	विजित/परास्त
विश्वासपात्र	विश्वासघाती	विषाद	हर्ष	विस्तार	संक्षेप
मूर्ख	विद्वान	वैमनस्य	सौमनस्य	वेदना	आनंद
विपुल	स्वल्प	विश्लेषण	संश्लेषण	विक्षुब्ध	अविक्षुब्ध
विकर्मी	दिव्यकर्मी	विस्तारण	संकोचन	वर्ण	विवर्ण
विभ्रांत	शान्त	विस्मरण	स्मरण	वंध्या	उर्वरा
वैषम्य	साम्य	विश्रांत	श्रांत/क्लान्त	विभाज्य	अविभाज्य
विद्या	अविद्या	वर्जनीय	ग्रहणीय	वध्य	अवध्य
वंदनीय	निंदनीय	विदेशी	स्वदेशी	वरिष्ठ	कनिष्ठ
विष	अमृत	विस्तार	संक्षेप	विघ्न	निर्विघ्न
विभव	पराभव	विवाद	निर्विवाद	व्यावहारिक	अव्यावहारिक
व्याप्य	अव्याप्त				

'स'

शब्द	**विलोम**	**शब्द**	**विलोम**	**शब्द**	**विलोम**
सहयोगी	प्रतियोगी	सबल	दुर्बल	सगुण	निर्गुण
सुकर्म	कुकर्म	सकर्म	निष्कर्म	स्वजाति	विजाति
सरल	कुटिल	सफल	विफल	सजीव	निर्जीव
सम	विषम	सृजन	नाश	सुस्त	चुस्त
सुसाध्य	दु: साध्य:	सुषुप्ति	जागरण	सुव्यवस्था	अव्यवस्था
सुविधा	असुविधा	सुविचार	कुविचार	सुलक्षण	कुलक्षण
सुरक्षा	असुरक्षा	सुयश	अपयस	सुमुख	दुर्मुख
सुमार्ग	कुमार्ग	सुमति	कुमति	सुबोध	दुर्बोध
सुफल	कुफल	सुप्रबंध	कुप्रबंध	सुपुत्र	कुपुत्र
सुपाच्य	कुपाच्य	सुनाम	दुर्नाम	सुधार्य	असुधार्य
सुगती	दुर्गति	संगठन	विघटन	स्वधर्म	विधर्म
सन्यासी	गृहस्थ	संकल्प	विकल्प	सुधा	गरल/हलाहल
संतोष	असंतोष	सशंक	निश्शंक	स्मरण	विस्मरण
स्तुति	निंदा	सुपथ	कुपथ	सुलभ	दुर्लभ
सुगंध	दुर्गंध	सरकार	निराकार	सम्मान	अपमान
स्वतंत्रता	परतंत्रता	समीपवर्ती	दूरवर्ती	समीप	दूर
समाप्त	असमाप्त	समान	असामान	समस्त	असमस्त

Nitin-Gupta.com

समर्थित	असमर्थित	समर्थन	विरोध	सामर्थ्यवान	सामर्थ्यहीन
सामर्थ्य	असामर्थ्य	समर्थकता	असमर्थकता	समरूप	असमरूप
सुगंधित	दुर्गंधित	सुख्यात	कुख्यात	सुखान्वित	दुखान्वित
सुखद	दुखद	सुकृत्य	कुकृत्य	सुकीर्ति	अपकीर्ति
सुंदर	भद्दा	सीमित	असीमित	सीधा	उल्टा
सिद्धि	असिद्धि	साहसी	दुस्साहसी	साहस	दुस्साहस
सावधानी	असावधानी	सार्वजनिक	वैयक्तिक	सारयुक्त	निस्सार
सामंजस्य	असामंजस्य	साधुता	असाधुता	साधित	असाधित
साधार	निराधार	साक्षरता	निरक्षरता	सांसारिक	पारलौकिक
सांप्रदायिक	असांप्रदायिक	हृदय	हृदयहीन	समतल	असमतल
सभेद	अभेद	समझदार	नासमझ	समंजित	असमंजित
सन्निहित	असन्निहित	सदव्यवहार	दुर्व्यवहार	सदुपयोग	दुरुपयोग
सदाचारी	अनाचारी	सत्संग	कुसंग	सत्यशील	असत्यशील
सत्यवादी	असत्यवादी	सत्कर्मी	कुकर्मी	सजीवता	निर्जीविता
स्पष्टता	अस्पष्टता	स्पर्धा	सहयोग	स्थिरचित	अस्थिरचित
स्थायी	अस्थायी	स्तब्ध	अस्तब्ध	स्वादिष्ट	स्वादहीन
स्वीकृत	अस्वीकृत	स्वीकार्य	अस्वीकार्य	स्वास्थ्यकर	अस्वास्थ्यकर
स्वावलंबी	परावलंबी	स्वच्छ	अस्वच्छ	स्याह	सफेद
स्मरणीय	विस्मरणीय	स्फुट	अस्फुट	स्पृश्य	अस्पृश्य

'ह'

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
होनी	अनहोनी	हितकर	अहितकर	हथियारबंद	निहत्था
हत	अहत	हानिप्रद	लाभप्रद	हताश	आशावान
हित	अहित	हिंसा	अहिंसा	ह्रास	वृद्धि
ह्रस्व	दीर्घ	हास	रूदन	हितकारी	अहितकारी
हिंसक	अहिंसक	हार	जीत	हल्का/फुल्का	भारी/भरकम
हर्ष	विषाद	हयादार	बेहया	हमदर्द	बेदर्द
हमारा	तुम्हारा	हंसना	रोना	हरियाली	सुखा

'क्ष'/'त्र'/'ज्ञ'

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
क्षीण	पुष्ट	क्षमता	अक्षमता	क्षत	अक्षत
क्षुद्र	विराट/विशाल	क्षम्य	अक्षम्य	क्षणिक	शाश्वत
क्षर	अक्षर	ज्ञेय	अज्ञेय	ज्ञान	अज्ञान
ज्ञानी	अज्ञानी	त्रिकुटी	भृकुटी	त्रिकोण	षट्कोण
क्षति	लाभ	क्षमा	दण्ड	क्षुण्ण	अक्षुण्ण
क्षुब्ध	शांत				

Nitin-Gupta.com

'श्र'

शब्द	**विलोम**	**शब्द**	**विलोम**	**शब्द**	**विलोम**
श्रुतिमधुर	कर्णकटु	श्रांत	अश्रांत	श्रवण	दर्शन
श्रीमान	श्रीमती	श्राप	आशीर्वाद	श्रुत	अश्रुत
श्रव्य	अश्रव्य	श्रेष्ठ	निम्न/अधम	श्रोता	वक्ता
श्रम	विश्राम	श्रद्धा	अश्रद्धा	श्रीगणेश	इतिश्री
श्रद्धा	घृणा				

Nitin-Gupta.com

UPPSC WALLAH

Download All Subject Free PDF

- General Knowledge
- Child Development and Pedagogy
- Current Affairs
- History
- Maths
- Geography
- Reasoning
- Economics
- Science
- Polity
- Computer
- Environment
- General Hindi
- MP GK
- General English
- UP GK

Join Our Best Course

- GK Trick By Nitin Gupta
- Current Affairs

Daily Current Affairs PDF, Best Test Series, Best GK PDF के लिए हमें Follow करें

हमें FOLLOW करें

- Telegram
- Whatsapp
- Instagram
- Apps
- Youtube

GK Trick By Nitin Gupta
The Ultimate Key to Success.

Welcome To

GK TRICK BY NITIN GUPTA APP

यहाँ पर आपको मिलेगा

- Best PDF Notes For All Exams
- Best Test Series For All Exams
- Daily Current Affairs PDF
- सभी Course बहुत ही कम Price पर
- सभी Test Detail Discription के साथ व Analysis करने को सुविधा